ॐ गं गणपतये नमः

शुभ 卐 लाभ

जन्मपत्रिका

Bhrigu Patrika

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

जन्मपत्रिका

Bhrigu Patrika

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	23/08/1990
दिन	गुरुवार
जन्म समय	15:18:17 घंटे
इष्ट	23:26:44 घटी
स्थान	Delhi
देश	India
अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे

Future Point Future Point Future Point

Bhrigu Patrika

Future Point Future Point Future Point

Model: BhriguPatrika

Order No: 119664 Date: 07/09/2013

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/08/1990**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**15:18:17 घंटे**
इष्ट	23:26:44 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India
अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:57:09 घंटे
वेलान्तर	-00:02:43 घंटे
साम्पातिक काल	13:02:52 घंटे
सूर्योदय	05:55:35 घंटे
सूर्यास्त	18:51:34 घंटे
दिनमान	12:55:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	06:17:17 सिंह
लग्न के अंश	08:07:36 धनु

दादा का नाम	
पिता का नाम	
माता का नाम	
जाति	
गोत्र	
राष्ट्रीय संवत शक	2047 / 1912
माह	भाद्रपद
प्रविष्टे	1
सूर्योदय कालीन तिथि	3
तिथि समाप्ति काल	17:15:09
जन्म तिथि	3
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	उत्तराफाल्गुनी
नक्षत्र समाप्ति काल	12:46:58 घंटे
जन्म नक्षत्र	हस्त
सूर्योदय कालीन योग	साध्य
योग समाप्ति काल	25:22:29 घंटे
जन्म योग	साध्य
सूर्योदय कालीन करण	गर
करण समाप्ति काल	17:15:09 घंटे
जन्म करण	गर
भयात	06:18:14
भभोग	63:34:33
भोग्य दशा काल	चंद्र 8 वर्ष 11 मा 29

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	साध्य
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पू-पुरुषोत्तम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कंया

घात चक्र

मास	भाद्रपद
तिथि	5-10-15
दिन	शनिवार
नक्षत्र	श्रवण
योग	शुक्ल
करण	कौलव
प्रहर	1
वर्ग	मार्जार
लग्न	मीन
सूर्य	मेष
चन्द्र	मिथुन
मंगल	वृष
बुध	मीन
गुरु	मिथुन
शुक्र	कर्क
शनि	मीन
राहु	सिंह

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	स्वामी	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	08:07:36	000:00:00	मूल	3	19	केतु	गुरु	---
सूर्य			सिंह	06:17:17	00:57:51	मघा	2	10	केतु	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			कंया	11:20:10	12:42:09	हस्त	1	13	चंद्र	मंग	मित्र राशि
मंग			वृष	02:04:18	00:32:25	कृतिका	2	3	सूर्य	गुरु	सम राशि
बुध			सिंह	29:37:05	00:11:54	उत्तराफाल्गुनी	1	12	सूर्य	राहु	मित्र राशि
गुरु			कर्क	07:20:36	00:12:32	पुष्य	2	8	शनि	केतु	उच्च राशि
शुक्र			कर्क	17:52:44	01:13:36	आश्लेषा	1	9	बुध	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		धनु	25:43:25	-00:02:48	पूर्वाषाढ़ा	4	20	शुक्र	बुध	सम राशि
राहु			मक	13:24:29	-00:03:21	श्रवण	2	22	चंद्र	राहु	मित्र राशि
केतु			कर्क	13:24:29	-00:03:21	पुष्य	4	8	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	12:04:33	-00:01:05	मूल	4	19	केतु	बुध	---
नेप	व		धनु	18:19:30	-00:00:57	पूर्वाषाढ़ा	2	20	शुक्र	राहु	---
प्लू			तुला	21:27:59	00:00:57	विशाखा	1	16	गुरु	गुरु	---
दशम भाव			कंया	23:19:29	--	हस्त	--	13	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:49

लग्न-चलित

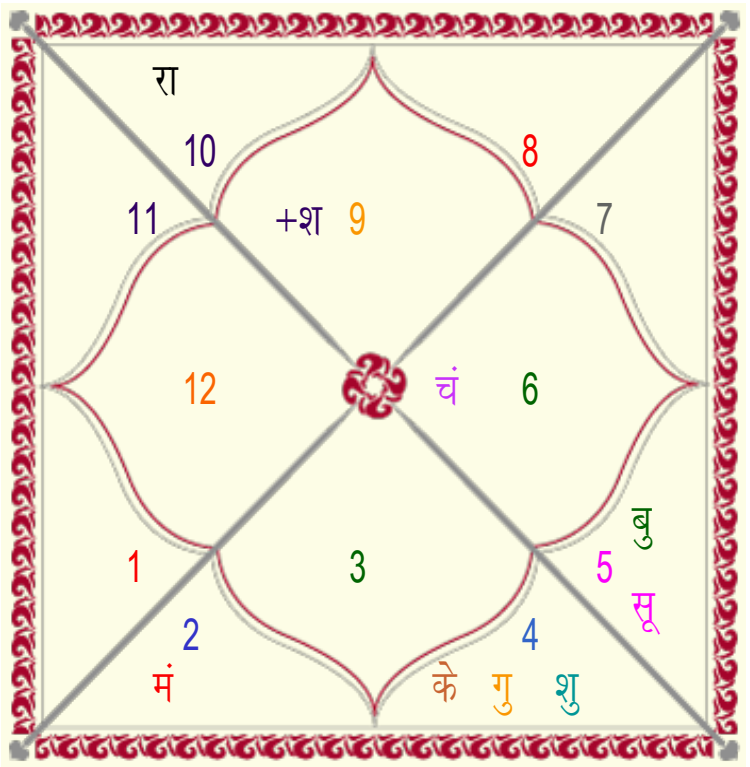

चन्द्र कुंडली

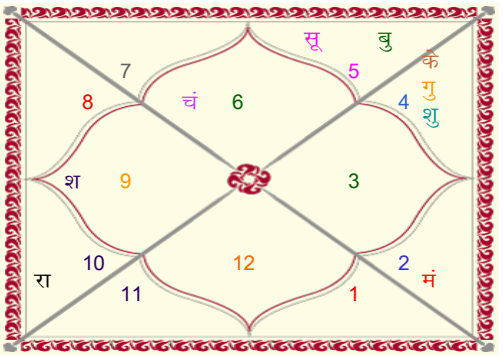

नवमांश कुंडली

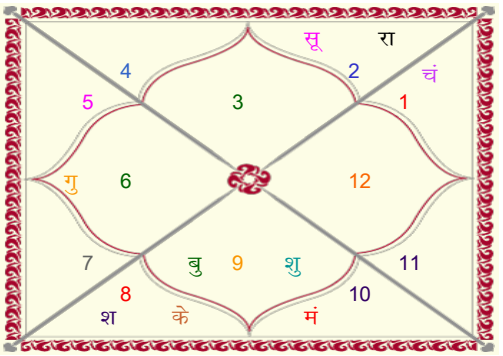

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

चलित तथा निरयण भाव चलित

चलित अंश

भाव	भाव संधि		भाव मध्य	
1	वृश्चिक	25:39:34	धनु	08:07:36
2	धनु	25:39:34	मकर	13:11:33
3	कुम्भ	00:43:32	कुम्भ	18:15:31
4	मीन	05:47:30	मीन	23:19:29
5	मेष	05:47:30	मेष	18:15:31
6	वृष	00:43:32	वृष	13:11:33
7	वृष	25:39:34	मिथुन	08:07:36
8	मिथुन	25:39:34	कर्क	13:11:33
9	सिंह	00:43:32	सिंह	18:15:31
10	कन्या	05:47:30	कन्या	23:19:29
11	तुला	05:47:30	तुला	18:15:31
12	वृश्चिक	00:43:32	वृश्चिक	13:11:33

निरयण भाव चलित

भाव	राशि	अंश
1	धनु	08:07:36
2	मकर	12:29:42
3	कुम्भ	19:27:40
4	मीन	23:19:29
5	मेष	21:22:34
6	वृष	15:16:35
7	मिथुन	08:07:36
8	कर्क	12:29:42
9	सिंह	19:27:40
10	कन्या	23:19:29
11	तुला	21:22:34
12	वृश्चिक	15:16:35

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा
श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पूर्वाभाद्रपद	उत्तराभाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका
रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पूर्वाफाल्गुर्न	उत्तराफाल्गु

चलित कुंडली

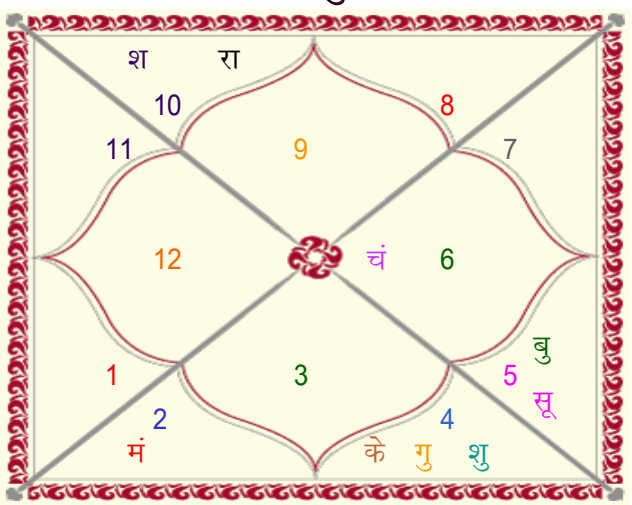

भाव कुंडली

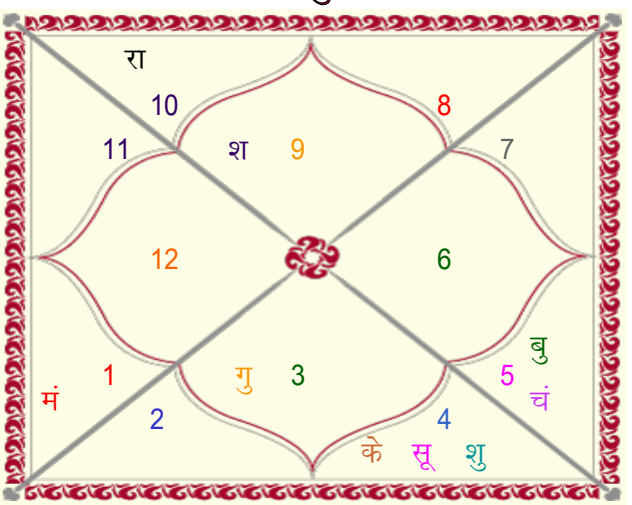

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

कारक,अवस्था,रश्मि

ग्रह	------ कारक ------		------- अवस्था -------			रश्मि	ग्रह
	चर	स्थिर	बालादि	दीप्तादि	शयनादि	रश्मि	
सूर्य	ज्ञाति	पितृ	कुमार	स्वस्थ	गमन	7.08	72 %
चंद्र	मातृ	मातृ	वृद्ध	मुदित	गमन	3.44	59 %
मंग	कलत्र	भ्रातृ	मृत	शक्त	आगमन	2.86	53 %
बुध	आत्मा	ज्ञाति	मृत	मुदित	भोजन	4.57	45 %
गुरु	पुत्र	धन	वृद्ध	दीप्त	भोजन	20.73	46 %
शुक्र	भ्रातृ	कलत्र	युवा	खल	भोजन	3.07	46 %
शनि	अमात्य	आयु	मृत	निपीदित	शयन	1.59	68 %
राहु	---	ज्ञान	युवा	मुदित	शयन	0.00	98 %
केतु	---	मोक्ष	युवा	मुदित	भोजन	0.00	98 %
कुल						**43.35**	

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा
श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पूर्वाभाद्रपद	उत्तराभाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका
रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पूर्वाफाल्गुर्न	उत्तराफाल्गु

चलित कुंडली

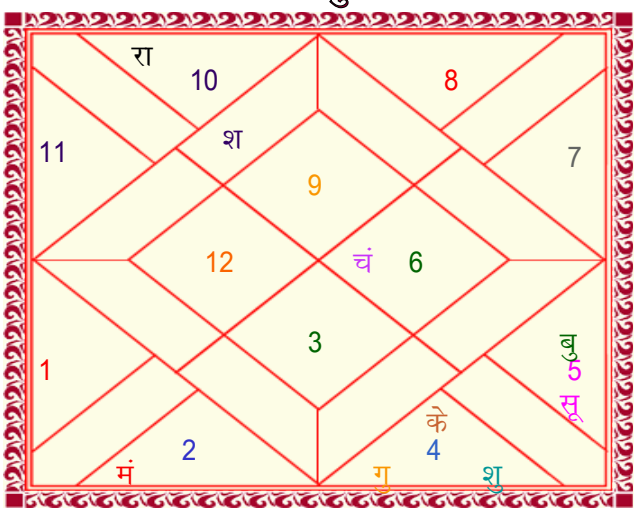

लग्न-चलित

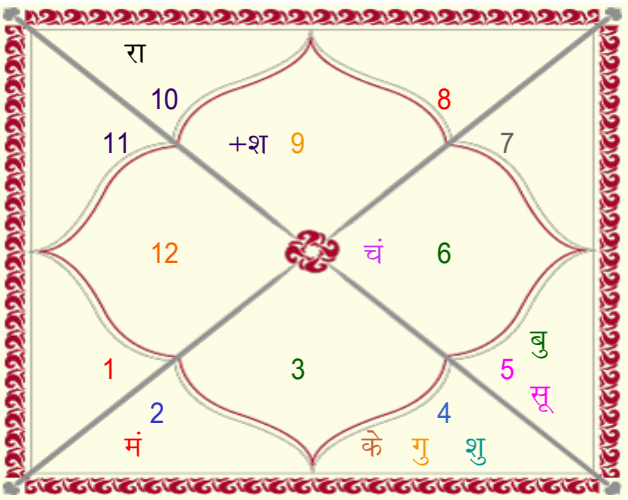

Future Point Future Point Future Point

।। सुदर्शन चक्र ।।

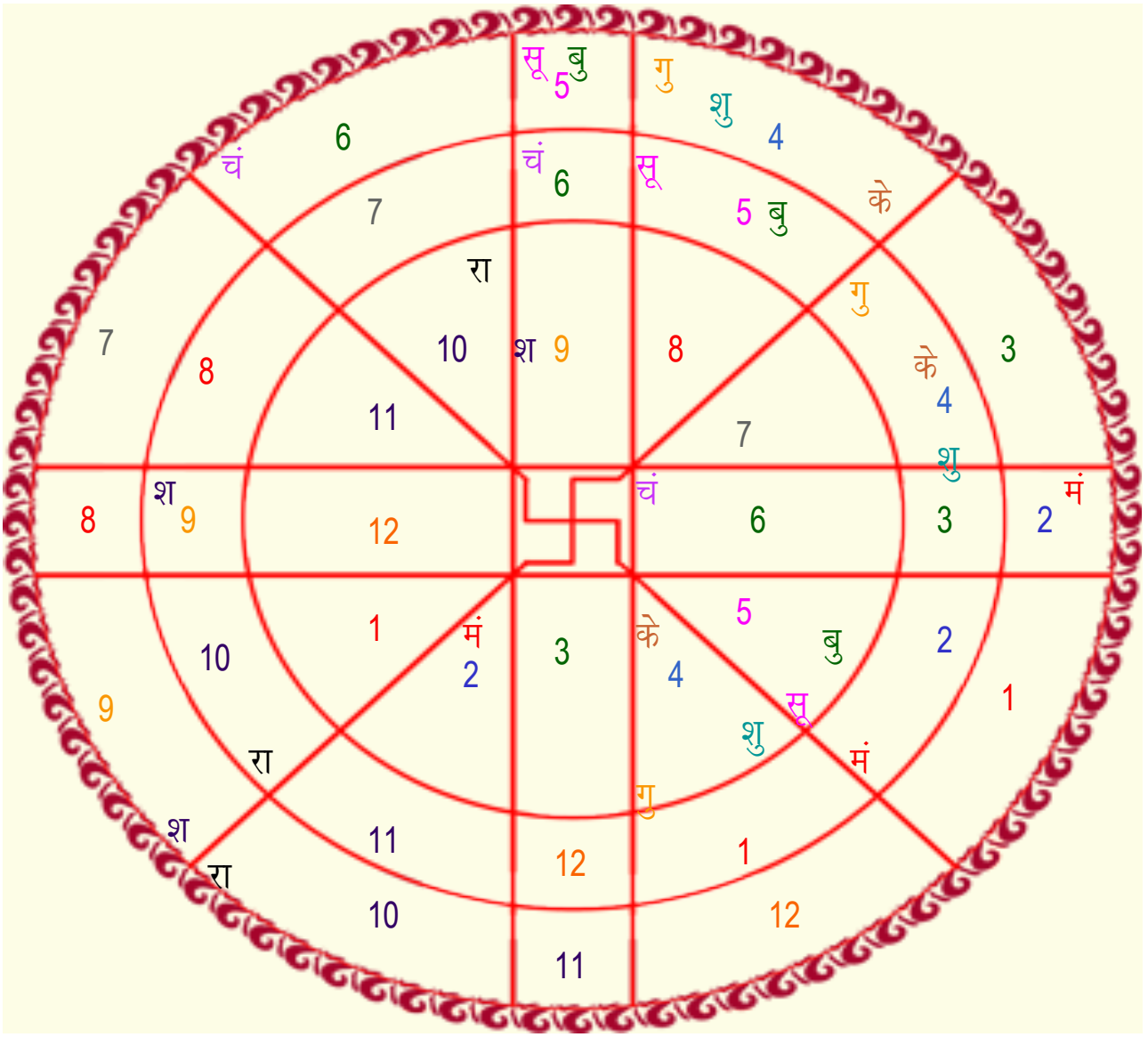

नोटः सुदर्शन चक्र क्रमानुसार बाहरी वृत से अन्तः वृत तक सूर्य, चन्द्र एवं जन्मांग कुंडलियों में ग्रहों की तुलनात्मक स्थिति दर्शाता है। किसी भाव का विचार करने के लिए उस भाव को प्रकट करने वाली तीनों राशियों का विचार करना चाहिए।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

कृष्णमूर्ति पद्धति

भोग्य दशा काल : चंद्र 8 वर्ष 11 मास 29 दिन

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		सिंह	06:17:17	सू	के	रा	श
चंद्र		कंया	11:20:10	बु	चं	मं	गु
मंग		वृष	02:04:18	शु	सू	गु	के
बुध		सिंह	29:37:05	सू	सू	रा	गु
गुरु		कर्क	07:20:36	चं	श	के	के
शुक्र		कर्क	17:52:44	चं	बु	बु	रा
शनि	व	धनु	25:43:25	गु	शु	बु	श
राहु		मक	13:24:29	श	चं	रा	शु
केतु		कर्क	13:24:29	चं	श	रा	गु
हर्ष	व	धनु	12:04:33	गु	के	बु	शु
नेप	व	धनु	18:19:30	गु	शु	रा	रा
प्लू		तुला	21:27:59	शु	गु	गु	मं

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	धनु	08:07:36	गु	के	गु	बु
2	मक	12:29:42	श	चं	रा	श
3	कुंभ	19:27:40	श	रा	मं	गु
4	मीन	23:19:29	गु	बु	चं	सू
5	मेष	21:22:34	मं	शु	गु	चं
6	वृष	15:16:35	शु	चं	गु	चं
7	मिथु	08:07:36	बु	रा	रा	शु
8	कर्क	12:29:42	चं	श	मं	श
9	सिंह	19:27:40	सू	शु	रा	शु
10	कंया	23:19:29	बु	चं	सू	शु
11	तुला	21:22:34	शु	गु	गु	चं
12	वृश्चि	15:16:35	मं	श	गु	श

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:49

लग्न कुंडली

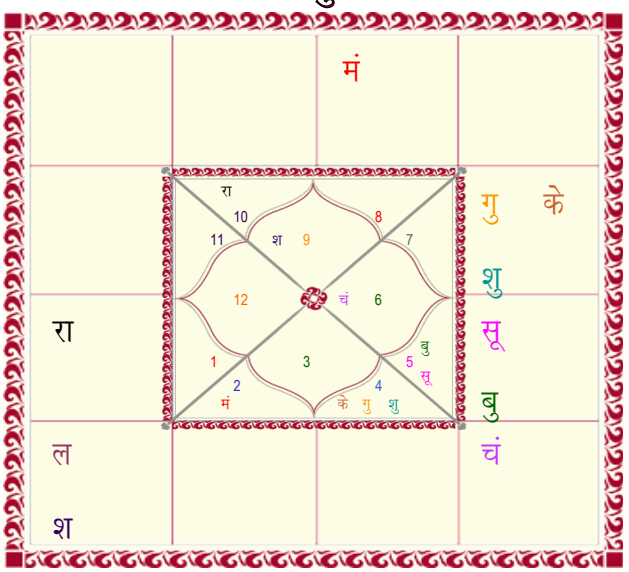

भाव कुंडली

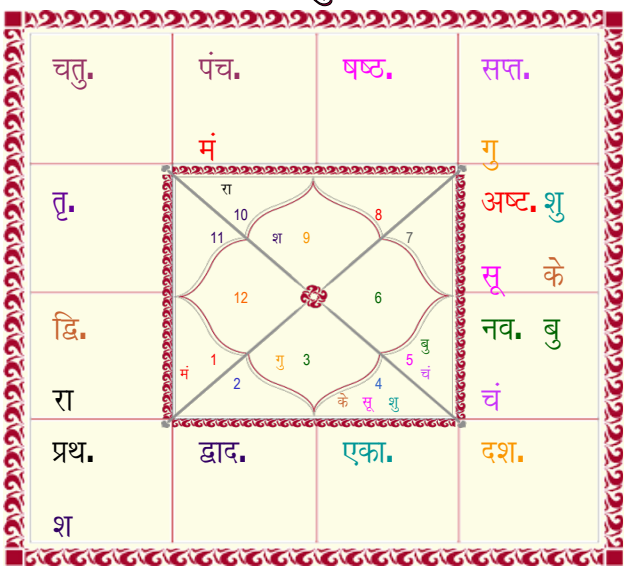

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

कारकत्व एवं स्वामित्व

भाव कारक

भाव	ग्रह						
1	गु+	श	के				
2	गु-	श-	रा	के-			
3	गु-	श-	के-				
4	गु-						
5	मं						
6	शु-	श-					
7	बु-	गु	शु-				
8	सू+	चं	मं	बु	शु	श	रा-	के
9	सू-	चं+	मं-	बु+	शु	रा		
10	बु-	शु-						
11	शु-	श-						
12	मं-							

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव					
सू	8+	9-				
चं	8	9+				
मं	5	8	9-	12-		
बु	7-	8	9+	10-		
गु	1+	2-	3-	4-	7	
शु	6-	7-	8	9	10-	11-
श	1	2-	3-	6-	8	11-
रा	2	8-	9			
के	1	2-	3-	8		

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	केतु
लग्न राशि स्वामी	गुरु
राशि नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
राशि स्वामी	बुध
वार स्वामी	गुरु
लग्न अन्तर स्वामी	गुरु
राशि अन्तर स्वामी	मंगल

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

कारकत्व-सारिणी

भाव	स्थित ग्रह के नक्षत्र में	स्थित ग्रह	स्वामी के नक्षत्र में	स्वामी
1	गु के	श	--	गु
2	--	रा	गु के	श
3	--	--	गु के	श
4	--	--	--	गु
5	--	मं	--	मं
6	--	--	श	शु
7	--	गु	शु	बु
8	सू मं बु श	सू शु के	चं रा	चं
9	चं शु रा	चं बु	मं बु	सू
10	--	--	शु	बु
11	--	--	श	शु
12	--	--	--	मं

ग्रह कारक सारिणी-1

ग्रह	भावाधिपति	नक्षत्राधिपति	स्थित	भाव
सूर्य	9	---	सिंह	8
चंद्र	8	2,6,10	कन्या	9
मंग	5,12	---	वृष	5
बुध	7,10	4	सिंह	9
गुरु	1,4	11	कर्क	7
शुक्र	6,11	5,9	कर्क	8
शनि	2,3	8,12	धनु	1
राहु	---	3,7	मकर	2
केतु	---	1	कर्क	8

ग्रह कारक सारिणी-2

ग्रह	भावाधि भाव	नक्षत्राधि भाव	स्थित भाव	स्वामित्व	अन्तर स्वामी	स्थित भाव
सूर्य	---	1	8	---	3,7	2
चंद्र	8	2,6,10	9	5,12	---	5
मंग	9	---	8	1,4	11	7
बुध	9	---	8	---	3,7	2
गुरु	2,3	8,12	1	---	1	8
शुक्र	7,10	4	9	7,10	4	9
शनि	6,11	5,9	8	7,10	4	9
राहु	8	2,6,10	9	---	3,7	2
केतु	2,3	8,12	1	---	3,7	2

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

ग्रह दृष्टि विचार

दृष्य ग्रह

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	हर्ष	नेप	प्लू
	126.29	161.34	32.07	149.62	97.34	107.88	265.72	283.41	103.41	252.08	258.33	201.47
सूर्य	--	--	--	--	--	--	--	--	--	पंच	--	--
126.29	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.17	0.00	0.00
चंद्र	--	--	--	युति	--	--	--	पंच	--	चतु	--	नवां
161.34	0.00	0.00	0.00	3.37	0.00	0.00	0.00	2.57	0.00	2.94	0.00	0.98
मंग	4था	--	--	पंच	तृती	4था	--	--	पंचा	8वां	--	सप्त
32.07	9.04	0.00	0.00	2.40	0.57	0.84	0.00	0.00	0.50	5.00	0.00	4.44
बुध	--	युति	--	--	--	--	पंच	--	--	--	--	--
149.62	0.00	3.37	0.00	0.00	0.00	0.00	1.57	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
गुरु	--	तृती	--	--	--	युति	सप्त	सप्त	युति	--	--	--
97.34	0.00	1.50	0.00	0.00	0.00	4.51	3.47	8.05	8.05	0.00	0.00	0.00
शुक्र	--	--	--	--	युति	--	--	सप्त	युति	--	षष्ठ	चतु
107.88	0.00	0.00	0.00	0.00	4.51	0.00	0.00	8.92	8.92	0.00	0.76	1.77
शनि	--	10वा	--	--	सप्त	--	--	--	--	युति	युति	--
265.72	0.00	0.64	0.00	0.00	3.47	0.00	0.00	0.00	0.00	1.41	7.15	0.00
राहु	--	--	--	--	सप्त	सप्त	--	--	सप्त	--	--	--
283.41	0.00	0.00	0.00	0.00	8.05	8.92	0.00	0.00	10.00	0.00	0.00	0.00
केतु	--	तृती	--	--	युति	युति	--	सप्त	--	--	--	--
103.41	0.00	2.57	0.00	0.00	8.05	8.92	0.00	10.00	0.00	0.00	0.00	0.00
हर्ष	--	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	युति	--
252.08	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.41	0.00	0.00	0.00	7.93	0.00
नेप	--	--	--	--	--	--	युति	--	--	युति	--	--
258.33	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	7.15	0.00	0.00	7.93	0.00	0.00
प्लू	--	--	सप्त	--	--	--	तृती	--	--	--	तृती	--
201.47	0.00	0.00	4.44	0.00	0.00	0.00	1.32	0.00	0.00	0.00	2.04	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं। :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

भाव मध्य दृष्टि विचार

दृष्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	248.13	283.19	318.26	353.32	18.26	43.19	68.13	103.19	138.26	173.32	198.26	223.19
सूर्य	--	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	पंचा	--
126.29	0.00	0.00	3.12	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3.12	0.00	1.00	0.00
चंद्र	चतु	--	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	तृती
161.34	2.00	0.00	0.00	3.10	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3.10	0.00	2.65
मंग	8वां	--	--	--	युति	युति	--	पंचा	--	--	सप्त	सप्त
32.07	8.06	0.00	0.00	0.00	1.24	3.95	0.00	0.19	0.00	0.00	1.24	3.95
बुध	--	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	--
149.62	0.00	0.00	3.72	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3.72	0.00	0.00	0.00
गुरु	षष्ठ	सप्त	--	--	--	--	--	युति	नवां	--	--	5वां
97.34	0.33	8.18	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.18	0.13	0.00	0.00	8.18
शुक्र	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	तृती	चतु	पंच
107.88	0.00	8.82	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.82	0.00	0.43	2.99	1.01
शनि	--	--	3रा	चतु	--	--	--	--	--	10वा	--	--
265.72	0.00	0.00	7.10	2.43	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.69	0.00	0.00
राहु	--	युति	--	--	चतु	पंच	--	--	--	--	--	--
283.41	0.00	10.00	0.00	0.00	0.89	3.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
केतु	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	चतु	पंच
103.41	0.00	10.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	10.00	0.00	0.00	0.89	3.00
हर्ष	युति	--	--	--	--	--	सप्त	--	--	--	--	--
252.08	9.16	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.16	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
नेप	युति	--	तृती	चतु	पंच	--	सप्त	--	--	--	--	--
258.33	4.82	0.00	3.00	0.78	3.00	0.00	4.82	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
प्लू	--	--	पंच	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--
201.47	0.00	0.00	2.00	0.00	9.44	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.44	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं। :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

भाव दृष्टि विचार

दृष्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	248.13	282.50	319.46	353.32	21.38	45.28	68.13	102.50	139.46	173.32	201.38	225.28
सूर्य	--	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	--
126.29	0.00	0.00	1.90	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.90	0.00	0.00	0.00
चंद्र	चतु	--	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	नवां	तृती
161.34	2.00	0.00	0.00	3.10	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3.10	1.00	1.54
मंग	8वां	--	--	--	युति	युति	--	--	--	--	सप्त	सप्त
32.07	8.06	0.00	0.00	0.00	4.36	1.87	0.00	0.00	0.00	0.00	4.36	1.87
बुध	--	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	--
149.62	0.00	0.00	4.86	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4.86	0.00	0.00	0.00
गुरु	षष्ठ	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	5वां
97.34	0.33	8.58	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.58	0.00	0.00	0.00	6.74
शुक्र	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	तृती	चतु	पंच
107.88	0.00	8.45	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.45	0.00	0.43	1.83	2.33
शनि	--	--	3रा	चतु	पंच	--	--	--	--	10वा	--	--
265.72	0.00	0.00	7.93	2.43	1.26	0.00	0.00	0.00	0.00	9.69	0.00	0.00
राहु	--	युति	--	--	--	पंच	--	--	--	--	--	--
283.41	0.00	9.95	0.00	0.00	0.00	2.65	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
केतु	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	पंच
103.41	0.00	9.95	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.95	0.00	0.00	0.00	2.65
हर्ष	युति	--	--	--	--	--	सप्त	--	--	--	--	--
252.08	9.16	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.16	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
नेप	युति	--	तृती	चतु	पंच	--	सप्त	--	--	--	--	--
258.33	4.82	0.00	2.87	0.78	2.09	0.00	4.82	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
प्लू	--	--	पंच	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--
201.47	0.00	0.00	2.60	0.00	10.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	10.00	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं। :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिएं, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

सूर्य कुंडली

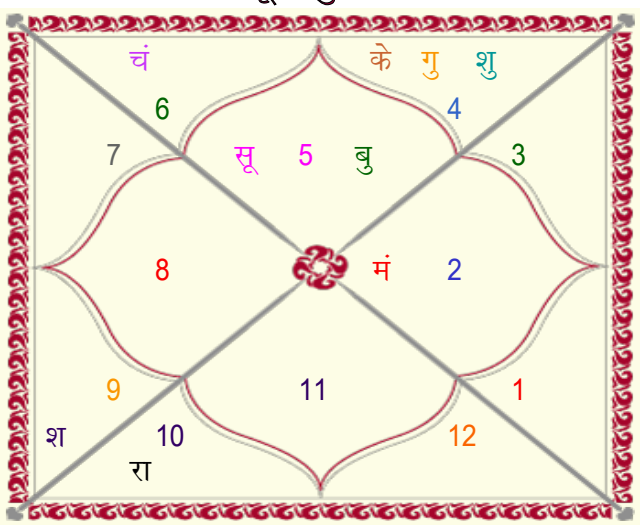

आत्मविचारः

चन्द्र कुंडली

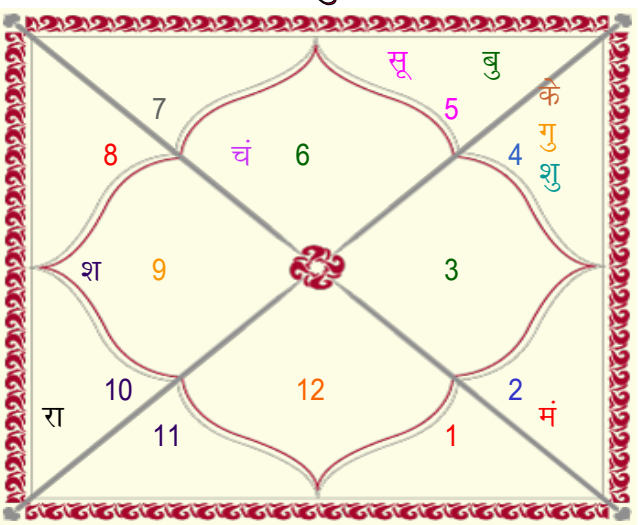

मनोबलविचारः

लग्न कुंडली

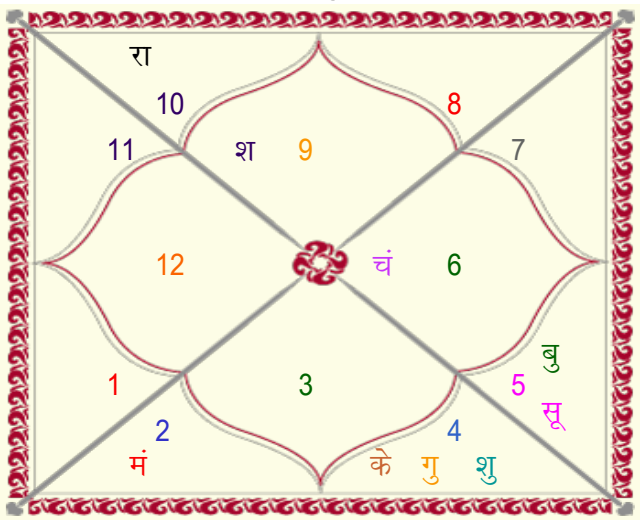

देह विचारः

होरा कुंडली

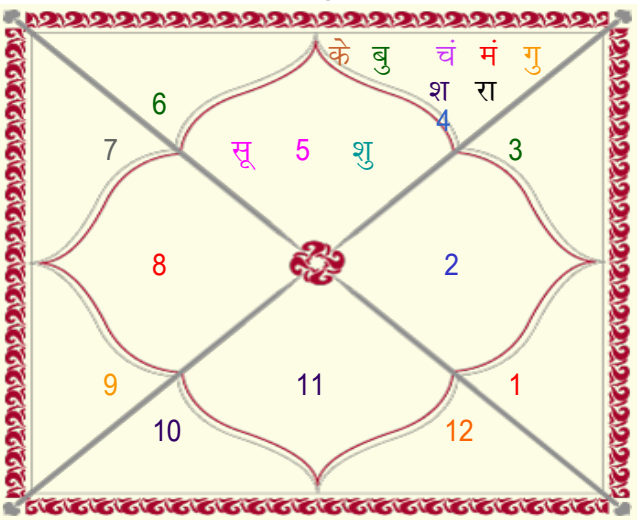

सम्पदाविचारः

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

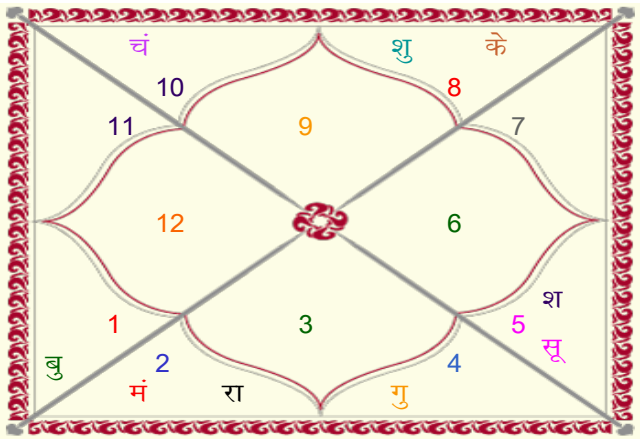

भ्रातृसौख्यम

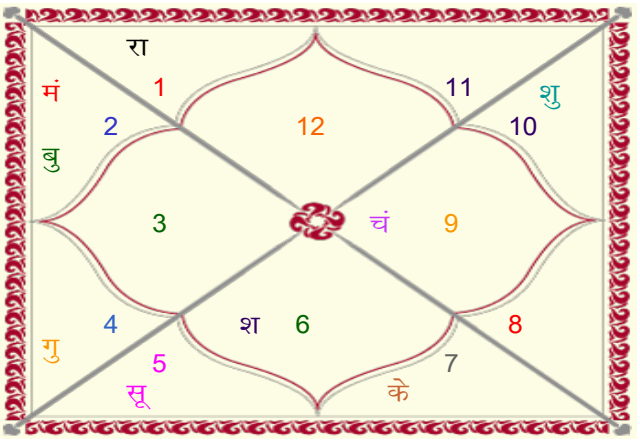

चतुर्थांश कुंडली

भाग्यविचारः

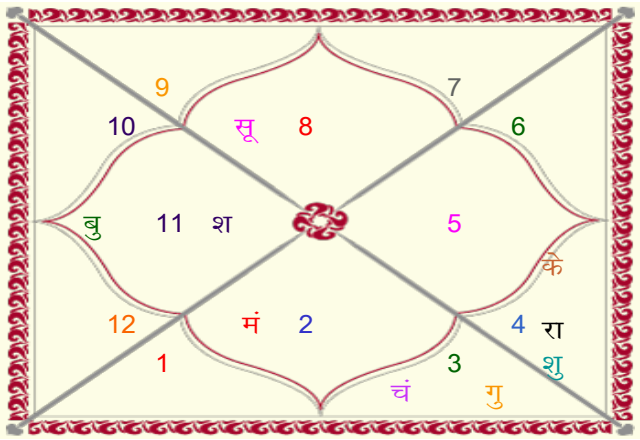

पंचमांश कुंडली

ज्ञानविचारः

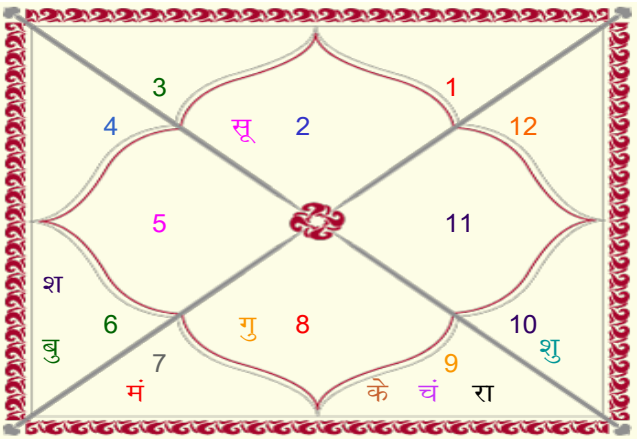

षष्ठांश कुंडली

रिपुज्ञानम्

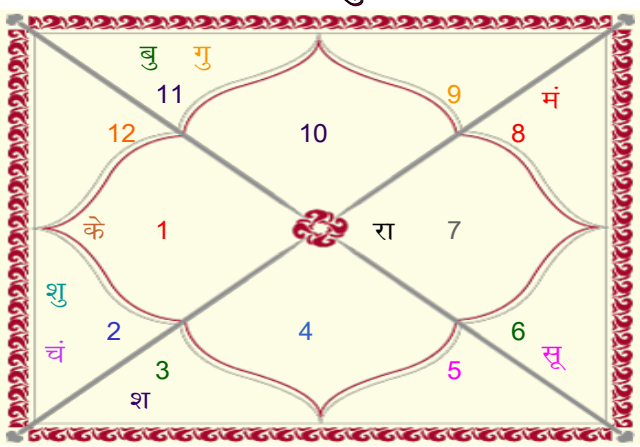

सप्तमांश कुंडली

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

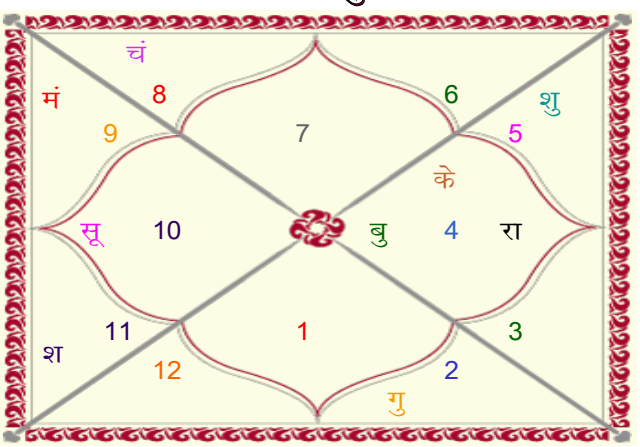

अष्टमांश कुंडली

आयुविचारः

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

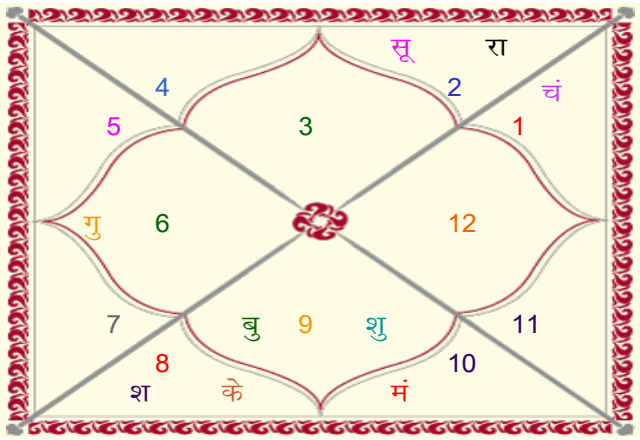

दशमांश कुंडली

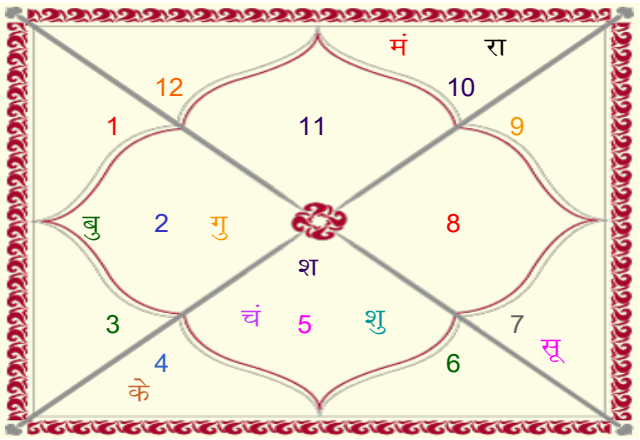

कलत्र सौख्यम
एकादशांश कुंडली

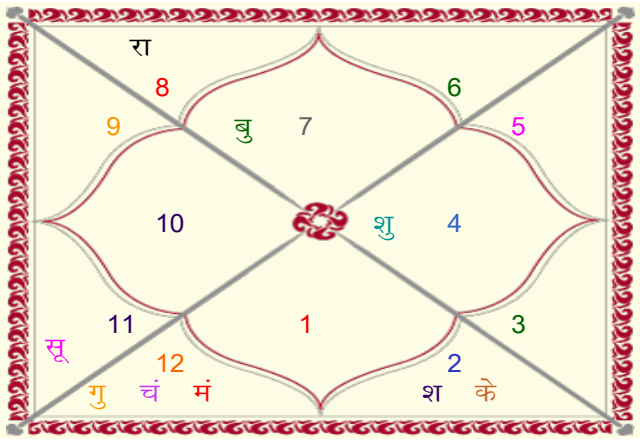

राज्यविचारः
द्वादशांश कुंडली

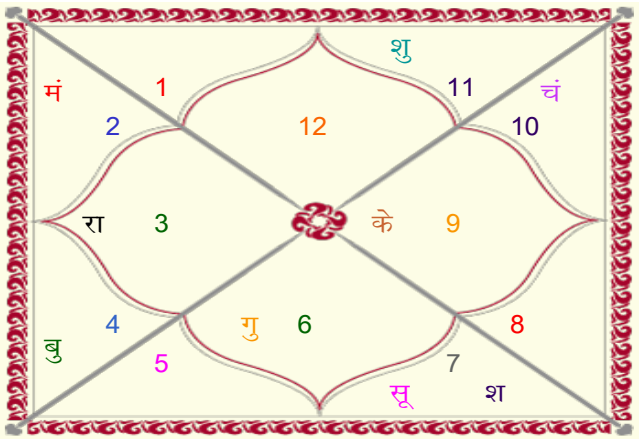

लाभविचारः
षोडशांश कुंडली

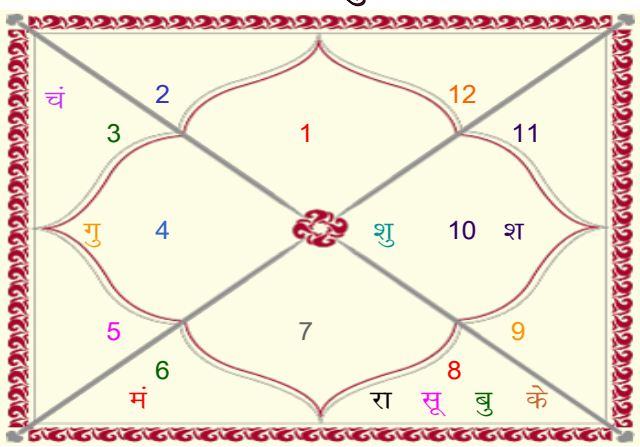

पितृसौख्यम
विंशांश कुंडली

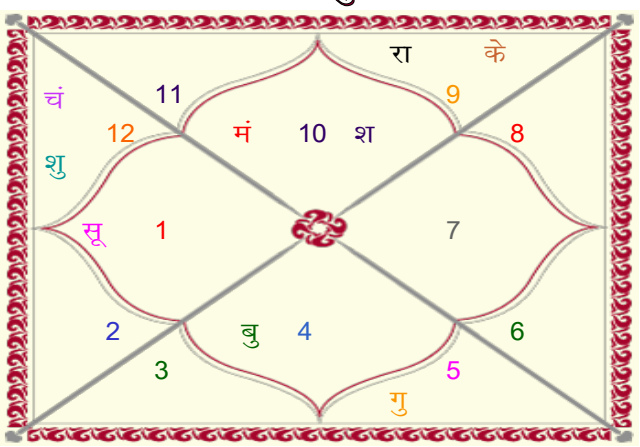

वाहनसुखविचारः

उपासनाज्ञानम्

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

षोडशवर्ग चक्र

चतुर्विंशांश कुंडली

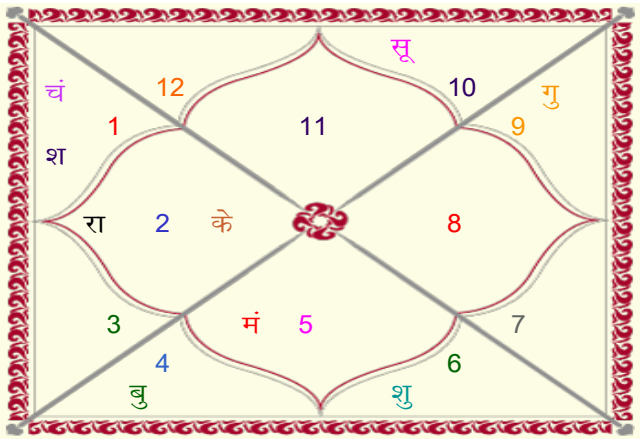

सप्तविंशांश कुंडली

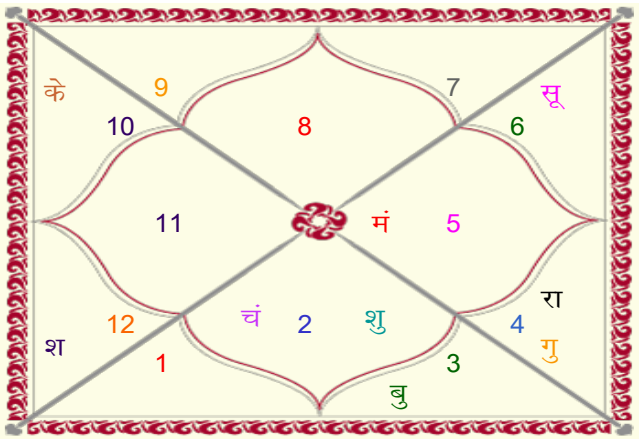

विद्याविचारः
त्रिंशांश कुंडली

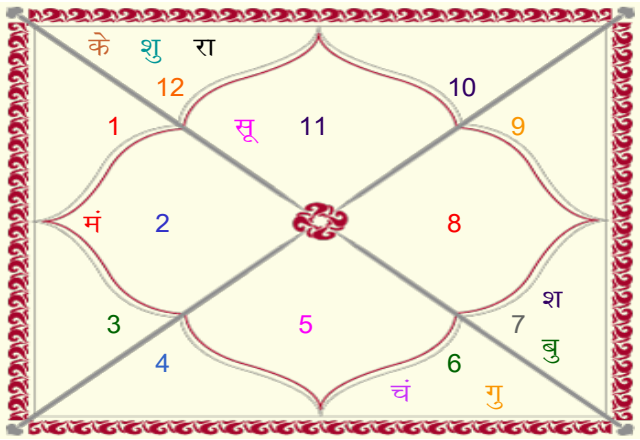

बलाबलज्ञानम्
खवेदांश कुंडली

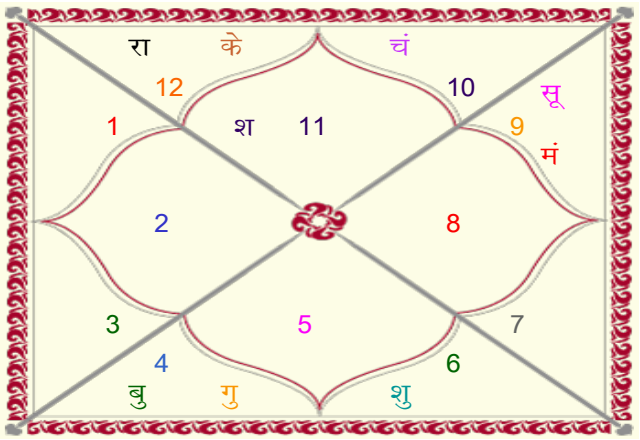

अरिष्टज्ञानम्
अक्षवेदांश कुंडली

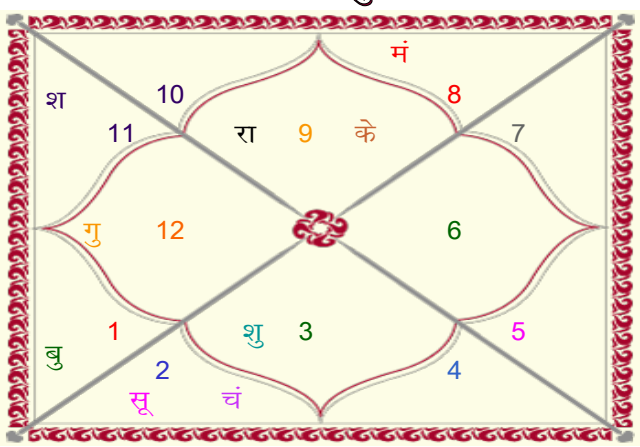

शुभाशुभज्ञानम्
षष्ट्यंश कुंडली

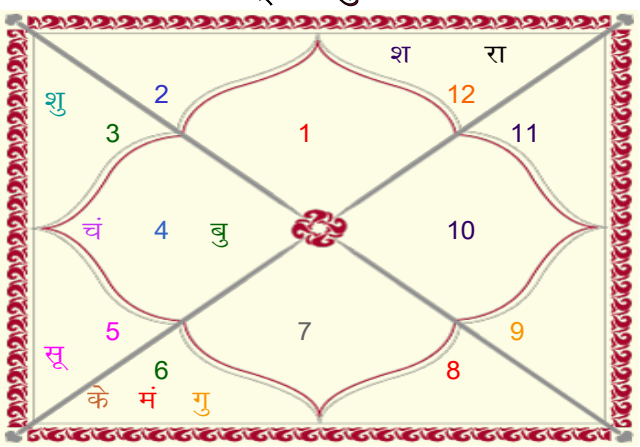

सर्वास्थितिविचारः

सर्वास्थितिविचारः

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

षोडशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
राशि	धनु	सिंह	कंया	वृष	सिंह	कर्क	कर्क	धनु	मक	कर्क
होरा	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	धनु	सिंह	मक	वृष	मेष	कर्क	वृश्चि	सिंह	वृष	वृश्चि
चतुर्थांश	मीन	सिंह	धनु	वृष	वृष	कर्क	मक	कंया	मेष	तुला
सप्तमांश	मक	कंया	वृष	वृश्चि	कुंभ	कुंभ	वृष	मिथु	तुला	मेष
नवमांश	मिथु	वृष	मेष	मक	धनु	कंया	धनु	वृश्चि	वृष	वृश्चि
दशमांश	कुंभ	तुला	सिंह	मक	वृष	वृष	सिंह	सिंह	मक	कर्क
द्वादशांश	मीन	तुला	मक	वृष	कर्क	कंया	कुंभ	तुला	मिथु	धनु
षोडशांश	मेष	वृश्चि	मिथु	कंया	वृश्चि	कर्क	मक	मक	वृश्चि	वृश्चि
विंशांश	मक	मेष	मीन	मक	कर्क	सिंह	मीन	मक	धनु	धनु
चतुर्विंशांश	कुंभ	मक	मेष	सिंह	कर्क	धनु	कंया	मेष	वृष	वृष
सप्तविंशांश	वृश्चि	कंया	वृष	सिंह	मिथु	कर्क	वृष	मीन	कर्क	मक
त्रिंशांश	कुंभ	कुंभ	कंया	वृष	तुला	कंया	मीन	तुला	मीन	मीन
खवेदांश	कुंभ	धनु	मक	धनु	कर्क	कर्क	कंया	कुंभ	मीन	मीन
अक्षवेदांश	धनु	वृष	वृष	वृश्चि	मेष	मीन	मिथु	कुंभ	धनु	धनु
षष्ट्यंश	मेष	सिंह	कर्क	कंया	कर्क	कंया	मिथु	मीन	मीन	कंया

वर्ग भेद

	षडवर्ग	सप्तवर्ग	दशवर्ग	षोडशवर्ग
सूर्य	व्यंजन	व्यंजन	गोपुर	केरल
चन्द्र	---	किंसुक	उत्तम	कन्दुक
मंगल	---	किंसुक	उत्तम	कन्दुक
बुध	---	---	---	---
गुरु	व्यंजन	व्यंजन	गोपुर	पूर्णचन्द
शुक्र	---	किंसुक	पारिजात	नागपुष्प
शनि	किंसुक	किंसुक	उत्तम	केरल
राहु	---	---	---	---
केतु	किंसुक	किंसुक	पारिजात	कन्दुक

विंशोपक बल

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षडवर्ग	15.75	14.55	12.50	12.65	14.80	10.10	6.85	11.45	13.15
सप्तवर्ग	14.38	14.60	13.33	11.90	13.63	11.18	7.38	11.05	13.55
दशवर्ग	15.50	17.15	12.18	12.10	12.40	12.68	8.43	9.85	13.20
षोडशवर्ग	15.68	15.90	12.13	12.60	14.10	12.28	9.30	9.55	13.03

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंग	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	---	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	---	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	---	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	---

तात्कालिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
चंद्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
मंग	मित्र	शत्रु	---	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
बुध	शत्रु	मित्र	मित्र	---	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	---	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शनि	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	---	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	---	शत्रु
केतु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	---

पंचधा मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	अतिमित्र	अतिमित्र	शत्रु	अतिमित्र	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	सम
चंद्र	अतिमित्र	---	शत्रु	अतिमित्र	मित्र	मित्र	मित्र	अधिशत्रु	सम
मंग	अतिमित्र	सम	---	सम	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	अधिशत्रु	अतिमित्र
बुध	सम	सम	मित्र	---	मित्र	अतिमित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
गुरु	अतिमित्र	अतिमित्र	अतिमित्र	सम	---	अधिशत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	सम	मित्र	अतिमित्र	शत्रु	---	सम	सम	सम
शनि	अधिशत्रु	सम	अधिशत्रु	सम	शत्रु	सम	---	अतिमित्र	अधिशत्रु
राहु	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अधिशत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	अतिमित्र	---	अधिशत्रु
केतु	सम	सम	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	---

Future Point Future Point Future Point

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	21	17	29	55	59	23	38
सप्तवर्गज बल	126	124	101	79	94	75	38
ओजयुग्मक बल	15	15	0	30	0	15	15
केन्द्र बल	15	60	15	15	30	30	60
द्रेष्काण बल	15	0	15	0	15	0	0
कुल स्थान बल	192	216	160	179	198	143	151
कुल दिग्बल	44	4	13	27	10	22	6
नतोन्नत बल	45	15	15	60	45	45	15
पक्ष बल	48	97	48	48	12	12	48
त्रिभाग बल	0	0	0	0	60	0	60
अब्द बल	0	15	0	0	0	0	0
मास बल	0	0	0	30	0	0	0
वार बल	0	0	0	0	45	0	0
होरा बल	60	0	0	0	0	0	0
अयन बल	90	33	55	33	56	52	58
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	244	159	118	172	218	110	181
कुल चेष्टाबल	0	0	19	52	12	11	46
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	-24	-4	-23	-14	-19	-20	-19
कुल षट्बल	516	427	303	441	453	309	374
रूप षट्बल	8.6	7.1	5.1	7.3	7.5	5.1	6.2
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.7	1.2	1.0	1.0	1.2	0.9	1.2
संबंधित पद	1	3	6	5	4	7	2

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	29.14	14.18	23.40	53.40	26.42	16.06	42.08
कष्ट फल	27.85	45.46	35.80	6.42	6.14	42.47	17.21

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	453	374	374	453	303	309	441	427	516	441	309	303
भावदिग्बल	60	20	40	60	10	20	0	20	50	30	40	10
भावदृष्टि बल	13	70	67	62	24	11	0	-19	-16	28	32	63
कुल भाव बल	526	463	480	575	337	339	441	427	550	499	381	376
रूप भाव बल	8.8	7.7	8.0	9.6	5.6	5.7	7.3	7.1	9.2	8.3	6.3	6.3
संबंधित पद	3	6	5	1	12	11	7	8	2	4	9	10

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

षट्बल ग्राफ

स्थान बल

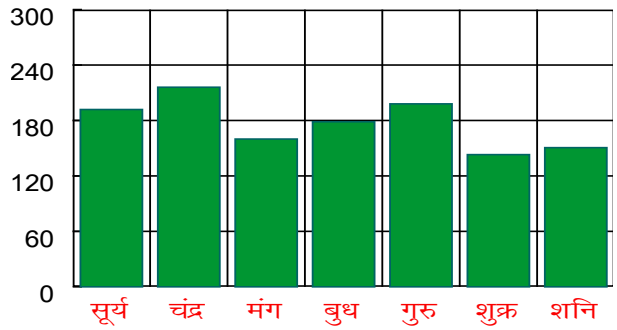

दिग्बल

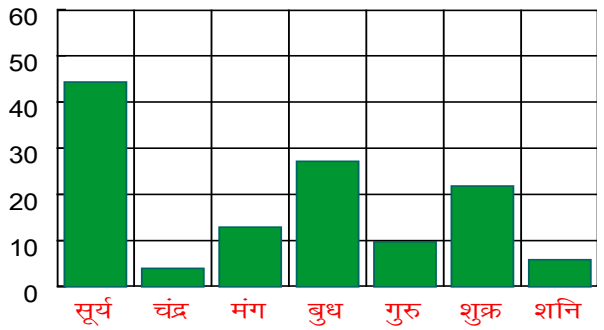

कालबल

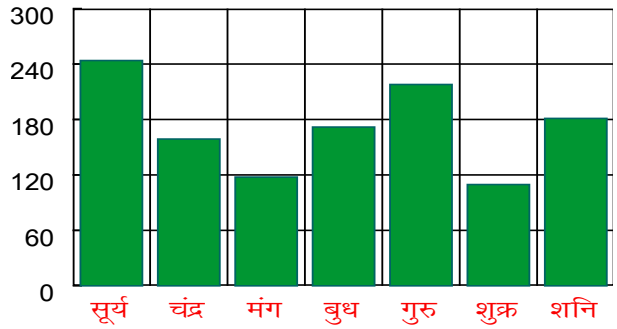

चेष्टाबल

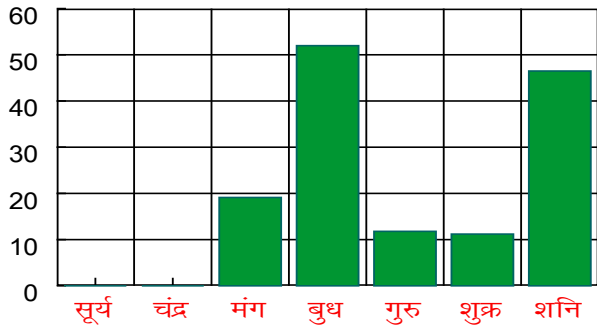

नैसर्गिक बल

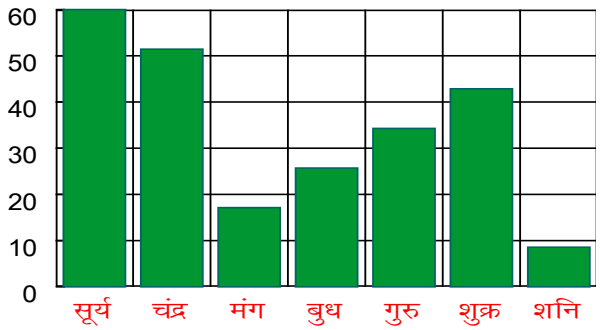

दृग्बल

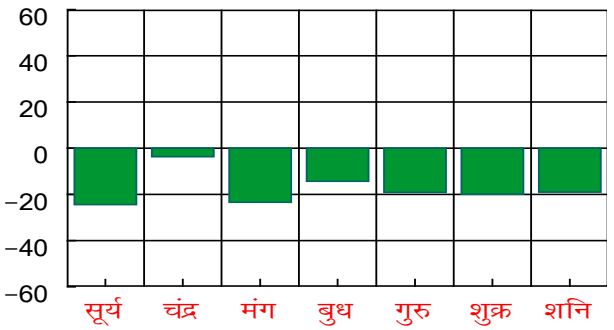

रूप षट्बल

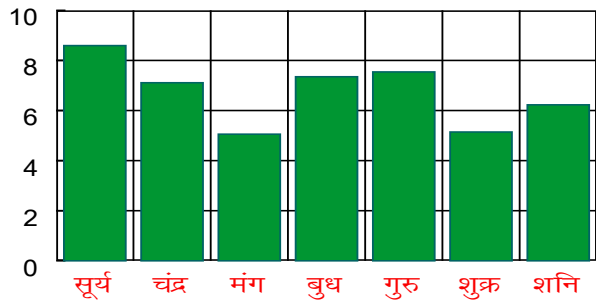

न्यूनतम षट्बल

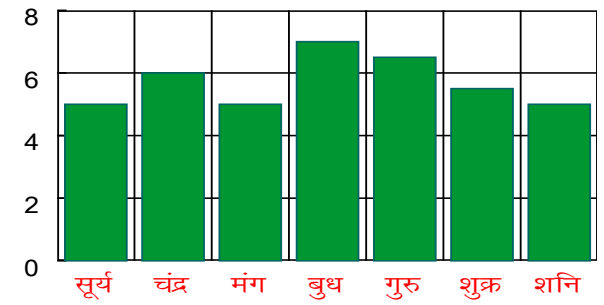

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

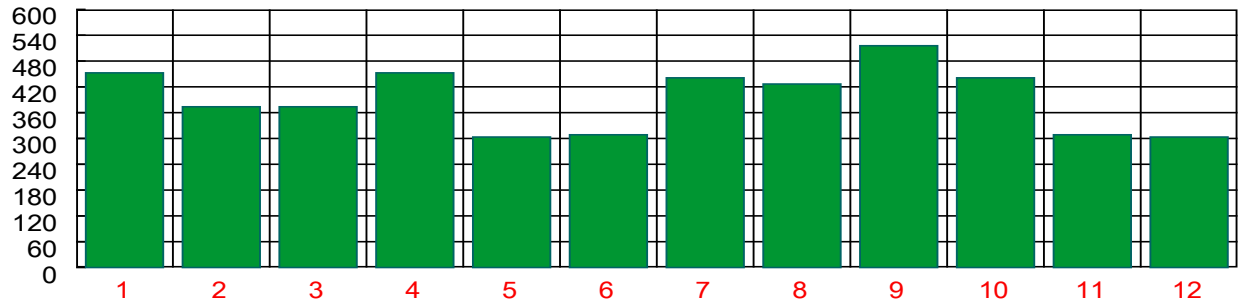

भावदिग्बल

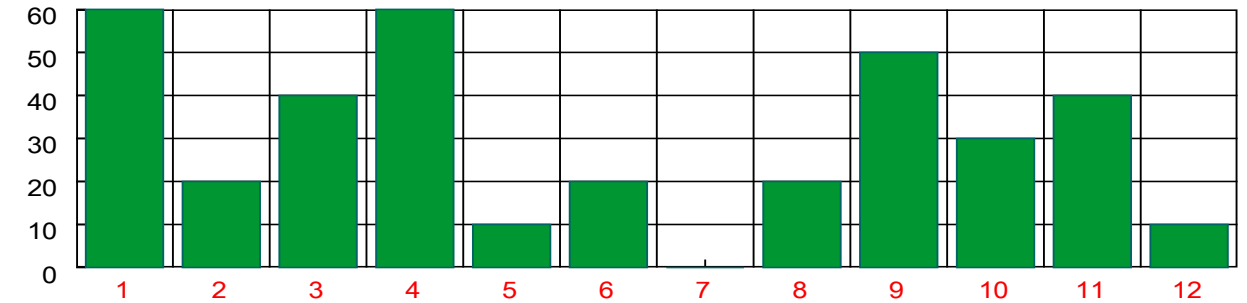

भावदृष्टि बल

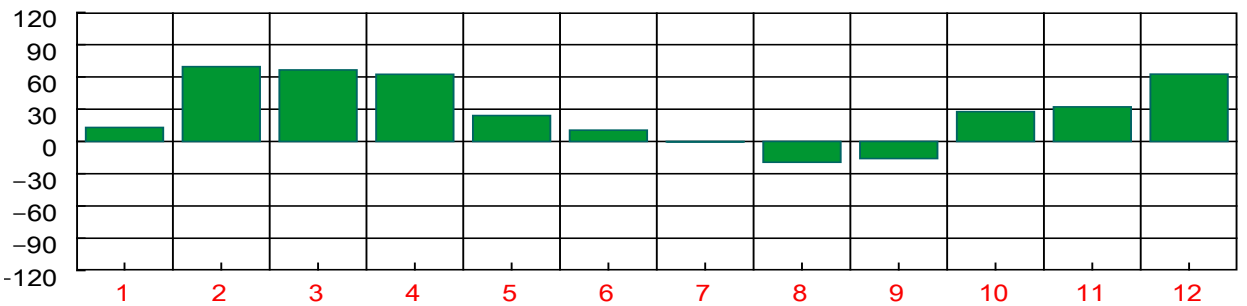

भाव बल

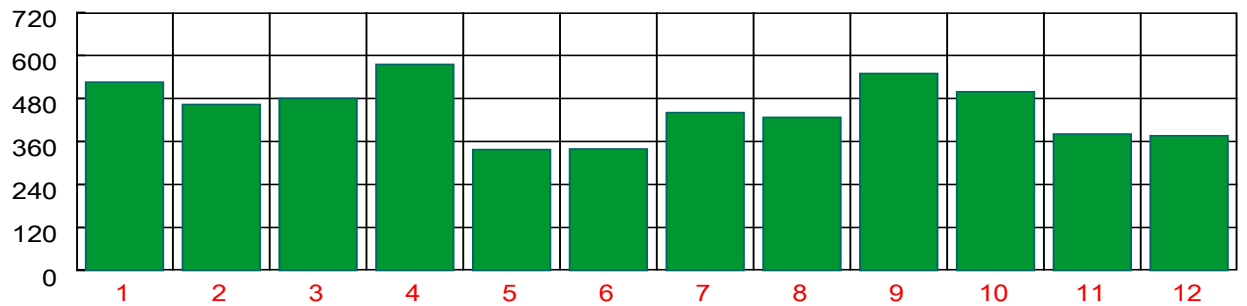

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

षट्बल तथा भावबल ग्राफ

रूप षट्बल

इष्ट - कष्ट फल

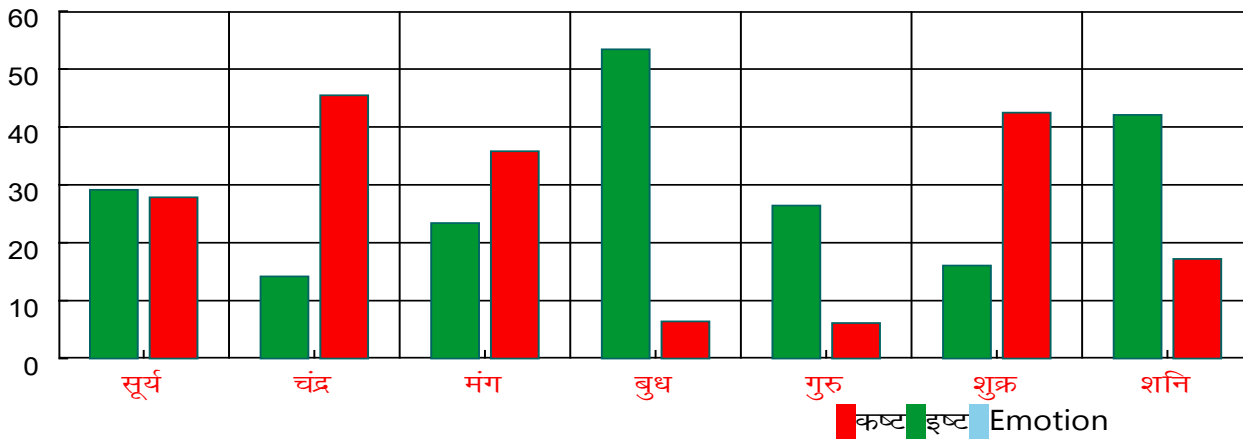

रूप भाव बल

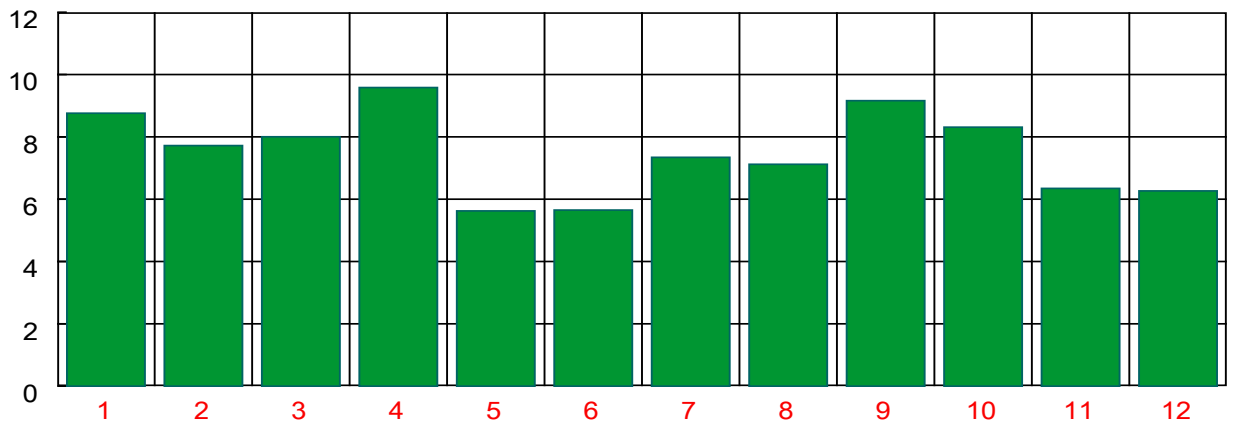

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

उपग्रह एवं आरूढ़

उपग्रह	संक्षि	राशि	अंश	उच्च	स्थिति	नक्षत्र	पद	नं.
लग्न	ल	धनु	08:07:36	--	--	मूल	3	19
गुलिक	गु	तुला	09:08:45	--	--	स्वाति	1	15
काल	का	तुला	29:55:25	--	--	विशाखा	3	16
मृत्यु	मृ	धनु	12:39:09	--	--	मूल	4	19
यमघंटक	यम	सिंह	26:33:44	--	--	पूर्वाफाल्गुनी	4	11
अर्द्धप्रहर	अर्द्ध	मक	07:30:39	--	--	उत्तराषाढ़ा	4	21
धूम	धू	धनु	19:37:17	--	--	पूर्वाषाढ़ा	2	20
व्यतिपात	व्य	कर्क	10:22:43	--	--	पुष्य	3	8
परिवेश	परि	मक	10:22:43	--	--	श्रवण	1	22
इन्द्रचाप	इ	मिथु	19:37:17	नीच	--	आर्द्रा	4	6
उपकेतु	उप	कर्क	06:17:17	--	मूल	पुष्य	1	8

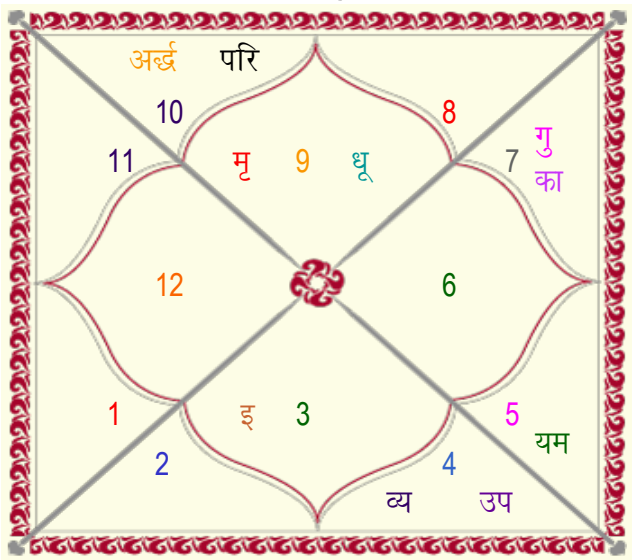

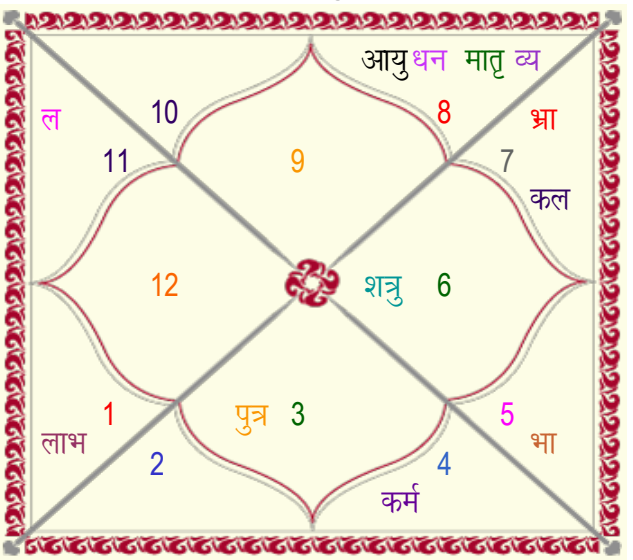

प्राणपद	:	मक	29:45:29	कारकाँश लग्न	:	धनु	26:33:41
भाव लग्न	:	धनु	26:57:41	होरा लग्न	:	वृष	17:38:06
घटी लग्न	:	कर्क	19:39:20	वर्णद लग्न	:	मिथु	04:14:19

उपग्रह कुंडली

आरूढ़ कुंडली

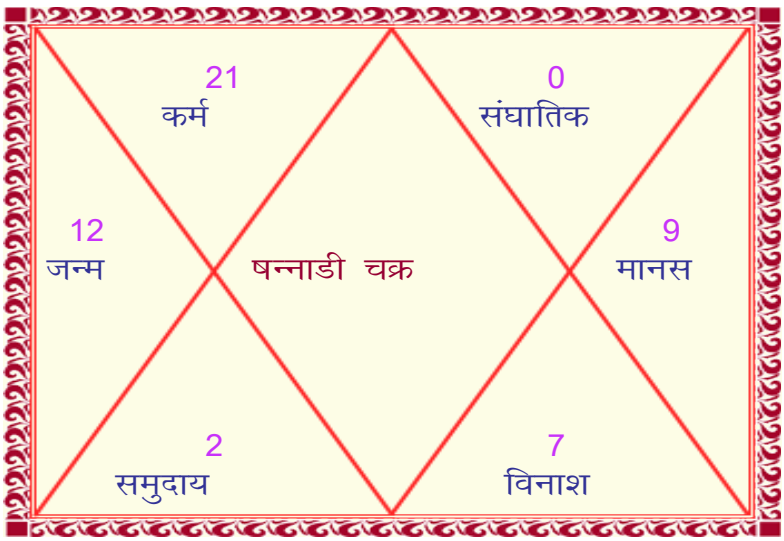

Future Point Future Point Future Point

षन्नाडी चक्र

त्रिपाप चक्र

प्रथम चक्र	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
द्वितीय चक्र	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48
तृतीय चक्र	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84
केतु पताकी	चंद्र	मंग	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध
केतु कुंडली	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध	मंग	केतु	गुरु
गुरु कुंडली	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंग	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि

प्रथम चक्र	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
द्वितीय चक्र	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
तृतीय चक्र	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96
केतु पताकी	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	शनि	गुरु	राहु
केतु कुंडली	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध	मंग	केतु	गुरु
गुरु कुंडली	राहु	सूर्य	मंग	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंग

प्रथम चक्र	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36
द्वितीय चक्र	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72
तृतीय चक्र	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108
केतु पताकी	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य
केतु कुंडली	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध	मंग	केतु	गुरु
गुरु कुंडली	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंग	केतु	चंद्र	बुध

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
ल	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	6
सू	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
चं	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	4
मं	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
बु	1	1	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	7
गु	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	4
शु	0	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	3
श	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	8
कुल	2	5	6	3	3	3	3	5	5	4	4	5	48

चंद्र का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
ल	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	4
सू	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	1	1	6
चं	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	1	6
मं	0	0	1	1	0	1	1	0	0	1	1	1	7
बु	0	1	1	0	1	0	1	1	1	0	1	1	8
गु	1	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	7
शु	1	1	0	0	0	1	1	1	0	1	0	1	7
श	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	4
कुल	3	6	5	3	1	4	7	3	1	4	7	5	49

मंगल का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
ल	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	0	5
सू	0	1	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	5
चं	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	3
मं	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	7
बु	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	4
गु	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	4
शु	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	4
श	0	0	1	1	1	1	1	0	1	0	0	1	7
कुल	1	5	6	2	2	2	4	2	7	2	4	2	39

बुद्ध का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
ल	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
सू	1	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	5
चं	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	1	0	6
मं	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
बु	1	1	1	1	1	0	1	0	1	1	0	0	8
गु	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	4
शु	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	8
श	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	8
कुल	3	5	6	6	4	3	5	2	7	5	4	4	54

गुरू का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
ल	1	1	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	9
सू	1	1	1	0	1	1	1	1	0	0	1	1	9
चं	0	1	0	1	0	0	1	0	0	1	0	1	5
मं	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	7
बु	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	0	0	8
गु	1	1	0	1	1	1	1	0	0	1	1	0	8
शु	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	1	6
श	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	0	4
कुल	6	8	4	2	6	4	4	5	4	4	4	5	56

शुक्र का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
ल	1	0	0	1	1	0	1	0	1	1	1	1	8
सू	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	3
चं	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	0	0	9
मं	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	6
बु	1	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	5
गु	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	5
शु	1	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	9
श	1	0	0	1	1	1	1	0	0	0	1	1	7
कुल	7	3	2	6	4	4	6	3	3	4	4	6	52

शनि का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
ल	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	1	6
सू	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	7
चं	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	3
मं	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	6
बु	1	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	6
गु	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	4
शु	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	3
श	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	4
कुल	3	6	4	3	1	3	3	3	3	1	5	4	39

लग्न का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
ल	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	4
सू	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	6
चं	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	4
मं	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
बु	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	7
गु	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	9
शु	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	8
श	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	1	6
कुल	1	7	3	5	3	4	6	5	2	3	5	5	49

Future Point Future Point Future Point

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	कर्	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	1	7	3	5	3	4	6	5	2	3	5	5	49
सूर्य	2	5	6	3	3	3	3	5	5	4	4	5	48
चंद्र	3	6	5	3	1	4	7	3	1	4	7	5	49
मंग	1	5	6	2	2	2	4	2	7	2	4	2	39
बुध	3	5	6	6	4	3	5	2	7	5	4	4	54
गुरु	6	8	4	2	6	4	4	5	4	4	4	5	56
शुक्र	7	3	2	6	4	4	6	3	3	4	4	6	52
शनि	3	6	4	3	1	3	3	3	3	1	5	4	39
बि	26	45	36	30	24	27	38	28	32	27	37	36	386
रे	38	19	28	34	40	37	26	36	32	37	27	28	382

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	कर्	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	0	4	0	0	2	1	3	0	1	0	2	0	13
सूर्य	0	2	3	0	1	0	0	2	3	1	1	2	15
चंद्र	2	2	0	0	0	0	2	0	0	0	2	2	10
मंग	0	3	2	0	1	0	0	0	6	0	0	0	12
बुध	0	2	2	4	1	0	1	0	4	2	0	2	18
गुरु	2	4	0	0	2	0	0	3	0	0	0	3	14
शुक्र	4	0	0	3	1	1	4	0	0	1	2	3	19
शनि	2	5	1	0	0	2	0	0	2	0	2	1	15
रे	10	22	8	7	8	4	10	5	16	4	9	13	116

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	कर्	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	0	4	0	0	2	1	0	0	1	0	2	0	10
सूर्य	0	2	3	0	1	0	0	2	3	0	0	0	11
चंद्र	2	2	0	0	0	0	0	0	0	0	2	2	8
मंग	0	3	2	0	1	0	0	0	6	0	0	0	12
बुध	0	2	2	4	1	0	0	0	4	2	0	0	15
गुरु	2	4	0	0	2	0	0	2	0	0	0	3	13
शुक्र	4	0	0	3	1	1	4	0	0	1	1	3	18
शनि	2	5	0	0	0	2	0	0	2	0	2	0	13
रे	10	22	7	7	8	4	4	4	16	3	7	8	100

शोध्य पिंड

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	96	97	80	110	108	126	135	114
ग्रह पिंड	62	41	16	64	114	52	66	60
शोध्य पिंड	158	138	96	174	222	178	201	174

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

अष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग

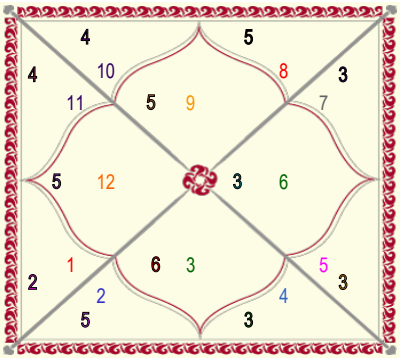

अष्टकवर्ग

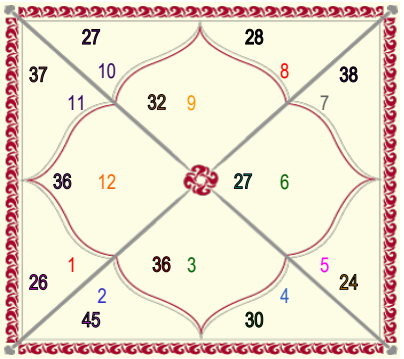

चंद्र का अष्टकवर्ग

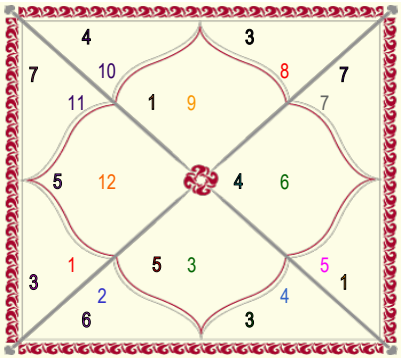

मंगल का अष्टकवर्ग

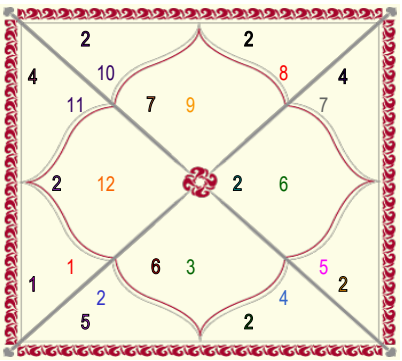

बुद्ध का अष्टकवर्ग

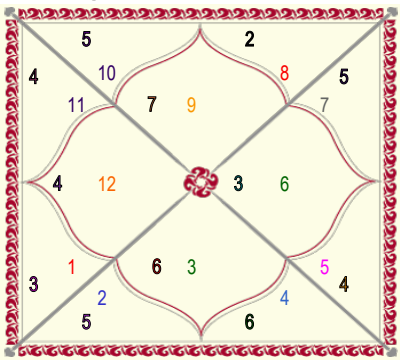

गुरू का अष्टकवर्ग

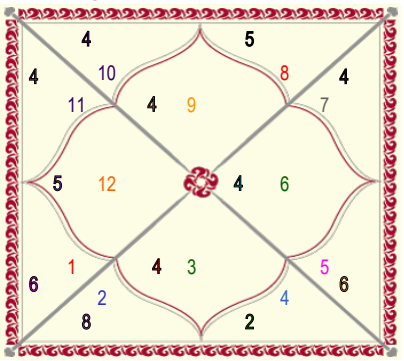

शुक्र का अष्टकवर्ग

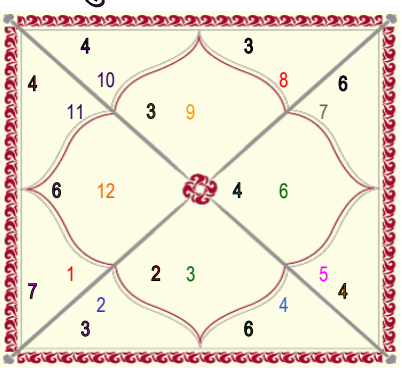

शनि का अष्टकवर्ग

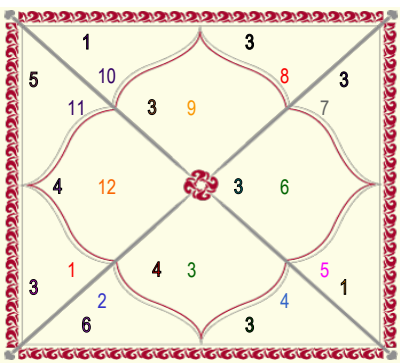

लग्न का अष्टकवर्ग

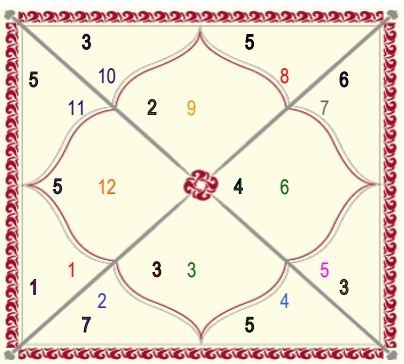

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

भिन्नाष्टक ग्राफ

सूर्य

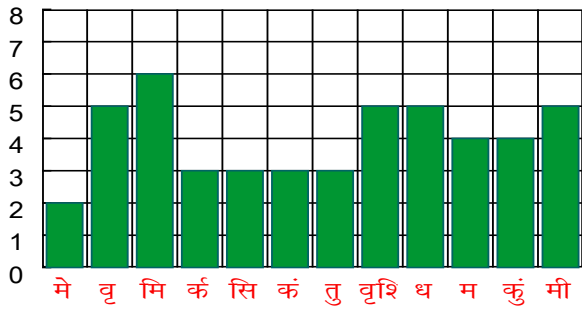

चन्द्र

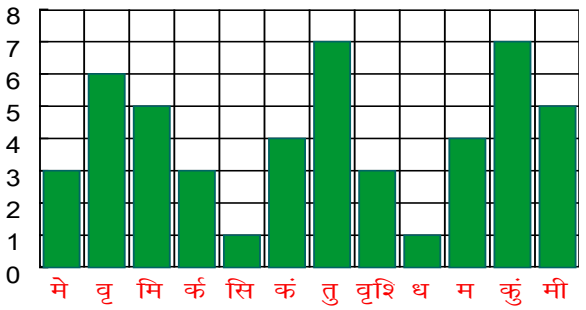

मंगल

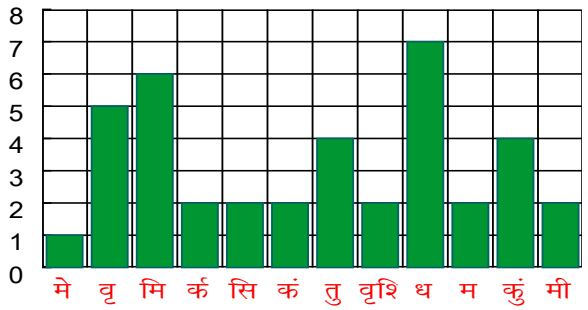

बुध

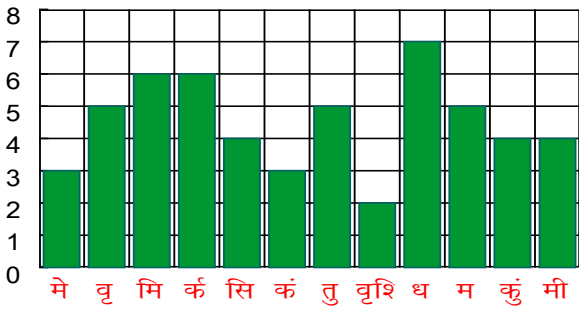

गुरु

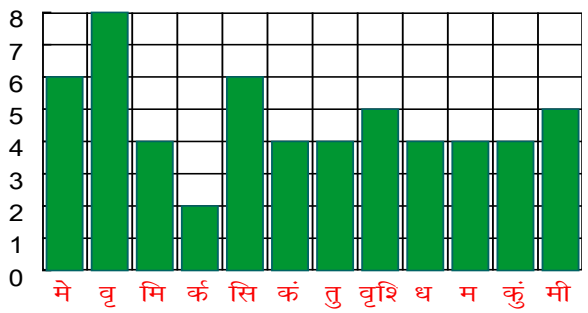

शुक्र

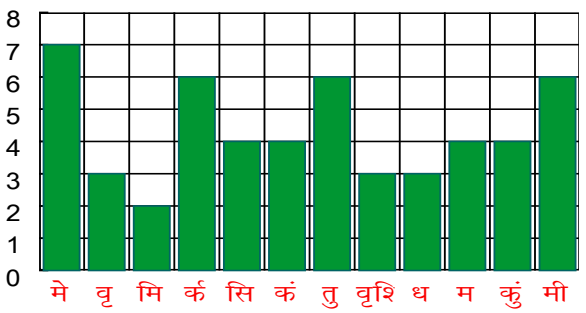

शनि

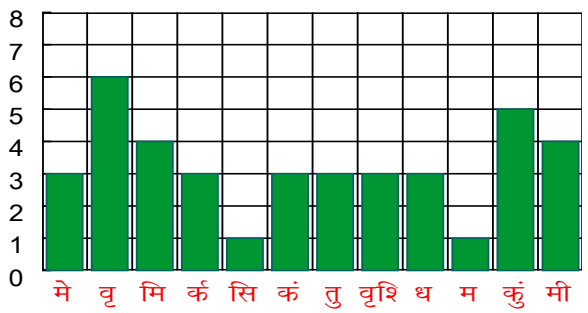

लग्न

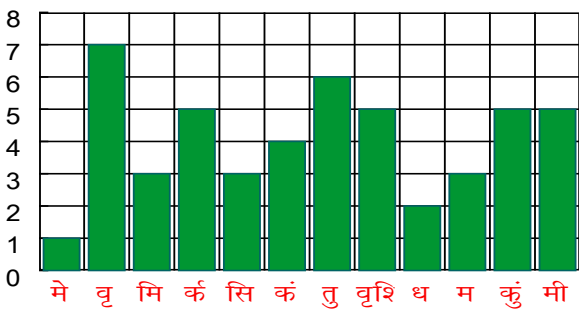

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

अष्टकवर्ग ग्राफ

सर्वाष्टकवर्ग

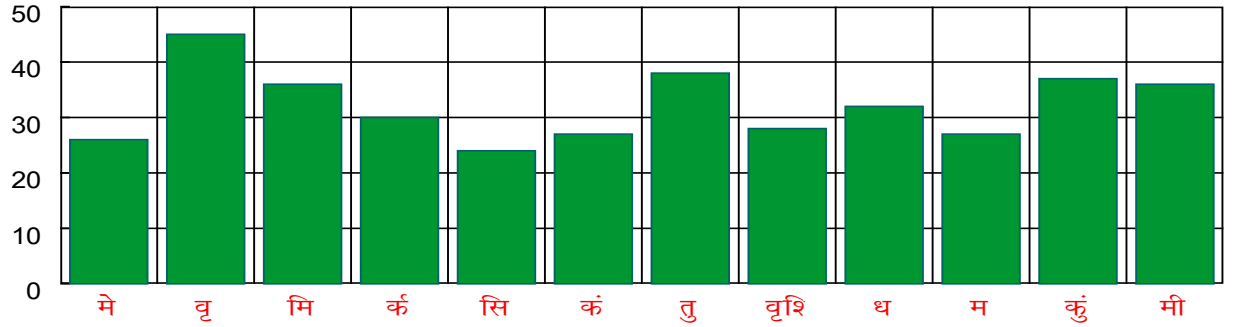

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग

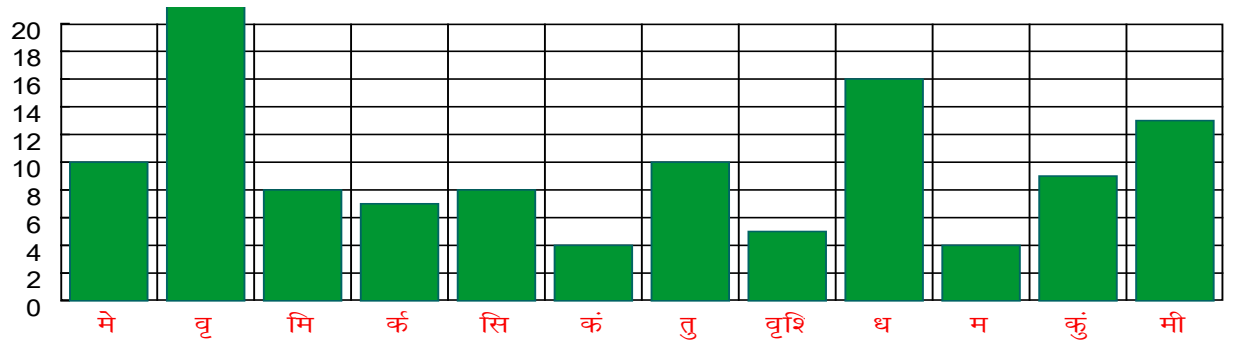

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग

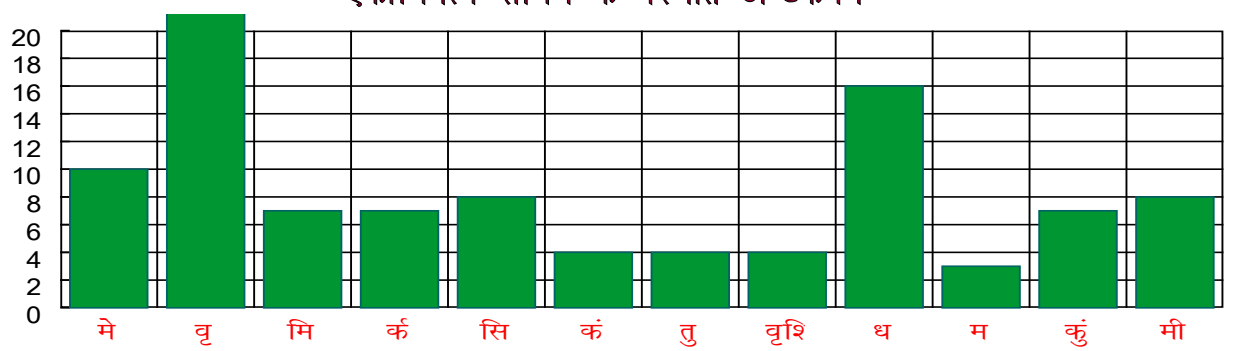

शोध्य पिंड

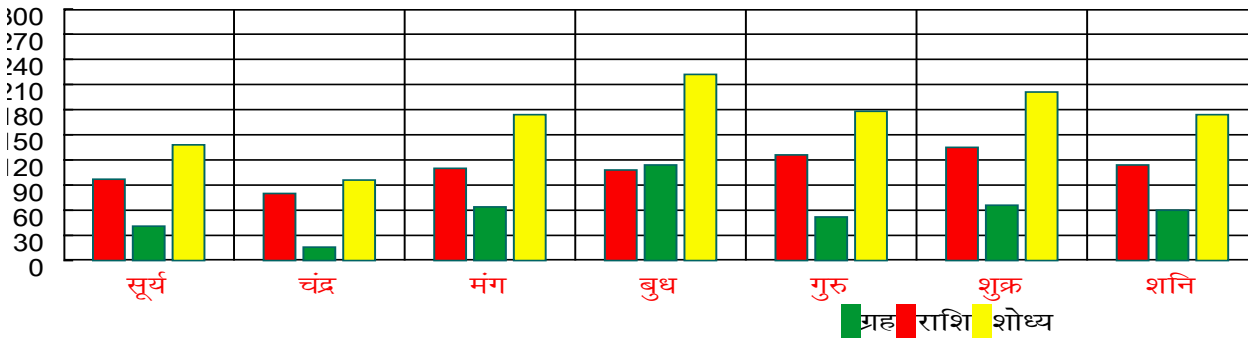

Future Point Future Point Future Point

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चंद्र 8 वर्ष 11 मास 29 दिन

चन्द्र		मंगल		राहु		गुरु	
23/08/1990		23/08/1999		22/08/2006		22/08/2024	
23/08/1999		22/08/2006		22/08/2024		22/08/2040	
चंद्र	23/08/1990	मंग	19/01/2000	राहु	05/05/2009	गुरु	10/10/2026
मंग	22/01/1991	राहु	05/02/2001	गुरु	28/09/2011	शनि	22/04/2029
राहु	22/07/1992	गुरु	12/01/2002	शनि	04/08/2014	बुध	29/07/2031
गुरु	21/11/1993	शनि	21/02/2003	बुध	20/02/2017	केतु	04/07/2032
शनि	23/06/1995	बुध	18/02/2004	केतु	11/03/2018	शुक्र	05/03/2035
बुध	21/11/1996	केतु	16/07/2004	शुक्र	11/03/2021	सूर्य	22/12/2035
केतु	22/06/1997	शुक्र	15/09/2005	सूर्य	02/02/2022	चंद्र	22/04/2037
शुक्र	21/02/1999	सूर्य	21/01/2006	चंद्र	04/08/2023	मंग	29/03/2038
सूर्य	23/08/1999	चंद्र	22/08/2006	मंग	22/08/2024	राहु	22/08/2040

शनि		बुध		केतु		शुक्र	
22/08/2040		23/08/2059		22/08/2076		23/08/2083	
23/08/2059		22/08/2076		23/08/2083		24/08/2103	
शनि	26/08/2043	बुध	18/01/2062	केतु	18/01/2077	शुक्र	22/12/2086
बुध	05/05/2046	केतु	15/01/2063	शुक्र	20/03/2078	सूर्य	22/12/2087
केतु	14/06/2047	शुक्र	15/11/2065	सूर्य	26/07/2078	चंद्र	22/08/2089
शुक्र	13/08/2050	सूर्य	22/09/2066	चंद्र	24/02/2079	मंग	22/10/2090
सूर्य	26/07/2051	चंद्र	21/02/2068	मंग	23/07/2079	राहु	22/10/2093
चंद्र	24/02/2053	मंग	17/02/2069	राहु	10/08/2080	गुरु	22/06/2096
मंग	04/04/2054	राहु	07/09/2071	गुरु	17/07/2081	शनि	23/08/2099
राहु	08/02/2057	गुरु	13/12/2073	शनि	25/08/2082	बुध	23/06/2102
गुरु	23/08/2059	शनि	22/08/2076	बुध	23/08/2083	केतु	24/08/2103

सूर्य		चन्द्र	
24/08/2103		23/08/2109	
23/08/2109		00/00/0000	
सूर्य	11/12/2103	चंद्र	23/06/2110
चंद्र	11/06/2104	मंग	24/08/2110
मंग	17/10/2104	राहु	00/00/0000
राहु	10/09/2105	गुरु	00/00/0000
गुरु	30/06/2106	शनि	00/00/0000
शनि	12/06/2107	बुध	00/00/0000
बुध	17/04/2108	केतु	00/00/0000
केतु	23/08/2108	शुक्र	00/00/0000
शुक्र	23/08/2109	सूर्य	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 11 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

चंद्र-मंग		चंद्र-राहु		चंद्र-गुरु		चंद्र-शनि	
23/08/1990		22/01/1991		22/07/1992		21/11/1993	
22/01/1991		22/07/1992		21/11/1993		23/06/1995	
मंग	00/00/0000	राहु	14/04/1991	गुरु	25/09/1992	शनि	21/02/1994
राहु	23/08/1990	गुरु	26/06/1991	शनि	11/12/1992	बुध	14/05/1994
गुरु	03/09/1990	शनि	21/09/1991	बुध	18/02/1993	केतु	17/06/1994
शनि	07/10/1990	बुध	07/12/1991	केतु	19/03/1993	शुक्र	21/09/1994
बुध	06/11/1990	केतु	08/01/1992	शुक्र	08/06/1993	सूर्य	20/10/1994
केतु	19/11/1990	शुक्र	08/04/1992	सूर्य	02/07/1993	चंद्र	07/12/1994
शुक्र	24/12/1990	सूर्य	06/05/1992	चंद्र	12/08/1993	मंग	10/01/1995
सूर्य	04/01/1991	चंद्र	20/06/1992	मंग	09/09/1993	राहु	07/04/1995
चंद्र	22/01/1991	मंग	22/07/1992	राहु	21/11/1993	गुरु	23/06/1995

चंद्र-बुध		चंद्र-केतु		चंद्र-शुक्र		चंद्र-सूर्य	
23/06/1995		21/11/1996		22/06/1997		21/02/1999	
21/11/1996		22/06/1997		21/02/1999		23/08/1999	
बुध	04/09/1995	केतु	04/12/1996	शुक्र	02/10/1997	सूर्य	02/03/1999
केतु	04/10/1995	शुक्र	08/01/1997	सूर्य	01/11/1997	चंद्र	17/03/1999
शुक्र	29/12/1995	सूर्य	19/01/1997	चंद्र	22/12/1997	मंग	28/03/1999
सूर्य	24/01/1996	चंद्र	06/02/1997	मंग	26/01/1998	राहु	24/04/1999
चंद्र	07/03/1996	मंग	18/02/1997	राहु	28/04/1998	गुरु	19/05/1999
मंग	07/04/1996	राहु	22/03/1997	गुरु	18/07/1998	शनि	17/06/1999
राहु	23/06/1996	गुरु	19/04/1997	शनि	22/10/1998	बुध	13/07/1999
गुरु	31/08/1996	शनि	23/05/1997	बुध	16/01/1999	केतु	23/07/1999
शनि	21/11/1996	बुध	22/06/1997	केतु	21/02/1999	शुक्र	23/08/1999

मंग-मंग		मंग-राहु		मंग-गुरु		मंग-शनि	
23/08/1999		19/01/2000		05/02/2001		12/01/2002	
19/01/2000		05/02/2001		12/01/2002		21/02/2003	
मंग	31/08/1999	राहु	16/03/2000	गुरु	23/03/2001	शनि	17/03/2002
राहु	23/09/1999	गुरु	06/05/2000	शनि	16/05/2001	बुध	14/05/2002
गुरु	13/10/1999	शनि	06/07/2000	बुध	03/07/2001	केतु	06/06/2002
शनि	05/11/1999	बुध	29/08/2000	केतु	23/07/2001	शुक्र	13/08/2002
बुध	26/11/1999	केतु	21/09/2000	शुक्र	18/09/2001	सूर्य	02/09/2002
केतु	05/12/1999	शुक्र	24/11/2000	सूर्य	05/10/2001	चंद्र	06/10/2002
शुक्र	30/12/1999	सूर्य	13/12/2000	चंद्र	02/11/2001	मंग	29/10/2002
सूर्य	06/01/2000	चंद्र	14/01/2001	मंग	22/11/2001	राहु	29/12/2002
चंद्र	19/01/2000	मंग	05/02/2001	राहु	12/01/2002	गुरु	21/02/2003

मंग-बुध		मंग-केतु		मंग-शुक्र		मंग-सूर्य	
21/02/2003		18/02/2004		16/07/2004		15/09/2005	
18/02/2004		16/07/2004		15/09/2005		21/01/2006	
बुध	13/04/2003	केतु	27/02/2004	शुक्र	25/09/2004	सूर्य	22/09/2005
केतु	04/05/2003	शुक्र	23/03/2004	सूर्य	17/10/2004	चंद्र	02/10/2005
शुक्र	04/07/2003	सूर्य	30/03/2004	चंद्र	21/11/2004	मंग	10/10/2005
सूर्य	22/07/2003	चंद्र	12/04/2004	मंग	16/12/2004	राहु	29/10/2005
चंद्र	21/08/2003	मंग	20/04/2004	राहु	18/02/2005	गुरु	15/11/2005
मंग	11/09/2003	राहु	13/05/2004	गुरु	16/04/2005	शनि	05/12/2005
राहु	05/11/2003	गुरु	02/06/2004	शनि	22/06/2005	बुध	24/12/2005
गुरु	23/12/2003	शनि	25/06/2004	बुध	22/08/2005	केतु	31/12/2005
शनि	18/02/2004	बुध	16/07/2004	केतु	15/09/2005	शुक्र	21/01/2006

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

मंग-चंद्र
21/01/2006
22/08/2006

चंद्र	08/02/2006
मंग	20/02/2006
राहु	24/03/2006
गुरु	22/04/2006
शनि	26/05/2006
बुध	25/06/2006
केतु	07/07/2006
शुक्र	12/08/2006
सूर्य	22/08/2006

राहु-राहु
22/08/2006
05/05/2009

राहु	17/01/2007
गुरु	29/05/2007
शनि	01/11/2007
बुध	20/03/2008
केतु	16/05/2008
शुक्र	28/10/2008
सूर्य	16/12/2008
चंद्र	08/03/2009
मंग	05/05/2009

राहु-गुरु
05/05/2009
28/09/2011

गुरु	29/08/2009
शनि	15/01/2010
बुध	19/05/2010
केतु	10/07/2010
शुक्र	03/12/2010
सूर्य	15/01/2011
चंद्र	30/03/2011
मंग	20/05/2011
राहु	28/09/2011

राहु-शनि
28/09/2011
04/08/2014

शनि	11/03/2012
बुध	05/08/2012
केतु	05/10/2012
शुक्र	28/03/2013
सूर्य	19/05/2013
चंद्र	13/08/2013
मंग	13/10/2013
राहु	18/03/2014
गुरु	04/08/2014

राहु-बुध
04/08/2014
20/02/2017

बुध	14/12/2014
केतु	06/02/2015
शुक्र	12/07/2015
सूर्य	27/08/2015
चंद्र	13/11/2015
मंग	06/01/2016
राहु	25/05/2016
गुरु	26/09/2016
शनि	20/02/2017

राहु-केतु
20/02/2017
11/03/2018

केतु	15/03/2017
शुक्र	18/05/2017
सूर्य	06/06/2017
चंद्र	08/07/2017
मंग	30/07/2017
राहु	26/09/2017
गुरु	16/11/2017
शनि	16/01/2018
बुध	11/03/2018

राहु-शुक्र
11/03/2018
11/03/2021

शुक्र	10/09/2018
सूर्य	03/11/2018
चंद्र	03/02/2019
मंग	08/04/2019
राहु	19/09/2019
गुरु	12/02/2020
शनि	04/08/2020
बुध	06/01/2021
केतु	11/03/2021

राहु-सूर्य
11/03/2021
02/02/2022

सूर्य	27/03/2021
चंद्र	24/04/2021
मंग	13/05/2021
राहु	01/07/2021
गुरु	14/08/2021
शनि	05/10/2021
बुध	20/11/2021
केतु	10/12/2021
शुक्र	02/02/2022

राहु-चंद्र
02/02/2022
04/08/2023

चंद्र	20/03/2022
मंग	21/04/2022
राहु	12/07/2022
गुरु	23/09/2022
शनि	19/12/2022
बुध	07/03/2023
केतु	08/04/2023
शुक्र	08/07/2023
सूर्य	04/08/2023

राहु-मंग
04/08/2023
22/08/2024

मंग	27/08/2023
राहु	23/10/2023
गुरु	13/12/2023
शनि	12/02/2024
बुध	06/04/2024
केतु	29/04/2024
शुक्र	02/07/2024
सूर्य	21/07/2024
चंद्र	22/08/2024

गुरु-गुरु
22/08/2024
10/10/2026

गुरु	04/12/2024
शनि	06/04/2025
बुध	26/07/2025
केतु	09/09/2025
शुक्र	17/01/2026
सूर्य	25/02/2026
चंद्र	01/05/2026
मंग	15/06/2026
राहु	10/10/2026

गुरु-शनि
10/10/2026
22/04/2029

शनि	06/03/2027
बुध	15/07/2027
केतु	07/09/2027
शुक्र	08/02/2028
सूर्य	25/03/2028
चंद्र	10/06/2028
मंग	03/08/2028
राहु	20/12/2028
गुरु	22/04/2029

गुरु-बुध
22/04/2029
29/07/2031

बुध	18/08/2029
केतु	05/10/2029
शुक्र	20/02/2030
सूर्य	02/04/2030
चंद्र	10/06/2030
मंग	29/07/2030
राहु	30/11/2030
गुरु	20/03/2031
शनि	29/07/2031

गुरु-केतु
29/07/2031
04/07/2032

केतु	18/08/2031
शुक्र	14/10/2031
सूर्य	31/10/2031
चंद्र	28/11/2031
मंग	18/12/2031
राहु	07/02/2032
गुरु	24/03/2032
शनि	17/05/2032
बुध	04/07/2032

गुरु-शुक्र
04/07/2032
05/03/2035

शुक्र	13/12/2032
सूर्य	31/01/2033
चंद्र	22/04/2033
मंग	18/06/2033
राहु	11/11/2033
गुरु	21/03/2034
शनि	22/08/2034
बुध	07/01/2035
केतु	05/03/2035

गुरु-सूर्य
05/03/2035
22/12/2035

सूर्य	20/03/2035
चंद्र	13/04/2035
मंग	30/04/2035
राहु	13/06/2035
गुरु	22/07/2035
शनि	06/09/2035
बुध	18/10/2035
केतु	04/11/2035
शुक्र	22/12/2035

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

गुरु-चंद्र		गुरु-मंग		गुरु-राहु		शनि-शनि	
22/12/2035		22/04/2037		29/03/2038		22/08/2040	
22/04/2037		29/03/2038		22/08/2040		26/08/2043	
चंद्र	01/02/2036	मंग	12/05/2037	राहु	08/08/2038	शनि	12/02/2041
मंग	29/02/2036	राहु	02/07/2037	गुरु	03/12/2038	बुध	17/07/2041
राहु	12/05/2036	गुरु	17/08/2037	शनि	20/04/2039	केतु	20/09/2041
गुरु	16/07/2036	शनि	10/10/2037	बुध	23/08/2039	शुक्र	22/03/2042
शनि	01/10/2036	बुध	27/11/2037	केतु	13/10/2039	सूर्य	16/05/2042
बुध	09/12/2036	केतु	17/12/2037	शुक्र	07/03/2040	चंद्र	15/08/2042
केतु	07/01/2037	शुक्र	12/02/2038	सूर्य	20/04/2040	मंग	18/10/2042
शुक्र	29/03/2037	सूर्य	01/03/2038	चंद्र	02/07/2040	राहु	01/04/2043
सूर्य	22/04/2037	चंद्र	29/03/2038	मंग	22/08/2040	गुरु	26/08/2043

शनि-बुध		शनि-केतु		शनि-शुक्र		शनि-सूर्य	
26/08/2043		05/05/2046		14/06/2047		13/08/2050	
05/05/2046		14/06/2047		13/08/2050		26/07/2051	
बुध	12/01/2044	केतु	28/05/2046	शुक्र	23/12/2047	सूर्य	31/08/2050
केतु	09/03/2044	शुक्र	04/08/2046	सूर्य	19/02/2048	चंद्र	28/09/2050
शुक्र	20/08/2044	सूर्य	24/08/2046	चंद्र	26/05/2048	मंग	19/10/2050
सूर्य	08/10/2044	चंद्र	27/09/2046	मंग	01/08/2048	राहु	10/12/2050
चंद्र	29/12/2044	मंग	20/10/2046	राहु	22/01/2049	गुरु	25/01/2051
मंग	25/02/2045	राहु	20/12/2046	गुरु	25/06/2049	शनि	21/03/2051
राहु	22/07/2045	गुरु	12/02/2047	शनि	25/12/2049	बुध	09/05/2051
गुरु	30/11/2045	शनि	17/04/2047	बुध	07/06/2050	केतु	29/05/2051
शनि	05/05/2046	बुध	14/06/2047	केतु	13/08/2050	शुक्र	26/07/2051

शनि-चंद्र		शनि-मंग		शनि-राहु		शनि-गुरु	
26/07/2051		24/02/2053		04/04/2054		08/02/2057	
24/02/2053		04/04/2054		08/02/2057		23/08/2059	
चंद्र	12/09/2051	मंग	19/03/2053	राहु	07/09/2054	गुरु	12/06/2057
मंग	16/10/2051	राहु	19/05/2053	गुरु	24/01/2055	शनि	05/11/2057
राहु	11/01/2052	गुरु	12/07/2053	शनि	08/07/2055	बुध	16/03/2058
गुरु	28/03/2052	शनि	14/09/2053	बुध	03/12/2055	केतु	09/05/2058
शनि	28/06/2052	बुध	10/11/2053	केतु	01/02/2056	शुक्र	10/10/2058
बुध	17/09/2052	केतु	04/12/2053	शुक्र	24/07/2056	सूर्य	26/11/2058
केतु	21/10/2052	शुक्र	09/02/2054	सूर्य	14/09/2056	चंद्र	11/02/2059
शुक्र	26/01/2053	सूर्य	02/03/2054	चंद्र	10/12/2056	मंग	06/04/2059
सूर्य	24/02/2053	चंद्र	04/04/2054	मंग	08/02/2057	राहु	23/08/2059

बुध-बुध		बुध-केतु		बुध-शुक्र		बुध-सूर्य	
23/08/2059		18/01/2062		15/01/2063		15/11/2065	
18/01/2062		15/01/2063		15/11/2065		22/09/2066	
बुध	25/12/2059	केतु	08/02/2062	शुक्र	07/07/2063	सूर्य	01/12/2065
केतु	15/02/2060	शुक्र	10/04/2062	सूर्य	28/08/2063	चंद्र	27/12/2065
शुक्र	10/07/2060	सूर्य	28/04/2062	चंद्र	22/11/2063	मंग	14/01/2066
सूर्य	23/08/2060	चंद्र	28/05/2062	मंग	21/01/2064	राहु	01/03/2066
चंद्र	04/11/2060	मंग	18/06/2062	राहु	25/06/2064	गुरु	12/04/2066
मंग	26/12/2060	राहु	11/08/2062	गुरु	09/11/2064	शनि	31/05/2066
राहु	07/05/2061	गुरु	29/09/2062	शनि	22/04/2065	बुध	14/07/2066
गुरु	01/09/2061	शनि	25/11/2062	बुध	16/09/2065	केतु	01/08/2066
शनि	18/01/2062	बुध	15/01/2063	केतु	15/11/2065	शुक्र	22/09/2066

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

बुध-चंद्र		बुध-मंग		बुध-राहु		बुध-गुरु	
22/09/2066	21/02/2068	21/02/2068	17/02/2069	17/02/2069	07/09/2071	07/09/2071	13/12/2073
चंद्र	04/11/2066	मंग	13/03/2068	राहु	07/07/2069	गुरु	26/12/2071
मंग	04/12/2066	राहु	07/05/2068	गुरु	08/11/2069	शनि	05/05/2072
राहु	20/02/2067	गुरु	24/06/2068	शनि	05/04/2070	बुध	31/08/2072
गुरु	30/04/2067	शनि	20/08/2068	बुध	15/08/2070	केतु	18/10/2072
शनि	21/07/2067	बुध	11/10/2068	केतु	08/10/2070	शुक्र	05/03/2073
बुध	02/10/2067	केतु	01/11/2068	शुक्र	12/03/2071	सूर्य	15/04/2073
केतु	01/11/2067	शुक्र	31/12/2068	सूर्य	28/04/2071	चंद्र	23/06/2073
शुक्र	26/01/2068	सूर्य	18/01/2069	चंद्र	14/07/2071	मंग	11/08/2073
सूर्य	21/02/2068	चंद्र	17/02/2069	मंग	07/09/2071	राहु	13/12/2073

बुध-शनि		केतु-केतु		केतु-शुक्र		केतु-सूर्य	
13/12/2073	22/08/2076	22/08/2076	18/01/2077	18/01/2077	20/03/2078	20/03/2078	26/07/2078
शनि	17/05/2074	केतु	31/08/2076	शुक्र	30/03/2077	सूर्य	27/03/2078
बुध	04/10/2074	शुक्र	24/09/2076	सूर्य	20/04/2077	चंद्र	06/04/2078
केतु	30/11/2074	सूर्य	02/10/2076	चंद्र	26/05/2077	मंग	14/04/2078
शुक्र	13/05/2075	चंद्र	14/10/2076	मंग	20/06/2077	राहु	03/05/2078
सूर्य	01/07/2075	मंग	23/10/2076	राहु	23/08/2077	गुरु	20/05/2078
चंद्र	21/09/2075	राहु	14/11/2076	गुरु	18/10/2077	शनि	09/06/2078
मंग	17/11/2075	गुरु	04/12/2076	शनि	25/12/2077	बुध	27/06/2078
राहु	13/04/2076	शनि	28/12/2076	बुध	23/02/2078	केतु	05/07/2078
गुरु	22/08/2076	बुध	18/01/2077	केतु	20/03/2078	शुक्र	26/07/2078

केतु-चंद्र		केतु-मंग		केतु-राहु		केतु-गुरु	
26/07/2078	24/02/2079	24/02/2079	23/07/2079	23/07/2079	10/08/2080	10/08/2080	17/07/2081
चंद्र	13/08/2078	मंग	05/03/2079	राहु	19/09/2079	गुरु	24/09/2080
मंग	25/08/2078	राहु	27/03/2079	गुरु	09/11/2079	शनि	17/11/2080
राहु	26/09/2078	गुरु	16/04/2079	शनि	09/01/2080	बुध	04/01/2081
गुरु	25/10/2078	शनि	10/05/2079	बुध	03/03/2080	केतु	24/01/2081
शनि	27/11/2078	बुध	31/05/2079	केतु	25/03/2080	शुक्र	22/03/2081
बुध	27/12/2078	केतु	08/06/2079	शुक्र	28/05/2080	सूर्य	08/04/2081
केतु	09/01/2079	शुक्र	03/07/2079	सूर्य	16/06/2080	चंद्र	07/05/2081
शुक्र	13/02/2079	सूर्य	11/07/2079	चंद्र	18/07/2080	मंग	26/05/2081
सूर्य	24/02/2079	चंद्र	23/07/2079	मंग	10/08/2080	राहु	17/07/2081

केतु-शनि		केतु-बुध		शुक्र-शुक्र		शुक्र-सूर्य	
17/07/2081	25/08/2082	25/08/2082	23/08/2083	23/08/2083	22/12/2086	22/12/2086	22/12/2087
शनि	19/09/2081	बुध	16/10/2082	शुक्र	13/03/2084	सूर्य	09/01/2087
बुध	15/11/2081	केतु	06/11/2082	सूर्य	12/05/2084	चंद्र	09/02/2087
केतु	09/12/2081	शुक्र	05/01/2083	चंद्र	22/08/2084	मंग	02/03/2087
शुक्र	14/02/2082	सूर्य	23/01/2083	मंग	01/11/2084	राहु	26/04/2087
सूर्य	06/03/2082	चंद्र	22/02/2083	राहु	02/05/2085	गुरु	14/06/2087
चंद्र	09/04/2082	मंग	16/03/2083	गुरु	12/10/2085	शनि	10/08/2087
मंग	03/05/2082	राहु	09/05/2083	शनि	23/04/2086	बुध	01/10/2087
राहु	02/07/2082	गुरु	26/06/2083	बुध	12/10/2086	केतु	22/10/2087
गुरु	25/08/2082	शनि	23/08/2083	केतु	22/12/2086	शुक्र	22/12/2087

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

शुक्र-चंद्र		शुक्र-मंग		शुक्र-राहु		शुक्र-गुरु	
22/12/2087		22/08/2089		22/10/2090		22/10/2093	
22/08/2089		22/10/2090		22/10/2093		22/06/2096	
चंद्र	11/02/2088	मंग	16/09/2089	राहु	05/04/2091	गुरु	01/03/2094
मंग	18/03/2088	राहु	19/11/2089	गुरु	29/08/2091	शनि	02/08/2094
राहु	17/06/2088	गुरु	15/01/2090	शनि	18/02/2092	बुध	18/12/2094
गुरु	06/09/2088	शनि	23/03/2090	बुध	22/07/2092	केतु	13/02/2095
शनि	11/12/2088	बुध	23/05/2090	केतु	24/09/2092	शुक्र	25/07/2095
बुध	08/03/2089	केतु	16/06/2090	शुक्र	26/03/2093	सूर्य	12/09/2095
केतु	12/04/2089	शुक्र	26/08/2090	सूर्य	20/05/2093	चंद्र	02/12/2095
शुक्र	23/07/2089	सूर्य	17/09/2090	चंद्र	19/08/2093	मंग	28/01/2096
सूर्य	22/08/2089	चंद्र	22/10/2090	मंग	22/10/2093	राहु	22/06/2096

शुक्र-शनि		शुक्र-बुध		शुक्र-केतु		सूर्य-सूर्य	
22/06/2096		23/08/2099		23/06/2102		24/08/2103	
23/08/2099		23/06/2102		24/08/2103		11/12/2103	
शनि	22/12/2096	बुध	16/01/2100	केतु	18/07/2102	सूर्य	29/08/2103
बुध	04/06/2097	केतु	18/03/2100	शुक्र	27/09/2102	चंद्र	07/09/2103
केतु	10/08/2097	शुक्र	06/09/2100	सूर्य	19/10/2102	मंग	14/09/2103
शुक्र	19/02/2098	सूर्य	28/10/2100	चंद्र	23/11/2102	राहु	30/09/2103
सूर्य	18/04/2098	चंद्र	22/01/2101	मंग	18/12/2102	गुरु	15/10/2103
चंद्र	23/07/2098	मंग	23/03/2101	राहु	20/02/2103	शनि	01/11/2103
मंग	29/09/2098	राहु	26/08/2101	गुरु	18/04/2103	बुध	17/11/2103
राहु	21/03/2099	गुरु	11/01/2102	शनि	24/06/2103	केतु	23/11/2103
गुरु	23/08/2099	शनि	23/06/2102	बुध	24/08/2103	शुक्र	11/12/2103

सूर्य-चंद्र		सूर्य-मंग		सूर्य-राहु		सूर्य-गुरु	
11/12/2103		11/06/2104		17/10/2104		10/09/2105	
11/06/2104		17/10/2104		10/09/2105		30/06/2106	
चंद्र	26/12/2103	मंग	18/06/2104	राहु	05/12/2104	गुरु	19/10/2105
मंग	06/01/2104	राहु	07/07/2104	गुरु	18/01/2105	शनि	05/12/2105
राहु	02/02/2104	गुरु	24/07/2104	शनि	11/03/2105	बुध	15/01/2106
गुरु	27/02/2104	शनि	14/08/2104	बुध	26/04/2105	केतु	01/02/2106
शनि	27/03/2104	बुध	01/09/2104	केतु	16/05/2105	शुक्र	22/03/2106
बुध	22/04/2104	केतु	08/09/2104	शुक्र	09/07/2105	सूर्य	05/04/2106
केतु	02/05/2104	शुक्र	30/09/2104	सूर्य	26/07/2105	चंद्र	30/04/2106
शुक्र	02/06/2104	सूर्य	06/10/2104	चंद्र	22/08/2105	मंग	17/05/2106
सूर्य	11/06/2104	चंद्र	17/10/2104	मंग	10/09/2105	राहु	30/06/2106

सूर्य-शनि		सूर्य-बुध		सूर्य-केतु		सूर्य-शुक्र	
30/06/2106		12/06/2107		17/04/2108		23/08/2108	
12/06/2107		17/04/2108		23/08/2108		23/08/2109	
शनि	24/08/2106	बुध	26/07/2107	केतु	24/04/2108	शुक्र	23/10/2108
बुध	12/10/2106	केतु	13/08/2107	शुक्र	16/05/2108	सूर्य	10/11/2108
केतु	01/11/2106	शुक्र	03/10/2107	सूर्य	22/05/2108	चंद्र	10/12/2108
शुक्र	29/12/2106	सूर्य	19/10/2107	चंद्र	02/06/2108	मंग	01/01/2109
सूर्य	15/01/2107	चंद्र	14/11/2107	मंग	09/06/2108	राहु	25/02/2109
चंद्र	13/02/2107	मंग	02/12/2107	राहु	28/06/2108	गुरु	14/04/2109
मंग	05/03/2107	राहु	17/01/2108	गुरु	15/07/2108	शनि	11/06/2109
राहु	26/04/2107	गुरु	28/02/2108	शनि	05/08/2108	बुध	02/08/2109
गुरु	12/06/2107	शनि	17/04/2108	बुध	23/08/2108	केतु	23/08/2109

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

विंशोत्तरी दशा-सूक्ष्म

राहु-शनि-मंग
13/08/2013 22:12
13/10/2013 15:33

मंग	17/08/2013 11:13
राहु	26/08/2013 13:49
गुरु	03/09/2013 16:08
शनि	13/09/2013 06:53
बुध	21/09/2013 21:20
केतु	25/09/2013 10:21
शुक्र	05/10/2013 13:14
सूर्य	08/10/2013 14:06
चंद्र	13/10/2013 15:33

राहु-शनि-राहु
13/10/2013 15:33
18/03/2014 19:01

राहु	06/11/2013 01:40
गुरु	26/11/2013 21:20
शनि	21/12/2013 14:41
बुध	12/01/2014 17:34
केतु	21/01/2014 20:11
शुक्र	16/02/2014 20:45
सूर्य	24/02/2014 16:08
चंद्र	09/03/2014 16:25
मंग	18/03/2014 19:01

राहु-शनि-गुरु
18/03/2014 19:01
04/08/2014 14:06

गुरु	06/04/2014 07:10
शनि	28/04/2014 06:35
बुध	17/05/2014 22:29
केतु	26/05/2014 00:48
शुक्र	18/06/2014 03:59
सूर्य	25/06/2014 02:32
चंद्र	06/07/2014 16:07
मंग	14/07/2014 18:26
राहु	04/08/2014 14:06

राहु-बुध-बुध
04/08/2014 14:06
14/12/2014 12:49

बुध	23/08/2014 06:43
केतु	30/08/2014 23:26
शुक्र	21/09/2014 23:14
सूर्य	28/09/2014 13:34
चंद्र	09/10/2014 13:27
मंग	17/10/2014 06:11
राहु	06/11/2014 01:11
गुरु	23/11/2014 15:25
शनि	14/12/2014 12:49

राहु-बुध-केतु
14/12/2014 12:49
06/02/2015 20:45

केतु	17/12/2014 16:53
शुक्र	26/12/2014 18:12
सूर्य	29/12/2014 11:24
चंद्र	03/01/2015 00:04
मंग	06/01/2015 04:07
राहु	14/01/2015 07:43
गुरु	21/01/2015 13:34
शनि	30/01/2015 04:02
बुध	06/02/2015 20:45

राहु-बुध-शुक्र
06/02/2015 20:45
12/07/2015 02:18

शुक्र	04/03/2015 17:41
सूर्य	12/03/2015 11:58
चंद्र	25/03/2015 10:25
मंग	03/04/2015 11:45
राहु	26/04/2015 18:35
गुरु	17/05/2015 11:19
शनि	11/06/2015 01:12
बुध	03/07/2015 00:59
केतु	12/07/2015 02:18

राहु-बुध-सूर्य
12/07/2015 02:18
27/08/2015 15:58

सूर्य	14/07/2015 10:11
चंद्र	18/07/2015 07:20
मंग	21/07/2015 00:32
राहु	28/07/2015 00:11
गुरु	03/08/2015 05:12
शनि	10/08/2015 14:10
बुध	17/08/2015 04:30
केतु	19/08/2015 21:42
शुक्र	27/08/2015 15:58

राहु-बुध-चंद्र
27/08/2015 15:58
13/11/2015 06:45

चंद्र	03/09/2015 03:12
मंग	07/09/2015 15:52
राहु	19/09/2015 07:17
गुरु	29/09/2015 15:39
शनि	11/10/2015 22:35
बुध	22/10/2015 22:29
केतु	27/10/2015 11:09
शुक्र	09/11/2015 09:37
सूर्य	13/11/2015 06:45

राहु-बुध-मंग
13/11/2015 06:45
06/01/2016 14:41

मंग	16/11/2015 10:49
राहु	24/11/2015 14:24
गुरु	01/12/2015 20:16
शनि	10/12/2015 10:43
बुध	18/12/2015 03:27
केतु	21/12/2015 07:30
शुक्र	30/12/2015 08:50
सूर्य	02/01/2016 02:02
चंद्र	06/01/2016 14:41

राहु-बुध-राहु
06/01/2016 14:41
25/05/2016 07:41

राहु	27/01/2016 13:38
गुरु	15/02/2016 04:42
शनि	08/03/2016 07:36
बुध	28/03/2016 02:36
केतु	05/04/2016 06:12
शुक्र	28/04/2016 13:02
सूर्य	05/05/2016 12:41
चंद्र	17/05/2016 04:06
मंग	25/05/2016 07:41

राहु-बुध-गुरु
25/05/2016 07:41
26/09/2016 12:08

गुरु	10/06/2016 21:05
शनि	30/06/2016 12:59
बुध	18/07/2016 03:13
केतु	25/07/2016 09:04
शुक्र	15/08/2016 01:48
सूर्य	21/08/2016 06:50
चंद्र	31/08/2016 15:12
मंग	07/09/2016 21:04
राहु	26/09/2016 12:08

राहु-बुध-शनि
26/09/2016 12:08
20/02/2017 23:24

शनि	19/10/2016 20:31
बुध	09/11/2016 17:54
केतु	18/11/2016 08:22
शुक्र	12/12/2016 22:15
सूर्य	20/12/2016 07:12
चंद्र	01/01/2017 14:09
मंग	10/01/2017 04:36
राहु	01/02/2017 07:30
गुरु	20/02/2017 23:24

राहु-केतु-केतु
20/02/2017 23:24
15/03/2017 08:19

केतु	22/02/2017 06:43
शुक्र	26/02/2017 00:12
सूर्य	27/02/2017 03:03
चंद्र	28/02/2017 23:48
मंग	02/03/2017 07:07
राहु	05/03/2017 15:39
गुरु	08/03/2017 15:14
शनि	12/03/2017 04:15
बुध	15/03/2017 08:19

राहु-केतु-शुक्र
15/03/2017 08:19
18/05/2017 06:22

शुक्र	25/03/2017 23:59
सूर्य	29/03/2017 04:42
चंद्र	03/04/2017 12:32
मंग	07/04/2017 06:01
राहु	16/04/2017 20:07
गुरु	25/04/2017 08:40
शनि	05/05/2017 11:33
बुध	14/05/2017 12:53
केतु	18/05/2017 06:22

राहु-केतु-सूर्य
18/05/2017 06:22
06/06/2017 10:35

सूर्य	19/05/2017 05:23
चंद्र	20/05/2017 19:44
मंग	21/05/2017 22:34
राहु	24/05/2017 19:36
गुरु	27/05/2017 08:58
शनि	30/05/2017 09:50
बुध	02/06/2017 03:02
केतु	03/06/2017 05:53
शुक्र	06/06/2017 10:35

राहु-केतु-चंद्र
06/06/2017 10:35
08/07/2017 09:36

चंद्र	09/06/2017 02:30
मंग	10/06/2017 23:15
राहु	15/06/2017 18:18
गुरु	20/06/2017 00:34
शनि	25/06/2017 02:01
बुध	29/06/2017 14:40
केतु	01/07/2017 11:25
शुक्र	06/07/2017 19:15
सूर्य	08/07/2017 09:36

विंशोत्तरी दशा-सूक्ष्म

राहु-केतु-मंग
08/07/2017 09:36
30/07/2017 18:31

मंग	09/07/2017 16:56
राहु	13/07/2017 01:28
गुरु	16/07/2017 01:03
शनि	19/07/2017 14:04
बुध	22/07/2017 18:08
केतु	24/07/2017 01:27
शुक्र	27/07/2017 18:56
सूर्य	28/07/2017 21:47
चंद्र	30/07/2017 18:31

राहु-केतु-राहु
30/07/2017 18:31
26/09/2017 07:10

राहु	08/08/2017 09:37
गुरु	16/08/2017 01:42
शनि	25/08/2017 04:18
बुध	02/09/2017 07:54
केतु	05/09/2017 16:26
शुक्र	15/09/2017 06:33
सूर्य	18/09/2017 03:35
चंद्र	22/09/2017 22:38
मंग	26/09/2017 07:10

राहु-केतु-गुरु
26/09/2017 07:10
16/11/2017 10:24

गुरु	03/10/2017 02:48
शनि	11/10/2017 05:07
बुध	18/10/2017 10:58
केतु	21/10/2017 10:34
शुक्र	29/10/2017 23:06
सूर्य	01/11/2017 12:28
चंद्र	05/11/2017 18:44
मंग	08/11/2017 18:19
राहु	16/11/2017 10:24

राहु-केतु-शनि
16/11/2017 10:24
16/01/2018 03:45

शनि	26/11/2017 01:09
बुध	04/12/2017 15:37
केतु	08/12/2017 04:37
शुक्र	18/12/2017 07:31
सूर्य	21/12/2017 08:23
चंद्र	26/12/2017 09:50
मंग	29/12/2017 22:50
राहु	08/01/2018 01:27
गुरु	16/01/2018 03:45

राहु-केतु-बुध
16/01/2018 03:45
11/03/2018 11:42

बुध	23/01/2018 20:29
केतु	27/01/2018 00:33
शुक्र	05/02/2018 01:52
सूर्य	07/02/2018 19:04
चंद्र	12/02/2018 07:44
मंग	15/02/2018 11:47
राहु	23/02/2018 15:23
गुरु	02/03/2018 21:14
शनि	11/03/2018 11:42

राहु-शुक्र-शुक्र
11/03/2018 11:42
10/09/2018 02:42

शुक्र	10/04/2018 22:12
सूर्य	20/04/2018 01:21
चंद्र	05/05/2018 06:36
मंग	15/05/2018 22:16
राहु	12/06/2018 07:43
गुरु	06/07/2018 16:07
शनि	04/08/2018 14:06
बुध	30/08/2018 11:01
केतु	10/09/2018 02:42

राहु-शुक्र-सूर्य
10/09/2018 02:42
03/11/2018 21:36

सूर्य	12/09/2018 20:27
चंद्र	17/09/2018 10:01
मंग	20/09/2018 14:43
राहु	28/09/2018 19:57
गुरु	06/10/2018 03:17
शनि	14/10/2018 19:28
बुध	22/10/2018 13:45
केतु	25/10/2018 18:27
शुक्र	03/11/2018 21:36

राहु-शुक्र-चंद्र
03/11/2018 21:36
03/02/2019 05:06

चंद्र	11/11/2018 12:13
मंग	16/11/2018 20:04
राहु	30/11/2018 12:47
गुरु	12/12/2018 16:59
शनि	27/12/2018 03:58
बुध	09/01/2019 02:26
केतु	14/01/2019 10:16
शुक्र	29/01/2019 15:31
सूर्य	03/02/2019 05:06

राहु-शुक्र-मंग
03/02/2019 05:06
08/04/2019 03:09

मंग	06/02/2019 22:35
राहु	16/02/2019 12:41
गुरु	25/02/2019 01:14
शनि	07/03/2019 04:07
बुध	16/03/2019 05:27
केतु	19/03/2019 22:56
शुक्र	30/03/2019 14:36
सूर्य	02/04/2019 19:19
चंद्र	08/04/2019 03:09

राहु-शुक्र-राहु
08/04/2019 03:09
19/09/2019 11:51

राहु	02/05/2019 18:51
गुरु	24/05/2019 16:49
शनि	19/06/2019 17:23
बुध	13/07/2019 00:13
केतु	22/07/2019 14:20
शुक्र	18/08/2019 23:47
सूर्य	27/08/2019 05:01
चंद्र	09/09/2019 21:44
मंग	19/09/2019 11:51

राहु-शुक्र-गुरु
19/09/2019 11:51
12/02/2020 14:15

गुरु	08/10/2019 23:22
शनि	01/11/2019 02:33
बुध	21/11/2019 19:17
केतु	30/11/2019 07:50
शुक्र	24/12/2019 16:14
सूर्य	31/12/2019 23:33
चंद्र	13/01/2020 03:45
मंग	21/01/2020 16:17
राहु	12/02/2020 14:15

राहु-शुक्र-शनि
12/02/2020 14:15
04/08/2020 02:06

शनि	11/03/2020 01:31
बुध	04/04/2020 15:24
केतु	14/04/2020 18:18
शुक्र	13/05/2020 16:16
सूर्य	22/05/2020 08:28
चंद्र	05/06/2020 19:27
मंग	15/06/2020 22:20
राहु	11/07/2020 22:55
गुरु	04/08/2020 02:06

राहु-शुक्र-बुध
04/08/2020 02:06
06/01/2021 07:39

बुध	26/08/2020 01:53
केतु	04/09/2020 03:12
शुक्र	30/09/2020 00:08
सूर्य	07/10/2020 18:25
चंद्र	20/10/2020 16:52
मंग	29/10/2020 18:12
राहु	22/11/2020 01:02
गुरु	12/12/2020 17:46
शनि	06/01/2021 07:39

राहु-शुक्र-केतु
06/01/2021 07:39
11/03/2021 05:42

केतु	10/01/2021 01:08
शुक्र	20/01/2021 16:49
सूर्य	23/01/2021 21:31
चंद्र	29/01/2021 05:21
मंग	01/02/2021 22:50
राहु	11/02/2021 12:57
गुरु	20/02/2021 01:29
शनि	02/03/2021 04:22
बुध	11/03/2021 05:42

राहु-सूर्य-सूर्य
11/03/2021 05:42
27/03/2021 16:10

सूर्य	12/03/2021 01:25
चंद्र	13/03/2021 10:18
मंग	14/03/2021 09:18
राहु	16/03/2021 20:28
गुरु	19/03/2021 01:04
शनि	21/03/2021 15:32
बुध	23/03/2021 23:25
केतु	24/03/2021 22:25
शुक्र	27/03/2021 16:10

राहु-सूर्य-चंद्र
27/03/2021 16:10
24/04/2021 01:37

चंद्र	29/03/2021 22:57
मंग	31/03/2021 13:18
राहु	04/04/2021 15:55
गुरु	08/04/2021 07:35
शनि	12/04/2021 15:41
बुध	16/04/2021 12:49
केतु	18/04/2021 03:10
शुक्र	22/04/2021 16:45
सूर्य	24/04/2021 01:37

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा-सूक्ष्म

राहु-सूर्य-मंग 24/04/2021 01:37 13/05/2021 05:50		राहु-सूर्य-राहु 13/05/2021 05:50 01/07/2021 13:15		राहु-सूर्य-गुरु 01/07/2021 13:15 14/08/2021 09:10		राहु-सूर्य-शनि 14/08/2021 09:10 05/10/2021 10:19	
मंग	25/04/2021 04:28	राहु	20/05/2021 15:21	गुरु	07/07/2021 09:30	शनि	22/08/2021 14:57
राहु	28/04/2021 01:30	गुरु	27/05/2021 05:08	शनि	14/07/2021 08:03	बुध	29/08/2021 23:55
गुरु	30/04/2021 14:51	शनि	04/06/2021 00:30	बुध	20/07/2021 13:04	केतु	02/09/2021 00:47
शनि	03/05/2021 15:44	बुध	11/06/2021 00:09	केतु	23/07/2021 02:26	शुक्र	10/09/2021 16:58
बुध	06/05/2021 08:55	केतु	13/06/2021 21:11	शुक्र	30/07/2021 09:45	सूर्य	13/09/2021 07:26
केतु	07/05/2021 11:46	शुक्र	22/06/2021 02:25	सूर्य	01/08/2021 14:21	चंद्र	17/09/2021 15:31
शुक्र	10/05/2021 16:28	सूर्य	24/06/2021 13:36	चंद्र	05/08/2021 06:01	मंग	20/09/2021 16:23
सूर्य	11/05/2021 15:29	चंद्र	28/06/2021 16:13	मंग	07/08/2021 19:22	राहु	28/09/2021 11:46
चंद्र	13/05/2021 05:50	मंग	01/07/2021 13:15	राहु	14/08/2021 09:10	गुरु	05/10/2021 10:19

राहु-सूर्य-बुध 05/10/2021 10:19 20/11/2021 23:59		राहु-सूर्य-केतु 20/11/2021 23:59 10/12/2021 04:12		राहु-सूर्य-शुक्र 10/12/2021 04:12 02/02/2022 23:06		राहु-चंद्र-चंद्र 02/02/2022 23:06 20/03/2022 14:51	
बुध	12/10/2021 00:39	केतु	22/11/2021 02:50	शुक्र	19/12/2021 07:21	चंद्र	06/02/2022 18:25
केतु	14/10/2021 17:51	शुक्र	25/11/2021 07:32	सूर्य	22/12/2021 01:06	मंग	09/02/2022 10:20
शुक्र	22/10/2021 12:08	सूर्य	26/11/2021 06:33	चंद्र	26/12/2021 14:40	राहु	16/02/2022 06:41
सूर्य	24/10/2021 20:01	चंद्र	27/11/2021 20:54	मंग	29/12/2021 19:22	गुरु	22/02/2022 08:47
चंद्र	28/10/2021 17:09	मंग	28/11/2021 23:44	राहु	07/01/2022 00:36	शनि	01/03/2022 14:17
मंग	31/10/2021 10:21	राहु	01/12/2021 20:46	गुरु	14/01/2022 07:56	बुध	08/03/2022 01:31
राहु	07/11/2021 10:00	गुरु	04/12/2021 10:08	शनि	23/01/2022 00:07	केतु	10/03/2022 17:26
गुरु	13/11/2021 15:01	शनि	07/12/2021 11:00	बुध	30/01/2022 18:24	शुक्र	18/03/2022 08:04
शनि	20/11/2021 23:59	बुध	10/12/2021 04:12	केतु	02/02/2022 23:06	सूर्य	20/03/2022 14:51

राहु-चंद्र-मंग 20/03/2022 14:51 21/04/2022 13:52		राहु-चंद्र-राहु 21/04/2022 13:52 12/07/2022 18:13		राहु-चंद्र-गुरु 12/07/2022 18:13 23/09/2022 19:25		राहु-चंद्र-शनि 23/09/2022 19:25 19/12/2022 13:21	
मंग	22/03/2022 11:35	राहु	03/05/2022 21:44	गुरु	22/07/2022 11:59	शनि	07/10/2022 13:04
राहु	27/03/2022 06:39	गुरु	14/05/2022 20:42	शनि	03/08/2022 01:34	बुध	19/10/2022 20:00
गुरु	31/03/2022 12:55	शनि	27/05/2022 21:00	बुध	13/08/2022 09:57	केतु	24/10/2022 21:27
शनि	05/04/2022 14:22	बुध	08/06/2022 12:25	केतु	17/08/2022 16:13	शुक्र	08/11/2022 08:26
बुध	10/04/2022 03:01	केतु	13/06/2022 07:28	शुक्र	29/08/2022 20:25	सूर्य	12/11/2022 16:32
केतु	11/04/2022 23:46	शुक्र	27/06/2022 00:11	सूर्य	02/09/2022 12:04	चंद्र	19/11/2022 22:01
शुक्र	17/04/2022 07:36	सूर्य	01/07/2022 02:48	चंद्र	08/09/2022 14:10	मंग	24/11/2022 23:28
सूर्य	18/04/2022 21:57	चंद्र	07/07/2022 23:10	मंग	12/09/2022 20:27	राहु	07/12/2022 23:45
चंद्र	21/04/2022 13:52	मंग	12/07/2022 18:13	राहु	23/09/2022 19:25	गुरु	19/12/2022 13:21

राहु-चंद्र-बुध 19/12/2022 13:21 07/03/2023 04:07		राहु-चंद्र-केतु 07/03/2023 04:07 08/04/2023 03:09		राहु-चंद्र-शुक्र 08/04/2023 03:09 08/07/2023 10:39		राहु-चंद्र-सूर्य 08/07/2023 10:39 04/08/2023 20:06	
बुध	30/12/2022 13:14	केतु	09/03/2023 00:52	शुक्र	23/04/2023 08:24	सूर्य	09/07/2023 19:31
केतु	04/01/2023 01:54	शुक्र	14/03/2023 08:42	सूर्य	27/04/2023 21:58	चंद्र	12/07/2023 02:18
शुक्र	17/01/2023 00:22	सूर्य	15/03/2023 23:03	चंद्र	05/05/2023 12:36	मंग	13/07/2023 16:40
सूर्य	20/01/2023 21:30	चंद्र	18/03/2023 14:58	मंग	10/05/2023 20:26	राहु	17/07/2023 19:17
चंद्र	27/01/2023 08:44	मंग	20/03/2023 11:43	राहु	24/05/2023 13:10	गुरु	21/07/2023 10:56
मंग	31/01/2023 21:24	राहु	25/03/2023 06:46	गुरु	05/06/2023 17:22	शनि	25/07/2023 19:02
राहु	12/02/2023 12:49	गुरु	29/03/2023 13:02	शनि	20/06/2023 04:21	बुध	29/07/2023 16:10
गुरु	22/02/2023 21:11	शनि	03/04/2023 14:29	बुध	03/07/2023 02:49	केतु	31/07/2023 06:31
शनि	07/03/2023 04:07	बुध	08/04/2023 03:09	केतु	08/07/2023 10:39	शुक्र	04/08/2023 20:06

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा-सूक्ष्म

राहु-मंग-मंग

04/08/2023 20:06
27/08/2023 05:01

मंग	06/08/2023	03:25
राहु	09/08/2023	11:57
गुरु	12/08/2023	11:33
शनि	16/08/2023	00:33
बुध	19/08/2023	04:37
केतु	20/08/2023	11:56
शुक्र	24/08/2023	05:26
सूर्य	25/08/2023	08:16
चंद्र	27/08/2023	05:01

राहु-मंग-राहु

27/08/2023 05:01
23/10/2023 17:40

राहु	04/09/2023	20:07
गुरु	12/09/2023	12:12
शनि	21/09/2023	14:48
बुध	29/09/2023	18:23
केतु	03/10/2023	02:56
शुक्र	12/10/2023	17:02
सूर्य	15/10/2023	14:04
चंद्र	20/10/2023	09:07
मंग	23/10/2023	17:40

राहु-मंग-गुरु

23/10/2023 17:40
13/12/2023 20:54

गुरु	30/10/2023	13:18
शनि	07/11/2023	15:36
बुध	14/11/2023	21:28
केतु	17/11/2023	21:03
शुक्र	26/11/2023	09:36
सूर्य	28/11/2023	22:57
चंद्र	03/12/2023	05:14
मंग	06/12/2023	04:49
राहु	13/12/2023	20:54

राहु-मंग-शनि

13/12/2023 20:54
12/02/2024 14:15

शनि	23/12/2023	11:39
बुध	01/01/2024	02:06
केतु	04/01/2024	15:07
शुक्र	14/01/2024	18:00
सूर्य	17/01/2024	18:53
चंद्र	22/01/2024	20:19
मंग	26/01/2024	09:20
राहु	04/02/2024	11:56
गुरु	12/02/2024	14:15

राहु-मंग-बुध

12/02/2024 14:15
06/04/2024 22:11

बुध	20/02/2024	06:58
केतु	23/02/2024	11:02
शुक्र	03/03/2024	12:22
सूर्य	06/03/2024	05:33
चंद्र	10/03/2024	18:13
मंग	13/03/2024	22:17
राहु	22/03/2024	01:52
गुरु	29/03/2024	07:44
शनि	06/04/2024	22:11

राहु-मंग-केतु

06/04/2024 22:11
29/04/2024 07:06

केतु	08/04/2024	05:31
शुक्र	11/04/2024	23:00
सूर्य	13/04/2024	01:51
चंद्र	14/04/2024	22:35
मंग	16/04/2024	05:54
राहु	19/04/2024	14:27
गुरु	22/04/2024	14:02
शनि	26/04/2024	03:03
बुध	29/04/2024	07:06

राहु-मंग-शुक्र

29/04/2024 07:06
02/07/2024 05:09

शुक्र	09/05/2024	22:47
सूर्य	13/05/2024	03:29
चंद्र	18/05/2024	11:19
मंग	22/05/2024	04:49
राहु	31/05/2024	18:55
गुरु	09/06/2024	07:27
शनि	19/06/2024	10:21
बुध	28/06/2024	11:40
केतु	02/07/2024	05:09

राहु-मंग-सूर्य

02/07/2024 05:09
21/07/2024 09:22

सूर्य	03/07/2024	04:10
चंद्र	04/07/2024	18:31
मंग	05/07/2024	21:22
राहु	08/07/2024	18:24
गुरु	11/07/2024	07:46
शनि	14/07/2024	08:38
बुध	17/07/2024	01:49
केतु	18/07/2024	04:40
शुक्र	21/07/2024	09:22

राहु-मंग-चंद्र

21/07/2024 09:22
22/08/2024 08:24

चंद्र	24/07/2024	01:17
मंग	25/07/2024	22:02
राहु	30/07/2024	17:05
गुरु	03/08/2024	23:22
शनि	09/08/2024	00:48
बुध	13/08/2024	13:28
केतु	15/08/2024	10:13
शुक्र	20/08/2024	18:03
सूर्य	22/08/2024	08:24

गुरु-गुरु-गुरु

22/08/2024 08:24
04/12/2024 05:50

गुरु	05/09/2024	04:51
शनि	21/09/2024	15:39
बुध	06/10/2024	08:53
केतु	12/10/2024	10:20
शुक्र	29/10/2024	17:55
सूर्य	03/11/2024	22:35
चंद्र	12/11/2024	14:22
मंग	18/11/2024	15:49
राहु	04/12/2024	05:50

गुरु-गुरु-शनि

04/12/2024 05:50
06/04/2025 14:48

शनि	23/12/2024	18:39
बुध	10/01/2025	06:08
केतु	17/01/2025	10:51
शुक्र	07/02/2025	00:21
सूर्य	13/02/2025	04:23
चंद्र	23/02/2025	11:08
मंग	02/03/2025	15:52
राहु	21/03/2025	04:00
गुरु	06/04/2025	14:48

गुरु-गुरु-बुध

06/04/2025 14:48
26/07/2025 00:05

बुध	22/04/2025	06:07
केतु	28/04/2025	16:39
शुक्र	17/05/2025	02:12
सूर्य	22/05/2025	14:40
चंद्र	31/05/2025	19:26
मंग	07/06/2025	05:59
राहु	23/06/2025	19:22
गुरु	08/07/2025	12:37
शनि	26/07/2025	00:05

गुरु-गुरु-केतु

26/07/2025 00:05
09/09/2025 10:57

केतु	28/07/2025	15:43
शुक्र	05/08/2025	05:32
सूर्य	07/08/2025	12:04
चंद्र	11/08/2025	06:59
मंग	13/08/2025	22:37
राहु	20/08/2025	18:15
गुरु	26/08/2025	19:42
शनि	03/09/2025	00:25
बुध	09/09/2025	10:57

गुरु-गुरु-शुक्र

09/09/2025 10:57
17/01/2026 07:45

शुक्र	01/10/2025	02:25
सूर्य	07/10/2025	14:16
चंद्र	18/10/2025	10:00
मंग	25/10/2025	23:49
राहु	14/11/2025	11:20
गुरु	01/12/2025	18:54
शनि	22/12/2025	08:24
बुध	09/01/2026	17:57
केतु	17/01/2026	07:45

गुरु-गुरु-सूर्य

17/01/2026 07:45
25/02/2026 06:48

सूर्य	19/01/2026	06:31
चंद्र	22/01/2026	12:26
मंग	24/01/2026	18:58
राहु	30/01/2026	15:14
गुरु	04/02/2026	19:54
शनि	10/02/2026	23:57
बुध	16/02/2026	12:25
केतु	18/02/2026	18:57
शुक्र	25/02/2026	06:48

गुरु-गुरु-चंद्र

25/02/2026 06:48
01/05/2026 05:12

चंद्र	02/03/2026	16:40
मंग	06/03/2026	11:34
राहु	16/03/2026	05:20
गुरु	24/03/2026	21:07
शनि	04/04/2026	03:52
बुध	13/04/2026	08:38
केतु	17/04/2026	03:33
शुक्र	27/04/2026	23:17
सूर्य	01/05/2026	05:12

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा-प्राण

राहु-शनि-मंग-शनि
03/09/2013 16:08
13/09/2013 06:53

शनि	05/09/2013 04:40
बुध	06/09/2013 13:21
केतु	07/09/2013 02:49
शुक्र	08/09/2013 17:16
सूर्य	09/09/2013 04:49
चंद्र	10/09/2013 00:02
मंग	10/09/2013 13:30
राहु	12/09/2013 00:07
गुरु	13/09/2013 06:53

राहु-शनि-मंग-बुध
13/09/2013 06:53
21/09/2013 21:20

बुध	14/09/2013 12:08
केतु	15/09/2013 00:10
शुक्र	16/09/2013 10:35
सूर्य	16/09/2013 20:54
चंद्र	17/09/2013 14:06
मंग	18/09/2013 02:09
राहु	19/09/2013 09:07
गुरु	20/09/2013 12:39
शनि	21/09/2013 21:20

राहु-शनि-मंग-केतु
21/09/2013 21:20
25/09/2013 10:21

केतु	22/09/2013 02:18
शुक्र	22/09/2013 16:28
सूर्य	22/09/2013 20:43
चंद्र	23/09/2013 03:48
मंग	23/09/2013 08:45
राहु	23/09/2013 21:31
गुरु	24/09/2013 08:51
शनि	24/09/2013 22:18
बुध	25/09/2013 10:21

राहु-शनि-मंग-शुक्र
25/09/2013 10:21
05/10/2013 13:14

शुक्र	27/09/2013 02:50
सूर्य	27/09/2013 14:58
चंद्र	28/09/2013 11:13
मंग	29/09/2013 01:23
राहु	30/09/2013 13:49
गुरु	01/10/2013 22:12
शनि	03/10/2013 12:40
बुध	04/10/2013 23:04
केतु	05/10/2013 13:14

राहु-शनि-मंग-सूर्य
05/10/2013 13:14
08/10/2013 14:06

सूर्य	05/10/2013 16:53
चंद्र	05/10/2013 22:57
मंग	06/10/2013 03:12
राहु	06/10/2013 14:08
गुरु	06/10/2013 23:51
शनि	07/10/2013 11:23
बुध	07/10/2013 21:43
केतु	08/10/2013 01:58
शुक्र	08/10/2013 14:06

राहु-शनि-मंग-चंद्र
08/10/2013 14:06
13/10/2013 15:33

चंद्र	09/10/2013 00:14
मंग	09/10/2013 07:19
राहु	10/10/2013 01:32
गुरु	10/10/2013 17:43
शनि	11/10/2013 12:57
बुध	12/10/2013 06:09
केतु	12/10/2013 13:14
शुक्र	13/10/2013 09:29
सूर्य	13/10/2013 15:33

राहु-शनि-राहु-राहु
13/10/2013 15:33
06/11/2013 01:40

राहु	17/10/2013 03:52
गुरु	20/10/2013 06:49
शनि	23/10/2013 23:49
बुध	27/10/2013 07:27
केतु	28/10/2013 16:15
शुक्र	01/11/2013 13:56
सूर्य	02/11/2013 18:02
चंद्र	04/11/2013 16:53
मंग	06/11/2013 01:40

राहु-शनि-राहु-गुरु
06/11/2013 01:40
26/11/2013 21:20

गुरु	08/11/2013 20:18
शनि	12/11/2013 03:24
बुध	15/11/2013 02:12
केतु	16/11/2013 07:20
शुक्र	19/11/2013 18:37
सूर्य	20/11/2013 19:36
चंद्र	22/11/2013 13:14
मंग	23/11/2013 18:23
राहु	26/11/2013 21:20

राहु-शनि-राहु-शनि
26/11/2013 21:20
21/12/2013 14:41

शनि	30/11/2013 19:17
बुध	04/12/2013 07:20
केतु	05/12/2013 17:57
शुक्र	09/12/2013 20:51
सूर्य	11/12/2013 02:31
चंद्र	13/12/2013 03:57
मंग	14/12/2013 14:34
राहु	18/12/2013 07:34
गुरु	21/12/2013 14:41

राहु-शनि-राहु-बुध
21/12/2013 14:41
12/01/2014 17:34

बुध	24/12/2013 17:54
केतु	26/12/2013 00:52
शुक्र	29/12/2013 17:21
सूर्य	30/12/2013 19:53
चंद्र	01/01/2014 16:08
मंग	02/01/2014 23:06
राहु	06/01/2014 06:44
गुरु	09/01/2014 05:31
शनि	12/01/2014 17:34

राहु-शनि-राहु-केतु
12/01/2014 17:34
21/01/2014 20:11

केतु	13/01/2014 06:20
शुक्र	14/01/2014 18:46
सूर्य	15/01/2014 05:41
चंद्र	15/01/2014 23:54
मंग	16/01/2014 12:39
राहु	17/01/2014 21:27
गुरु	19/01/2014 02:36
शनि	20/01/2014 13:12
बुध	21/01/2014 20:11

राहु-शनि-राहु-शुक्र
21/01/2014 20:11
16/02/2014 20:45

शुक्र	26/01/2014 04:16
सूर्य	27/01/2014 11:30
चंद्र	29/01/2014 15:33
मंग	31/01/2014 03:59
राहु	04/02/2014 01:40
गुरु	07/02/2014 12:57
शनि	11/02/2014 15:50
बुध	15/02/2014 08:19
केतु	16/02/2014 20:45

राहु-शनि-राहु-सूर्य
16/02/2014 20:45
24/02/2014 16:08

सूर्य	17/02/2014 06:07
चंद्र	17/02/2014 21:44
मंग	18/02/2014 08:40
राहु	19/02/2014 12:46
गुरु	20/02/2014 13:45
शनि	21/02/2014 19:25
बुध	22/02/2014 21:58
केतु	23/02/2014 08:54
शुक्र	24/02/2014 16:08

राहु-शनि-राहु-चंद्र
24/02/2014 16:08
09/03/2014 16:25

चंद्र	25/02/2014 18:09
मंग	26/02/2014 12:22
राहु	28/02/2014 11:13
गुरु	02/03/2014 04:51
शनि	04/03/2014 06:18
बुध	06/03/2014 02:32
केतु	06/03/2014 20:45
शुक्र	09/03/2014 00:48
सूर्य	09/03/2014 16:25

राहु-शनि-राहु-मंग
09/03/2014 16:25
18/03/2014 19:01

मंग	10/03/2014 05:10
राहु	11/03/2014 13:57
गुरु	12/03/2014 19:06
शनि	14/03/2014 05:43
बुध	15/03/2014 12:41
केतु	16/03/2014 01:26
शुक्र	17/03/2014 13:52
सूर्य	18/03/2014 00:48
चंद्र	18/03/2014 19:01

राहु-शनि-गुरु-गुरु
18/03/2014 19:01
06/04/2014 07:10

गुरु	21/03/2014 06:14
शनि	24/03/2014 04:34
बुध	26/03/2014 19:29
केतु	27/03/2014 21:23
शुक्र	30/03/2014 23:25
सूर्य	31/03/2014 21:37
चंद्र	02/04/2014 10:38
मंग	03/04/2014 12:32
राहु	06/04/2014 07:10

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा-प्राण

राहु-शनि-गुरु-शनि
06/04/2014 07:10
28/04/2014 06:35

शनि	09/04/2014	18:40
बुध	12/04/2014	21:23
केतु	14/04/2014	04:09
शुक्र	17/04/2014	20:03
सूर्य	18/04/2014	22:26
चंद्र	20/04/2014	18:23
मंग	22/04/2014	01:09
राहु	25/04/2014	08:16
गुरु	28/04/2014	06:35

राहु-शनि-गुरु-बुध
28/04/2014 06:35
17/05/2014 22:29

बुध	01/05/2014	01:26
केतु	02/05/2014	04:58
शुक्र	05/05/2014	11:37
सूर्य	06/05/2014	11:13
चंद्र	08/05/2014	02:32
मंग	09/05/2014	06:04
राहु	12/05/2014	04:51
गुरु	14/05/2014	19:46
शनि	17/05/2014	22:29

राहु-शनि-गुरु-केतु
17/05/2014 22:29
26/05/2014 00:48

केतु	18/05/2014	09:49
शुक्र	19/05/2014	18:12
सूर्य	20/05/2014	03:55
चंद्र	20/05/2014	20:07
मंग	21/05/2014	07:27
राहु	22/05/2014	12:36
गुरु	23/05/2014	14:30
शनि	24/05/2014	21:16
बुध	26/05/2014	00:48

राहु-शनि-गुरु-शुक्र
26/05/2014 00:48
18/06/2014 03:59

शुक्र	29/05/2014	21:20
सूर्य	31/05/2014	01:05
चंद्र	01/06/2014	23:21
मंग	03/06/2014	07:44
राहु	06/06/2014	19:01
गुरु	09/06/2014	21:02
शनि	13/06/2014	12:57
बुध	16/06/2014	19:36
केतु	18/06/2014	03:59

राहु-शनि-गुरु-सूर्य
18/06/2014 03:59
25/06/2014 02:32

सूर्य	18/06/2014	12:18
चंद्र	19/06/2014	02:11
मंग	19/06/2014	11:54
राहु	20/06/2014	12:53
गुरु	21/06/2014	11:06
शनि	22/06/2014	13:28
बुध	23/06/2014	13:03
केतु	23/06/2014	22:46
शुक्र	25/06/2014	02:32

राहु-शनि-गुरु-चंद्र
25/06/2014 02:32
06/07/2014 16:07

चंद्र	26/06/2014	01:40
मंग	26/06/2014	17:51
राहु	28/06/2014	11:30
गुरु	30/06/2014	00:31
शनि	01/07/2014	20:28
बुध	03/07/2014	11:47
केतु	04/07/2014	03:59
शुक्र	06/07/2014	02:15
सूर्य	06/07/2014	16:07

राहु-शनि-गुरु-मंग
06/07/2014 16:07
14/07/2014 18:26

मंग	07/07/2014	03:27
राहु	08/07/2014	08:36
गुरु	09/07/2014	10:31
शनि	10/07/2014	17:17
बुध	11/07/2014	20:48
केतु	12/07/2014	08:09
शुक्र	13/07/2014	16:32
सूर्य	14/07/2014	02:15
चंद्र	14/07/2014	18:26

राहु-शनि-गुरु-राहु
14/07/2014 18:26
04/08/2014 14:06

राहु	17/07/2014	21:23
गुरु	20/07/2014	16:00
शनि	23/07/2014	23:07
बुध	26/07/2014	21:54
केतु	28/07/2014	03:03
शुक्र	31/07/2014	14:20
सूर्य	01/08/2014	15:19
चंद्र	03/08/2014	08:57
मंग	04/08/2014	14:06

राहु-बुध-बुध-बुध
04/08/2014 14:06
23/08/2014 06:43

बुध	07/08/2014	05:39
केतु	08/08/2014	07:49
शुक्र	11/08/2014	10:35
सूर्य	12/08/2014	09:01
चंद्र	13/08/2014	22:24
मंग	15/08/2014	00:35
राहु	17/08/2014	19:52
गुरु	20/08/2014	07:41
शनि	23/08/2014	06:43

राहु-बुध-बुध-केतु
23/08/2014 06:43
30/08/2014 23:26

केतु	23/08/2014	17:29
शुक्र	25/08/2014	00:17
सूर्य	25/08/2014	09:31
चंद्र	26/08/2014	00:55
मंग	26/08/2014	11:41
राहु	27/08/2014	15:24
गुरु	28/08/2014	16:01
शनि	29/08/2014	21:16
बुध	30/08/2014	23:26

राहु-बुध-बुध-शुक्र
30/08/2014 23:26
21/09/2014 23:14

शुक्र	03/09/2014	15:24
सूर्य	04/09/2014	17:48
चंद्र	06/09/2014	13:47
मंग	07/09/2014	20:34
राहु	11/09/2014	03:44
गुरु	14/09/2014	02:06
शनि	17/09/2014	13:40
बुध	20/09/2014	16:26
केतु	21/09/2014	23:14

राहु-बुध-बुध-सूर्य
21/09/2014 23:14
28/09/2014 13:34

सूर्य	22/09/2014	07:09
चंद्र	22/09/2014	20:20
मंग	23/09/2014	05:35
राहु	24/09/2014	05:20
गुरु	25/09/2014	02:26
शनि	26/09/2014	03:30
बुध	27/09/2014	01:56
केतु	27/09/2014	11:10
शुक्र	28/09/2014	13:34

राहु-बुध-बुध-चंद्र
28/09/2014 13:34
09/10/2014 13:27

चंद्र	29/09/2014	11:33
मंग	30/09/2014	02:57
राहु	01/10/2014	18:32
गुरु	03/10/2014	05:43
शनि	04/10/2014	23:30
बुध	06/10/2014	12:53
केतु	07/10/2014	04:17
शुक्र	09/10/2014	00:16
सूर्य	09/10/2014	13:27

राहु-बुध-बुध-मंग
09/10/2014 13:27
17/10/2014 06:11

मंग	10/10/2014	00:14
राहु	11/10/2014	03:56
गुरु	12/10/2014	04:34
शनि	13/10/2014	09:49
बुध	14/10/2014	11:59
केतु	14/10/2014	22:46
शुक्र	16/10/2014	05:33
सूर्य	16/10/2014	14:47
चंद्र	17/10/2014	06:11

राहु-बुध-बुध-राहु
17/10/2014 06:11
06/11/2014 01:11

राहु	20/10/2014	05:26
गुरु	22/10/2014	20:46
शनि	25/10/2014	23:59
बुध	28/10/2014	19:16
केतु	29/10/2014	22:59
शुक्र	02/11/2014	06:09
सूर्य	03/11/2014	05:54
चंद्र	04/11/2014	21:29
मंग	06/11/2014	01:11

राहु-बुध-बुध-गुरु
06/11/2014 01:11
23/11/2014 15:25

गुरु	08/11/2014	09:29
शनि	11/11/2014	04:20
बुध	13/11/2014	16:09
केतु	14/11/2014	16:47
शुक्र	17/11/2014	15:09
सूर्य	18/11/2014	12:16
चंद्र	19/11/2014	23:27
मंग	21/11/2014	00:05
राहु	23/11/2014	15:25

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

षोडशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चंद्र 14 वर्ष 4 मास 23 दिन

चन्द्र
23/08/1990
14/01/2005

चंद्र	01/04/1991
बुध	04/08/1993
शुक्र	28/01/1996
सूर्य	04/08/1997
मंग	01/04/1999
गुरु	14/01/2001
शनि	21/12/2002
केतु	14/01/2005

बुध
14/01/2005
15/01/2022

बुध	13/07/2007
शुक्र	03/03/2010
सूर्य	13/10/2011
मंग	16/07/2013
गुरु	12/06/2015
शनि	30/06/2017
केतु	11/09/2019
चंद्र	15/01/2022

शुक्र
15/01/2022
15/01/2040

शुक्र	31/10/2024
सूर्य	16/07/2026
मंग	26/05/2028
गुरु	02/06/2030
शनि	04/08/2032
केतु	02/12/2034
चंद्र	27/05/2037
बुध	15/01/2040

सूर्य
15/01/2040
15/01/2051

सूर्य	30/01/2041
मंग	22/03/2042
गुरु	15/06/2043
शनि	12/10/2044
केतु	16/03/2046
चंद्र	21/09/2047
बुध	02/05/2049
शुक्र	15/01/2051

मंगल
15/01/2051
15/01/2063

मंग	12/04/2052
गुरु	17/08/2053
शनि	28/01/2055
केतु	16/08/2056
चंद्र	13/04/2058
बुध	15/01/2060
शुक्र	25/11/2061
सूर्य	15/01/2063

गुरु
15/01/2063
15/01/2076

गुरु	30/06/2064
शनि	24/01/2066
केतु	30/09/2067
चंद्र	16/07/2069
बुध	12/06/2071
शुक्र	18/06/2073
सूर्य	11/09/2074
मंग	15/01/2076

शनि
15/01/2076
15/01/2090

शनि	23/09/2077
केतु	17/07/2079
चंद्र	21/06/2081
बुध	10/07/2083
शुक्र	11/09/2085
सूर्य	09/01/2087
मंग	21/06/2088
गुरु	15/01/2090

केतु
15/01/2090
15/01/2105

केतु	24/12/2091
चंद्र	18/01/2094
बुध	31/03/2096
शुक्र	29/07/2098
सूर्य	30/12/2099
मंग	20/07/2101
गुरु	26/03/2103
शनि	15/01/2105

चन्द्र
15/01/2105
00/00/0000

चंद्र	24/08/2106
बुध	00/00/0000
शुक्र	00/00/0000
सूर्य	00/00/0000
मंग	00/00/0000
गुरु	00/00/0000
शनि	00/00/0000
केतु	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

षोडशोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

चंद्र-बुध
01/04/1991
04/08/1993

बुध	04/08/1991
शुक्र	15/12/1991
सूर्य	05/03/1992
मंग	02/06/1992
गुरु	06/09/1992
शनि	18/12/1992
केतु	08/04/1993
चंद्र	04/08/1993

चंद्र-शुक्र
04/08/1993
28/01/1996

शुक्र	23/12/1993
सूर्य	19/03/1994
मंग	21/06/1994
गुरु	30/09/1994
शनि	18/01/1995
केतु	15/05/1995
चंद्र	17/09/1995
बुध	28/01/1996

चंद्र-सूर्य
28/01/1996
04/08/1997

सूर्य	20/03/1996
मंग	17/05/1996
गुरु	18/07/1996
शनि	23/09/1996
केतु	03/12/1996
चंद्र	18/02/1997
बुध	10/05/1997
शुक्र	04/08/1997

चंद्र-मंग
04/08/1997
01/04/1999

मंग	06/10/1997
गुरु	12/12/1997
शनि	23/02/1998
केतु	12/05/1998
चंद्र	04/08/1998
बुध	31/10/1998
शुक्र	02/02/1999
सूर्य	01/04/1999

चंद्र-गुरु
01/04/1999
14/01/2001

गुरु	13/06/1999
शनि	31/08/1999
केतु	24/11/1999
चंद्र	22/02/2000
बुध	28/05/2000
शुक्र	07/09/2000
सूर्य	08/11/2000
मंग	14/01/2001

चंद्र-शनि
14/01/2001
21/12/2002

शनि	10/04/2001
केतु	10/07/2001
चंद्र	15/10/2001
बुध	26/01/2002
शुक्र	16/05/2002
सूर्य	22/07/2002
मंग	03/10/2002
गुरु	21/12/2002

चंद्र-केतु
21/12/2002
14/01/2005

केतु	29/03/2003
चंद्र	11/07/2003
बुध	29/10/2003
शुक्र	24/02/2004
सूर्य	05/05/2004
मंग	23/07/2004
गुरु	15/10/2004
शनि	14/01/2005

बुध-बुध
14/01/2005
13/07/2007

बुध	28/05/2005
शुक्र	16/10/2005
सूर्य	10/01/2006
मंग	14/04/2006
गुरु	25/07/2006
शनि	12/11/2006
केतु	10/03/2007
चंद्र	13/07/2007

बुध-शुक्र
13/07/2007
03/03/2010

शुक्र	10/12/2007
सूर्य	10/03/2008
मंग	18/06/2008
गुरु	04/10/2008
शनि	28/01/2009
केतु	02/06/2009
चंद्र	13/10/2009
बुध	03/03/2010

बुध-सूर्य
03/03/2010
13/10/2011

सूर्य	28/04/2010
मंग	28/06/2010
गुरु	02/09/2010
शनि	12/11/2010
केतु	27/01/2011
चंद्र	18/04/2011
बुध	13/07/2011
शुक्र	13/10/2011

बुध-मंग
13/10/2011
16/07/2013

मंग	18/12/2011
गुरु	28/02/2012
शनि	16/05/2012
केतु	07/08/2012
चंद्र	03/11/2012
बुध	06/02/2013
शुक्र	16/05/2013
सूर्य	16/07/2013

बुध-गुरु
16/07/2013
12/06/2015

गुरु	02/10/2013
शनि	25/12/2013
केतु	25/03/2014
चंद्र	29/06/2014
बुध	09/10/2014
शुक्र	25/01/2015
सूर्य	01/04/2015
मंग	12/06/2015

बुध-शनि
12/06/2015
30/06/2017

शनि	10/09/2015
केतु	16/12/2015
चंद्र	29/03/2016
बुध	17/07/2016
शुक्र	10/11/2016
सूर्य	20/01/2017
मंग	07/04/2017
गुरु	30/06/2017

बुध-केतु
30/06/2017
11/09/2019

केतु	12/10/2017
चंद्र	31/01/2018
बुध	29/05/2018
शुक्र	30/09/2018
सूर्य	15/12/2018
मंग	08/03/2019
गुरु	06/06/2019
शनि	11/09/2019

बुध-चंद्र
11/09/2019
15/01/2022

चंद्र	07/01/2020
बुध	12/05/2020
शुक्र	22/09/2020
सूर्य	12/12/2020
मंग	11/03/2021
गुरु	15/06/2021
शनि	26/09/2021
केतु	15/01/2022

शुक्र-शुक्र
15/01/2022
31/10/2024

शुक्र	22/06/2022
सूर्य	27/09/2022
मंग	10/01/2023
गुरु	05/05/2023
शनि	05/09/2023
केतु	15/01/2024
चंद्र	03/06/2024
बुध	31/10/2024

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

षोडशोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

शुक्र-सूर्य
31/10/2024
16/07/2026

सूर्य	29/12/2024
मंग	04/03/2025
गुरु	12/05/2025
शनि	27/07/2025
केतु	15/10/2025
चंद्र	09/01/2026
बुध	11/04/2026
शुक्र	16/07/2026

शुक्र-मंग
16/07/2026
26/05/2028

मंग	25/09/2026
गुरु	10/12/2026
शनि	02/03/2027
केतु	29/05/2027
चंद्र	31/08/2027
बुध	08/12/2027
शुक्र	23/03/2028
सूर्य	26/05/2028

शुक्र-गुरु
26/05/2028
02/06/2030

गुरु	17/08/2028
शनि	14/11/2028
केतु	17/02/2029
चंद्र	30/05/2029
बुध	15/09/2029
शुक्र	07/01/2030
सूर्य	18/03/2030
मंग	02/06/2030

शुक्र-शनि
02/06/2030
04/08/2032

शनि	06/09/2030
केतु	18/12/2030
चंद्र	06/04/2031
बुध	31/07/2031
शुक्र	01/12/2031
सूर्य	15/02/2032
मंग	07/05/2032
गुरु	04/08/2032

शुक्र-केतु
04/08/2032
02/12/2034

केतु	22/11/2032
चंद्र	19/03/2033
बुध	22/07/2033
शुक्र	30/11/2033
सूर्य	19/02/2034
मंग	18/05/2034
गुरु	21/08/2034
शनि	02/12/2034

शुक्र-चंद्र
02/12/2034
27/05/2037

चंद्र	06/04/2035
बुध	17/08/2035
शुक्र	05/01/2036
सूर्य	31/03/2036
मंग	02/07/2036
गुरु	12/10/2036
शनि	29/01/2037
केतु	27/05/2037

शुक्र-बुध
27/05/2037
15/01/2040

बुध	15/10/2037
शुक्र	13/03/2038
सूर्य	13/06/2038
मंग	20/09/2038
गुरु	06/01/2039
शनि	03/05/2039
केतु	04/09/2039
चंद्र	15/01/2040

सूर्य-सूर्य
15/01/2040
30/01/2041

सूर्य	20/02/2040
मंग	31/03/2040
गुरु	12/05/2040
शनि	27/06/2040
केतु	16/08/2040
चंद्र	07/10/2040
बुध	02/12/2040
शुक्र	30/01/2041

सूर्य-मंग
30/01/2041
22/03/2042

मंग	14/03/2041
गुरु	30/04/2041
शनि	19/06/2041
केतु	12/08/2041
चंद्र	08/10/2041
बुध	08/12/2041
शुक्र	10/02/2042
सूर्य	22/03/2042

सूर्य-गुरु
22/03/2042
15/06/2043

गुरु	11/05/2042
शनि	05/07/2042
केतु	01/09/2042
चंद्र	02/11/2042
बुध	07/01/2043
शुक्र	18/03/2043
सूर्य	30/04/2043
मंग	15/06/2043

सूर्य-शनि
15/06/2043
12/10/2044

शनि	13/08/2043
केतु	14/10/2043
चंद्र	20/12/2043
बुध	29/02/2044
शुक्र	15/05/2044
सूर्य	30/06/2044
मंग	19/08/2044
गुरु	12/10/2044

सूर्य-केतु
12/10/2044
16/03/2046

केतु	18/12/2044
चंद्र	28/02/2045
बुध	15/05/2045
शुक्र	04/08/2045
सूर्य	22/09/2045
मंग	15/11/2045
गुरु	12/01/2046
शनि	16/03/2046

सूर्य-चंद्र
16/03/2046
21/09/2047

चंद्र	31/05/2046
बुध	20/08/2046
शुक्र	14/11/2046
सूर्य	06/01/2047
मंग	04/03/2047
गुरु	05/05/2047
शनि	11/07/2047
केतु	21/09/2047

सूर्य-बुध
21/09/2047
02/05/2049

बुध	16/12/2047
शुक्र	16/03/2048
सूर्य	11/05/2048
मंग	11/07/2048
गुरु	15/09/2048
शनि	25/11/2048
केतु	09/02/2049
चंद्र	02/05/2049

सूर्य-शुक्र
02/05/2049
15/01/2051

शुक्र	06/08/2049
सूर्य	04/10/2049
मंग	08/12/2049
गुरु	16/02/2050
शनि	02/05/2050
केतु	22/07/2050
चंद्र	16/10/2050
बुध	15/01/2051

मंग-मंग
15/01/2051
12/04/2052

मंग	03/03/2051
गुरु	23/04/2051
शनि	16/06/2051
केतु	14/08/2051
चंद्र	16/10/2051
बुध	21/12/2051
शुक्र	29/02/2052
सूर्य	12/04/2052

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

षोडशोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

मंग-गुरु
12/04/2052
17/08/2053

गुरु	06/06/2052
शनि	05/08/2052
केतु	07/10/2052
चंद्र	14/12/2052
बुध	24/02/2053
शुक्र	11/05/2053
सूर्य	27/06/2053
मंग	17/08/2053

मंग-शनि
17/08/2053
28/01/2055

शनि	19/10/2053
केतु	27/12/2053
चंद्र	10/03/2054
बुध	26/05/2054
शुक्र	16/08/2054
सूर्य	06/10/2054
मंग	29/11/2054
गुरु	28/01/2055

मंग-केतु
28/01/2055
16/08/2056

केतु	11/04/2055
चंद्र	28/06/2055
बुध	19/09/2055
शुक्र	16/12/2055
सूर्य	08/02/2056
मंग	06/04/2056
गुरु	09/06/2056
शनि	16/08/2056

मंग-चंद्र
16/08/2056
13/04/2058

चंद्र	08/11/2056
बुध	04/02/2057
शुक्र	09/05/2057
सूर्य	05/07/2057
मंग	06/09/2057
गुरु	13/11/2057
शनि	25/01/2058
केतु	13/04/2058

मंग-बुध
13/04/2058
15/01/2060

बुध	16/07/2058
शुक्र	24/10/2058
सूर्य	24/12/2058
मंग	28/02/2059
गुरु	11/05/2059
शनि	28/07/2059
केतु	19/10/2059
चंद्र	15/01/2060

मंग-शुक्र
15/01/2060
25/11/2061

शुक्र	30/04/2060
सूर्य	03/07/2060
मंग	12/09/2060
गुरु	27/11/2060
शनि	17/02/2061
केतु	16/05/2061
चंद्र	18/08/2061
बुध	25/11/2061

मंग-सूर्य
25/11/2061
15/01/2063

सूर्य	04/01/2062
मंग	16/02/2062
गुरु	03/04/2062
शनि	23/05/2062
केतु	16/07/2062
चंद्र	12/09/2062
बुध	11/11/2062
शुक्र	15/01/2063

गुरु-गुरु
15/01/2063
30/06/2064

गुरु	16/03/2063
शनि	19/05/2063
केतु	27/07/2063
चंद्र	08/10/2063
बुध	25/12/2063
शुक्र	17/03/2064
सूर्य	06/05/2064
मंग	30/06/2064

गुरु-शनि
30/06/2064
24/01/2066

शनि	07/09/2064
केतु	20/11/2064
चंद्र	07/02/2065
बुध	02/05/2065
शुक्र	30/07/2065
सूर्य	23/09/2065
मंग	21/11/2065
गुरु	24/01/2066

गुरु-केतु
24/01/2066
30/09/2067

केतु	14/04/2066
चंद्र	07/07/2066
बुध	05/10/2066
शुक्र	09/01/2067
सूर्य	08/03/2067
मंग	10/05/2067
गुरु	18/07/2067
शनि	30/09/2067

गुरु-चंद्र
30/09/2067
16/07/2069

चंद्र	30/12/2067
बुध	03/04/2068
शुक्र	14/07/2068
सूर्य	14/09/2068
मंग	21/11/2068
गुरु	02/02/2069
शनि	22/04/2069
केतु	16/07/2069

गुरु-बुध
16/07/2069
12/06/2071

बुध	26/10/2069
शुक्र	11/02/2070
सूर्य	18/04/2070
मंग	29/06/2070
गुरु	15/09/2070
शनि	08/12/2070
केतु	08/03/2071
चंद्र	12/06/2071

गुरु-शुक्र
12/06/2071
18/06/2073

शुक्र	04/10/2071
सूर्य	13/12/2071
मंग	27/02/2072
गुरु	20/05/2072
शनि	17/08/2072
केतु	20/11/2072
चंद्र	02/03/2073
बुध	18/06/2073

गुरु-सूर्य
18/06/2073
11/09/2074

सूर्य	30/07/2073
मंग	15/09/2073
गुरु	05/11/2073
शनि	29/12/2073
केतु	25/02/2074
चंद्र	28/04/2074
बुध	03/07/2074
शुक्र	11/09/2074

गुरु-मंग
11/09/2074
15/01/2076

मंग	01/11/2074
गुरु	26/12/2074
शनि	23/02/2075
केतु	28/04/2075
चंद्र	04/07/2075
बुध	14/09/2075
शुक्र	30/11/2075
सूर्य	15/01/2076

शनि-शनि
15/01/2076
23/09/2077

शनि	30/03/2076
केतु	18/06/2076
चंद्र	11/09/2076
बुध	10/12/2076
शुक्र	16/03/2077
सूर्य	13/05/2077
मंग	16/07/2077
गुरु	23/09/2077

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

षोडशोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

शनि-केतु		शनि-चंद्र		शनि-बुध		शनि-शुक्र	
23/09/2077		17/07/2079		21/06/2081		10/07/2083	
17/07/2079		21/06/2081		10/07/2083		11/09/2085	
केतु	18/12/2077	चंद्र	22/10/2079	बुध	09/10/2081	शुक्र	10/11/2083
चंद्र	19/03/2078	बुध	02/02/2080	शुक्र	02/02/2082	सूर्य	25/01/2084
बुध	24/06/2078	शुक्र	22/05/2080	सूर्य	14/04/2082	मंग	16/04/2084
शुक्र	05/10/2078	सूर्य	28/07/2080	मंग	01/07/2082	गुरु	14/07/2084
सूर्य	06/12/2078	मंग	09/10/2080	गुरु	23/09/2082	शनि	17/10/2084
मंग	13/02/2079	गुरु	27/12/2080	शनि	22/12/2082	केतु	28/01/2085
गुरु	28/04/2079	शनि	22/03/2081	केतु	29/03/2083	चंद्र	17/05/2085
शनि	17/07/2079	केतु	21/06/2081	चंद्र	10/07/2083	बुध	11/09/2085

शनि-सूर्य		शनि-मंग		शनि-गुरु		केतु-केतु	
11/09/2085		09/01/2087		21/06/2088		15/01/2090	
09/01/2087		21/06/2088		15/01/2090		24/12/2091	
सूर्य	27/10/2085	मंग	04/03/2087	गुरु	24/08/2088	केतु	16/04/2090
मंग	16/12/2085	गुरु	03/05/2087	शनि	01/11/2088	चंद्र	23/07/2090
गुरु	08/02/2086	शनि	06/07/2087	केतु	14/01/2089	बुध	04/11/2090
शनि	08/04/2086	केतु	12/09/2087	चंद्र	03/04/2089	शुक्र	22/02/2091
केतु	09/06/2086	चंद्र	24/11/2087	बुध	26/06/2089	सूर्य	30/04/2091
चंद्र	15/08/2086	बुध	09/02/2088	शुक्र	23/09/2089	मंग	12/07/2091
बुध	25/10/2086	शुक्र	02/05/2088	सूर्य	16/11/2089	गुरु	30/09/2091
शुक्र	09/01/2087	सूर्य	21/06/2088	मंग	15/01/2090	शनि	24/12/2091

केतु-चंद्र		केतु-बुध		केतु-शुक्र		केतु-सूर्य	
24/12/2091		18/01/2094		31/03/2096		29/07/2098	
18/01/2094		31/03/2096		29/07/2098		30/12/2099	
चंद्र	06/04/2092	बुध	16/05/2094	शुक्र	10/08/2096	सूर्य	16/09/2098
बुध	26/07/2092	शुक्र	17/09/2094	सूर्य	29/10/2096	मंग	09/11/2098
शुक्र	20/11/2092	सूर्य	02/12/2094	मंग	25/01/2097	गुरु	06/01/2099
सूर्य	31/01/2093	मंग	23/02/2095	गुरु	01/05/2097	शनि	10/03/2099
मंग	19/04/2093	गुरु	24/05/2095	शनि	11/08/2097	केतु	16/05/2099
गुरु	13/07/2093	शनि	29/08/2095	केतु	29/11/2097	चंद्र	27/07/2099
शनि	12/10/2093	केतु	11/12/2095	चंद्र	26/03/2098	बुध	11/10/2099
केतु	18/01/2094	चंद्र	31/03/2096	बुध	29/07/2098	शुक्र	30/12/2099

केतु-मंग		केतु-गुरु		केतु-शनि		चंद्र-चंद्र	
30/12/2099		20/07/2101		26/03/2103		15/01/2105	
20/07/2101		26/03/2103		15/01/2105		00/00/0000	
मंग	27/02/2100	गुरु	27/09/2101	शनि	14/06/2103	चंद्र	07/05/2105
गुरु	02/05/2100	शनि	10/12/2101	केतु	08/09/2103	बुध	02/09/2105
शनि	09/07/2100	केतु	28/02/2102	चंद्र	08/12/2103	शुक्र	05/01/2106
केतु	20/09/2100	चंद्र	23/05/2102	बुध	14/03/2104	सूर्य	22/03/2106
चंद्र	07/12/2100	बुध	21/08/2102	शुक्र	24/06/2104	मंग	14/06/2106
बुध	01/03/2101	शुक्र	25/11/2102	सूर्य	26/08/2104	गुरु	24/08/2106
शुक्र	28/05/2101	सूर्य	22/01/2103	मंग	02/11/2104	शनि	00/00/0000
सूर्य	20/07/2101	मंग	26/03/2103	गुरु	15/01/2105	केतु	00/00/0000

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

त्रिभगी दशा

भोग्य दशा काल : चंद्र 5 वर्ष 11 मास 29 दिन

चन्द्र
23/08/1990
22/08/1996

चंद्र	23/08/1990
मंग	02/12/1990
राहु	02/12/1991
गुरु	22/10/1992
शनि	12/11/1993
बुध	22/10/1994
केतु	14/03/1995
शुक्र	22/04/1996
सूर्य	22/08/1996

मंगल
22/08/1996
23/04/2001

मंग	30/11/1996
राहु	12/08/1997
गुरु	27/03/1998
शनि	22/12/1998
बुध	21/08/1999
केतु	28/11/1999
शुक्र	07/09/2000
सूर्य	02/12/2000
चंद्र	23/04/2001

राहु
23/04/2001
23/04/2013

राहु	09/02/2003
गुरु	15/09/2004
शनि	10/08/2006
बुध	22/04/2008
केतु	03/01/2009
शुक्र	04/01/2011
सूर्य	11/08/2011
चंद्र	10/08/2012
मंग	23/04/2013

गुरु
23/04/2013
23/12/2023

गुरु	24/09/2014
शनि	02/06/2016
बुध	06/12/2017
केतु	21/07/2018
शुक्र	30/04/2020
सूर्य	11/11/2020
चंद्र	02/10/2021
मंग	17/05/2022
राहु	23/12/2023

शनि
23/12/2023
22/08/2036

शनि	24/12/2025
बुध	11/10/2027
केतु	06/07/2028
शुक्र	17/08/2030
सूर्य	05/04/2031
चंद्र	24/04/2032
मंग	19/01/2033
राहु	14/12/2034
गुरु	22/08/2036

बुध
22/08/2036
23/12/2047

बुध	01/04/2038
केतु	28/11/2038
शुक्र	18/10/2040
सूर्य	13/05/2041
चंद्र	23/04/2042
मंग	20/12/2042
राहु	01/09/2044
गुरु	07/03/2046
शनि	23/12/2047

केतु
23/12/2047
22/08/2052

केतु	31/03/2048
शुक्र	09/01/2049
सूर्य	04/04/2049
चंद्र	24/08/2049
मंग	02/12/2049
राहु	14/08/2050
गुरु	30/03/2051
शनि	25/12/2051
बुध	22/08/2052

शुक्र
22/08/2052
22/12/2065

शुक्र	12/11/2054
सूर्य	13/07/2055
चंद्र	22/08/2056
मंग	02/06/2057
राहु	03/06/2059
गुरु	13/03/2061
शनि	23/04/2063
बुध	13/03/2065
केतु	22/12/2065

सूर्य
22/12/2065
22/12/2069

सूर्य	05/03/2066
चंद्र	05/07/2066
मंग	28/09/2066
राहु	05/05/2067
गुरु	16/11/2067
शनि	04/07/2068
बुध	27/01/2069
केतु	23/04/2069
शुक्र	22/12/2069

चन्द्र
22/12/2069
00/00/0000

चंद्र	13/07/2070
मंग	23/08/2070
राहु	00/00/0000
गुरु	00/00/0000
शनि	00/00/0000
बुध	00/00/0000
केतु	00/00/0000
शुक्र	00/00/0000
सूर्य	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

त्रिभगी दशा-प्रत्यन्तर

चंद्र-मंग		चंद्र-राहु		चंद्र-गुरु		चंद्र-शनि	
23/08/1990		02/12/1990		02/12/1991		22/10/1992	
02/12/1990		02/12/1991		22/10/1992		12/11/1993	
मंग	00/00/0000	राहु	26/01/1991	गुरु	15/01/1992	शनि	22/12/1992
राहु	23/08/1990	गुरु	16/03/1991	शनि	06/03/1992	बुध	15/02/1993
गुरु	31/08/1990	शनि	12/05/1991	बुध	21/04/1992	केतु	09/03/1993
शनि	22/09/1990	बुध	03/07/1991	केतु	10/05/1992	शुक्र	12/05/1993
बुध	12/10/1990	केतु	24/07/1991	शुक्र	03/07/1992	सूर्य	01/06/1993
केतु	20/10/1990	शुक्र	23/09/1991	सूर्य	19/07/1992	चंद्र	03/07/1993
शुक्र	13/11/1990	सूर्य	12/10/1991	चंद्र	15/08/1992	मंग	25/07/1993
सूर्य	20/11/1990	चंद्र	11/11/1991	मंग	03/09/1992	राहु	21/09/1993
चंद्र	02/12/1990	मंग	02/12/1991	राहु	22/10/1992	गुरु	12/11/1993

चंद्र-बुध		चंद्र-केतु		चंद्र-शुक्र		चंद्र-सूर्य	
12/11/1993		22/10/1994		14/03/1995		22/04/1996	
22/10/1994		14/03/1995		22/04/1996		22/08/1996	
बुध	30/12/1993	केतु	31/10/1994	शुक्र	20/05/1995	सूर्य	28/04/1996
केतु	20/01/1994	शुक्र	23/11/1994	सूर्य	09/06/1995	चंद्र	09/05/1996
शुक्र	18/03/1994	सूर्य	01/12/1994	चंद्र	13/07/1995	मंग	16/05/1996
सूर्य	04/04/1994	चंद्र	12/12/1994	मंग	06/08/1995	राहु	03/06/1996
चंद्र	03/05/1994	मंग	21/12/1994	राहु	06/10/1995	गुरु	19/06/1996
मंग	23/05/1994	राहु	11/01/1995	गुरु	29/11/1995	शनि	08/07/1996
राहु	14/07/1994	गुरु	30/01/1995	शनि	01/02/1996	बुध	26/07/1996
गुरु	29/08/1994	शनि	21/02/1995	बुध	30/03/1996	केतु	02/08/1996
शनि	22/10/1994	बुध	14/03/1995	केतु	22/04/1996	शुक्र	22/08/1996

मंग-मंग		मंग-राहु		मंग-गुरु		मंग-शनि	
22/08/1996		30/11/1996		12/08/1997		27/03/1998	
30/11/1996		12/08/1997		27/03/1998		22/12/1998	
मंग	28/08/1996	राहु	07/01/1997	गुरु	12/09/1997	शनि	09/05/1998
राहु	12/09/1996	गुरु	10/02/1997	शनि	18/10/1997	बुध	16/06/1998
गुरु	25/09/1996	शनि	22/03/1997	बुध	19/11/1997	केतु	02/07/1998
शनि	11/10/1996	बुध	28/04/1997	केतु	02/12/1997	शुक्र	16/08/1998
बुध	25/10/1996	केतु	13/05/1997	शुक्र	09/01/1998	सूर्य	30/08/1998
केतु	31/10/1996	शुक्र	24/06/1997	सूर्य	20/01/1998	चंद्र	21/09/1998
शुक्र	16/11/1996	सूर्य	07/07/1997	चंद्र	08/02/1998	मंग	07/10/1998
सूर्य	21/11/1996	चंद्र	28/07/1997	मंग	21/02/1998	राहु	16/11/1998
चंद्र	30/11/1996	मंग	12/08/1997	राहु	27/03/1998	गुरु	22/12/1998

मंग-बुध		मंग-केतु		मंग-शुक्र		मंग-सूर्य	
22/12/1998		21/08/1999		28/11/1999		07/09/2000	
21/08/1999		28/11/1999		07/09/2000		02/12/2000	
बुध	26/01/1999	केतु	27/08/1999	शुक्र	15/01/2000	सूर्य	12/09/2000
केतु	09/02/1999	शुक्र	12/09/1999	सूर्य	29/01/2000	चंद्र	19/09/2000
शुक्र	21/03/1999	सूर्य	17/09/1999	चंद्र	21/02/2000	मंग	24/09/2000
सूर्य	02/04/1999	चंद्र	25/09/1999	मंग	09/03/2000	राहु	06/10/2000
चंद्र	22/04/1999	मंग	01/10/1999	राहु	21/04/2000	गुरु	18/10/2000
मंग	06/05/1999	राहु	16/10/1999	गुरु	29/05/2000	शनि	31/10/2000
राहु	11/06/1999	गुरु	29/10/1999	शनि	13/07/2000	बुध	12/11/2000
गुरु	14/07/1999	शनि	14/11/1999	बुध	22/08/2000	केतु	17/11/2000
शनि	21/08/1999	बुध	28/11/1999	केतु	07/09/2000	शुक्र	02/12/2000

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

त्रिभगी दशा-प्रत्यन्तर

मंग-चंद्र
02/12/2000
23/04/2001

चंद्र	13/12/2000
मंग	22/12/2000
राहु	12/01/2001
गुरु	31/01/2001
शनि	22/02/2001
बुध	15/03/2001
केतु	23/03/2001
शुक्र	16/04/2001
सूर्य	23/04/2001

राहु-राहु
23/04/2001
09/02/2003

राहु	30/07/2001
गुरु	26/10/2001
शनि	07/02/2002
बुध	11/05/2002
केतु	18/06/2002
शुक्र	06/10/2002
सूर्य	08/11/2002
चंद्र	02/01/2003
मंग	09/02/2003

राहु-गुरु
09/02/2003
15/09/2004

गुरु	28/04/2003
शनि	30/07/2003
बुध	20/10/2003
केतु	23/11/2003
शुक्र	29/02/2004
सूर्य	29/03/2004
चंद्र	17/05/2004
मंग	20/06/2004
राहु	15/09/2004

राहु-शनि
15/09/2004
10/08/2006

शनि	03/01/2005
बुध	12/04/2005
केतु	22/05/2005
शुक्र	15/09/2005
सूर्य	19/10/2005
चंद्र	16/12/2005
मंग	26/01/2006
राहु	10/05/2006
गुरु	10/08/2006

राहु-बुध
10/08/2006
22/04/2008

बुध	06/11/2006
केतु	13/12/2006
शुक्र	26/03/2007
सूर्य	26/04/2007
चंद्र	17/06/2007
मंग	23/07/2007
राहु	24/10/2007
गुरु	15/01/2008
शनि	22/04/2008

राहु-केतु
22/04/2008
03/01/2009

केतु	07/05/2008
शुक्र	19/06/2008
सूर्य	02/07/2008
चंद्र	23/07/2008
मंग	07/08/2008
राहु	14/09/2008
गुरु	18/10/2008
शनि	28/11/2008
बुध	03/01/2009

राहु-शुक्र
03/01/2009
04/01/2011

शुक्र	05/05/2009
सूर्य	10/06/2009
चंद्र	10/08/2009
मंग	22/09/2009
राहु	09/01/2010
गुरु	17/04/2010
शनि	10/08/2010
बुध	22/11/2010
केतु	04/01/2011

राहु-सूर्य
04/01/2011
11/08/2011

सूर्य	14/01/2011
चंद्र	02/02/2011
मंग	15/02/2011
राहु	19/03/2011
गुरु	18/04/2011
शनि	22/05/2011
बुध	22/06/2011
केतु	05/07/2011
शुक्र	11/08/2011

राहु-चंद्र
11/08/2011
10/08/2012

चंद्र	10/09/2011
मंग	01/10/2011
राहु	25/11/2011
गुरु	13/01/2012
शनि	11/03/2012
बुध	01/05/2012
केतु	23/05/2012
शुक्र	23/07/2012
सूर्य	10/08/2012

राहु-मंग
10/08/2012
23/04/2013

मंग	25/08/2012
राहु	02/10/2012
गुरु	05/11/2012
शनि	16/12/2012
बुध	21/01/2013
केतु	05/02/2013
शुक्र	20/03/2013
सूर्य	01/04/2013
चंद्र	23/04/2013

गुरु-गुरु
23/04/2013
24/09/2014

गुरु	01/07/2013
शनि	21/09/2013
बुध	04/12/2013
केतु	03/01/2014
शुक्र	31/03/2014
सूर्य	26/04/2014
चंद्र	08/06/2014
मंग	08/07/2014
राहु	24/09/2014

गुरु-शनि
24/09/2014
02/06/2016

शनि	31/12/2014
बुध	28/03/2015
केतु	03/05/2015
शुक्र	14/08/2015
सूर्य	14/09/2015
चंद्र	04/11/2015
मंग	10/12/2015
राहु	12/03/2016
गुरु	02/06/2016

गुरु-बुध
02/06/2016
06/12/2017

बुध	19/08/2016
केतु	20/09/2016
शुक्र	21/12/2016
सूर्य	18/01/2017
चंद्र	05/03/2017
मंग	06/04/2017
राहु	28/06/2017
गुरु	09/09/2017
शनि	06/12/2017

गुरु-केतु
06/12/2017
21/07/2018

केतु	19/12/2017
शुक्र	26/01/2018
सूर्य	06/02/2018
चंद्र	25/02/2018
मंग	11/03/2018
राहु	14/04/2018
गुरु	14/05/2018
शनि	19/06/2018
बुध	21/07/2018

गुरु-शुक्र
21/07/2018
30/04/2020

शुक्र	06/11/2018
सूर्य	09/12/2018
चंद्र	01/02/2019
मंग	11/03/2019
राहु	16/06/2019
गुरु	11/09/2019
शनि	23/12/2019
बुध	24/03/2020
केतु	30/04/2020

गुरु-सूर्य
30/04/2020
11/11/2020

सूर्य	10/05/2020
चंद्र	26/05/2020
मंग	07/06/2020
राहु	06/07/2020
गुरु	01/08/2020
शनि	01/09/2020
बुध	28/09/2020
केतु	10/10/2020
शुक्र	11/11/2020

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

त्रिभगी दशा-प्रत्यन्तर

गुरु-चंद्र		गुरु-मंग		गुरु-राहु		शनि-शनि	
11/11/2020		02/10/2021		17/05/2022		23/12/2023	
02/10/2021		17/05/2022		23/12/2023		24/12/2025	
चंद्र	08/12/2020	मंग	15/10/2021	राहु	13/08/2022	शनि	17/04/2024
मंग	27/12/2020	राहु	18/11/2021	गुरु	30/10/2022	बुध	29/07/2024
राहु	14/02/2021	गुरु	19/12/2021	शनि	30/01/2023	केतु	10/09/2024
गुरु	29/03/2021	शनि	24/01/2022	बुध	23/04/2023	शुक्र	10/01/2025
शनि	20/05/2021	बुध	25/02/2022	केतु	27/05/2023	सूर्य	16/02/2025
बुध	05/07/2021	केतु	10/03/2022	शुक्र	02/09/2023	चंद्र	18/04/2025
केतु	24/07/2021	शुक्र	17/04/2022	सूर्य	01/10/2023	मंग	31/05/2025
शुक्र	16/09/2021	सूर्य	28/04/2022	चंद्र	19/11/2023	राहु	17/09/2025
सूर्य	02/10/2021	चंद्र	17/05/2022	मंग	23/12/2023	गुरु	24/12/2025

शनि-बुध		शनि-केतु		शनि-शुक्र		शनि-सूर्य	
24/12/2025		11/10/2027		06/07/2028		17/08/2030	
11/10/2027		06/07/2028		17/08/2030		05/04/2031	
बुध	27/03/2026	केतु	26/10/2027	शुक्र	12/11/2028	सूर्य	28/08/2030
केतु	04/05/2026	शुक्र	10/12/2027	सूर्य	21/12/2028	चंद्र	16/09/2030
शुक्र	21/08/2026	सूर्य	24/12/2027	चंद्र	23/02/2029	मंग	30/09/2030
सूर्य	23/09/2026	चंद्र	15/01/2028	मंग	09/04/2029	राहु	04/11/2030
चंद्र	17/11/2026	मंग	31/01/2028	राहु	02/08/2029	गुरु	04/12/2030
मंग	25/12/2026	राहु	11/03/2028	गुरु	13/11/2029	शनि	10/01/2031
राहु	02/04/2027	गुरु	16/04/2028	शनि	15/03/2030	बुध	12/02/2031
गुरु	29/06/2027	शनि	29/05/2028	बुध	03/07/2030	केतु	25/02/2031
शनि	11/10/2027	बुध	06/07/2028	केतु	17/08/2030	शुक्र	05/04/2031

शनि-चंद्र		शनि-मंग		शनि-राहु		शनि-गुरु	
05/04/2031		24/04/2032		19/01/2033		14/12/2034	
24/04/2032		19/01/2033		14/12/2034		22/08/2036	
चंद्र	07/05/2031	मंग	10/05/2032	राहु	03/05/2033	गुरु	06/03/2035
मंग	29/05/2031	राहु	20/06/2032	गुरु	04/08/2033	शनि	12/06/2035
राहु	26/07/2031	गुरु	26/07/2032	शनि	22/11/2033	बुध	08/09/2035
गुरु	16/09/2031	शनि	06/09/2032	बुध	28/02/2034	केतु	14/10/2035
शनि	16/11/2031	बुध	15/10/2032	केतु	10/04/2034	शुक्र	24/01/2036
बुध	09/01/2032	केतु	30/10/2032	शुक्र	03/08/2034	सूर्य	24/02/2036
केतु	01/02/2032	शुक्र	14/12/2032	सूर्य	07/09/2034	चंद्र	16/04/2036
शुक्र	05/04/2032	सूर्य	28/12/2032	चंद्र	04/11/2034	मंग	22/05/2036
सूर्य	24/04/2032	चंद्र	19/01/2033	मंग	14/12/2034	राहु	22/08/2036

बुध-बुध		बुध-केतु		बुध-शुक्र		बुध-सूर्य	
22/08/2036		01/04/2038		28/11/2038		18/10/2040	
01/04/2038		28/11/2038		18/10/2040		13/05/2041	
बुध	13/11/2036	केतु	15/04/2038	शुक्र	23/03/2039	सूर्य	28/10/2040
केतु	17/12/2036	शुक्र	25/05/2038	सूर्य	26/04/2039	चंद्र	15/11/2040
शुक्र	25/03/2037	सूर्य	06/06/2038	चंद्र	23/06/2039	मंग	27/11/2040
सूर्य	23/04/2037	चंद्र	26/06/2038	मंग	02/08/2039	राहु	28/12/2040
चंद्र	11/06/2037	मंग	10/07/2038	राहु	14/11/2039	गुरु	24/01/2041
मंग	16/07/2037	राहु	15/08/2038	गुरु	14/02/2040	शनि	26/02/2041
राहु	12/10/2037	गुरु	17/09/2038	शनि	02/06/2040	बुध	27/03/2041
गुरु	29/12/2037	शनि	25/10/2038	बुध	08/09/2040	केतु	08/04/2041
शनि	01/04/2038	बुध	28/11/2038	केतु	18/10/2040	शुक्र	13/05/2041

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

त्रिभगी दशा-प्रत्यन्तर

बुध-चंद्र
13/05/2041
23/04/2042

चंद्र	11/06/2041
मंग	01/07/2041
राहु	22/08/2041
गुरु	07/10/2041
शनि	30/11/2041
बुध	18/01/2042
केतु	07/02/2042
शुक्र	06/04/2042
सूर्य	23/04/2042

बुध-मंग
23/04/2042
20/12/2042

मंग	07/05/2042
राहु	12/06/2042
गुरु	14/07/2042
शनि	22/08/2042
बुध	25/09/2042
केतु	09/10/2042
शुक्र	18/11/2042
सूर्य	30/11/2042
चंद्र	20/12/2042

बुध-राहु
20/12/2042
01/09/2044

राहु	23/03/2043
गुरु	14/06/2043
शनि	21/09/2043
बुध	18/12/2043
केतु	23/01/2044
शुक्र	05/05/2044
सूर्य	05/06/2044
चंद्र	27/07/2044
मंग	01/09/2044

बुध-गुरु
01/09/2044
07/03/2046

गुरु	14/11/2044
शनि	09/02/2045
बुध	28/04/2045
केतु	31/05/2045
शुक्र	31/08/2045
सूर्य	27/09/2045
चंद्र	12/11/2045
मंग	14/12/2045
राहु	07/03/2046

बुध-शनि
07/03/2046
23/12/2047

शनि	19/06/2046
बुध	20/09/2046
केतु	28/10/2046
शुक्र	14/02/2047
सूर्य	19/03/2047
चंद्र	13/05/2047
मंग	20/06/2047
राहु	26/09/2047
गुरु	23/12/2047

केतु-केतु
23/12/2047
31/03/2048

केतु	28/12/2047
शुक्र	14/01/2048
सूर्य	19/01/2048
चंद्र	27/01/2048
मंग	02/02/2048
राहु	17/02/2048
गुरु	01/03/2048
शनि	17/03/2048
बुध	31/03/2048

केतु-शुक्र
31/03/2048
09/01/2049

शुक्र	17/05/2048
सूर्य	01/06/2048
चंद्र	24/06/2048
मंग	11/07/2048
राहु	22/08/2048
गुरु	29/09/2048
शनि	13/11/2048
बुध	24/12/2048
केतु	09/01/2049

केतु-सूर्य
09/01/2049
04/04/2049

सूर्य	13/01/2049
चंद्र	20/01/2049
मंग	25/01/2049
राहु	07/02/2049
गुरु	19/02/2049
शनि	04/03/2049
बुध	16/03/2049
केतु	21/03/2049
शुक्र	04/04/2049

केतु-चंद्र
04/04/2049
24/08/2049

चंद्र	16/04/2049
मंग	24/04/2049
राहु	16/05/2049
गुरु	04/06/2049
शनि	26/06/2049
बुध	16/07/2049
केतु	25/07/2049
शुक्र	17/08/2049
सूर्य	24/08/2049

केतु-मंग
24/08/2049
02/12/2049

मंग	30/08/2049
राहु	14/09/2049
गुरु	27/09/2049
शनि	13/10/2049
बुध	27/10/2049
केतु	02/11/2049
शुक्र	19/11/2049
सूर्य	24/11/2049
चंद्र	02/12/2049

केतु-राहु
02/12/2049
14/08/2050

राहु	09/01/2050
गुरु	12/02/2050
शनि	25/03/2050
बुध	30/04/2050
केतु	15/05/2050
शुक्र	26/06/2050
सूर्य	09/07/2050
चंद्र	31/07/2050
मंग	14/08/2050

केतु-गुरु
14/08/2050
30/03/2051

गुरु	14/09/2050
शनि	20/10/2050
बुध	21/11/2050
केतु	04/12/2050
शुक्र	11/01/2051
सूर्य	22/01/2051
चंद्र	10/02/2051
मंग	24/02/2051
राहु	30/03/2051

केतु-शनि
30/03/2051
25/12/2051

शनि	11/05/2051
बुध	19/06/2051
केतु	04/07/2051
शुक्र	18/08/2051
सूर्य	01/09/2051
चंद्र	23/09/2051
मंग	09/10/2051
राहु	19/11/2051
गुरु	25/12/2051

केतु-बुध
25/12/2051
22/08/2052

बुध	28/01/2052
केतु	11/02/2052
शुक्र	22/03/2052
सूर्य	03/04/2052
चंद्र	23/04/2052
मंग	07/05/2052
राहु	13/06/2052
गुरु	15/07/2052
शनि	22/08/2052

शुक्र-शुक्र
22/08/2052
12/11/2054

शुक्र	04/01/2053
सूर्य	14/02/2053
चंद्र	23/04/2053
मंग	09/06/2053
राहु	09/10/2053
गुरु	25/01/2054
शनि	02/06/2054
बुध	25/09/2054
केतु	12/11/2054

शुक्र-सूर्य
12/11/2054
13/07/2055

सूर्य	24/11/2054
चंद्र	14/12/2054
मंग	28/12/2054
राहु	03/02/2055
गुरु	07/03/2055
शनि	15/04/2055
बुध	19/05/2055
केतु	03/06/2055
शुक्र	13/07/2055

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

त्रिभगी दशा-प्रत्यन्तर

शुक्र-चंद्र
13/07/2055
22/08/2056

चंद्र	16/08/2055
मंग	09/09/2055
राहु	09/11/2055
गुरु	02/01/2056
शनि	06/03/2056
बुध	03/05/2056
केतु	26/05/2056
शुक्र	02/08/2056
सूर्य	22/08/2056

शुक्र-मंग
22/08/2056
02/06/2057

मंग	08/09/2056
राहु	20/10/2056
गुरु	27/11/2056
शनि	11/01/2057
बुध	20/02/2057
केतु	09/03/2057
शुक्र	25/04/2057
सूर्य	10/05/2057
चंद्र	02/06/2057

शुक्र-राहु
02/06/2057
03/06/2059

राहु	20/09/2057
गुरु	26/12/2057
शनि	21/04/2058
बुध	02/08/2058
केतु	14/09/2058
शुक्र	14/01/2059
सूर्य	19/02/2059
चंद्र	21/04/2059
मंग	03/06/2059

शुक्र-गुरु
03/06/2059
13/03/2061

गुरु	28/08/2059
शनि	09/12/2059
बुध	10/03/2060
केतु	17/04/2060
शुक्र	03/08/2060
सूर्य	05/09/2060
चंद्र	29/10/2060
मंग	06/12/2060
राहु	13/03/2061

शुक्र-शनि
13/03/2061
23/04/2063

शनि	13/07/2061
बुध	30/10/2061
केतु	14/12/2061
शुक्र	22/04/2062
सूर्य	30/05/2062
चंद्र	03/08/2062
मंग	17/09/2062
राहु	10/01/2063
गुरु	23/04/2063

शुक्र-बुध
23/04/2063
13/03/2065

बुध	30/07/2063
केतु	08/09/2063
शुक्र	01/01/2064
सूर्य	05/02/2064
चंद्र	02/04/2064
मंग	12/05/2064
राहु	24/08/2064
गुरु	24/11/2064
शनि	13/03/2065

शुक्र-केतु
13/03/2065
22/12/2065

केतु	30/03/2065
शुक्र	16/05/2065
सूर्य	30/05/2065
चंद्र	23/06/2065
मंग	09/07/2065
राहु	21/08/2065
गुरु	28/09/2065
शनि	12/11/2065
बुध	22/12/2065

सूर्य-सूर्य
22/12/2065
05/03/2066

सूर्य	26/12/2065
चंद्र	01/01/2066
मंग	05/01/2066
राहु	16/01/2066
गुरु	26/01/2066
शनि	06/02/2066
बुध	17/02/2066
केतु	21/02/2066
शुक्र	05/03/2066

सूर्य-चंद्र
05/03/2066
05/07/2066

चंद्र	15/03/2066
मंग	22/03/2066
राहु	10/04/2066
गुरु	26/04/2066
शनि	15/05/2066
बुध	01/06/2066
केतु	09/06/2066
शुक्र	29/06/2066
सूर्य	05/07/2066

सूर्य-मंग
05/07/2066
28/09/2066

मंग	10/07/2066
राहु	23/07/2066
गुरु	03/08/2066
शनि	17/08/2066
बुध	29/08/2066
केतु	03/09/2066
शुक्र	17/09/2066
सूर्य	21/09/2066
चंद्र	28/09/2066

सूर्य-राहु
28/09/2066
05/05/2067

राहु	31/10/2066
गुरु	29/11/2066
शनि	03/01/2067
बुध	03/02/2067
केतु	16/02/2067
शुक्र	24/03/2067
सूर्य	04/04/2067
चंद्र	23/04/2067
मंग	05/05/2067

सूर्य-गुरु
05/05/2067
16/11/2067

गुरु	31/05/2067
शनि	01/07/2067
बुध	29/07/2067
केतु	09/08/2067
शुक्र	11/09/2067
सूर्य	20/09/2067
चंद्र	07/10/2067
मंग	18/10/2067
राहु	16/11/2067

सूर्य-शनि
16/11/2067
04/07/2068

शनि	23/12/2067
बुध	24/01/2068
केतु	07/02/2068
शुक्र	17/03/2068
सूर्य	28/03/2068
चंद्र	16/04/2068
मंग	30/04/2068
राहु	04/06/2068
गुरु	04/07/2068

सूर्य-बुध
04/07/2068
27/01/2069

बुध	03/08/2068
केतु	15/08/2068
शुक्र	18/09/2068
सूर्य	29/09/2068
चंद्र	16/10/2068
मंग	28/10/2068
राहु	28/11/2068
गुरु	26/12/2068
शनि	27/01/2069

सूर्य-केतु
27/01/2069
23/04/2069

केतु	01/02/2069
शुक्र	16/02/2069
सूर्य	20/02/2069
चंद्र	27/02/2069
मंग	04/03/2069
राहु	17/03/2069
गुरु	28/03/2069
शनि	11/04/2069
बुध	23/04/2069

सूर्य-शुक्र
23/04/2069
22/12/2069

शुक्र	02/06/2069
सूर्य	14/06/2069
चंद्र	05/07/2069
मंग	19/07/2069
राहु	24/08/2069
गुरु	26/09/2069
शनि	03/11/2069
बुध	08/12/2069
केतु	22/12/2069

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

अष्टोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंग 7 वर्ष 9 मास 18 दिन

मंगल		बुध		शनि		गुरु	
23/08/1990		11/06/1998		11/06/2015		11/06/2025	
11/06/1998		11/06/2015		11/06/2025		10/06/2044	
मंग	13/01/1991	बुध	12/02/2001	शनि	14/05/2016	गुरु	14/10/2028
बुध	17/04/1992	शनि	10/09/2002	गुरु	16/02/2018	राहु	24/11/2030
शनि	13/01/1993	गुरु	07/09/2005	राहु	29/03/2019	शुक्र	04/08/2034
गुरु	11/06/1994	राहु	29/07/2007	शुक्र	08/03/2021	सूर्य	25/08/2035
राहु	02/05/1995	शुक्र	17/11/2010	सूर्य	27/09/2021	चंद्र	14/04/2038
शुक्र	20/11/1996	सूर्य	28/10/2011	चंद्र	16/02/2023	मंग	10/09/2039
सूर्य	01/05/1997	चंद्र	08/03/2014	मंग	14/11/2023	बुध	07/09/2042
चंद्र	11/06/1998	मंग	11/06/2015	बुध	11/06/2025	शनि	10/06/2044

राहु		शुक्र		सूर्य		चन्द्र	
10/06/2044		10/06/2056		11/06/2077		11/06/2083	
10/06/2056		11/06/2077		11/06/2083		11/06/2098	
राहु	10/10/2045	शुक्र	11/07/2060	सूर्य	10/10/2077	चंद्र	11/07/2085
शुक्र	10/02/2048	सूर्य	10/09/2061	चंद्र	11/08/2078	मंग	21/08/2086
सूर्य	10/10/2048	चंद्र	10/08/2064	मंग	20/01/2079	बुध	30/12/2088
चंद्र	11/06/2050	मंग	01/03/2066	बुध	31/12/2079	शनि	22/05/2090
मंग	02/05/2051	बुध	21/06/2069	शनि	21/07/2080	गुरु	09/01/2093
बुध	22/03/2053	शनि	01/06/2071	गुरु	11/08/2081	राहु	10/09/2094
शनि	01/05/2054	गुरु	09/02/2075	राहु	11/04/2082	शुक्र	11/08/2097
गुरु	10/06/2056	राहु	11/06/2077	शुक्र	11/06/2083	सूर्य	11/06/2098

मंगल	
11/06/2098	
00/00/0000	
मंग	23/08/2098
बुध	00/00/0000
शनि	00/00/0000
गुरु	00/00/0000
राहु	00/00/0000
शुक्र	00/00/0000
सूर्य	00/00/0000
चंद्र	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

अष्टोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

मंग-बुध	मंग-शनि	मंग-गुरु	मंग-राहु
13/01/1991	17/04/1992	13/01/1993	11/06/1994
17/04/1992	13/01/1993	11/06/1994	02/05/1995
बुध 27/03/1991	शनि 12/05/1992	गुरु 13/04/1993	राहु 17/07/1994
शनि 08/05/1991	गुरु 29/06/1992	राहु 09/06/1993	शुक्र 18/09/1994
गुरु 28/07/1991	राहु 29/07/1992	शुक्र 17/09/1993	सूर्य 06/10/1994
राहु 17/09/1991	शुक्र 20/09/1992	सूर्य 16/10/1993	चंद्र 20/11/1994
शुक्र 16/12/1991	सूर्य 05/10/1992	चंद्र 26/12/1993	मंग 14/12/1994
सूर्य 10/01/1992	चंद्र 11/11/1992	मंग 02/02/1994	बुध 03/02/1995
चंद्र 14/03/1992	मंग 01/12/1992	बुध 24/04/1994	शनि 05/03/1995
मंग 17/04/1992	बुध 13/01/1993	शनि 11/06/1994	गुरु 02/05/1995

मंग-शुक्र	मंग-सूर्य	मंग-चंद्र	बुध-बुध
02/05/1995	20/11/1996	01/05/1997	11/06/1998
20/11/1996	01/05/1997	11/06/1998	12/02/2001
शुक्र 20/08/1995	सूर्य 29/11/1996	चंद्र 26/06/1997	बुध 12/11/1998
सूर्य 21/09/1995	चंद्र 21/12/1996	मंग 27/07/1997	शनि 10/02/1999
चंद्र 09/12/1995	मंग 02/01/1997	बुध 28/09/1997	गुरु 01/08/1999
मंग 20/01/1996	बुध 28/01/1997	शनि 05/11/1997	राहु 18/11/1999
बुध 18/04/1996	शनि 12/02/1997	गुरु 15/01/1998	शुक्र 26/05/2000
शनि 10/06/1996	गुरु 12/03/1997	राहु 01/03/1998	सूर्य 19/07/2000
गुरु 18/09/1996	राहु 31/03/1997	शुक्र 19/05/1998	चंद्र 02/12/2000
राहु 20/11/1996	शुक्र 01/05/1997	सूर्य 11/06/1998	मंग 12/02/2001

बुध-शनि	बुध-गुरु	बुध-राहु	बुध-शुक्र
12/02/2001	10/09/2002	07/09/2005	29/07/2007
10/09/2002	07/09/2005	29/07/2007	17/11/2010
शनि 07/04/2001	गुरु 21/03/2003	राहु 22/11/2005	शुक्र 19/03/2008
गुरु 17/07/2001	राहु 21/07/2003	शुक्र 05/04/2006	सूर्य 25/05/2008
राहु 19/09/2001	शुक्र 18/02/2004	सूर्य 14/05/2006	चंद्र 09/11/2008
शुक्र 08/01/2002	सूर्य 19/04/2004	चंद्र 18/08/2006	मंग 06/02/2009
सूर्य 09/02/2002	चंद्र 18/09/2004	मंग 08/10/2006	बुध 16/08/2009
चंद्र 30/04/2002	मंग 08/12/2004	बुध 24/01/2007	शनि 05/12/2009
मंग 12/06/2002	बुध 28/05/2005	शनि 29/03/2007	गुरु 06/07/2010
बुध 10/09/2002	शनि 07/09/2005	गुरु 29/07/2007	राहु 17/11/2010

बुध-सूर्य	बुध-चंद्र	बुध-मंग	शनि-शनि
17/11/2010	28/10/2011	08/03/2014	11/06/2015
28/10/2011	08/03/2014	11/06/2015	14/05/2016
सूर्य 06/12/2010	चंद्र 25/02/2012	मंग 11/04/2014	शनि 12/07/2015
चंद्र 23/01/2011	मंग 28/04/2012	बुध 23/06/2014	गुरु 10/09/2015
मंग 18/02/2011	बुध 11/09/2012	शनि 04/08/2014	राहु 18/10/2015
बुध 13/04/2011	शनि 30/11/2012	गुरु 24/10/2014	शुक्र 22/12/2015
शनि 15/05/2011	गुरु 01/05/2013	राहु 14/12/2014	सूर्य 10/01/2016
गुरु 14/07/2011	राहु 05/08/2013	शुक्र 14/03/2015	चंद्र 26/02/2016
राहु 22/08/2011	शुक्र 19/01/2014	सूर्य 08/04/2015	मंग 22/03/2016
शुक्र 28/10/2011	सूर्य 08/03/2014	चंद्र 11/06/2015	बुध 14/05/2016

अष्टोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

शनि-गुरु		शनि-राहु		शनि-शुक्र		शनि-सूर्य	
14/05/2016		16/02/2018		29/03/2019		08/03/2021	
16/02/2018		29/03/2019		08/03/2021		27/09/2021	
गुरु	04/09/2016	राहु	02/04/2018	शुक्र	14/08/2019	सूर्य	19/03/2021
राहु	15/11/2016	शुक्र	20/06/2018	सूर्य	22/09/2019	चंद्र	16/04/2021
शुक्र	20/03/2017	सूर्य	12/07/2018	चंद्र	30/12/2019	मंग	01/05/2021
सूर्य	24/04/2017	चंद्र	07/09/2018	मंग	21/02/2020	बुध	02/06/2021
चंद्र	23/07/2017	मंग	07/10/2018	बुध	11/06/2020	शनि	21/06/2021
मंग	08/09/2017	बुध	10/12/2018	शनि	16/08/2020	गुरु	27/07/2021
बुध	18/12/2017	शनि	16/01/2019	गुरु	19/12/2020	राहु	18/08/2021
शनि	16/02/2018	गुरु	29/03/2019	राहु	08/03/2021	शुक्र	27/09/2021

शनि-चंद्र		शनि-मंग		शनि-बुध		गुरु-गुरु	
27/09/2021		16/02/2023		14/11/2023		11/06/2025	
16/02/2023		14/11/2023		11/06/2025		14/10/2028	
चंद्र	06/12/2021	मंग	08/03/2023	बुध	12/02/2024	गुरु	11/01/2026
मंग	13/01/2022	बुध	20/04/2023	शनि	05/04/2024	राहु	27/05/2026
बुध	03/04/2022	शनि	15/05/2023	गुरु	16/07/2024	शुक्र	20/01/2027
शनि	20/05/2022	गुरु	01/07/2023	राहु	18/09/2024	सूर्य	28/03/2027
गुरु	17/08/2022	राहु	01/08/2023	शुक्र	07/01/2025	चंद्र	14/09/2027
राहु	12/10/2022	शुक्र	22/09/2023	सूर्य	08/02/2025	मंग	13/12/2027
शुक्र	19/01/2023	सूर्य	07/10/2023	चंद्र	29/04/2025	बुध	23/06/2028
सूर्य	16/02/2023	चंद्र	14/11/2023	मंग	11/06/2025	शनि	14/10/2028

गुरु-राहु		गुरु-शुक्र		गुरु-सूर्य		गुरु-चंद्र	
14/10/2028		24/11/2030		04/08/2034		25/08/2035	
24/11/2030		04/08/2034		25/08/2035		14/04/2038	
राहु	07/01/2029	शुक्र	13/08/2031	सूर्य	25/08/2034	चंद्र	05/01/2036
शुक्र	06/06/2029	सूर्य	27/10/2031	चंद्र	18/10/2034	मंग	17/03/2036
सूर्य	19/07/2029	चंद्र	01/05/2032	मंग	16/11/2034	बुध	16/08/2036
चंद्र	03/11/2029	मंग	09/08/2032	बुध	15/01/2035	शनि	13/11/2036
मंग	30/12/2029	बुध	10/03/2033	शनि	20/02/2035	गुरु	01/05/2037
बुध	01/05/2030	शनि	13/07/2033	गुरु	29/04/2035	राहु	16/08/2037
शनि	11/07/2030	गुरु	07/03/2034	राहु	11/06/2035	शुक्र	20/02/2038
गुरु	24/11/2030	राहु	04/08/2034	शुक्र	25/08/2035	सूर्य	14/04/2038

गुरु-मंग		गुरु-बुध		गुरु-शनि		राहु-राहु	
14/04/2038		10/09/2039		07/09/2042		10/06/2044	
10/09/2039		07/09/2042		10/06/2044		10/10/2045	
मंग	23/05/2038	बुध	29/02/2040	शनि	05/11/2042	राहु	04/08/2044
बुध	11/08/2038	शनि	10/06/2040	गुरु	26/02/2043	शुक्र	06/11/2044
शनि	28/09/2038	गुरु	19/12/2040	राहु	09/05/2043	सूर्य	03/12/2044
गुरु	27/12/2038	राहु	19/04/2041	शुक्र	11/09/2043	चंद्र	09/02/2045
राहु	23/02/2039	शुक्र	18/11/2041	सूर्य	16/10/2043	मंग	17/03/2045
शुक्र	03/06/2039	सूर्य	17/01/2042	चंद्र	14/01/2044	बुध	02/06/2045
सूर्य	01/07/2039	चंद्र	18/06/2042	मंग	01/03/2044	शनि	17/07/2045
चंद्र	10/09/2039	मंग	07/09/2042	बुध	10/06/2044	गुरु	10/10/2045

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

अष्टोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

राहु-शुक्र
10/10/2045
10/02/2048

शुक्र	25/03/2046
सूर्य	11/05/2046
चंद्र	07/09/2046
मंग	09/11/2046
बुध	23/03/2047
शनि	10/06/2047
गुरु	07/11/2047
राहु	10/02/2048

राहु-सूर्य
10/02/2048
10/10/2048

सूर्य	23/02/2048
चंद्र	28/03/2048
मंग	15/04/2048
बुध	23/05/2048
शनि	15/06/2048
गुरु	28/07/2048
राहु	24/08/2048
शुक्र	10/10/2048

राहु-चंद्र
10/10/2048
11/06/2050

चंद्र	03/01/2049
मंग	17/02/2049
बुध	24/05/2049
शनि	19/07/2049
गुरु	03/11/2049
राहु	10/01/2050
शुक्र	08/05/2050
सूर्य	11/06/2050

राहु-मंग
11/06/2050
02/05/2051

मंग	05/07/2050
बुध	25/08/2050
शनि	24/09/2050
गुरु	20/11/2050
राहु	26/12/2050
शुक्र	27/02/2051
सूर्य	18/03/2051
चंद्र	02/05/2051

राहु-बुध
02/05/2051
22/03/2053

बुध	18/08/2051
शनि	21/10/2051
गुरु	19/02/2052
राहु	06/05/2052
शुक्र	17/09/2052
सूर्य	26/10/2052
चंद्र	29/01/2053
मंग	22/03/2053

राहु-शनि
22/03/2053
01/05/2054

शनि	28/04/2053
गुरु	08/07/2053
राहु	23/08/2053
शुक्र	09/11/2053
सूर्य	02/12/2053
चंद्र	27/01/2054
मंग	26/02/2054
बुध	01/05/2054

राहु-गुरु
01/05/2054
10/06/2056

गुरु	14/09/2054
राहु	09/12/2054
शुक्र	08/05/2055
सूर्य	19/06/2055
चंद्र	05/10/2055
मंग	01/12/2055
बुध	31/03/2056
शनि	10/06/2056

शुक्र-शुक्र
10/06/2056
11/07/2060

शुक्र	27/03/2057
सूर्य	18/06/2057
चंद्र	11/01/2058
मंग	02/05/2058
बुध	23/12/2058
शनि	10/05/2059
गुरु	27/01/2060
राहु	11/07/2060

शुक्र-सूर्य
11/07/2060
10/09/2061

सूर्य	04/08/2060
चंद्र	02/10/2060
मंग	02/11/2060
बुध	08/01/2061
शनि	17/02/2061
गुरु	03/05/2061
राहु	19/06/2061
शुक्र	10/09/2061

शुक्र-चंद्र
10/09/2061
10/08/2064

चंद्र	05/02/2062
मंग	25/04/2062
बुध	10/10/2062
शनि	16/01/2063
गुरु	23/07/2063
राहु	18/11/2063
शुक्र	12/06/2064
सूर्य	10/08/2064

शुक्र-मंग
10/08/2064
01/03/2066

मंग	21/09/2064
बुध	20/12/2064
शनि	10/02/2065
गुरु	21/05/2065
राहु	24/07/2065
शुक्र	11/11/2065
सूर्य	13/12/2065
चंद्र	01/03/2066

शुक्र-बुध
01/03/2066
21/06/2069

बुध	08/09/2066
शनि	28/12/2066
गुरु	29/07/2067
राहु	10/12/2067
शुक्र	01/08/2068
सूर्य	07/10/2068
चंद्र	23/03/2069
मंग	21/06/2069

शुक्र-शनि
21/06/2069
01/06/2071

शनि	26/08/2069
गुरु	29/12/2069
राहु	17/03/2070
शुक्र	03/08/2070
सूर्य	11/09/2070
चंद्र	19/12/2070
मंग	09/02/2071
बुध	01/06/2071

शुक्र-गुरु
01/06/2071
09/02/2075

गुरु	24/01/2072
राहु	22/06/2072
शुक्र	12/03/2073
सूर्य	26/05/2073
चंद्र	29/11/2073
मंग	09/03/2074
बुध	07/10/2074
शनि	09/02/2075

शुक्र-राहु
09/02/2075
11/06/2077

राहु	15/05/2075
शुक्र	28/10/2075
सूर्य	14/12/2075
चंद्र	11/04/2076
मंग	13/06/2076
बुध	25/10/2076
शनि	12/01/2077
गुरु	11/06/2077

सूर्य-सूर्य
11/06/2077
10/10/2077

सूर्य	17/06/2077
चंद्र	04/07/2077
मंग	13/07/2077
बुध	02/08/2077
शनि	13/08/2077
गुरु	03/09/2077
राहु	17/09/2077
शुक्र	10/10/2077

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

अष्टोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

सूर्य-चंद्र		सूर्य-मंग		सूर्य-बुध		सूर्य-शनि	
10/10/2077		11/08/2078		20/01/2079		31/12/2079	
11/08/2078		20/01/2079		31/12/2079		21/07/2080	
चंद्र	22/11/2077	मंग	23/08/2078	बुध	15/03/2079	शनि	19/01/2080
मंग	14/12/2077	बुध	17/09/2078	शनि	16/04/2079	गुरु	24/02/2080
बुध	31/01/2078	शनि	02/10/2078	गुरु	16/06/2079	राहु	17/03/2080
शनि	28/02/2078	गुरु	31/10/2078	राहु	24/07/2079	शुक्र	26/04/2080
गुरु	23/04/2078	राहु	18/11/2078	शुक्र	29/09/2079	सूर्य	07/05/2080
राहु	27/05/2078	शुक्र	20/12/2078	सूर्य	19/10/2079	चंद्र	04/06/2080
शुक्र	25/07/2078	सूर्य	29/12/2078	चंद्र	06/12/2079	मंग	19/06/2080
सूर्य	11/08/2078	चंद्र	20/01/2079	मंग	31/12/2079	बुध	21/07/2080

सूर्य-गुरु		सूर्य-राहु		सूर्य-शुक्र		चंद्र-चंद्र	
21/07/2080		11/08/2081		11/04/2082		11/06/2083	
11/08/2081		11/04/2082		11/06/2083		11/07/2085	
गुरु	27/09/2080	राहु	07/09/2081	शुक्र	03/07/2082	चंद्र	25/09/2083
राहु	09/11/2080	शुक्र	24/10/2081	सूर्य	27/07/2082	मंग	20/11/2083
शुक्र	23/01/2081	सूर्य	06/11/2081	चंद्र	24/09/2082	बुध	19/03/2084
सूर्य	13/02/2081	चंद्र	10/12/2081	मंग	25/10/2082	शनि	28/05/2084
चंद्र	08/04/2081	मंग	28/12/2081	बुध	31/12/2082	गुरु	09/10/2084
मंग	06/05/2081	बुध	05/02/2082	शनि	09/02/2083	राहु	02/01/2085
बुध	06/07/2081	शनि	27/02/2082	गुरु	25/04/2083	शुक्र	30/05/2085
शनि	11/08/2081	गुरु	11/04/2082	राहु	11/06/2083	सूर्य	11/07/2085

चंद्र-मंग		चंद्र-बुध		चंद्र-शनि		चंद्र-गुरु	
11/07/2085		21/08/2086		30/12/2088		22/05/2090	
21/08/2086		30/12/2088		22/05/2090		09/01/2093	
मंग	10/08/2085	बुध	04/01/2087	शनि	15/02/2089	गुरु	07/11/2090
बुध	13/10/2085	शनि	25/03/2087	गुरु	16/05/2089	राहु	22/02/2091
शनि	20/11/2085	गुरु	23/08/2087	राहु	11/07/2089	शुक्र	29/08/2091
गुरु	30/01/2086	राहु	27/11/2087	शुक्र	18/10/2089	सूर्य	21/10/2091
राहु	16/03/2086	शुक्र	13/05/2088	सूर्य	15/11/2089	चंद्र	03/03/2092
शुक्र	03/06/2086	सूर्य	30/06/2088	चंद्र	24/01/2090	मंग	14/05/2092
सूर्य	26/06/2086	चंद्र	27/10/2088	मंग	03/03/2090	बुध	12/10/2092
चंद्र	21/08/2086	मंग	30/12/2088	बुध	22/05/2090	शनि	09/01/2093

चंद्र-राहु		चंद्र-शुक्र		चंद्र-सूर्य		मंग-मंग	
09/01/2093		10/09/2094		11/08/2097		11/06/2098	
10/09/2094		11/08/2097		11/06/2098		00/00/0000	
राहु	18/03/2093	शुक्र	05/04/2095	सूर्य	27/08/2097	मंग	27/06/2098
शुक्र	14/07/2093	सूर्य	04/06/2095	चंद्र	09/10/2097	बुध	31/07/2098
सूर्य	17/08/2093	चंद्र	30/10/2095	मंग	31/10/2097	शनि	20/08/2098
चंद्र	10/11/2093	मंग	16/01/2096	बुध	18/12/2097	गुरु	23/08/2098
मंग	25/12/2093	बुध	02/07/2096	शनि	15/01/2098	राहु	00/00/0000
बुध	31/03/2094	शनि	09/10/2096	गुरु	10/03/2098	शुक्र	00/00/0000
शनि	26/05/2094	गुरु	14/04/2097	राहु	13/04/2098	सूर्य	00/00/0000
गुरु	10/09/2094	राहु	11/08/2097	शुक्र	11/06/2098	चंद्र	00/00/0000

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

योगिनी दशा

भोग्य दशा काल : संक 7 वर्ष 2 मास 11 दिन

संकटा		मंगला		पिंगला		धान्या	
23/08/1990		03/11/1997		04/11/1998		03/11/2000	
03/11/1997		04/11/1998		03/11/2000		04/11/2003	
संक	15/08/1991	मंग	13/11/1997	पिंग	14/12/1998	धांय	02/02/2001
मंग	04/11/1991	पिंग	04/12/1997	धांय	13/02/1999	भ्राम	04/06/2001
पिंग	14/04/1992	धांय	03/01/1998	भ्राम	05/05/1999	भद्रि	03/11/2001
धांय	14/12/1992	भ्राम	13/02/1998	भद्रि	15/08/1999	उल्क	05/05/2002
भ्राम	03/11/1993	भद्रि	04/04/1998	उल्क	14/12/1999	सिद्ध	04/12/2002
भद्रि	14/12/1994	उल्क	04/06/1998	सिद्ध	04/05/2000	संक	04/08/2003
उल्क	14/04/1996	सिद्ध	14/08/1998	संक	14/10/2000	मंग	04/09/2003
सिद्ध	03/11/1997	संक	04/11/1998	मंग	03/11/2000	पिंग	04/11/2003

भ्रामरी		भद्रिका		उल्का		सिद्धा	
04/11/2003		04/11/2007		03/11/2012		04/11/2018	
04/11/2007		03/11/2012		04/11/2018		03/11/2025	
भ्राम	14/04/2004	भद्रि	14/07/2008	उल्क	03/11/2013	सिद्ध	15/03/2020
भद्रि	03/11/2004	उल्क	15/05/2009	सिद्ध	03/01/2015	संक	04/10/2021
उल्क	05/07/2005	सिद्ध	05/05/2010	संक	04/05/2016	मंग	14/12/2021
सिद्ध	15/04/2006	संक	15/06/2011	मंग	04/07/2016	पिंग	05/05/2022
संक	05/03/2007	मंग	04/08/2011	पिंग	03/11/2016	धांय	04/12/2022
मंग	15/04/2007	पिंग	14/11/2011	धांय	05/05/2017	भ्राम	14/09/2023
पिंग	05/07/2007	धांय	14/04/2012	भ्राम	03/01/2018	भद्रि	03/09/2024
धांय	04/11/2007	भ्राम	03/11/2012	भद्रि	04/11/2018	उल्क	03/11/2025

संकटा		मंगला		पिंगला		धान्या	
03/11/2025		03/11/2033		04/11/2034		03/11/2036	
03/11/2033		04/11/2034		03/11/2036		04/11/2039	
संक	15/08/2027	मंग	13/11/2033	पिंग	14/12/2034	धांय	02/02/2037
मंग	04/11/2027	पिंग	04/12/2033	धांय	13/02/2035	भ्राम	04/06/2037
पिंग	14/04/2028	धांय	03/01/2034	भ्राम	05/05/2035	भद्रि	03/11/2037
धांय	14/12/2028	भ्राम	13/02/2034	भद्रि	15/08/2035	उल्क	05/05/2038
भ्राम	03/11/2029	भद्रि	04/04/2034	उल्क	14/12/2035	सिद्ध	04/12/2038
भद्रि	14/12/2030	उल्क	04/06/2034	सिद्ध	04/05/2036	संक	04/08/2039
उल्क	14/04/2032	सिद्ध	14/08/2034	संक	14/10/2036	मंग	04/09/2039
सिद्ध	03/11/2033	संक	04/11/2034	मंग	03/11/2036	पिंग	04/11/2039

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

योगिनी दशा

सिद्धा		संकटा		संकटा		संकटा	
04/11/2090		03/11/2097		03/11/2097		03/11/2097	
03/11/2097		00/00/0000		00/00/0000		00/00/0000	
सिद्ध	15/03/2092	संक	23/08/2098	संक	23/08/2098	संक	23/08/2098
संक	04/10/2093	मंग	00/00/0000	मंग	00/00/0000	मंग	00/00/0000
मंग	14/12/2093	पिंग	00/00/0000	पिंग	00/00/0000	पिंग	00/00/0000
पिंग	05/05/2094	धांय	00/00/0000	धांय	00/00/0000	धांय	00/00/0000
धांय	04/12/2094	भ्राम	00/00/0000	भ्राम	00/00/0000	भ्राम	00/00/0000
भ्राम	14/09/2095	भद्रि	00/00/0000	भद्रि	00/00/0000	भद्रि	00/00/0000
भद्रि	03/09/2096	उल्क	00/00/0000	उल्क	00/00/0000	उल्क	00/00/0000
उल्क	03/11/2097	सिद्ध	00/00/0000	सिद्ध	00/00/0000	सिद्ध	00/00/0000

संकटा		संकटा		संकटा		संकटा	
03/11/2097		03/11/2097		03/11/2097		03/11/2097	
00/00/0000		00/00/0000		00/00/0000		00/00/0000	
संक	23/08/2098	संक	23/08/2098	संक	23/08/2098	संक	23/08/2098
मंग	00/00/0000	मंग	00/00/0000	मंग	00/00/0000	मंग	00/00/0000
पिंग	00/00/0000	पिंग	00/00/0000	पिंग	00/00/0000	पिंग	00/00/0000
धांय	00/00/0000	धांय	00/00/0000	धांय	00/00/0000	धांय	00/00/0000
भ्राम	00/00/0000	भ्राम	00/00/0000	भ्राम	00/00/0000	भ्राम	00/00/0000
भद्रि	00/00/0000	भद्रि	00/00/0000	भद्रि	00/00/0000	भद्रि	00/00/0000
उल्क	00/00/0000	उल्क	00/00/0000	उल्क	00/00/0000	उल्क	00/00/0000
सिद्ध	00/00/0000	सिद्ध	00/00/0000	सिद्ध	00/00/0000	सिद्ध	00/00/0000

संकटा		संकटा		संकटा		संकटा	
03/11/2097		03/11/2097		03/11/2097		03/11/2097	
00/00/0000		00/00/0000		00/00/0000		00/00/0000	
संक	23/08/2098	संक	23/08/2098	संक	23/08/2098	संक	23/08/2098
मंग	00/00/0000	मंग	00/00/0000	मंग	00/00/0000	मंग	00/00/0000
पिंग	00/00/0000	पिंग	00/00/0000	पिंग	00/00/0000	पिंग	00/00/0000
धांय	00/00/0000	धांय	00/00/0000	धांय	00/00/0000	धांय	00/00/0000
भ्राम	00/00/0000	भ्राम	00/00/0000	भ्राम	00/00/0000	भ्राम	00/00/0000
भद्रि	00/00/0000	भद्रि	00/00/0000	भद्रि	00/00/0000	भद्रि	00/00/0000
उल्क	00/00/0000	उल्क	00/00/0000	उल्क	00/00/0000	उल्क	00/00/0000
सिद्ध	00/00/0000	सिद्ध	00/00/0000	सिद्ध	00/00/0000	सिद्ध	00/00/0000

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

योगिनी दशा-प्रत्यन्तर

उल्क-उल्क
03/11/2012
03/11/2013

उल्क	03/01/2013
सिद्ध	15/03/2013
संक	04/06/2013
मंग	14/06/2013
पिंग	05/07/2013
धांय	04/08/2013
भ्राम	14/09/2013
भद्रि	03/11/2013

उल्क-सिद्ध
03/11/2013
03/01/2015

सिद्ध	25/01/2014
संक	30/04/2014
मंग	12/05/2014
पिंग	04/06/2014
धांय	10/07/2014
भ्राम	26/08/2014
भद्रि	24/10/2014
उल्क	03/01/2015

उल्क-संक
03/01/2015
04/05/2016

संक	22/04/2015
मंग	05/05/2015
पिंग	01/06/2015
धांय	12/07/2015
भ्राम	04/09/2015
भद्रि	11/11/2015
उल्क	31/01/2016
सिद्ध	04/05/2016

उल्क-मंग
04/05/2016
04/07/2016

मंग	06/05/2016
पिंग	10/05/2016
धांय	15/05/2016
भ्राम	21/05/2016
भद्रि	30/05/2016
उल्क	09/06/2016
सिद्ध	21/06/2016
संक	04/07/2016

उल्क-पिंग
04/07/2016
03/11/2016

पिंग	11/07/2016
धांय	21/07/2016
भ्राम	04/08/2016
भद्रि	21/08/2016
उल्क	10/09/2016
सिद्ध	04/10/2016
संक	31/10/2016
मंग	03/11/2016

उल्क-धांय
03/11/2016
05/05/2017

धांय	18/11/2016
भ्राम	09/12/2016
भद्रि	03/01/2017
उल्क	02/02/2017
सिद्ध	10/03/2017
संक	19/04/2017
मंग	25/04/2017
पिंग	05/05/2017

उल्क-भ्राम
05/05/2017
03/01/2018

भ्राम	01/06/2017
भद्रि	05/07/2017
उल्क	14/08/2017
सिद्ध	30/09/2017
संक	24/11/2017
मंग	30/11/2017
पिंग	14/12/2017
धांय	03/01/2018

उल्क-भद्रि
03/01/2018
04/11/2018

भद्रि	14/02/2018
उल्क	06/04/2018
सिद्ध	04/06/2018
संक	11/08/2018
मंग	19/08/2018
पिंग	05/09/2018
धांय	01/10/2018
भ्राम	04/11/2018

सिद्ध-सिद्ध
04/11/2018
15/03/2020

सिद्ध	08/02/2019
संक	30/05/2019
मंग	13/06/2019
पिंग	10/07/2019
धांय	21/08/2019
भ्राम	15/10/2019
भद्रि	23/12/2019
उल्क	15/03/2020

सिद्ध-संक
15/03/2020
04/10/2021

संक	19/07/2020
मंग	04/08/2020
पिंग	04/09/2020
धांय	22/10/2020
भ्राम	24/12/2020
भद्रि	13/03/2021
उल्क	15/06/2021
सिद्ध	04/10/2021

सिद्ध-मंग
04/10/2021
14/12/2021

मंग	06/10/2021
पिंग	10/10/2021
धांय	16/10/2021
भ्राम	24/10/2021
भद्रि	02/11/2021
उल्क	14/11/2021
सिद्ध	28/11/2021
संक	14/12/2021

सिद्ध-पिंग
14/12/2021
05/05/2022

पिंग	22/12/2021
धांय	03/01/2022
भ्राम	18/01/2022
भद्रि	07/02/2022
उल्क	03/03/2022
सिद्ध	30/03/2022
संक	01/05/2022
मंग	05/05/2022

सिद्ध-धांय
05/05/2022
04/12/2022

धांय	23/05/2022
भ्राम	15/06/2022
भद्रि	15/07/2022
उल्क	19/08/2022
सिद्ध	30/09/2022
संक	16/11/2022
मंग	22/11/2022
पिंग	04/12/2022

सिद्ध-भ्राम
04/12/2022
14/09/2023

भ्राम	05/01/2023
भद्रि	13/02/2023
उल्क	01/04/2023
सिद्ध	27/05/2023
संक	29/07/2023
मंग	06/08/2023
पिंग	21/08/2023
धांय	14/09/2023

सिद्ध-भद्रि
14/09/2023
03/09/2024

भद्रि	02/11/2023
उल्क	01/01/2024
सिद्ध	10/03/2024
संक	28/05/2024
मंग	06/06/2024
पिंग	26/06/2024
धांय	26/07/2024
भ्राम	03/09/2024

सिद्ध-उल्क
03/09/2024
03/11/2025

उल्क	13/11/2024
सिद्ध	04/02/2025
संक	10/05/2025
मंग	22/05/2025
पिंग	14/06/2025
धांय	20/07/2025
भ्राम	05/09/2025
भद्रि	03/11/2025

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

योगिनी दशा-प्रत्यन्तर

संक-संक
03/11/2025
15/08/2027

संक	28/03/2026
मंग	15/04/2026
पिंग	21/05/2026
धांय	14/07/2026
भ्राम	24/09/2026
भद्रि	23/12/2026
उल्क	10/04/2027
सिद्ध	15/08/2027

संक-मंग
15/08/2027
04/11/2027

मंग	17/08/2027
पिंग	21/08/2027
धांय	28/08/2027
भ्राम	06/09/2027
भद्रि	17/09/2027
उल्क	01/10/2027
सिद्ध	17/10/2027
संक	04/11/2027

संक-पिंग
04/11/2027
14/04/2028

पिंग	13/11/2027
धांय	26/11/2027
भ्राम	14/12/2027
भद्रि	06/01/2028
उल्क	02/02/2028
सिद्ध	05/03/2028
संक	10/04/2028
मंग	14/04/2028

संक-धांय
14/04/2028
14/12/2028

धांय	04/05/2028
भ्राम	31/05/2028
भद्रि	04/07/2028
उल्क	14/08/2028
सिद्ध	30/09/2028
संक	23/11/2028
मंग	30/11/2028
पिंग	14/12/2028

संक-भ्राम
14/12/2028
03/11/2029

भ्राम	19/01/2029
भद्रि	05/03/2029
उल्क	28/04/2029
सिद्ध	30/06/2029
संक	10/09/2029
मंग	19/09/2029
पिंग	07/10/2029
धांय	03/11/2029

संक-भद्रि
03/11/2029
14/12/2030

भद्रि	30/12/2029
उल्क	07/03/2030
सिद्ध	25/05/2030
संक	23/08/2030
मंग	04/09/2030
पिंग	26/09/2030
धांय	30/10/2030
भ्राम	14/12/2030

संक-उल्क
14/12/2030
14/04/2032

उल्क	05/03/2031
सिद्ध	08/06/2031
संक	24/09/2031
मंग	08/10/2031
पिंग	04/11/2031
धांय	14/12/2031
भ्राम	07/02/2032
भद्रि	14/04/2032

संक-सिद्ध
14/04/2032
03/11/2033

सिद्ध	03/08/2032
संक	07/12/2032
मंग	23/12/2032
पिंग	23/01/2033
धांय	12/03/2033
भ्राम	14/05/2033
भद्रि	01/08/2033
उल्क	03/11/2033

मंग-मंग
03/11/2033
13/11/2033

मंग	04/11/2033
पिंग	04/11/2033
धांय	05/11/2033
भ्राम	06/11/2033
भद्रि	08/11/2033
उल्क	09/11/2033
सिद्ध	11/11/2033
संक	13/11/2033

मंग-पिंग
13/11/2033
04/12/2033

पिंग	15/11/2033
धांय	16/11/2033
भ्राम	19/11/2033
भद्रि	21/11/2033
उल्क	25/11/2033
सिद्ध	29/11/2033
संक	03/12/2033
मंग	04/12/2033

मंग-धांय
04/12/2033
03/01/2034

धांय	06/12/2033
भ्राम	10/12/2033
भद्रि	14/12/2033
उल्क	19/12/2033
सिद्ध	25/12/2033
संक	01/01/2034
मंग	01/01/2034
पिंग	03/01/2034

मंग-भ्राम
03/01/2034
13/02/2034

भ्राम	08/01/2034
भद्रि	13/01/2034
उल्क	20/01/2034
सिद्ध	28/01/2034
संक	06/02/2034
मंग	07/02/2034
पिंग	09/02/2034
धांय	13/02/2034

मंग-भद्रि
13/02/2034
04/04/2034

भद्रि	20/02/2034
उल्क	28/02/2034
सिद्ध	10/03/2034
संक	21/03/2034
मंग	23/03/2034
पिंग	26/03/2034
धांय	30/03/2034
भ्राम	04/04/2034

मंग-उल्क
04/04/2034
04/06/2034

उल्क	15/04/2034
सिद्ध	26/04/2034
संक	10/05/2034
मंग	12/05/2034
पिंग	15/05/2034
धांय	20/05/2034
भ्राम	27/05/2034
भद्रि	04/06/2034

मंग-सिद्ध
04/06/2034
14/08/2034

सिद्ध	18/06/2034
संक	04/07/2034
मंग	06/07/2034
पिंग	10/07/2034
धांय	16/07/2034
भ्राम	24/07/2034
भद्रि	03/08/2034
उल्क	14/08/2034

मंग-संक
14/08/2034
04/11/2034

संक	01/09/2034
मंग	04/09/2034
पिंग	08/09/2034
धांय	15/09/2034
भ्राम	24/09/2034
भद्रि	05/10/2034
उल्क	19/10/2034
सिद्ध	04/11/2034

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

कालचक्र दशा

भोग्य दशा काल : कर्क 12 वर्ष 10 मास 29 दिन

कर्क		सिंह		कन्या		तुला	
23/08/1990		23/07/2003		22/07/2008		22/07/2017	
23/07/2003		22/07/2008		22/07/2017		22/07/2033	
कर्क	00/00/0000	सिंह	22/10/2003	कंया	14/05/2009	तुला	12/02/2020
सिंह	00/00/0000	कंया	04/04/2004	तुला	22/10/2010	वृश्चि	28/03/2021
कंया	23/08/1990	तुला	21/01/2005	वृश्चि	09/06/2011	धनु	02/11/2022
तुला	07/04/1993	वृश्चि	29/05/2005	धनु	03/05/2012	मेष	16/12/2023
वृश्चि	26/09/1994	धनु	27/11/2005	मेष	19/12/2012	वृष	08/07/2026
धनु	01/11/1996	मेष	04/04/2006	वृष	29/05/2014	मिथु	16/12/2027
मेष	22/04/1998	वृष	21/01/2007	मिथु	21/03/2015	कर्क	26/04/2031
वृष	01/09/2001	मिथु	05/07/2007	कर्क	08/02/2017	सिंह	12/02/2032
मिथु	23/07/2003	कर्क	22/07/2008	सिंह	22/07/2017	कंया	22/07/2033

वृश्चिक		धनु		मेष		वृष	
22/07/2033		22/07/2040		23/07/2050		22/07/2057	
22/07/2040		23/07/2050		22/07/2057		22/07/2073	
वृश्चि	17/01/2034	धनु	22/07/2041	मेष	18/01/2051	वृष	12/02/2060
धनु	30/09/2034	मेष	04/04/2042	वृष	02/03/2052	मिथु	22/07/2061
मेष	28/03/2035	वृष	09/11/2043	मिथु	18/10/2052	कर्क	01/12/2064
वृष	10/05/2036	मिथु	03/10/2044	कर्क	08/04/2054	सिंह	19/09/2065
मिथु	26/12/2036	कर्क	09/11/2046	सिंह	14/08/2054	कंया	27/02/2067
कर्क	16/06/2038	सिंह	11/05/2047	कंया	01/04/2055	तुला	19/09/2069
सिंह	22/10/2038	कंया	04/04/2048	तुला	14/05/2056	वृश्चि	02/11/2070
कंया	09/06/2039	तुला	09/11/2049	वृश्चि	09/11/2056	धनु	08/06/2072
तुला	22/07/2040	वृश्चि	23/07/2050	धनु	22/07/2057	मेष	22/07/2073

मिथुन		कर्क	
22/07/2073		23/07/2082	
23/07/2082		00/00/0000	
मिथु	14/05/2074	कर्क	19/12/2086
कर्क	04/04/2076	सिंह	07/01/2088
सिंह	15/09/2076	कंया	27/11/2089
कंया	08/07/2077	तुला	23/08/2090
तुला	16/12/2078	वृश्चि	00/00/0000
वृश्चि	03/08/2079	धनु	00/00/0000
धनु	27/06/2080	मेष	00/00/0000
मेष	12/02/2081	वृष	00/00/0000
वृष	23/07/2082	मिथु	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

कालचक्र दशा-प्रत्यन्तर

कंया-वृष
19/12/2012
29/05/2014

वृष	13/03/2013
मिथु	29/04/2013
कर्क	18/08/2013
सिंह	13/09/2013
कंया	30/10/2013
तुला	23/01/2014
वृश्चि	28/02/2014
धनु	22/04/2014
मेष	29/05/2014

कंया-मिथु
29/05/2014
21/03/2015

मिथु	24/06/2014
कर्क	26/08/2014
सिंह	09/09/2014
कंया	06/10/2014
तुला	22/11/2014
वृश्चि	13/12/2014
धनु	12/01/2015
मेष	01/02/2015
वृष	21/03/2015

कंया-कर्क
21/03/2015
08/02/2017

कर्क	13/08/2015
सिंह	16/09/2015
कंया	17/11/2015
तुला	07/03/2016
वृश्चि	24/04/2016
धनु	02/07/2016
मेष	19/08/2016
वृष	08/12/2016
मिथु	08/02/2017

कंया-सिंह
08/02/2017
22/07/2017

सिंह	16/02/2017
कंया	03/03/2017
तुला	29/03/2017
वृश्चि	10/04/2017
धनु	26/04/2017
मेष	08/05/2017
वृष	03/06/2017
मिथु	18/06/2017
कर्क	22/07/2017

तुला-तुला
22/07/2017
12/02/2020

तुला	19/12/2017
वृश्चि	22/02/2018
धनु	27/05/2018
मेष	31/07/2018
वृष	28/12/2018
मिथु	22/03/2019
कर्क	05/10/2019
सिंह	20/11/2019
कंया	12/02/2020

तुला-वृश्चि
12/02/2020
28/03/2021

वृश्चि	12/03/2020
धनु	22/04/2020
मेष	21/05/2020
वृष	25/07/2020
मिथु	31/08/2020
कर्क	25/11/2020
सिंह	15/12/2020
कंया	21/01/2021
तुला	28/03/2021

तुला-धनु
28/03/2021
02/11/2022

धनु	25/05/2021
मेष	05/07/2021
वृष	06/10/2021
मिथु	28/11/2021
कर्क	31/03/2022
सिंह	29/04/2022
कंया	20/06/2022
तुला	22/09/2022
वृश्चि	02/11/2022

तुला-मेष
02/11/2022
16/12/2023

मेष	01/12/2022
वृष	04/02/2023
मिथु	13/03/2023
कर्क	07/06/2023
सिंह	27/06/2023
कंया	03/08/2023
तुला	07/10/2023
वृश्चि	05/11/2023
धनु	16/12/2023

तुला-वृष
16/12/2023
08/07/2026

वृष	14/05/2024
मिथु	06/08/2024
कर्क	18/02/2025
सिंह	06/04/2025
कंया	29/06/2025
तुला	26/11/2025
वृश्चि	30/01/2026
धनु	04/05/2026
मेष	08/07/2026

तुला-मिथु
08/07/2026
16/12/2027

मिथु	24/08/2026
कर्क	13/12/2026
सिंह	08/01/2027
कंया	24/02/2027
तुला	20/05/2027
वृश्चि	25/06/2027
धनु	17/08/2027
मेष	23/09/2027
वृष	16/12/2027

तुला-कर्क
16/12/2027
26/04/2031

कर्क	30/08/2028
सिंह	30/10/2028
कंया	18/02/2029
तुला	02/09/2029
वृश्चि	27/11/2029
धनु	30/03/2030
मेष	23/06/2030
वृष	06/01/2031
मिथु	26/04/2031

तुला-सिंह
26/04/2031
12/02/2032

सिंह	11/05/2031
कंया	06/06/2031
तुला	23/07/2031
वृश्चि	12/08/2031
धनु	11/09/2031
मेष	01/10/2031
वृष	17/11/2031
मिथु	13/12/2031
कर्क	12/02/2032

तुला-कंया
12/02/2032
22/07/2033

कंया	31/03/2032
तुला	23/06/2032
वृश्चि	30/07/2032
धनु	20/09/2032
मेष	27/10/2032
वृष	19/01/2033
मिथु	08/03/2033
कर्क	26/06/2033
सिंह	22/07/2033

वृश्चि-वृश्चि
22/07/2033
17/01/2034

वृश्चि	04/08/2033
धनु	22/08/2033
मेष	03/09/2033
वृष	02/10/2033
मिथु	18/10/2033
कर्क	25/11/2033
सिंह	04/12/2033
कंया	20/12/2033
तुला	17/01/2034

वृश्चि-धनु
17/01/2034
30/09/2034

धनु	12/02/2034
मेष	02/03/2034
वृष	12/04/2034
मिथु	05/05/2034
कर्क	27/06/2034
सिंह	10/07/2034
कंया	02/08/2034
तुला	12/09/2034
वृश्चि	30/09/2034

वृश्चि-मेष
30/09/2034
28/03/2035

मेष	13/10/2034
वृष	10/11/2034
मिथु	26/11/2034
कर्क	03/01/2035
सिंह	12/01/2035
कंया	28/01/2035
तुला	26/02/2035
वृश्चि	10/03/2035
धनु	28/03/2035

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

कालचक्र दशा-प्रत्यन्तर

वृश्चि-वृष
28/03/2035
10/05/2036

वृष	01/06/2035
मिथु	08/07/2035
कर्क	02/10/2035
सिंह	23/10/2035
कंया	28/11/2035
तुला	02/02/2036
वृश्चि	02/03/2036
धनु	11/04/2036
मेष	10/05/2036

वृश्चि-मिथु
10/05/2036
26/12/2036

मिथु	31/05/2036
कर्क	18/07/2036
सिंह	30/07/2036
कंया	19/08/2036
तुला	25/09/2036
वृश्चि	11/10/2036
धनु	03/11/2036
मेष	19/11/2036
वृष	26/12/2036

वृश्चि-कर्क
26/12/2036
16/06/2038

कर्क	18/04/2037
सिंह	15/05/2037
कंया	02/07/2037
तुला	26/09/2037
वृश्चि	03/11/2037
धनु	26/12/2037
मेष	02/02/2038
वृष	29/04/2038
मिथु	16/06/2038

वृश्चि-सिंह
16/06/2038
22/10/2038

सिंह	23/06/2038
कंया	04/07/2038
तुला	24/07/2038
वृश्चि	02/08/2038
धनु	15/08/2038
मेष	24/08/2038
वृष	14/09/2038
मिथु	25/09/2038
कर्क	22/10/2038

वृश्चि-कंया
22/10/2038
09/06/2039

कंया	12/11/2038
तुला	18/12/2038
वृश्चि	04/01/2039
धनु	27/01/2039
मेष	12/02/2039
वृष	21/03/2039
मिथु	10/04/2039
कर्क	29/05/2039
सिंह	09/06/2039

वृश्चि-तुला
09/06/2039
22/07/2040

तुला	14/08/2039
वृश्चि	11/09/2039
धनु	22/10/2039
मेष	20/11/2039
वृष	24/01/2040
मिथु	01/03/2040
कर्क	26/05/2040
सिंह	15/06/2040
कंया	22/07/2040

धनु-धनु
22/07/2040
22/07/2041

धनु	28/08/2040
मेष	22/09/2040
वृष	20/11/2040
मिथु	23/12/2040
कर्क	09/03/2041
सिंह	28/03/2041
कंया	29/04/2041
तुला	27/06/2041
वृश्चि	22/07/2041

धनु-मेष
22/07/2041
04/04/2042

मेष	09/08/2041
वृष	19/09/2041
मिथु	12/10/2041
कर्क	05/12/2041
सिंह	18/12/2041
कंया	10/01/2042
तुला	20/02/2042
वृश्चि	09/03/2042
धनु	04/04/2042

धनु-वृष
04/04/2042
09/11/2043

वृष	07/07/2042
मिथु	28/08/2042
कर्क	29/12/2042
सिंह	27/01/2043
कंया	21/03/2043
तुला	22/06/2043
वृश्चि	02/08/2043
धनु	30/09/2043
मेष	09/11/2043

धनु-मिथु
09/11/2043
03/10/2044

मिथु	09/12/2043
कर्क	16/02/2044
सिंह	04/03/2044
कंया	02/04/2044
तुला	25/05/2044
वृश्चि	17/06/2044
धनु	20/07/2044
मेष	12/08/2044
वृष	03/10/2044

धनु-कर्क
03/10/2044
09/11/2046

कर्क	13/03/2045
सिंह	21/04/2045
कंया	29/06/2045
तुला	29/10/2045
वृश्चि	22/12/2045
धनु	09/03/2046
मेष	01/05/2046
वृष	01/09/2046
मिथु	09/11/2046

धनु-सिंह
09/11/2046
11/05/2047

सिंह	18/11/2046
कंया	05/12/2046
तुला	03/01/2047
वृश्चि	16/01/2047
धनु	03/02/2047
मेष	16/02/2047
वृष	17/03/2047
मिथु	02/04/2047
कर्क	11/05/2047

धनु-कंया
11/05/2047
04/04/2048

कंया	09/06/2047
तुला	01/08/2047
वृश्चि	24/08/2047
धनु	26/09/2047
मेष	19/10/2047
वृष	11/12/2047
मिथु	09/01/2048
कर्क	18/03/2048
सिंह	04/04/2048

धनु-तुला
04/04/2048
09/11/2049

तुला	06/07/2048
वृश्चि	16/08/2048
धनु	13/10/2048
मेष	23/11/2048
वृष	25/02/2049
मिथु	18/04/2049
कर्क	19/08/2049
सिंह	17/09/2049
कंया	09/11/2049

धनु-वृश्चि
09/11/2049
23/07/2050

वृश्चि	27/11/2049
धनु	22/12/2049
मेष	09/01/2050
वृष	19/02/2050
मिथु	14/03/2050
कर्क	07/05/2050
सिंह	20/05/2050
कंया	12/06/2050
तुला	23/07/2050

मेष-मेष
23/07/2050
18/01/2051

मेष	04/08/2050
वृष	02/09/2050
मिथु	18/09/2050
कर्क	25/10/2050
सिंह	03/11/2050
कंया	20/11/2050
तुला	18/12/2050
वृश्चि	31/12/2050
धनु	18/01/2051

Future Point Future Point Future Point

चर दशा

भोग्य दशा काल : धनु 7 वर्ष 0 मास 0 दिन

धनु		वृश्चिक		तुला		कन्या	
23/08/1990		23/08/1997		23/08/2005		23/08/2014	
23/08/1997		23/08/2005		23/08/2014		23/08/2015	
वृशि	24/03/1991	तुला	23/04/1998	वृशि	24/05/2006	तुला	23/09/2014
तुला	23/10/1991	कंया	23/12/1998	धनु	22/02/2007	वृशि	23/10/2014
कंया	23/05/1992	सिंह	23/08/1999	मक	23/11/2007	धनु	22/11/2014
सिंह	22/12/1992	कर्क	23/04/2000	कुंभ	23/08/2008	मक	23/12/2014
कर्क	23/07/1993	मिथु	22/12/2000	मीन	24/05/2009	कुंभ	22/01/2015
मिथु	22/02/1994	वृष	23/08/2001	मेष	22/02/2010	मीन	22/02/2015
वृष	23/09/1994	मेष	23/04/2002	वृष	22/11/2010	मेष	24/03/2015
मेष	24/04/1995	मीन	23/12/2002	मिथु	23/08/2011	वृष	24/04/2015
मीन	23/11/1995	कुंभ	23/08/2003	कर्क	23/05/2012	मिथु	24/05/2015
कुंभ	23/06/1996	मक	23/04/2004	सिंह	21/02/2013	कर्क	24/06/2015
मक	22/01/1997	धनु	22/12/2004	कंया	22/11/2013	सिंह	24/07/2015
धनु	23/08/1997	वृशि	23/08/2005	तुला	23/08/2014	कंया	23/08/2015

सिंह		कर्क		मिथुन		वृष	
23/08/2015		23/08/2027		23/08/2037		23/08/2039	
23/08/2027		23/08/2037		23/08/2039		23/08/2041	
कंया	23/08/2016	मिथु	23/06/2028	वृष	23/10/2037	मेष	23/10/2039
तुला	23/08/2017	वृष	23/04/2029	मेष	23/12/2037	मीन	23/12/2039
वृशि	23/08/2018	मेष	22/02/2030	मीन	22/02/2038	कुंभ	22/02/2040
धनु	23/08/2019	मीन	23/12/2030	कुंभ	23/04/2038	मक	23/04/2040
मक	23/08/2020	कुंभ	23/10/2031	मक	23/06/2038	धनु	23/06/2040
कुंभ	23/08/2021	मक	23/08/2032	धनु	23/08/2038	वृशि	23/08/2040
मीन	23/08/2022	धनु	23/06/2033	वृशि	23/10/2038	तुला	23/10/2040
मेष	23/08/2023	वृशि	23/04/2034	तुला	23/12/2038	कंया	22/12/2040
वृष	23/08/2024	तुला	22/02/2035	कंया	22/02/2039	सिंह	21/02/2041
मिथु	23/08/2025	कंया	23/12/2035	सिंह	24/04/2039	कर्क	23/04/2041
कर्क	23/08/2026	सिंह	23/10/2036	कर्क	24/06/2039	मिथु	23/06/2041
सिंह	23/08/2027	कर्क	23/08/2037	मिथु	23/08/2039	वृष	23/08/2041

मेष		मीन		कुम्भ		मकर	
23/08/2041		23/08/2042		23/08/2050		23/08/2052	
23/08/2042		23/08/2050		23/08/2052		23/08/2053	
वृष	22/09/2041	मेष	24/04/2043	मीन	23/10/2050	धनु	22/09/2052
मिथु	23/10/2041	वृष	23/12/2043	मेष	23/12/2050	वृशि	23/10/2052
कर्क	22/11/2041	मिथु	23/08/2044	वृष	22/02/2051	तुला	22/11/2052
सिंह	23/12/2041	कर्क	23/04/2045	मिथु	24/04/2051	कंया	22/12/2052
कंया	22/01/2042	सिंह	23/12/2045	कर्क	24/06/2051	सिंह	22/01/2053
तुला	22/02/2042	कंया	23/08/2046	सिंह	23/08/2051	कर्क	21/02/2053
वृशि	24/03/2042	तुला	24/04/2047	कंया	23/10/2051	मिथु	24/03/2053
धनु	23/04/2042	वृशि	23/12/2047	तुला	23/12/2051	वृष	23/04/2053
मक	24/05/2042	धनु	23/08/2048	वृशि	22/02/2052	मेष	24/05/2053
कुंभ	23/06/2042	मक	23/04/2049	धनु	23/04/2052	मीन	23/06/2053
मीन	24/07/2042	कुंभ	23/12/2049	मक	23/06/2052	कुंभ	23/07/2053
मेष	23/08/2042	मीन	23/08/2050	कुंभ	23/08/2052	मक	23/08/2053

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

चर दशा-प्रत्यन्तर

तुला-कंया
21/02/2013
22/11/2013

तुला	16/03/2013
वृश्चि	08/04/2013
धनु	01/05/2013
मक	24/05/2013
कुंभ	15/06/2013
मीन	08/07/2013
मेष	31/07/2013
वृष	23/08/2013
मिथु	15/09/2013
कर्क	08/10/2013
सिंह	30/10/2013
कंया	22/11/2013

तुला-तुला
22/11/2013
23/08/2014

वृश्चि	15/12/2013
धनु	07/01/2014
मक	30/01/2014
कुंभ	22/02/2014
मीन	16/03/2014
मेष	08/04/2014
वृष	01/05/2014
मिथु	24/05/2014
कर्क	16/06/2014
सिंह	08/07/2014
कंया	31/07/2014
तुला	23/08/2014

कंया-तुला
23/08/2014
23/09/2014

वृश्चि	26/08/2014
धनु	28/08/2014
मक	31/08/2014
कुंभ	02/09/2014
मीन	05/09/2014
मेष	07/09/2014
वृष	10/09/2014
मिथु	12/09/2014
कर्क	15/09/2014
सिंह	18/09/2014
कंया	20/09/2014
तुला	23/09/2014

कंया-वृश्चि
23/09/2014
23/10/2014

तुला	25/09/2014
कंया	28/09/2014
सिंह	30/09/2014
कर्क	03/10/2014
मिथु	05/10/2014
वृष	08/10/2014
मेष	10/10/2014
मीन	13/10/2014
कुंभ	15/10/2014
मक	18/10/2014
धनु	20/10/2014
वृश्चि	23/10/2014

कंया-धनु
23/10/2014
22/11/2014

वृश्चि	26/10/2014
तुला	28/10/2014
कंया	31/10/2014
सिंह	02/11/2014
कर्क	05/11/2014
मिथु	07/11/2014
वृष	10/11/2014
मेष	12/11/2014
मीन	15/11/2014
कुंभ	17/11/2014
मक	20/11/2014
धनु	22/11/2014

कंया-मक
22/11/2014
23/12/2014

धनु	25/11/2014
वृश्चि	28/11/2014
तुला	30/11/2014
कंया	03/12/2014
सिंह	05/12/2014
कर्क	08/12/2014
मिथु	10/12/2014
वृष	13/12/2014
मेष	15/12/2014
मीन	18/12/2014
कुंभ	20/12/2014
मक	23/12/2014

कंया-कुंभ
23/12/2014
22/01/2015

मीन	25/12/2014
मेष	28/12/2014
वृष	30/12/2014
मिथु	02/01/2015
कर्क	05/01/2015
सिंह	07/01/2015
कंया	10/01/2015
तुला	12/01/2015
वृश्चि	15/01/2015
धनु	17/01/2015
मक	20/01/2015
कुंभ	22/01/2015

कंया-मीन
22/01/2015
22/02/2015

मेष	25/01/2015
वृष	27/01/2015
मिथु	30/01/2015
कर्क	01/02/2015
सिंह	04/02/2015
कंया	07/02/2015
तुला	09/02/2015
वृश्चि	12/02/2015
धनु	14/02/2015
मक	17/02/2015
कुंभ	19/02/2015
मीन	22/02/2015

कंया-मेष
22/02/2015
24/03/2015

वृष	24/02/2015
मिथु	27/02/2015
कर्क	01/03/2015
सिंह	04/03/2015
कंया	06/03/2015
तुला	09/03/2015
वृश्चि	12/03/2015
धनु	14/03/2015
मक	17/03/2015
कुंभ	19/03/2015
मीन	22/03/2015
मेष	24/03/2015

कंया-वृष
24/03/2015
24/04/2015

मेष	27/03/2015
मीन	29/03/2015
कुंभ	01/04/2015
मक	03/04/2015
धनु	06/04/2015
वृश्चि	08/04/2015
तुला	11/04/2015
कंया	13/04/2015
सिंह	16/04/2015
कर्क	19/04/2015
मिथु	21/04/2015
वृष	24/04/2015

कंया-मिथु
24/04/2015
24/05/2015

वृष	26/04/2015
मेष	29/04/2015
मीन	01/05/2015
कुंभ	04/05/2015
मक	06/05/2015
धनु	09/05/2015
वृश्चि	11/05/2015
तुला	14/05/2015
कंया	16/05/2015
सिंह	19/05/2015
कर्क	22/05/2015
मिथु	24/05/2015

कंया-कर्क
24/05/2015
24/06/2015

मिथु	27/05/2015
वृष	29/05/2015
मेष	01/06/2015
मीन	03/06/2015
कुंभ	06/06/2015
मक	08/06/2015
धनु	11/06/2015
वृश्चि	13/06/2015
तुला	16/06/2015
कंया	18/06/2015
सिंह	21/06/2015
कर्क	24/06/2015

कंया-सिंह
24/06/2015
24/07/2015

कंया	26/06/2015
तुला	29/06/2015
वृश्चि	01/07/2015
धनु	04/07/2015
मक	06/07/2015
कुंभ	09/07/2015
मीन	11/07/2015
मेष	14/07/2015
वृष	16/07/2015
मिथु	19/07/2015
कर्क	21/07/2015
सिंह	24/07/2015

कंया-कंया
24/07/2015
23/08/2015

तुला	26/07/2015
वृश्चि	29/07/2015
धनु	01/08/2015
मक	03/08/2015
कुंभ	06/08/2015
मीन	08/08/2015
मेष	11/08/2015
वृष	13/08/2015
मिथु	16/08/2015
कर्क	18/08/2015
सिंह	21/08/2015
कंया	23/08/2015

सिंह-कंया
23/08/2015
23/08/2016

तुला	23/09/2015
वृश्चि	23/10/2015
धनु	23/11/2015
मक	23/12/2015
कुंभ	23/01/2016
मीन	22/02/2016
मेष	23/03/2016
वृष	23/04/2016
मिथु	23/05/2016
कर्क	23/06/2016
सिंह	23/07/2016
कंया	23/08/2016

सिंह-तुला
23/08/2016
23/08/2017

वृश्चि	22/09/2016
धनु	23/10/2016
मक	22/11/2016
कुंभ	22/12/2016
मीन	22/01/2017
मेष	21/02/2017
वृष	24/03/2017
मिथु	23/04/2017
कर्क	24/05/2017
सिंह	23/06/2017
कंया	23/07/2017
तुला	23/08/2017

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

चर दशा-प्रत्यन्तर

सिंह-वृशि
23/08/2017
23/08/2018

तुला	22/09/2017
कंया	23/10/2017
सिंह	22/11/2017
कर्क	23/12/2017
मिथु	22/01/2018
वृष	22/02/2018
मेष	24/03/2018
मीन	23/04/2018
कुंभ	24/05/2018
मक	23/06/2018
धनु	24/07/2018
वृशि	23/08/2018

सिंह-धनु
23/08/2018
23/08/2019

वृशि	23/09/2018
तुला	23/10/2018
कंया	22/11/2018
सिंह	23/12/2018
कर्क	22/01/2019
मिथु	22/02/2019
वृष	24/03/2019
मेष	24/04/2019
मीन	24/05/2019
कुंभ	24/06/2019
मक	24/07/2019
धनु	23/08/2019

सिंह-मक
23/08/2019
23/08/2020

धनु	23/09/2019
वृशि	23/10/2019
तुला	23/11/2019
कंया	23/12/2019
सिंह	23/01/2020
कर्क	22/02/2020
मिथु	23/03/2020
वृष	23/04/2020
मेष	23/05/2020
मीन	23/06/2020
कुंभ	23/07/2020
मक	23/08/2020

सिंह-कुंभ
23/08/2020
23/08/2021

मीन	22/09/2020
मेष	23/10/2020
वृष	22/11/2020
मिथु	22/12/2020
कर्क	22/01/2021
सिंह	21/02/2021
कंया	24/03/2021
तुला	23/04/2021
वृशि	24/05/2021
धनु	23/06/2021
मक	23/07/2021
कुंभ	23/08/2021

सिंह-मीन
23/08/2021
23/08/2022

मेष	22/09/2021
वृष	23/10/2021
मिथु	22/11/2021
कर्क	23/12/2021
सिंह	22/01/2022
कंया	22/02/2022
तुला	24/03/2022
वृशि	23/04/2022
धनु	24/05/2022
मक	23/06/2022
कुंभ	24/07/2022
मीन	23/08/2022

सिंह-मेष
23/08/2022
23/08/2023

वृष	23/09/2022
मिथु	23/10/2022
कर्क	22/11/2022
सिंह	23/12/2022
कंया	22/01/2023
तुला	22/02/2023
वृशि	24/03/2023
धनु	24/04/2023
मक	24/05/2023
कुंभ	24/06/2023
मीन	24/07/2023
मेष	23/08/2023

सिंह-वृष
23/08/2023
23/08/2024

मेष	23/09/2023
मीन	23/10/2023
कुंभ	23/11/2023
मक	23/12/2023
धनु	23/01/2024
वृशि	22/02/2024
तुला	23/03/2024
कंया	23/04/2024
सिंह	23/05/2024
कर्क	23/06/2024
मिथु	23/07/2024
वृष	23/08/2024

सिंह-मिथु
23/08/2024
23/08/2025

वृष	22/09/2024
मेष	23/10/2024
मीन	22/11/2024
कुंभ	22/12/2024
मक	22/01/2025
धनु	21/02/2025
वृशि	24/03/2025
तुला	23/04/2025
कंया	24/05/2025
सिंह	23/06/2025
कर्क	23/07/2025
मिथु	23/08/2025

सिंह-कर्क
23/08/2025
23/08/2026

मिथु	22/09/2025
वृष	23/10/2025
मेष	22/11/2025
मीन	23/12/2025
कुंभ	22/01/2026
मक	22/02/2026
धनु	24/03/2026
वृशि	23/04/2026
तुला	24/05/2026
कंया	23/06/2026
सिंह	24/07/2026
कर्क	23/08/2026

सिंह-सिंह
23/08/2026
23/08/2027

कंया	23/09/2026
तुला	23/10/2026
वृशि	22/11/2026
धनु	23/12/2026
मक	22/01/2027
कुंभ	22/02/2027
मीन	24/03/2027
मेष	24/04/2027
वृष	24/05/2027
मिथु	24/06/2027
कर्क	24/07/2027
सिंह	23/08/2027

कर्क-मिथु
23/08/2027
23/06/2028

वृष	18/09/2027
मेष	13/10/2027
मीन	07/11/2027
कुंभ	03/12/2027
मक	28/12/2027
धनु	23/01/2028
वृशि	17/02/2028
तुला	13/03/2028
कंया	08/04/2028
सिंह	03/05/2028
कर्क	28/05/2028
मिथु	23/06/2028

कर्क-वृष
23/06/2028
23/04/2029

मेष	18/07/2028
मीन	12/08/2028
कुंभ	07/09/2028
मक	02/10/2028
धनु	28/10/2028
वृशि	22/11/2028
तुला	17/12/2028
कंया	12/01/2029
सिंह	06/02/2029
कर्क	03/03/2029
मिथु	29/03/2029
वृष	23/04/2029

कर्क-मेष
23/04/2029
22/02/2030

वृष	19/05/2029
मिथु	13/06/2029
कर्क	08/07/2029
सिंह	03/08/2029
कंया	28/08/2029
तुला	22/09/2029
वृशि	18/10/2029
धनु	12/11/2029
मक	07/12/2029
कुंभ	02/01/2030
मीन	27/01/2030
मेष	22/02/2030

कर्क-मीन
22/02/2030
23/12/2030

मेष	19/03/2030
वृष	13/04/2030
मिथु	09/05/2030
कर्क	03/06/2030
सिंह	28/06/2030
कंया	24/07/2030
तुला	18/08/2030
वृशि	12/09/2030
धनु	08/10/2030
मक	02/11/2030
कुंभ	28/11/2030
मीन	23/12/2030

कर्क-कुंभ
23/12/2030
23/10/2031

मीन	17/01/2031
मेष	12/02/2031
वृष	09/03/2031
मिथु	03/04/2031
कर्क	29/04/2031
सिंह	24/05/2031
कंया	18/06/2031
तुला	14/07/2031
वृशि	08/08/2031
धनु	03/09/2031
मक	28/09/2031
कुंभ	23/10/2031

कर्क-मक
23/10/2031
23/08/2032

धनु	18/11/2031
वृशि	13/12/2031
तुला	07/01/2032
कंया	02/02/2032
सिंह	27/02/2032
कर्क	23/03/2032
मिथु	18/04/2032
वृष	13/05/2032
मेष	08/06/2032
मीन	03/07/2032
कुंभ	28/07/2032
मक	23/08/2032

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती ह। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

मूलांक	5
भाग्यांक	5
मित्र अंक	3, 5, 9
शत्रु अंक	2, 4, 8
शुभ वर्ष	23,32,41,50,59
शुभ दिन	रवि, गुरु, मंगल
शुभ ग्रह	सूर्य, गुरु, मंग
मित्र राशि	वृष, मिथु
मित्र लग्न	मीन, सिंह, तुला
अनुकूल देवता	गणेश
शुभ रत्न	पुखराज
शुभ उपरत्न	सुनहला, पीला हकीक
भाग्य रत्न	माणिक्य
शुभ धातु	कांसा
शुभ रंग	पीत
शुभ दिशा	पूर्वोत्तर
शुभ समय	संध्या
दान पदार्थ	हल्दी, पुस्तक, पीत पुष्प
दान अन्न	दाल चना
दान द्रव्य	घी

रत्न चयन

किसी भी कुंडली में दशानुसार ग्रह का उपाय एवं रत्न धारण करने से शुभत्व में वृद्धि होती है। वैज्ञानिक रूप से विशिष्ट ग्रह का मंत्रोच्चारण करने से उस ग्रह की रश्मियों की मानव शरीर के चारों ओर सुरक्षा श्रृंखला बन जाती है एवं रत्न रश्मियों को सौंपकर मानव शरीर में प्रवाहित कर शुभत्व में वृद्धि करता है। अतः रत्न का बेदाग होना एवं शरीर से स्पर्श करना अत्यंत आवश्यक माना गया है। सामान्यतया उपाय ग्रह दशा के फल की वृद्धि के लिए महादशा स्वामी का किया जाता है। उपाय में मंत्रोच्चारण, दान एवं व्रत ही प्रमुख हैं। रत्न निर्बल परंतु लग्नेश, भाग्येश या योगकारक ग्रहों का पहना जाता है। आपको कब कौन सा उपाय या रत्न धारण करना चाहिए नीचे तालिका में उसके कार्यसिद्धि क्षेत्र सहित दिया गया है। महादशाओं में रत्नों के तीन-तीन विकल्प दिए गए हैं। आपको कोई भी विकल्प उसकी कार्यसिद्धि क्षेत्र एवं क्षमता देखकर अपनी आवश्यकतानुसार पहन सकते हैं तथा अतिरिक्त उपाय भी अपनी क्षमतानुसार कर सकते हैं।

शुभ रत्न

जीवन रत्नः	पुखराज	दुर्घटना से बचाव,स्वास्थ्य,सुख
भाग्य रत्नः	माणिक्य	भाग्योदय,स्वास्थ्य,सुख
कारक रत्नः	मूंगा	शत्रु व रोग मुक्ति,सन्तति सुख,कम खर्च

दशा	रत्न	क्षमता	मंत्र-जप/व्रत/दान/लाभ
चन्द्र	माणिक्य	85%	ऊँ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्रमसे नमः (11000)
23/08/1990	पुखराज	74%	सोमवार,चावल, शंख, कपूर, श्वेतचन्दन, दही
23/08/1999	मूंगा	55%	व्यावसायिक उन्नति, दुर्घटना से बचाव, कम खर्च
मंगल	पुखराज	77%	ऊँ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः (10000)
23/08/1999	माणिक्य	77%	मंगलवार,मल्का, केसर, कस्तूरी, रक्तचन्दन, घी
22/08/2006	मूंगा	77%	शत्रु व रोग मुक्ति, सन्तति सुख, कम खर्च
राहु	माणिक्य	78%	ऊँ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः (18000)
22/08/2006	पुखराज	77%	शनिवार,तिल, सरसों, खड्ग, कम्बल, तेल
22/08/2024	मूंगा	51%	धन, सन्तति सुख, कम खर्च
गुरु	पुखराज	94%	ऊँ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः वृहस्पतये नमः (19000)
22/08/2024	माणिक्य	82%	गुरुवार,दाल चना, हल्दी, पुस्तक, पीत पुष्प, घी
22/08/2040	मूंगा	60%	दुर्घटना से बचाव, स्वास्थ्य, सुख
शनि	पुखराज	81%	ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः (23000)
22/08/2040	माणिक्य	70%	शनिवार,उड़द, कस्तूरी, कृष्ण गौ, उपानह, तेल
23/08/2059	मूंगा	60%	स्वास्थ्य, धन, पराक्रम
बुध	माणिक्य	85%	ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः (9000)
23/08/2059	पुखराज	81%	बुधवार,मूँग, हाथी दांत, कपूर, फल, घी
22/08/2076	मूंगा	55%	भाग्योदय, दम्पति, व्यावसायिक उन्नति
केतु	पुखराज	81%	ऊँ स्रां स्रीं स्रौं सः केतवे नमः (17000)
22/08/2076	माणिक्य	75%	मंगलवार,तिल, सप्तधान्य, नारियल, शस्त्र, दही
23/08/2083	मूंगा	60%	दुर्घटना से बचाव, दम्पति, व्यावसायिक उन्नति
शुक्र	पुखराज	81%	ऊँ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः (16000)
23/08/2083	माणिक्य	75%	शुक्रवार,चावल, मिसरी, दधि, श्वेतचन्दन, दूध
24/08/2103	मूंगा	56%	दुर्घटना से बचाव, शत्रु व रोग मुक्ति, धनार्जन
सूर्य	माणिक्य	95%	ऊँ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः (7000)
24/08/2103	पुखराज	84%	रविवार,गेहुँ, मूंगा, केसर, रक्तचन्दन, घी
23/08/2109	मूंगा	58%	भाग्योदय, शत्रु व रोग मुक्ति, धनार्जन

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

भाग्य रत्न
आपका शुभ रत्न –टोपाज

आपका जन्म धनु राशि के लग्न में हुआ है। इसका स्वामी गुरु होता है। गुरु सबसे अधिक महत्वपूर्ण ग्रह है क्योंकि यह ज्योतिष शास्त्र में सबसे शुभ ग्रह माना जाता है तथा गुरु को ज्योतिष में अमृत के समान माना जाता है। किसी भी जातक के लिये लग्न सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इससे जातक की आयुष्य, मान–सम्मान, प्रतिष्ठा, सुख, समृद्धि, स्वभाव, भौतिक संरचना तथा सुख का ज्ञान होता है। यदि किसी व्यक्ति का लग्न बलवान हो तो उस जातक को जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति होते हुए अच्छी पद प्रतिष्ठा एवं मान सम्मान की प्राप्ति होती है।

अतः धनु राशि के लग्न वाले जातकों को धनु राशि के स्वामी ग्रह गुरु को बलवान बनाना, पूजा, अनुष्ठान, मंत्र पूजा आदि करना श्रेष्ठ माना जाता है। गुरु ग्रह के लिये टोपाज रत्न धारण किया जाता है। इस रत्न को यदि अंगूठी में धारण किया जाये तो जातक को उपर्युक्त सभी लाभ मिलेंगे अर्थात जातक सुखी, प्रसन्नचित, स्वस्थ जीवन व्यतीत करते हुए आनंदपूर्ण जीवन व्यतीत करता है। वैसे भी गुरु सलाहकार एवं धन का प्रतिनिधि ग्रह है जिससे जातक को सभा में वाणीपटुता के कारण मार्गदर्शक के रूप में सम्मान प्राप्त होता है।

इस रत्न को धारण करने से जातक को घर के बुजुर्गों तथा गुरुओं का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। गुरु ग्रह ज्ञान एवं धन लाभ का प्रतिनिधि ग्रह है। जिसको लीवर या गुर्दे से संबंधित रोग हों तो उनको भी इस रत्न को धारण करने से लाभ प्राप्त होता है तथा जिसको धन आगमन में व्यवधान हो रहे हों उनको यह रत्न अल्प प्रयास से धन प्राप्ति करवाता है।

टोपाज रत्न को अंगूठी बनाकर सीधे हाथ की तर्जनी अंगुली में धारण किया जाता है। क्योंकि तर्जनी अंगुली हस्तरेखा शास्त्र में गुरु की अंगुली मानी जाती है । टोपाज रत्न गुरु का रत्न है, अतः इसके वार स्वामी अर्थात गुरुवार को ही धारण किया जाता है। इसको धारण करने का उपयुक्त समय प्रातःकाल गुरु की होरा में श्रेष्ठ होता है। गुरुवार के दिन सूर्योदय काल से एक घंटे तक का समय गुरु की होरा का होता है। टोपाज को यदि गुरुवार के साथ–साथ गुरु के नक्षत्र अर्थात् पुनर्वसु, विशाखा और पूर्वा भाद्रपद में धारण किया जाये तो वह और भी उत्तम होता है।

टोपाज को धारण करने से पूर्व इसको गंगाजल एवं पंचामृत से शुद्ध करके, लकड़ी के एक पटरे पर पीले रंग के कपड़े पर रखकर इसके सम्मुख, धूप, दीप, अगरबत्ती जलाकर, गुरु के 108 मंत्रों का जाप करके इसे ऊर्जावान बनाकर माथे से लगाकर सीधे हाथ की तर्जनी अंगुली में धारण करना चाहिए।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

गुरु का मंत्र – ऊँ वृं वृहस्पतये नमः

इसको धारण करने के पश्चात यदि गुरु से संबंधित पदार्थ जैसे चने की दाल, गुड़, सवा मीटर पीले कपड़े का दान करें तो टोपाज रत्न की अंगूठी धारण करना और भी अधिक फलदायी होता है। इसके अतिरिक्त अंगूठी धारण करने के पश्चात भी प्रतिदिन गुरु का 108 बार स्नानादि के पश्चात मंत्र पाठ करें और केले की जड़ में जल दें तथा विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें और उनकी उपासना करें तो यह टोपाज रत्न की अंगूठी आपको लगातार शुभ फल देती रहेगी। प्रत्येक गुरुवार को विष्णु जी की उपासना करें तथा विष्णु जी को गुड़ व चने की दाल का भोग लगायें तो यह और अधिक शुभकारी हो जाता है।

धनु लग्न वाले जातक यदि टोपाज रत्न की अंगूठी विधि विधान के साथ धारण करते हैं एवं मंत्र जाप द्वारा सिद्ध करते रहते हैं तो वे आजीवन स्वस्थ जीवन का आनंद उठाते हुए पूर्ण मान–सम्मान तथा प्रतिष्ठा युक्त जीवन प्राप्त करते हैं।

Future Point Future Point Future Point

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

नवग्रह रत्न धारण विधि

"रत्न का पूर्ण शुभ फल पाने के लिए इसे शुक्ल पक्ष में निर्दिष्ट वार एवं समय में ही धारण करना चाहिए। निर्दिष्ट नक्षत्र में धारण करने से रत्न और भी प्रभावशाली हो जाता है। इसे निम्नलिखित तालिका में दिये गये भार या उससे अधिक भार का लेकर जो किवाया हो एवं पौना न हो जैसे 4-1/4 रत्ती आदि, उसे निर्दिष्ट धातु में इस प्रकार जड़वाएं कि रत्न नीचे से अंगुली को स्पर्श करे।

धारण करते समय अपने इष्ट देव का श्रद्धापूर्वक ध्यान करना चाहिए। तत्पश्चात अंगूठी को कच्चे दूध एवं गंगाजल में धोकर शुद्ध करना चाहिए एवं धूप दीप जलाकर संबंधित ग्रह के मंत्र का कम से कम एक माला जप करना चाहिए। फिर अंगूठी को धूप देकर निर्दिष्ट अंगुली में दाएं हाथ में धारण करना चाहिए। स्त्रियों को बाएं एवं पुरुषों को दाएं हाथ में अंगुली धारण करना चाहिए। अंगूठी धारण के पश्चात यथाशक्ति संबंधित ग्रह के पदार्थों का दान करना चाहिए।

यदि आप अन्य कोई रत्न पहले से पहने हुए हैं तो यह ध्यान रखें कि परस्पर विरोधी रत्न एकसाथ न पहनें। उपरोक्त विधि से रत्न को पहनने से रत्न के शुभ फल प्रचुर मात्रा में शीघ्र मिलते हैं।"

रत्न	रत्ती	धातु	अंगुली	दिन	समय	ग्रह	नक्षत्र
माणिक्य	4	सोना	अना	रविवार	सुबह	सूर्य	कृतिका, उत्तराफाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा
मोती	4	चांदी	कनि	सोमवार	सुबह	चन्द्र	रोहिणी, हस्त, श्रवण
मूंगा	6	चांदी	अना	मंगलवार	सुबह	मंगल	मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा
पन्ना	4	सोना	कनि	बुधवार	सुबह	बुध	आश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती
पुखराज	4	सोना	तर्जन	गुरुवार	सुबह	गुरु	पुनर्वसु, विशाखा, पूर्वाभाद्रपद
हीरा	1	प्लेटि	कनि	शुक्रवार	सुबह	शुक्र	भरणी, पूर्वाफाल्गुनी, पूर्वाषाढ़ा
नीलम	4	पंचधातु	मध्य	शनिवार	शाम	शनि	पुष्य, अनुराधा, उत्तराभाद्रपद
गोमेद	5	अष्टधातु	मध्य	शनिवार	रात्रि	राहु	आर्द्रा, स्वाति, शतभिषा
लहसुनिया	6	चांदी	अना	गुरुवार	रात्रि	केतु	अश्विनी, मघा, मूल

रत्न	मंत्र	निषेध रत्न	दान पदार्थ
माणिक्य	ऊँ घृणि सूर्याय नमः	हीरा, नीलम, गोमेद	गेहूँ,चंदन,घी,लाल वस्त्र
मोती	ऊँ सों सोमाय नमः	गोमेद	चावल,चीनी,घी,श्वेत वस्त्र
मूंगा	ऊँ अं अंगारकाय नमः	हीरा, गोमेद, नीलम	गेहूँ,ताम्र,गुड़,लाल वस्त्र
पन्ना	ऊँ बुं बुधाय नमः	---	मूंग,कांसा,हरित वस्त्र
पुखराज	ऊँ वृं वृहस्पतये नमः	हीरा, गोमेद	चने की दाल,गुड़,पीला वस्त्र
हीरा	ऊँ शुं शुक्राय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	चावल,चांदी,श्वेत वस्त्र
नीलम	ऊँ शं शनैश्चराय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	काला तिल,तेल,काला वस्त्र
गोमेद	ऊँ रां राहवे नमः	माणिक्य, मोती, मूंगा	तिल,तेल,कंबल,नीला वस्त्र
लहसुनिया	ऊँ कें केतवे नमः	---	सप्तधान्य,नारियल,धूम्र वस्त्र

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

नवग्रह रत्न धारण विधि

"रत्न का पूर्ण शुभ फल पाने के लिए इसे शुक्ल पक्ष में निर्दिष्ट वार एवं समय में ही धारण करना चाहिए। निर्दिष्ट नक्षत्र में धारण करने से रत्न और भी प्रभावशाली हो जाता है। इसे निम्नलिखित तालिका में दिये गये भार या उससे अधिक भार का लेकर जो किवाया हो एवं पौना न हो जैसे 4-1/4 रत्ती आदि, उसे निर्दिष्ट धातु में इस प्रकार जड़वाएं कि रत्न नीचे से अंगुली को स्पर्श करे।

धारण करते समय अपने इष्ट देव का श्रद्धापूर्वक ध्यान करना चाहिए। तत्पश्चात अंगूठी को कच्चे दूध एवं गंगाजल में धोकर शुद्ध करना चाहिए एवं धूप दीप जलाकर संबंधित ग्रह के मंत्र का कम से कम एक माला जप करना चाहिए। फिर अंगूठी को धूप देकर निर्दिष्ट अंगुली में दाएं हाथ में धारण करना चाहिए। स्त्रियों को बाएं एवं पुरुषों को दाएं हाथ में अंगुली धारण करना चाहिए। अंगूठी धारण के पश्चात यथाशक्ति संबंधित ग्रह के पदार्थों का दान करना चाहिए।

यदि आप अन्य कोई रत्न पहले से पहने हुए हैं तो यह ध्यान रखें कि परस्पर विरोधी रत्न एकसाथ न पहनें। उपरोक्त विधि से रत्न को पहनने से रत्न के शुभ फल प्रचुर मात्रा में शीघ्र मिलते हैं।"

रत्न	रत्ती	धातु	अंगुली	दिन	समय	ग्रह	नक्षत्र
माणिक्य	4	सोना	अना	रविवार	सुबह	सूर्य	कृतिका, उत्तराफाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा
मोती	4	चांदी	कनि	सोमवार	सुबह	चन्द्र	रोहिणी, हस्त, श्रवण
मूंगा	6	चांदी	अना	मंगलवार	सुबह	मंगल	मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा
पन्ना	4	सोना	कनि	बुधवार	सुबह	बुध	आश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती
पुखराज	4	सोना	तर्जन	गुरुवार	सुबह	गुरु	पुनर्वसु, विशाखा, पूर्वाभाद्रपद
हीरा	1	प्लेटि	कनि	शुक्रवार	सुबह	शुक्र	भरणी, पूर्वाफाल्गुनी, पूर्वाषाढ़ा
नीलम	4	पंचधातु	मध्य	शनिवार	शाम	शनि	पुष्य, अनुराधा, उत्तराभाद्रपद
गोमेद	5	अष्टधातु	मध्य	शनिवार	रात्रि	राहु	आर्द्रा, स्वाति, शतभिषा
लहसुनिया	6	चांदी	अना	गुरुवार	रात्रि	केतु	अश्विनी, मघा, मूल

रत्न	मंत्र	निषेध रत्न	दान पदार्थ
माणिक्य	ऊँ घृणि सूर्याय नमः	हीरा, नीलम, गोमेद	गेहूँ,चंदन,घी,लाल वस्त्र
मोती	ऊँ सों सोमाय नमः	गोमेद	चावल,चीनी,घी,श्वेत वस्त्र
मूंगा	ऊँ अं अंगारकाय नमः	हीरा, गोमेद, नीलम	गेहूँ,ताम्र,गुड़,लाल वस्त्र
पन्ना	ऊँ बुं बुधाय नमः	---	मूंग,कांसा,हरित वस्त्र
पुखराज	ऊँ वृं वृहस्पतये नमः	हीरा, गोमेद	चने की दाल,गुड़,पीला वस्त्र
हीरा	ऊँ शुं शुक्राय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	चावल,चांदी,श्वेत वस्त्र
नीलम	ऊँ शं शनैश्चराय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	काला तिल,तेल,काला वस्त्र
गोमेद	ऊँ रां राहवे नमः	माणिक्य, मोती, मूंगा	तिल,तेल,कंबल,नीला वस्त्र
लहसुनिया	ऊँ कें केतवे नमः	---	सप्तधान्य,नारियल,धूम्र वस्त्र

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

शनि की ढैया एवं साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है । शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता-पिता पर पड्ता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पड्ता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	16/04/1998-05/06/2000
साढेसाती प्रथम ढैया	01/11/2006-09/09/2009
साढेसाती द्वितीय ढैया	09/09/2009-15/11/2011
साढेसाती तृतीय ढैया	15/11/2011-02/11/2014
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	19/01/2017-18/01/2020

द्वितीय चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	26/10/2027-11/04/2030
साढेसाती प्रथम ढैया	20/08/2036-29/06/2039
साढेसाती द्वितीय ढैया	29/06/2039-06/03/2041
साढेसाती तृतीय ढैया	06/03/2041-02/12/2043
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	29/11/2046-20/07/2049

तृतीय चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	01/04/2057-22/05/2059
साढेसाती प्रथम ढैया	03/10/2065-21/08/2068
साढेसाती द्वितीय ढैया	21/08/2068-25/10/2070
साढेसाती तृतीय ढैया	25/10/2070-20/04/2073
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	04/08/2076-03/01/2079

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
अष्टम स्थानस्थ ढैया	अशुभ	सन्तति कष्ट
साढेसाती प्रथम ढैया	अशुभ	बदनामी
साढेसाती द्वितीय ढैया	सम	व्यावसाय
साढेसाती तृतीय ढैया	शुभ	धनार्जन
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	सम	स्वास्थ्य

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

शनि की ढैया एवं साढ़ेसाती विचार

शनि की साढ़ेसाती के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिये दान, पूजन, व्रत, मंत्र आदि उपाय किये जा सकते हैं। इसके लिये शनिवार को काला कंबल, उड़द की दाल, काले तिल, चर्म-पादुका, काला कपमुा, मोटा अनाज, तिल तथा लोहे का दान करना चाहिये। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार का व्रत रखना चाहिये। उपवास के दिन उमुद की दाल से बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिये। साथ ही स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 19000 जप संपन्न करवाने चाहिये।

ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।।

शनि की साढ़ेसाती में शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक शांति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिये निम्नलिखित महामृत्युंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिये।

ऊँ त्र्यंबकम यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।।

वैकल्पिक रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते हैं।

ऊँ हों जूं सः ऊँ भूर्भुव स्वः ऊँ।।

शनि की साढ़ेसाती के शुभत्व को बढ़ाने के लिये शनिवार के दिन आप 5 1/4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में (सोना, चांदी, तांबा, लोखंड, जस्ता) या घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोहे की अंगूठी धारण करें । लोहे की अंगूठी आप दाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करें।

अंगूठी शुक्ल पक्ष की शनिवार की सायं सूर्यास्त के समय धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ हैं। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगूठी धारण करने से पूर्व इसे शुद्ध दूध एवं गंगाजल में स्नान कराना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए। नीलम मध्यमा उंगली में या गले में पेन्डन्ट बनाकर धारण करें ।

ऊँ शं शनैश्चराय नमः।

अंगूठी धारण करने के पश्चात शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

के अशुभ प्रभाव में कमी आयेगी तथा आपकी सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

श्री हनुमान चालीसा एवं श्री हनुमान अष्टक का पाठ करना श्रेष्ठ है ।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

मांगलिक विचार

जब वर या कन्या की कुंडली में मंगल लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भाव में हो तो मांगलिक दोष कहलाता है। यथोक्तम्

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्री भर्तुर्विनाशंच भर्ता च स्त्री विनाशनम्।।

मांगलिक दोष लग्न से अधिक प्रबल माना जाता है लेकिन चन्द्रमा से इसका दोष लग्न की अपेक्षा अल्प होता है। यदि शास्त्रानुसार वर एवं कन्या का मांगलिक दोष भंग हो जाता है तो उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होता है। इसके विपरीत बिना दोष भंग हुए मांगलिक वर-कन्याओं को जीवन में कई प्रकार की अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ता है। अतः विवाह से पूर्व शुद्ध कुण्डली मिलान से इस दोष का उचित निवारण करके ही दाम्पत्य जीवन प्रारम्भ करना चाहिए जिससे जीवन में शान्ति तथा सम्पन्नता बनी रहे।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

आपके जन्म समय में मंगल की स्थिति षष्ठ भाव में है। षष्ठ भाव शत्रु रोग, ऋण आदि का प्रतिनिधि भाव है अतः इस भाव में मंगल के प्रभाव से आप एक पराक्रमी पुरुष होंगे तथा शत्रु वर्ग को पराजित करने में समर्थ रहेंगे साथ ही शरीर में रोगाभाव रहेगा तथा सामान्यतया आप स्वस्थ ही रहेंगे। आप पराक्रमी एवं कठोर कार्यों को करने में रुचिशील रहेंगे। अतः आप पुलिस सेना या अन्य पराक्रमी विभागों में कार्यरत भी हो सकते हैं। जीवन में आपको ऋण अल्प मात्रा में ही लेना पड़ेगा तथा यदि लेना भी पड़ा तो आप इसे वापस देने में समर्थ रहेंगे जिससे मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा बनी रहेगी। साथ ही आप जीवन में इच्छित धन ऐश्वर्य एवं लाभ भी अर्जित करेंगे। आपके प्रभावी व्यक्तित्व से अन्य जन आपसे प्रभावित रहेंगे।

षष्ठ भाव से नवम भाव पर मंगल की चतुर्थ दृष्टि के प्रभाव से आप धर्म या धार्मिक कार्यों पर अल्प मात्रा में ही रुचि रखेंगे साथ ही भाग्य की अपेक्षा आप कर्म पर अधिक विश्वास करेंगे। अतः आपके सांसारिक कार्यों की सिद्धि भाग्य बल की अपेक्षा परिश्रम पूर्वक कार्य करने से ही पूर्ण होगी। द्वादश भाव पर सप्तम दृष्टि के प्रभाव से आपका व्यय अधिक होगा। साथ ही यदा कदा आपको शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में व्यवधानों का भी सामना करना पड़ेगा परन्तु दाम्पत्य सुख का आप सामान्य रूप से उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। लग्न पर मंगल की दृष्टि के प्रभाव से आप समय समय पर गर्मी या रक्त विकार संबंधी परेशानी की अनुभूति करेंगे लेकिन इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। आप अपने कार्यों को उत्साह पराक्रम एवं परिश्रम से सम्पन्न करके उनमें इच्छित सफलताएं अर्जित करेंगे।

इस प्रकार षष्ठ भावस्थ मंगल की स्थिति आपके लिए सामान्यतया अच्छी रहेगी

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

जिसके प्रभाव से आप धनऐश्वर्य से युक्त रहेंगे तथा अपने परिवार का आधुनिक परिवेश में लालन पालन करने में समर्थ होंगे जिससे पारिवारिक सुख शान्ति बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से आप पूर्ण सहयोग सुख एवं सम्मान प्राप्त होगा। अतः आप प्रसन्नता पूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करेंगे।

Future Point Future Point Future Point

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। अतः इस योग से ग्रसित जातकों के लिए आवश्यक है कि वे इस काल सर्प योग का निदान करा लें। जिससे कि कुंडली के शुभ योगों के फल पूर्णयता मिलते रहें।

द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं–

1. अनंत
2. कुलिक
3. वासुकि
4 शङ्खपाल
5. पद्म
6. महापद्म
7. तक्षक
8. कर्कोटक
9. शङ्खचूड
10. घातक
11. विषधर एवं
12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

यदि लग्न कुंडली में सभी सातों ग्रह राहु से केतु के मध्य में हो लेकिन अंशानुसार कुछ ग्रह राहु केतु की धुरी से बाहर हों तो आंशिक काल सर्प योग कहलाता है। यदि कोई एक ग्रह राहु–केतु की धुरी से बाहर हो तो भी आंशिक काल सर्प योग बनता है।

यदि राहु से केतु तक सभी भावों में कोई न कोई ग्रह स्थित हो तो यह योग पूर्ण रूप से फलित होता है। यदि राहु–केतु के साथ सूर्य या चंद्र हो तो यह योग अधिक प्रभावशाली होता है। यदि राहु, सूर्य व चंद्र तीनों एक साथ हो तो ग्रहणकाल सर्प योग बनता है। इसका फल हजार गुना अधिक हो जाता है। ऐसे जातक को काल सर्प योग की शांति करवाना अति आवश्यक होता है।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

काल सर्प योग का प्रभाव

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं।

काल सर्प योग के औपचारिक उपाय के द्वारा इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है। जन्मपत्रिका के अनुसार जब–जब राहु एवं केतु की महादशा, अंतर्दशा आदि आती है तब तब यह योग असर दिखाता है। गोचर में राहु व केतु का जन्मकालिक राहु–केतु व चंद्र पर भ्रमण भी इस योग को सक्रिय कर देता है। उस समय विशेष ध्यान देकर पूजा अर्चनादि श्रद्धा विश्वास के साथ करें, अवश्य लाभ होगा। कालसर्प योग यंत्र के सम्मुख 43 दिन तक सरसों के तेल का दीया जलाने से भी इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

आपकी जन्मकुण्डली में कुलिक नामक कालसर्प योग विद्यमान है। परन्तु यह केवल आंशिक रूप में ही विद्यमान है। परिणामस्वरूप जातक के जीवन में समय–समय पर आर्थिक स्थिति नाजुक रहती है जिस कारण थोड़ा बहुत कष्ट जातक को सहन करना पड़ता है और अपयश का भय बना रहता है।

इस योग के कारण जातक का विद्याध्ययन सामान्य रहता है और वैवाहिक जीवन सामान्य होते हुए भी कभी दुःखमय हो जाता है। परिवारिक सदस्यों से समय–समय पर थोड़ा बहुत मनमुटाव हो जाता है। मित्रगण समय पर धोखा एवं कष्ट पहुँचाते हैं। जीवन में आगे बढ़ने के लिए विशेष रूप से संघर्ष नहीं करना पड़ता है। सन्तान सुख में किंचित बाधा आती है। पुत्र आज्ञा का पालन करने में असमर्थ होता है। वह थोड़ा बहुत क्रूर एवं दुष्ट स्वभाव का होता है तथा मनमानी करता रहता है, जिससे जातक प्रभावित हो जाता है। सामाजिक मान–सम्मान व प्रतिष्ठा में आंशिक नुकसान होता है और जातक भूत प्रेतों से कभी कभी परेशान हो जाता है।

इस योग के कारण जातक को कभी–कभी रोग व्याधि भी घेर लेती है जिससे स्वास्थ्य असामान्य हो जाता है और मानसिक रूप से चिन्तित होना पड़ता है। जातक अपनी वृद्धावस्था को लेकर चिन्तित रहता है और वह समय आने पर कष्ट को भोगता है। जातक परोपकार की भावना से ओतप्रोत रहता है, परन्तु लोग इसका नाजायज फायदा उठाते हैं, जिससे इन्हें थोड़ा बहुत क्षति ही मिलती है। जीवन यापन मध्यम रहता है और जातक पराक्रमहीन हो जाता है। सुखभोग का आंशिक

अभाव रहता है। लेकिन इतना सब कुछ होते हुए भी जातक व्यापार में मनोभिलषित (इच्छित) सफलता प्राप्त करता है और जातक के जीवन में मान–सम्मान भी मिलता है। यदि आप कभी उपरोक्त परेशानी महसूस करते हैं तो निम्नलिखित उपाय करें, अवश्य लाभ मिलेगा।

1.काल सर्प दोष निवारण यंत्र घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।

2.प्रत्येक सोमवार को दही से भगवान शंकर पर – ऊँ हर हर महादेव' कहते हुए अभिषेक करें। यह केवल 16 सोमवार तक करें।

3.सरस्वती जी की एक वर्ष विधिवत उपासना करें।

4.शुभ मुहूर्त्त में अभिमन्त्रित चाँदी या अष्टधातु का नाग बनाकर अंगुली में धारण करें।

5.हनुमान चालीसा का 108 बार पाठ करें।

6.शुभ मुहूर्त्त में बहते पानी में कोयला तीन बार प्रवाहित करें।

7.श्रावणमास में 30 दिन तक महादेव का अभिषेक करें।

8.राहु कवच एवं स्तोत्र का पाठ करें। खासकर राहु की दशा अन्तरदशा काल में।

9.देवदारु, सरसों तथा लोहवान को उबालकर सवा महीने तक स्नान करें।

10.शुभ मुहूर्त्त में मुख्य द्वार पर चाँदी का स्वस्तिक एवं दोनों ओर धातु से निर्मित नाग चिपका दें।

11.गोमेद, सुवर्ण, तिल, सरसों, नीलवस्त्र, खड्ग, कम्बल आदि समय–समय पर दान करें।

12.जौ के दाने पक्षियों को सवा महीने तक खिलाएँ।

13.शुभ मुहूर्त में नागपाश यन्त्र को अभिमन्त्रित कर धारण करें।

14.नीला रूमाल, नीला घड़ी का पट्टा, नीला पैन धारण करें।

15.महामृत्युंजय कवच का पाठ नित्य करें।

16.नवनाग स्तोत्र का एकवर्ष तक प्रतिदिन पाठ करें।

विशेष

ध्यान रखें कालसर्पयोग का पूजन केवल श्री खण्ड चन्दन से करें। कुंकुम, सिन्दूर, रोली आदि का प्रयोग न करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 23 है। दो एवं तीन के योग से आपका मूलांक 5 होता है। मूलांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह को माना गया है। अंक दो का स्वामी चन्द्र तथा अंक तीन का गुरु है। अतः आपके जीवन पर मूलांक स्वामी बुध अंक स्वामी चन्द्र तथा गुरु तीनों का सम्मिलित प्रभाव दर्शनीय होगा।

मूलांक पाँच के प्रभाव से आपकी रुचि नौकरी की अपेक्षा व्यापार में अधिक रहेगी। बुध वाणिज्य का दाता है। यदि नौकरी भी करेंगे तो कॉमर्शियल विभाग, वित्त प्रधान कार्यों में रुचि रखेंगे। आप प्रत्येक कार्य को शीघ्रता से समाप्त करेंगे। रोजगार का चुनाव आप ऐसा ही करेंगे जहाँ कार्य शीघ्रता से एवं कम मेहनत करने पर अधिक लाभ प्राप्त होता हो। मानसिक स्थिति चंचल होने से क्रोध ा आपको जल्दी आयेगा, लेकिन उसी गति से शान्त हो जायेगा। बुद्धि का अधिक प्रयोग करने के कारण वृद्धावस्था में आपको स्नायुवेग के रोगों की संभावना रहेगी। चन्द्र प्रभाव से शीतरोग एवं गुरु प्रभाव से पीलिया जैसे उदर रोगों का सामना करना पड़ेगा।

चद्र, गुरु के संयुक्त प्रभाव से आर्थिक स्थिति आपकी अच्छी रहेगी। बौद्धिक स्तर उच्च होगा। समाज में घुल–मिल जाने की कला में आप निपुण रहेंगे। सामाजिक ख्याति आपकी उच्चकोटि की रहेगी एवं मुखिया इत्यादि का सामाजिक पद विभिन्न क्षेत्रों में मिलेगा। आपको अपनी मानसिक चंचलता पर नियंत्रण रखना भविष्य के लिये लाभ दायक रहेगा।

भाग्यांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह होने से आपका भाग्योदय स्व–बुद्धि विवेक द्वारा होगा। बुध वाणिज्य, व्यावसायिक कला का दाता है। गणित, लेखन, शिल्प, चिकित्सा, लेखा कार्यों में अच्छी प्रगति प्रदान करेगा। आपके अन्दर व्यापारिक कला अच्छी विकसित होगी। वाक् पटुता, तर्कशक्ति, बहुत बोलने की आदत रहेगी। आप रोजगार के क्षेत्र में नित नई स्कीम बनायेंगे जो आपकी तरक्की का मार्ग प्रशस्त करेंगी। वाणिज्य कला में आप काफी निपुण रहेंगे एवं रोजमर्रा के कार्यों को फुर्ती से पूर्ण करेंगे। दूसरों से कार्य निकलवाने में आप निपुण रहेंगे।

आपकी व्यवसायिक बुद्धि होने से धन संग्रह की ओर आप अधिक आकृष्ट रहेंगे एवं आवश्यकतानुसार वक्त–वे–वक्त के लिए धन एकत्रित करेंगे। आर्थिक क्षेत्र में आपकी स्थिति मध्यमोत्तम श्रेणी की रहेगी। कानून का आपको ठीक ज्ञान रहने से आप कार्यक्षेत्र में सभी कार्यों को ब खूबी निभायेंगे तथा सामने वाले आपके ज्ञान के आगे नत–मस्तक होंगे।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

आपका मूलांक 5 है तथा आपका भाग्यांक भी 5 है। मूलांक और भाग्यांक दोनों का स्वामी बुध है। मूलांक–भाग्यांक एक ही होने के कारण बुध ग्रह का विशेष प्रभाव आपके जीवन में दृष्टिगोचर होगा। आपका रुझान लेखन, गणित, लेखा, यांत्रिकी तथा ज्ञान–विज्ञान के क्षेत्र में विशेष रहेगा। आप एक होनहार व्यक्ति के रूप में अपने कार्यक्षेत्र में अपनी पहचान स्थापित करेंगे। रोजगार–व्यापार के क्षेत्र में आप अपनी व्यवसायिक बुद्धि के द्वारा अच्छी सफलताएं अर्जित करेंगे तथा आप प्रत्येक कार्य को शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण करना पसंद करेंगे एवं आपकी हमेशा यही इच्छा रहेगी की आप दूसरों से अपेक्षित कार्य शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण करा लें। धन संग्रह की ओर आपका विशेष रूझान रहेगा एवं अपने जीवन में युवा अवस्था से ही आप धन संग्रह करना प्रारंभ कर देंगे। आर्थिक तंगी का आपको कम से कम सामना करना पड़ेगा। आपकी सामाजिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी तथा आप समाज में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेंगे।

आपका भाग्योदय 23 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ होगा तथा 32 वर्ष की अवस्था पर आपको विशेष उन्नति प्राप्त होगी तथा 41 वर्ष की आयु पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

मूलांक 5 एवं भाग्यांक 5 की मित्रता 3 एवं 9 से है। अतः आपके जीवन में 3, 5, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनमें आपके जीवन की कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी।

आपका मूलांक–भाग्यांक एक ही होने से मूलांक–भाग्यांक के फलों में द्विगुणित वृद्धि होगी। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों, मास, ईस्वी सन्, या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास, वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन, या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए मार्च, मई, सितंबर के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक के अंक से मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें।

मूलांक 5 एवं भग्यांक 5 के प्रभाववश ईस्वी सन्, जिनका योग 3, 5, 9 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 3, 5, 9 होता है, आपके लिए शुभ

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

फलदायक रहेंगे।

3, 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75
5, 14, 23, 32, 41, 50, 59, 68
9, 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार बन जाएंगी।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

बुध दिनांक 22 मई से 21 जून एवं 24 अगस्त से 23 सितंबर तक, पाश्चात्य मत से, सूर्य मिथुन एवं कन्या राशि में रहता है तथा भारतीय मतानुसार 15 जून से 15 जुलाई तक एवं 17 सितंबर से 16 अक्तूबर तक सूर्य मिथुन तथा कन्या राशि में रहता है। मिथुन बुध की स्वराशि तथा कन्या उच्च राशि है। अतः उपर्युक्त समय मूलांक पांच के लिए कोई भी नया या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए अधिक उपयुक्त रहता है।

अनुकूल दिवस

बुधवार, गुरुवार एवं शुक्रवार के दिन आप अपना कोई भी महत्वपूर्ण कार्य या रोजगार व्यापार संबंधी कार्य प्रारंभ करें तो यह आपके लिए अच्छा रहेगा। इन दिवसो में अनुकूल तारीखें भी हों तो आपके लिए श्रेष्ठ फलदायक सिद्ध होगा।

शुभ तारीखें

अंग्रेजी के किसी भी माह की 3, 5, 9, 12, 14, 18, 21, 23, 27 एवं 30 तारीखें आपके लिए कोई कार्य करने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगी। इन तारीखों में आपके लिए अपना कोई भी नया कार्य, महत्वपूर्ण कार्य, उच्च अधिकारी या किसी विशिष्ट व्यक्ति से मिलना, पत्र लेखन इत्यादि विशेष लाभप्रद रहेगा।

अशुभ तारीखें

अंग्रेजी माह की 2, 4, 11, 13, 20, 22, 29 एवं 31 तारीखों में किसी भी प्रकार का व्यापार संबंधी कार्य, महत्वपूर्ण कार्य, अथवा पत्र व्यवहार संबंधी कार्य करना आपके लिए प्रतिकूल है। अतः आप इन तिथियों में कोई भी शुभ कार्य संपन्न न करें।

मित्रता या साझेदारी

Future Point Future Point Future Point

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

जिन व्यक्तियों का जन्म 3, 5, 9, 12, 14, 18, 21, 23, 27 एवं 30 तारीखों अथवा 15 जून से 15 जुलाई एवं 17 सितंबर से 16 अक्तूबर के मध्य हुआ है, ऐसे व्यक्तियों से आपकी मित्रता अच्छी रहेगी तथा ये लोग रोजगार–व्यवसाय के क्षेत्र में भी आपके सफल मित्र साबित होंगे।

प्रेम संबंध एवं विवाह

कोई भी महिला जिसका मूलांक 3, 5, 9 होता है तथा जिसका जन्म 3, 5, 9, 12, 14, 18, 21, 23, 27 एवं 30 दिनांको में हुआ हो वे आपके लिए विशेष शुभ फलदायक रहेंगी तथा इन महिलाओं से आप स्नेहपूर्ण संबंध रख सकते हैं।

अनुकूल रंग

मूलांक के अनुसार आपके लिए हल्का खाकी, सफेद चमकीला उज्जवल रंग उत्तम रहेंगे। अतः ये आपके स्वास्थ्य आदि के लिए ठीक रहेंगे। हो सके तो आप इन रंगों का रुमाल हर समय अपने साथ रखें और यदि आप अपने ड्राइंग रूम के पर्दे, चादर, तकिये, बिछावन आदि इसी रंग का पसंद करेंगे तो और भी अच्छा रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आपके लिए उपयुक्त दिशा उत्तर है। इसलिए आपके लिए ऐसा मकान या फ्लैट शुभ रहेगा जिसका मूलांक तथा नामांक 5 हो। उत्तर दिशा आपके लिए हमेशा शुभ रहेगी। आप अपने घर की बैठक उत्तर दिशा में ही करें एवं घर के फर्नीचर आदि का रंग खाकी, सफेद चमकीला होना चाहिए, जो आपके लिए अच्छे फल देने वाले होंगे।

शुभ वाहन नं

अगर आप स्वयं का वाहन खरीदना चाहते हैं तो उसके लिए आपको पहले अपने मूलांक तथा मूलांक के मित्र अंक से मेल स्थापित करने वाले अंकों के अनुसार पंजीकरण क्रमांक लेना हितकर रहेगा। आपका मूलांक 5 है एवं मित्रांक 3 एवं 9 हैं। अतः आपके लिए शुभ पंजीकरण क्रमांक 5234 = 5 आदि होना चाहिए। आपके वाहन का नंबर 104 = 5 इत्यादि हो तभी आपके लिए यह शुभ फलदायक रहेगा।

Future Point Future Point Future Point

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आती है तथा आप चर्म रोग, स्नायु निर्बलता, मानसिक चिंता, दुर्बलता, शारीरिक कमजोरी तथा मानसिक दुर्बलता से ग्रसित हो जाते हैं। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट और विपत्ति के समय विष्णु की पूजा, पूर्णिमा का व्रत कर के, केले का प्रसाद लें।

व्यवसाय

तार और टेलीफोन विभाग, ज्योतिष, सेल्समैन, डाकघर, पोस्टमैन, बीमा विभाग, बैंकिंग, बजट निर्माण, रेलवे इंजीनियरी, संपादक, तंबाकू व्यवसाय, रेडियो व्यवसाय, लेखक, पत्रकार, अनुवादक, राजनीति संबंधी कार्य, मुद्रणालय, संचार व्यवस्था, पुस्तक विक्रेता, पुस्तकालय, लाइब्रेरियन, यातायात संबंधी कार्य, इतिहास, खोज एवं पुरातत्व विभाग, आविष्कारक, मुनीम, पर्यटक एवं बुद्धि बल के समस्त कार्य।

व्रतोपवास

बुधवार को बुध अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। पैंतालीस या सत्रह बुधवारों को यह व्रत करें। हरे रंग के कपड़े पहनें एवं हरे पदार्थों का दान करें। तुलसी के पत्ते खाना एवं चढ़ाना लाभप्रद रहता है। पन्ना या मरगज की माला पर बुध मंत्र का जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

आपके लिए पन्ना शुभ रत्न है। उसके न मिलने पर उपरत्न मरगज, ओनेक्स, ग्रीन पेरनीडाट धारण करें। इसे आप सोने या चांदी में तीन से छह रत्ती में बनवा कर, बुधवार के दिन, शुक्ल पक्ष में दायें हाथ की कनिष्ठा उंगली में, त्वचा को स्पर्श करता हुआ धारण करें।

अनुकूल देवता

आप बुध ग्रह की उपासना करें भगवान लक्ष्मी नारायण की आराधना करें। भगवान लक्ष्मी नारायण के चतुर्दाक्षरी मंत्र "ओम् ह्रीं ह्रीं श्री श्री लक्ष्मी वासुदेवाय नमः" का नित्य जप करें। प्रतिदिन

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

कम से कम एक सौ आठ मंत्र का जप करें तथा पूर्णिमा के दिन सत्यनारायण कथा का श्रवण करेंगी तो आप विभिन्न रोगों तथा समस्याओं से मुक्त होंगी। यदि यह संभव न हो सके तो भगवान लक्ष्मी नारायण के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए बुध के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु बुध के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

बुध गायत्री मंत्र – ऊँ सौम्यरूपाय विद्महे बाणेशाय धीमहि तन्नो सौम्यः प्रचोदयात्।।

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप बुध का ध्यान करें, मन में बुध की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम्।
सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम्।।

ग्रह जप मंत्र

अशुभ बुध को अनुकूल बनाने हेतु बुध के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान नब्बे माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ऊँ ब्राँ ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः।। जप संख्या 9000।।

वनस्पति धारण

आप बुधवार के दिन विधारा की एक इंच लंबी जड़ ला कर, हरे धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधे या सोने या चांदी के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे बुधवार के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

वनस्पति स्नान

आपके लिए प्रत्येक बुधवार को एक बाल्टी या बर्तन में हरड़, बहेड़ा, गोमय, चावल, गोरोचन, स्वर्ण, आंवला और मधु आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ बुध के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध को मिला कर, चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

बुध की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को बुध के पदार्थ कांसी, हाथी दांत, हरा वस्त्र, मूंगा, पन्ना, सुवर्ण, कपूर, शास्त्रा, पफल, षट्रास भोजन, घृत, सर्व पुष्प आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

बुध को अनुकूल बनाए रखने हेतु बुध यंत्र को भोज पत्र पर अष्टगंध (केार, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या वेत चंदन) स्याही से लिख कर सोने या तांबे के ताबीज में, धूप–दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में, बुधवार को ुक्ल पक्ष में प्रातः काल धारण करें।

Future Point Future Point Future Point

नवमांश फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल हुआ था। साथ–साथ मिथुन नवांश एवं धनु राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार आपके जीवन की परियोजना से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप धन–धान्य से पूर्ण, स्वस्थ्य एवं प्रसन्नतम जीवन यापन करने वाले प्राणी है। निःसंदेह एक भाग्यशाली होकर उत्पन्न हुए हैं।

आप हर परिस्थिति में अपने पक्ष एवं अपनी भलाई की आकांक्षा रखते हैं। आपका व्यक्तित्व आकर्षक एवं प्रतिभा संपन्न है। आप एक संवादपटु, दिलचस्प, उच्चस्तरीय, विवेकी प्राणी हैं। आप निर्भिक प्रभावशाली एवं जनसामान्य की दृष्टि में सच्चा व्यक्ति हैं। यदि कोई अन्य व्यक्ति आपको गलत दिशा निर्देश कर आपकों मुश्किल में डालना चाहता है, तो आप भ्रमित नहीं होते क्योंकि आप एक प्रसन्नतम परिवारिक जीवन से युक्त हो।

एक अच्छा व्यक्ति इससे अधिक और क्या अभिलाषा कर सकता है। आप स्वास्थ्य के दृष्टि से पूर्ण स्वस्थ्य रहेंगे। आपको व्यक्तिगत रूप से यह निर्देश है कि कुछ वर्षो के पश्चात जैसे वायु रोग गठिया, अल्सर, कफ, जुकाम, सर्दी तथा रक्तचाप जैसे रोगों से पूर्ण सत्तर्क रहे।

यदि आप पूर्व में इन रोगों के प्रति यदि सर्त्तकता नहीं बरते तो आपको दुःखी होकर रहना पड़ेगा।

आप अपनी अच्छी उन्नति हेतु धर्म एवं दर्शन के प्रति दिलचस्पी लेकर संबंधित अच्छी भावनाओं से युक्त होकर गहन अध्यय कर सकते हैं। क्योंकि जीवन एक दर्शन है तथा आप धार्मिक दान–प्रदान हेतु कुछ धन का सदुपयोग कर सकते हैं।

आप अपनी अवस्था के 27 वें वर्ष में अथवा 31 वें वर्ष में अकस्मात् महान धनी हो सकते हैं। अन्यथा उपरोक्त दोनों समय में से कोई दो वर्ष आपके लिए अत्यधिक लाभजनक समय रहेगा। इस समय आप संगठनात्मक सेमिनार एवं सामूहिक वाद–विवाद का अच्छा संगठनात्मक आयोजन की क्षमता प्राप्त करेंगे। आप स्वभावगत अतिरिक्त योग्यता के अनुसार अपने भाषण के प्रभाव से लोगों को प्रभावित कर बुद्धिमानी में प्रवीणता प्राप्त कर लेंगे। यदि आप इस कार्य में अच्छी प्रकार उभर कर आए तो आपको यह आशा रहेगी कि आप आगे भी अपने कार्य में निश्चित सफलता प्राप्त कर सकते है। क्योंकि इससे मात्र आपका अस्तित्व ही नहीं बढ़ेगा बल्कि आपके विषय से संबंधित क्षेत्र भी विस्तृत होगा।

यद्यपि आप एक समझदार पत्नी एवं अच्छी संतान प्राप्त कर सर्व प्रकार से परिवारिक जीवन को मधुरतम एवं आनंददायक अनुभव करेंगे। क्योंकि आप छोटी–छोटी बातों को सोचकर क्रोधित हो जाते हो तथा शीघ्रता पूर्वक आपकी उत्तेजना का अंत हो जाता है। परिणामस्वरूप आप

स्वतः अपनी गुस्ताखी का अहसास करते हो। आप इस प्रकार की वाह्य आक्रोश पर नियंत्रण रखे।

आपके व्यवसायों में अनुकूल पेशा, वकालत, लेखक, वक्ता, राजनीति अथवा धार्मिक प्रचारक का कार्य उत्तम प्रमाणित होता है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में सोमवार एवं मंगलवार का दिन छोटी मोटी बाधाओं को उपस्थित करनेवाला एवं क्षतिकारक दिन है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के रविवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अनुकूल है।

आपके लिए अंकों में महत्वपूर्ण अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक प्रभावशाली है। शेष अंक 2, 7 एवं 9 अंक त्याजनीय हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीम रंग, नारंगी, नीला, हरा एवं सूआपंखी रंग शुभता प्रदायक है। परंतु रंग लाल, मोतिया एवं काला रंग प्रतिकूल है।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

ग्रह फल

सूर्य

नवमभाव में सूर्य होतो जातक साहसी, ज्योतिषी, नेता सदाचारी, तपस्वीयोगी, वाहनसुख, भृत्यसुख एवं पिता के लिए अशुभ होता है।

सिंह राशि में रवि हो तो जातक सत्संगी पुरुषार्थी, योगाभ्यासी, वनविहारी, क्रोधी, गम्भीर, उत्साही, तेजस्वी एवं धैर्यशाली होता है।

चन्द्र

दसवेंभाव में चन्द्रमा हो तो जातक कार्यकुशल, व्यापारी, कार्यपरायण, सुखी, यशस्वी, विद्वान्, कुल-दीपक, दयालु, निर्बल बुद्धि, सन्तोषी लोकहितैषी, मानी, प्रसन्नचित्त एवं दीर्घायु होता है।

कन्या राशि में चन्द्रमा हो तो जातक सुन्दर, रूपवान, धनी ईमानदार, मधुरभाषी, सदाचारी, धीर, विद्वान, सुखी, सुन्दर वक्ता अधिक कन्या सन्तान वाला, ज्योतिष एवं कला प्रेमी होता है।

मंगल

छठेभाव में मंगल हो तो जातक बलवान्, धैर्यशाली, प्रबल जठराग्नि, कुलवन्त, प्रचण्ड शक्ति, शत्रुहन्ता, ऋणी, दादरोगी, क्रोधी, पुलिस अफसर, व्रण और रक्तविकार युक्त एवं अधिकव्यय करने वाला होता है।

वृष राशि में मंगल हो तो जातक अत्यन्त कामुक, अनैतिक आचरण, पुत्रद्वेषी, प्रवासी, सुखहीन, लड़ाकू प्रकृति, वंचक, सिद्धान्त रहित, स्वार्थी एवं क्रूर होता है।

बुध

नवमभाव में बुध हो तो जातक विद्वान् लेखक, ज्योतिषी, धर्मभीरु, व्यवसाय प्रिय, भाग्यवान्, सम्पादक, गवैया, कवि एवं सदाचारी होता है।

सिंह राशि में बुध हो तो जातक मिथ्याभाषी, कुकर्मी, ठग, कामुक, भ्रमणशील, अभिमानी, वक्ता, कम उम्र में विवाह, आवेशपूर्ण स्वभाव एवं सरकारी नौकर होता है।

Future Point Future Point Future Point

Future Point Future Point Future Point

गुरु

अष्टमभाव में गुरु हो तो जातक दीर्घायु, नम्रव्यवहार, लेखक, सुखी, शान्त, मधुरभाषी, विवेकी, न्थकार, कुलदीपक, ज्योतिषप्रेमी, मित्रों द्वारा धननाशक, गुप्तरोगी एवं लोभी होता है।

कर्क राशि में गुरु हो तो जातक सदाचारी, विद्वान्, सत्यवक्ता महायशस्वी, साम्यवादी, सुधारक, योगी, लोकमान्य, सुखी, धनी, नेता, कुशाबुद्धि एवं वफादार होता है।

शुक्र

अष्टम भाव में शुक्र हो तो जातक ज्योतिषी, क्रोधी, मनस्वी, दुखी, गुप्तरोगी, पर्यटनशील, परस्त्रीरत, विदेशवासी, निर्दयी, गुप्तविद्याओं के प्रतिरुचि एवं रोगी होता है।

कर्क राशि में शुक्र हो तो जातक धार्मिक, ज्ञाता, सुन्दर, सुख और धन का इच्छुक, नीतिज्ञ, आवेशपूर्ण, डरपोक, दुःखी एवं प्रचुर सन्तान होता है।

शनि

लग्न (प्रथम) में शनि मकर, कुम्भ तथा तुला का हो तो धनाढ्य, सुखी, धनु और मीन राशियों में हो तो अत्यन्त धनवान् और सम्मानित एवं अन्य राशियों का हो तो अशुभ होता है।

धनु राशि में शनि हो तो जातक व्यवहारज्ञ, पुत्र की कीर्ति से प्रसिद्ध सदाचारी, वृद्धावस्था में सुखी, सक्रिय, चतुर शान्तिप्रिय, दुःखी विवाहित जीवन एवं धनी होता है।

राहु

द्वितीय भाव में राहु हो तो जातक संहशील, अल्पधनवान्, कठोरभाषी, कुटुम्बहीन, अल्पसन्तति, मात्सर्ययुक्त एवं परदेशगामी होता है।

मकर राशि में राहु हो तो जातक मितव्ययी, कुटुम्बहीन एव दाँत रोगी होता है।

केतु

Future Point Future Point Future Point

Future Point Future Point Future Point

अष्टम भाव में केतु हो तो जातक दुर्बुद्धि, स्त्रीद्वेषी, चालाक, दुष्टजनसेवी, तेजहीन, नीच, स्त्री की कुण्डली में पति के लिए अशुभ एवं अल्पायु होता है।

कर्क राशि में केतु हो तो जातक वातविकारी, भूतप्रेत पीड़ित एवं दुःखी होता है।

Future Point Future Point Future Point

भाव फल

शारीरिक गठन, व्यक्तित्व एवं प्रकृति

आपके जन्म समय में लग्न में धनुराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। सामान्यतया धनु लग्न में उत्पन्न जातक स्वस्थ, बलवान एवं शांत स्वभाव के व्यक्ति होते हैं परन्तु यदाकदा ये अभिमान के भाव का प्रदर्शन करते हैं। धार्मिकता की भावना इनमें विद्यमान रहती है तथा अत्यंत ही बुद्धिमता से सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करते हैं तथा उनमें सफलता भी प्राप्त करते हैं फलतः जीवन में धनैश्वर्य एवं सुख संसाधनों को अर्जित करने में ये समर्थ रहते हैं। आदर्शवाद एवं अध्यात्मवाद के मध्य प्रवृत रहकर ये भौतिक सुखों का भी उपभोग करते हैं। अन्य जनों के ये विश्वास पात्र होते हैं परन्तु स्वयं दूसरों पर विश्वास कम ही करते हैं। दानशीलता की भी इनकी प्रवृति होती है तथा सामाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश की प्राप्ति होती रहती है। धर्म, राजनीति, कानून तथा गणित या ज्योतिष आदि में इनकी रूचि रहती है तथा परिश्रमपूर्वक इन क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करते हैं। भौतिक प्रलोभनों की अपेक्षा इन्हैं प्रेम से आसानी से वश में किया जा सकता है।

अतः इसके प्रभाव से आप स्वस्थ एवं बलशाली पुरूष होंगे तथा परिश्रम एवं बुद्धिमतापूर्वक अपने महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करके उनमें सफलता प्राप्त करेंगे। आप एक अध्ययनशील व्यक्ति होंगे अतः विभिन्न विषयों का आपको अच्छा ज्ञान होगा। कला के प्रति भी आपकी रूचि रहेगी तथा जीवन में निहित उददेश्य की प्राप्ति के लिए संघर्ष करेंगे। साथ ही अन्य जनों से कभी भी द्वेष या ईर्ष्या का भाव नहीं रखेंगे। शत्रु एवं प्रतिद्वन्दियों से भी आपका उदारतापूर्वक व्यवहार रहेगा। इसके अतिरिक्त अपनी व्यवहार कुशलता, बुद्धिमता तथा धैर्य से कार्यक्षेत्र में उन्नति करेंगे तथा सुखपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

लग्न में लग्नेश बृहस्पति की राशि के प्रभाव से आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। आपका व्यक्तित्व आकर्षक रहेगा तथा अन्य लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। आप एक विद्वान पुरूष होंगे तथा वैदिक धार्मिक या ज्योतिष सम्बन्धी विषयों का अध्ययन करेंगे तथा इस क्षेत्र में आप परिश्रमपूर्वक कोई विशिष्ट उपलब्धि तथा यश अर्जित करेंगे। आर्थिक दृष्टि से भी आपकी स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा सुखैश्वर्य वैभव एवं सुख संसाधनों को अर्जित करके उनका उपभोग करने में समर्थ होंगे। पुत्र संतति से आप युक्त होंगे तथा इनसे आपको इच्छित सुख एवं सहयोग मिलेगा। साथ ही पिता के प्रति भी आपके मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सम्मान की भावना रहेगी तथा उनकी सेवा करने में तत्पर रहेंगे। इससे आपको आत्मसन्तुष्टि की अनुभूति होगी। परिवार की उन्नति एवं समृद्धि में आपका प्रमुख सहयोग रहेगा तथा समाजिक जनों के मध्य प्रतिष्ठा बनी रहेगी।

आप आस्तिक विचारों के पुरूष होंगे तथा धर्म के प्रति आपके मन में निष्ठा रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक सम्पन्न करेंगे। साथ ही तीर्थयात्रा आदि के भी योग बनेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग के मध्य आपकी लोकप्रियता रहेगी तथा उनसे पूर्ण सम्मान सहयोग तथा लाभ मिलता रहेगा। इस प्रकार आप स्वस्थ बुद्धिमान विद्वान पराक्रमी तथा धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति होंगे तथा सर्व भौतिक सुखों को अर्जित करके सुखपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

भाव फल

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से आप अन्य जनों से अपना वायदा पूरा नहीं करेंगे तथा अपना अधिकाशं समय अनावश्यक वार्तालाप में ही व्यतीत करेंगे। आप इतनी बातूनी प्रकृति के व्यक्ति होंगे कि अन्य लोग आसानी से आप पर काबू नहीं पा सकते हैं। आपका स्वभाव आधुनिक विचारों से युक्त रहेगा तथा विनम्रता का भाव भी विद्यमान रहेगा। आपकी एक मुख्य विशेषता यह रहेगी कि आप किसी को भी अनावश्यक रूप से अपना मित्र नहीं बनाएंगे तथा अत्यंत ही सोच समझकर ही किसी से मित्रता करेंगे जब आप पूर्ण रूप से सन्तुष्ट हो जाएंगे।

आप आंतरिक मन से पारिवारिक जनों की पूर्ण चिंता करेंगे परन्तु प्रत्यक्ष में उपेक्षा के भाव को ही प्रदर्शित करेंगे। इससे कई बार पारिवारिक जनों के मध्य अनावश्यक मतभेद की भी संभावना रहेगी तथापि उनसे आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग मिलता रहेगा तथा परिवार की खुशहाली के लिए आप सदैव प्रयत्न तथा परिश्रमशील रहेंगे। आप विभिन्न स्वादों के प्रिय रहेंगे तथा अवसरानुकूल इनका आस्वादन करते रहेंगे। वृद्धावस्था में आपको नेत्र संबधी कष्ट की भी संभावना रहेगी। इसके अतिरिक्त नौकरी या अन्य साधनों से आप इच्छित मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही विदेश भम्रण आदि से भी लाभ की संभावना रहेगी। इस प्रकार वैभवशाली जीवन व्यतीत करने में आप समर्थ रहेंगे।

Future Point Future Point Future Point

भाव फल

पराक्रम, सहोदर, प्रकाशन, लघुयात्राएं

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में कुम्भ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से आपकी स्मरण शक्ति अच्छी रहेगी तथा किसी भी वस्तु या विषय को आसानी से नहीं भूल पाएंगे। भाई बहिनों से आप युक्त रहेंगे तथा वे बुद्धिमान आदर्श तथा आज्ञाकारी होंगे तथा आपको अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। आर्थिक रूप से भी उनकी स्थिति सुदृढ़ रहेगी एवं सामाजिक मान सम्मान से भी युक्त रहेंगे। साथ ही परस्पर कमियों या गलतियों की आप उपेक्षा करेंगे जिससे परिवार में शान्ति तथा खुशहाली बनी रहेगी तथा सभी परिवार की मर्यादा तथा सम्मान के लिए चिन्तित रहेंगे। मित्र एवं संबधियों से भी आपके सामान्यतया मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग मिलता रहेगा।

आप एक साहसी तथा पराक्रमी पुरूष होंगे तथा स्वपरिश्रम एवं विद्वता से उपलब्धियां अर्जित करेंगे। साथ ही यदि कोई परेशानी या समस्या उत्पन्न होगी तो दृढ़ता पूर्वक उसका सामना करेंगे। जो आप कहेंगे वहीं करेंगे भी यह आपके व्यक्तित्व की विशेषता रहेगी। आप एक सिद्धांतवादी पुरूष होंगे तथा अपने सिद्धांतों पर दृढ़ रहेंगे चाहे उनका फल कुछ भी हो। साथ ही वाहन, दूरदर्शन या टेलीफोन आदि संचार तथा भौतिक साधनों की भी आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक जीवन में इनका उपभोग करते रहेंगे। संगीत एवं कला आदि के प्रति भी आपके मन में रूचि रहेगी तथा रिक्त समय में इनसे मनोरजंन करेंगे। आप की दूर समीप की यात्राएं होंगी तथा इनसे यथोचित लाभ एवं ख्याति प्राप्त होगी साथ ही अध्ययन में सूचना संबधी लेखों में आपकी रूचि रहेगी। आप स्वयं भी लेखक या संपादक हो सकते है। इसके अतिरिक्त आपकी मित्रता कीर्तिवान, क्षमाशील, सत्यवक्ता तथा उत्तम शील स्वभाव के व्यक्तियों से होगी। साथ ही जीवन में सुखोपभोग करके आप एक आदर्शवादी पुरूष होंगे।

भाव फल

माता, वाहन, भौतिक ऐश्वर्य, जायदाद एवं शिक्षा

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में मीनराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से जीवन में आपको समस्त सांसारिक एवं भौतिक सुखों को प्राप्ति होगी तथा आधुनिक सुख संसाधनों से भी युक्त होंगे एवं आनन्दपूर्वक इनका उपभोग करेंगे। आप एक वैभवशाली व्यक्ति भी होंगे तथा समाज में अपना यथोचित स्तर बनाए रखने में समर्थ होंगे।

आप एक भाग्यशाली व्यक्ति होंगे तथा जीवन में आपको चल एवं अचल सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। आपको किसी श्रेष्ठ या वृद्ध व्यक्ति से वांछित मात्रा में चल एवं अचल सम्पत्ति की प्राप्ति हो सकती हैं। स्वपरिश्रम, बुद्धिमता एवं योग्यता से भी आप इच्छित धन सम्पत्ति अर्जित करेने में समर्थ होंगे। आपको अचल सम्पत्ति की अपेक्षा चल सम्पत्ति से विशिष्ट एवं शीध्र लाभ के योग बनते है। अतः चल सम्पत्ति पर विशेष निवेश करना चाहिए।

जीवन में आपको सुन्दर विस्तृत एवं आकर्षक आवास की प्राप्ति होगी तथा आधुनिक सुख-सुविधाओं एवं भौतिक उपकरणों से यह सुसज्जित रहेगा। इसकी स्वच्छता का आप विशेष ध्यान रखेंगे तथा अन्य पारिवारिक जनों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। आपका घर किसी समृद्ध कालोनी में होगा तथा पड़ोसी भी शिक्षित एवं बुद्धिमान होंगे तथा संबंधों में अनुकूलता रहेगी। इसके अतिरिक्त आप प्रारंभ से ही उत्तम वाहन प्राप्त करेंगे तथा प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगे।

आपकी माताजी शिक्षित, बुद्धिमान एवं सरल स्वभाव की महिला होगी तथा अपनी कर्तव्य परायणता तथा उत्तम कार्य कलापों से सभी सदस्यों को प्रसन्न तथा प्रभावित रखेंगी। परिवार के सभी लोग उन्हें वांछित आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे। आपके प्रति उनके मन में विशिष्ट वात्सल्य भाव होगा तथा समय समय पर उनसे आपको वांछित नैतिक, आर्थिक एवं अन्य प्रकार से सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। आपकी चहुमुखी उन्नति में उनका विशेष योगदान रहेगा। आपभी माता के प्रति श्रद्धा एवं आज्ञाकारिता का भाव रखेंगे तथा अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे। इससे आपके परस्पर संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।

विद्याध्ययन में प्रारंभ से ही आपकी रूचि रहेगी तथा छोटी कक्षाओं से ही अच्छे अंको से सफलताएं प्राप्त करेंगे। इसी परिपेक्ष्य में आप स्नातक परीक्षा ससम्मान उतीर्ण करेंगे इससे आपके मन में आत्मविश्वास के भाव में वृद्धि होगी तथा उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में अग्रसर रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप किसी उच्च तकनीकी या व्यावसायिक पाठ्य क्रम में भी उच्चस्तरीय डिग्री अर्जित करने में समर्थ होंगे।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

भाव फल

बुद्धि, सन्तान एवं प्रणय सम्बन्ध

आपके जन्म समय में पंचमभाव में मेषराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप तीव्र बुद्धि के स्वामी होंगे तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को बुद्धिमता से सम्पन्न करेंगे। आप में शीघ्र एवं अनुकूल निर्णय लेने की शक्ति भी विद्यमान होगी जिससे अवसरानुकूल आप इच्छित लाभ एवं सफलता अर्जित कर सकते है। आप कठिन से कठिन समस्याओं का समाधान भी शीघ्र एवं आसानी से करने में समर्थ होंगे। इसके अतिरिक्त वैदिक साहित्य धर्म एवं दर्शन के प्रति भी आपकी श्रद्धा एवं रूचि होगी तथा यत्नपूर्वक इनके ज्ञानार्जन में रूचिशील होंगे। आधुनिक विज्ञान, भौतिक विज्ञान गणित या ज्योतिष में भी आपकी प्रबल रूचि होगी एवं परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञानार्जन करेंगे। इस क्षेत्र में आप कुछ नवीन कार्य या सिद्धान्तों का भी प्रतिपादन कर सकते है जिससे आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा लोग एक विद्वान के रूप में आपको सम्मान प्रदान करेंगे।

पंचमभाव में मेष राशि की स्थिति के प्रभाव से प्रेम-प्रसंग में आप भावनात्मक आकर्षण तथा सम्मान का भाव रखेंगे। आपके प्रेम में मर्यादा नैतिकता एवं यथार्थवादी दृष्टिकोण होगा तथा मनोरंजन के लिए ऐसे संबध स्थापित नहीं करेंगे। अतः आपके प्रेम की परिणिति विवाह के रूप में भी हो सकती है।

जीवन में आपको यथोचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा पुत्र संतति अवश्य होगी। आपकी संतति बुद्धिमान प्रतिभाशाली एवं पराक्रमी होगी तथा अपने इन्हीं गुणों से वे जीवन में लाभ एवं उन्नति के मार्ग प्रशस्त करेंगे। माता-पिता के प्रति उनके मन में पूर्ण आदर एवं सम्मान का भाव होगा तथा उनकी आज्ञापालन में भी सर्वदा तत्पर होंगे। वे समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में माता-पिता का सहयोग एवं सलाह अवश्य लेंगे। इससे संबधों में मधुरता तथा सदभावना बनी रहेगी। माता की अपेक्षा पिता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव होगा तथा अपनी व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान वे पिता के माध्यम से ही करना सुविधाजनक समझेंगे परन्तु आदर दोंनो का समान होगा। इसके अतिरिक्त वृद्धावस्था में वे आपकी तन-मन-धन से सेवा करेंगे एवं अपनी ओर से किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे। इस प्रकार बच्चों के संदर्भ में आप एक भाग्यशाली व्यक्ति माने जायेंगे।

शिक्षा के क्षेत्र में आपकी संतति अत्यधिक योग्य एवं प्रतिभाशाली सिद्ध होगी तथा प्रारम्भ से ही इच्छित उन्नति का प्रदर्शन करेंगे जिससे उनका भविष्य उज्जवल होगा। आप भी उनकी शिक्षा के लिए किसी भी प्रकार की कमी नहीं करेंगे तथा अच्छी से अच्छी एवं आधुनिक संस्था में उन्हें शिक्षा प्रदान करायेंगे। इसके अअिरिक्त वे सुन्दर, स्वस्थ, विनम्र स्वभाव सक्रिय एवं निपुण होंगे तथा अपने उत्तम कार्य कलापों से अन्य सामाजिक जनों को प्रभावित तथा प्रसन्न करने में समर्थ होंगे तथा वे भी बच्चोंको वांछित स्नेह एवं प्रोत्साहन देंगे। इससे आपकी भी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी फलतः बच्चों से आप सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

भाव फल

रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आप का शत्रु या विरोधी पक्ष प्रबल रहेगा इसका मुख्य कारण यह रहेगा कि आप अपनी ही इच्छा से अधिकाशं कार्यो को सम्पन्न करेंगे तथा अन्य जनों की इच्छा या सलाह को कोई महत्व नहीं देंगे। आपका उच्च स्तर, कार्य प्रणाली तथा अन्य प्रकार से खुशहाली आपके शत्रुवर्ग के लिए ईर्ष्या का कारण होगी। साथ ही आपको अपने सम्बन्धियों तथा सहयोगियों से भी समय समय पर विरोध का सामना करना पड़ेगा। आप सामान्यतया दीवानी तथा फौजदारी मुकद्दमों में लिप्त रहेंगे तथा इन पर आप मुक्त भाव से व्यय करेंगे जिससे आपको इनमें सफलता प्राप्त हो सकें। आप एक चतुर चालाक तथा बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा साम दाम दण्ड भेद से किस प्रकार से कार्य सिद्ध किया जाता है इसके विषय में आपको पूर्ण ज्ञान रहेगा। इस प्रकार अपनी इस कार्य प्रणाली से आप शत्रु वर्ग तथा मुकद्दमे बाजी में विजय प्राप्त कर सकेंगे।

आपको सेवक वर्ग की सामान्यतया अत्यधिक आवश्यकता रहेगी आप एक व्यस्त व्यक्ति होंगे तथा अपने समस्त कार्यो को सम्पन्न करने में असमर्थ रहेंगे अतः नौकरों की नियुक्ति आपके लिए आवश्यक कार्य होगा लेकिन यदा कदा सेवक वर्ग आपके गुप्त रहस्यों को उजागर करेंगे फलतः समाज में आपके मान सम्मान में न्यूनता रहेगी। साथ ही वे चोरी आदि से भी हानि प्रदान कर सकते है अतः इनके चुनाव में सावधानी का परिचय दें।

आपके पास आराम दायक जीवन व्यतीत करने के लिए पर्याप्त मात्रा में धन रहेगा लेकिन अपनी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए आपका अनावश्यक व्यय भी होगा जिससे ऋण आदि के भार से दब सकते है। आप एक सम्मानीय परिवार के सदस्य होंगे तथा आपके मामा मामियों का स्तर भी उच्च रहेगा। यद्यपि वे आपको पसंद करेंगे परन्तु आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्रदान कम ही करेंगे तथा आपकी कार्य प्रणाली से भी वे सन्तुष्ट नहीं रहेंगे लेकिन अत्यधिक आवश्यकता के समय वे आपको अपना सहयोग प्रदान कर सकते हैं। साथ ही उत्तम स्वास्थ्य के लिए खान पान का पूर्ण ध्यान रखें तथा अनावश्यक रूप से भोजन में अनियमिता न रखें नहीं तो प्रौढ़ावस्था में आप किंचित परेशानी की अनुभूति कर सकते हैं।

भाव फल

दम्पति, विवाह एवं साझेदार

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है सामान्यतया मिथुन राशि के प्रभाव से जातक का सहयोगी सुशील विनम्र कलाप्रेमी तथा हास्य प्रिय प्रवृति का व्यक्ति होता है। बृहस्पति के प्रभाव से वह विद्वान साहित्य प्रेमी उत्तम कार्यो को करने वाला तथा चतुर होता है।

अतः इसके प्रभाव से आपकी पत्नी सुशील एवं विनम्र स्वभाव की महिला होंगी तथा सांसारिक कार्यो को करने में दक्ष रहेंगी। उनकी वाणी मधुर होगी तथा उच्च कोटि के साहित्य के प्रति अध्ययन की रूचि होगी। वह हास्य युक्त प्रवृति की भी महिला होंगी जिससे सभी लोग उनके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे। बृहस्पति के प्रभाव से उनमें कर्तव्य परायणता का भाव भी विद्यमान होगा तथा समाज एवं परिवार के प्रति ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करेंगी।

आपकी पत्नी सुंदर आकर्षक एवं गौर वर्ण की महिला होंगी तथा उनका कद भी उन्नत होगा। शारीरिक संरचना उनकी दर्शनीय होगी तथा शरीर के सभी अंग पुष्ट एवं सुडौल होंगे जिससे उनके सौन्दर्य एवं व्यक्तित्व में निखार आएगा। बृहस्पति के प्रभाव से आयु के साथ साथ शरीर में स्थूलता भी आ सकती है। सौन्दर्य में वृद्धि के लिए वह आधुनिक सौन्दर्य प्रसाधनों का भी प्रयोग करेंगी। इसके अतिरिक्त कला के प्रति उनका प्रबल आकर्षण होगा।

आपका विवाह किसी परिवार के श्रेष्ठ व्यक्ति के माध्यम से सम्पन्न होगा। विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा आपस में एक दूसरे के प्रति प्रबल आकर्षण एवं प्रेम की भावना होगी। आप दोनों शिक्षित एवं बुद्धिमान होंगे तथा जीवन के मूल्यों तथा सिद्धांतों में समानता रहेगी जिससे आप प्रत्येक क्षेत्र में उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे। सांसारिक महत्व के कार्यो को आपसी सहयोग एवं सहमति से पूर्ण करेंगे। इससे संबधों में मधुरता रहेगी तथा जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

आपका विवाह किसी प्रतिष्ठित परिवार में सम्पन्न होगा तथा समाज में वे आदरणीय होंगे। विवाह के बाद आपके सास ससुर से मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आप जीवन में नैतिक सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। आप भी उन्हें पितृवत सम्मान प्रदान करेंगे तथा महत्वपूर्ण कार्यो में उनकी सलाह एवं सहमति अवश्य लेंगे।

सास ससुर के प्रति आपकी पत्नी की सेवा एवं श्रद्धा की भावना होगी तथा सुख दुख में उनकी यथोचित देखभाल करेंगी। देवर एवं ननद भी उनके सदव्यवहार तथा मधुरवाणी से प्रभावित होंगे एवं उन्हें यथोचित मान सम्मान तथा सहयोग प्रदान करेंगे। इससे परिवार में शांति बनी रहेगी।

व्यापार या महत्वपूर्ण कार्यो में साझेदारी के लिए स्थिति शुभ रहेगी तथा इससे आपको यथोचित लाभ होगा एवं आपस में विश्वसनीयता भी बनी रहेगी यदि अपनी आयु से अधिक आयु के व्यक्ति से साझेदारी की जाए तो उसमें इच्छित लाभ एवं उन्नति होगी।

भाव फल

दहेज, बीमा आयु एवं दुर्घटना

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चन्द्रमा है। अतः इसके प्रभाव से आपके पास आध्यात्म या ज्यौतिष के ज्ञान संबन्धी प्रतिभा जन्म से ही रहेगी तथा इनके प्रति आपकी पूर्ण श्रद्धा रहेगी साथ ही परिश्रम पूर्वक इसका ज्ञान अर्जित करके इस क्षेत्र में सम्मान एवं ख्याति अर्जित करेंगे। आप स्वाभाविक रूप से अन्तर्प्रज्ञा शक्ति की प्रबलता से युक्त रहेगे। आपके पूर्वाभास तथा भविष्य वाणियां सामान्यतया सत्य ही सिद्ध होगी। साथ ही इस विद्याओं के द्वारा अपनी परेशानियों में भी न्यूनता करने में समर्थ रहेंगे तथा इन शास्त्रों में इच्छुक व्यक्तियों को अपना मित्र बनाएंगे। इसके अतिरिक्त आर्थिक दृष्टि से भी आप जीवन में इसका उपयोग कर सकते हैं।

आपको पैतृक सम्पत्ति प्राप्त होगी तथा इसके द्वारा आप धनऐश्वर्य से युक्त होकर आरामदायक जीवन व्यतीत करेंगे। प्रौढ़ावस्था में आपको और अधिक चल एवं अचल सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। मित्रों के द्वारा भी कुछ लाभ होने की संभावना रहेगी। शादी के समय में आप प्रचुर मात्रा में दहेज प्राप्त करेंगे जो धन आभूषण वाहन तथा आधुनिक घरेलू सामान के रूप में होगा। यदि आप चाहे तो इसी धन से आराम से अपना जीवन व्यतीत कर सकते हैं। बीमा कराने में आप शीघ्रता करेंगे क्योंकि आप सर्वप्रथम किसी भी वस्तु की पूर्ण सुरक्षा चाहते है तथा अनावश्यक हानि न हो इसका प्रबन्ध पहले ही कर देते हैं। आप को जीवन में चोरी या डकैती का सामना कम ही करना पड़ेगा तथा ऐसी घटनाएं होगी भी तो उससे कोई हानि नहीं होगी। आपकी आयु उत्तम रहेगी तथा सुख पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

भाव फल

सौभाग्य, प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षा एवं लम्बी यात्राएं

आपके जन्म समय में नवम भाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से आपकी ईश्वर के प्रति पूर्ण आस्था रहेगी तथा अपने धर्म का श्रद्धा पूर्वक अनुपालन करेंगे। साथ ही पारिवारिक परम्परानुसार धर्म का आचरण करेंगे। आपकी बुद्धि अत्यन्त ही तीव्र होगी तथा नेतृत्व के गुणों से सुसम्पन्न रहेंगे। साथ ही आपकी प्रवृति स्वतंत्र होगी तथा धर्म गुरूओं का आप आदर करेंगे तथा उनका अनुसरण भी करेंगे। अध्ययन के क्षेत्र में भी आप विशिष्ट सफलता अर्जित करेंगे तथा प्रसिद्ध धार्मिक तथा तीर्थ स्थानों की समय समय पर यात्रा करते रहेंगे। लेकिन आप मुख्य रूप से अपने धर्म से संबधित तीर्थ स्थान की यात्रा करने के ही विशेष इच्छुक रहेंगे। ध्यान एवं योगिक क्रियाओं को भी समय समय पर करते रहेंगे तथा अध्यात्म के द्वारा अपनी अर्न्तप्रज्ञा शक्ति में वृद्धि करेंगे। साथ ही भविष्य वाणियां करने में भी समर्थ रहेंगे जिससे क्षेत्रीय या राष्टीय स्तर पर आपको सम्मान मिल सकता है।

आप समाज से अपने आपको एक दम जुडे हुए लगते हैं। आप स्वतंत्रता प्रिय व्यक्ति होंगे तथा किसी अन्य के साथ या नियंत्रण में आपको कार्य करना अच्छा नहीं लगेगा इससे यदा कदा आपको अन्य जनों की आलोचना का भी सामना करना पड़ सकता है लेकिन सामजिक जीवन में सफल रहेंगे तथा लोग आपकी आज्ञा का पालन करेंगे। धार्मिक एवं व्यवसाय संबधी कार्यो के लिए आपकी लम्बी दूरी की यात्राएं हो सकती है तथा इनसे आपको मान सम्मान ख्याति एवं धन ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी । आप प्राणिमात्र के लिए कई लेख लिखकर तथा उनकी सेवा एवं सहायता के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। पौत्रों से आपको इच्छित सहयोग एवं आनन्द की प्राप्ति होगी। वास्तव में आप अपने पूर्वजन्म के कार्यो से ही इस जीवन में सुखऐश्वर्य अर्जित करने में समर्थ रहेंगे।

Future Point Future Point Future Point

भाव फल

पिता, व्यवसाय एवं सामाजिक स्तर

आपके जन्म समय में दशमभाव में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। कन्या राशि पृथ्वी तत्व प्रधान है अतः इनके प्रभाव से आपका कार्यक्षेत्र श्रमसाध्य होगा परन्तु बौद्धिक एवं मानसिक क्रियाओं की भी इसमें प्रबलता रहेगी आप स्वतंत्र कार्य या व्यवसाय के इच्छुक भी होंगे एवं परिश्रम पूर्वक कार्यक्षेत्र में उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे।

आजीविका की दृष्टि से आप लिपिकीय कार्य, लेखक, कवि, चित्रकार, वास्तुकार, ज्यौतिषी, जिल्दसाज, शिक्षक, पुस्तक लेखक, यंत्र निर्माण कर्ता, संशोधक, अनुवादक, वकील, दूतकार्य, टेलीफोन आपरेटर या दूरभाष विभाग तथा राजनीति में किसी उच्चाधिकार प्राप्त व्यक्ति के व्यक्तिगत सहायक के रूप में वांछित उन्नति सफलता एवं प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। साथ ही उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना नहीं करना पड़ेगा अतः आपको उपरोक्त विभागों एवं क्षेत्रों में ही उज्जवल भविष्य के लिए अपनी आजीविका का चयन करना चाहिए।

व्यापारिक दृष्टि से आपके लिए एजेंसी दलाली पुस्तक विक्रय या प्रकाशन कार्य, अगरबत्ती पुष्पमालाएं, कागज के खिलौने कलात्मक वस्तुएं या वास्तुकला, वकालत, लेखाकार आदि के स्वतंत्र व्यवसाय एवं कार्यो से आप को इच्छित धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी तथा उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे अतः उपरोक्त क्षेत्रों में ही अपना कार्य या व्यापार प्रारंभ करें।

जीवन में आपको मान प्रतिष्ठा तथा सम्मान की प्राप्ति होगी तथा किसी उच्चाधिकार प्राप्त पद को अर्जित करने में भी समर्थ होंगे जिससे आपके समाज में प्रभाव में वृद्धि होगी एवं सभी लोग आपको वांछित सम्मान एवं आदर प्रदान करेंगे। आप किसी सामाजिक सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक संस्था में किसी सम्मानीय पदाधिकारी या सदस्य के रूप में मनोनीत होंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस प्रकार अपनी अर्जित उपलब्धियों से आप सन्तुष्ट रहेंगे।

आपके पिता बुद्धिमान शिक्षित एवं प्रभावशाली व्यक्ति होंगे तथा समाज में सभी लोग उन्हें यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण अपनत्व एवं वात्सल्य का भाव होगा तथा आपकी उच्चशिक्षा के लिए सदैव तत्पर होंगे। आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति एवं सफलता में उनका विशेष योगदान रहेगा तथा आप भी अपने परिश्रम ईमानदारी एवं योग्यता से पिता की प्रतिष्ठा में वृद्धि करेंगे। आपके परस्पर संबधों में भी मधुरता होगी तथा सैद्धान्तिक एवं वैचारिक समानता बनी रहेगी। इसके अतिरिक्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को एक दूसरे की सलाह तथा सहयोग से सम्पन्न करेंगे।

Future Point Future Point Future Point

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

भाव फल

लाभ, मित्र, समाज, ज्येष्ठ भ्राता एवं आकांक्षाएं

आपके जन्म समय मैं एकादश भाव में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आप एक दूरदर्शी व्यावहारिक तथा न्यायप्रिय व्यक्ति होंगे तथा अपने इन्हीं गुणों के साथ साथ अपने पराक्रम एवं योग्यता से अपने जीवन की अधिकांश आकाक्षांओं तथा उमंगों को पूर्ण करने में समर्थ रहेंगे। धन धान्य एवं भौतिक सुख साधनों से आप हमेशा सुसम्पन्न रहेंगे। साथ ही जीवन में पत्नी या किसी अन्य स्त्री के सहयोग से वांछित धनार्जन करने में समर्थ रहेंगे। इसके साथ ही विलासमय वस्तुओं के क्रय विक्रय, इलक्ट्रोनिक्स उपकरण तथा कम्प्यूटर आदि के क्षेत्र में भी आपको आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इस प्रकार आजीवन आपकी आर्थिक स्थिति सामान्यतया सुदृढ़ ही रहेगी।

आपको बड़ी बहनों से जीवन में वाँछित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा साथ ही वे आपको पूर्ण अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगी। वे आपको समय समय पर आर्थिक तथा अन्य क्षेत्र में भी सहायता देंगी तथा आप भी उनका पूर्ण सम्मान करेंगे एवं अवसरनुकूल उनकी इच्छा के अनुसार ही सामान्य कार्य सम्पन्न करेंगे। आप मित्रता प्रिय व्यक्ति होंगे अतः आपके मित्रता का क्षेत्र विस्तृत रहेगा। मित्र मंडल में आप आदरणीय रहेंगे सभी मित्रजन आपको पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे। आपको एकांत पसन्द नहीं रहता तथा किसी न किसी मित्र की आवश्यकता हमेशा रहती है। इसके अतिरिक्त आप स्वयं भी ईमानदार एवं उदार व्यक्ति होंगे तथा समाज से आपको पूर्ण सम्मान प्राप्त होगा एवं प्रौढ़ावस्था में किसी विशिष्ट सम्मान की प्राप्ति भी हो सकती है। साथ ही समाज एवं पड़ौसियों की सेवा एवं सहायता करने के लिए भी आप सदैव तत्पर रहेंगे। अतः सुख पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

भाव फल

हानि, बन्धन, कर्ज, आवास परिवर्तन एवं मोक्ष

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। इसके प्रभाव से आप भौतिक वादी पुरूष होंगे तथा धनार्जन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपका स्वभाव अन्य जनों के परोपकार के लिए भी व्यय करने का रहेगा। अतः आपको अधिक धन की समय समय पर आवश्यकता पड़ेगी लेकिन अपनी योग्यता तथा पराक्रम से प्रचुर मात्रा में धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। आप हमेशा धनवान एवं ऐश्वर्यशाली होने के इच्छुक रहेंगे साथ ही आर्थिक सुरक्षा के भी इच्छुक होंगे तथा इसमें सफल रहेंगे ।

आपका मुख्य रूप से व्यय, दया दान एवं मित्रों तथा बन्धुवर्ग पर रहेगा। आपको इसका जब भी अवसर मिलेगा प्रचुर मात्रा में व्यय करेंगे। साथ ही भौतिक साज समान पर भी व्यय होगा लेकिन कभी कभी आपको ऐसे मामलों में सावधान भी रहना चाहिए क्योंकि आपकी प्रवृति को देखते हुए लोग आपसे झूठ मूठ धन भी ऐंठ सकते है।

आप दूर समीप की यात्रा के शौकीन रहेंगे तथा इनसे आपको नवीन ज्ञान की प्राप्ति होगी तथा अन्य नई चीजों को भी आप सीखेंगे। अतः यात्रा से आपको प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। साथ ही युवावस्था में आप कई साहसिक कार्यो को भी सम्पन्न करेंगे। आप किसी नये सिद्धांत को भी प्रतिपादित कर सकते है। आपकी देश की यात्राओं के अतिरिक्त विदेश संबधी कोई यात्रा भी होगी यह कार्यवश या स्वास्थ्य के कारण भी हो सकती है। इसके साथ ही बाएं आंख में भी कोई परेशानी रहेगी या किसी चोट आदि का होगा। लेकिन सामान्य रूप से आप सुख पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

नक्षत्रफल

आप हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में उत्पन्न हुए हैं अतः आपकी जन्मराशि कन्या तथा राशिस्वामी बुध होगा। नक्षत्रानुसार आपका गण देव, वर्ण वैश्य, नाड़ी आद्य, योनि महिष तथा वर्ग श्वान होगा। नक्षत्र के चरणानुसार आपका जन्म नाम "पु" या "पू" अक्षर से प्रारम्भ होगा यथा- पुष्कर, पुनीत आदि।

आपके मन में दानशीलता की भावना प्रारम्भ से ही विद्यमान रहेगी तथा समयानुसार आप अपनी इस प्रवृति का जीवन में पालन करते रहेंगे। आप मनुष्यता के सभी गुणों से हमेशा सुसम्पन्न रहेंगे। आप एक साहसी पुरूष होंगे तथा समाज में आपका यश दूर दूर तक व्याप्त रहेगा तथा सभी लोगों की आपके प्रति हार्दिक मान सम्मान की भावना रहेगी। ब्राहमणों तथा देवताओं के प्रति आपके हृदय में अगाध श्रद्धा का भाव रहेगा तथा समय के अनुसार आप इनकी पूर्ण रूप से सत्कार तथा पूजन करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त अपने जीवन काल में आप सर्व प्रकार की सम्पतियों का अर्जन करेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक जीवन व्यतीत करेंगे।

दाता मनस्वी सुतरां यशस्वी भूदेवदेर्वाचनकृत्प्रयत्नतः।
प्रसूति काले यदि यस्य हस्तो हस्तोद्गता तस्य समस्तसम्पत्।।
जातकाभरणम्

समस्त सांसारिक भोग्य पदार्थो का आप प्रसन्नता पूर्वक अपने जीवन में उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे तथा धार्मिक कार्यों में भी सदा तत्पर रहेंगे। आप की बुद्धि तीव्र एवं तीक्ष्णता से युक्त रहेगी एवं विद्वता के गुणों से भी आप सुसम्पन्न रहेंगे। आपकी प्रवृति परोपकारी होगी तथा समाज में अन्य जनों के परोपकार के लिए आप तन, मन, धन से हमेशा तत्पर रहेंगे। इसके साथ ही धन से आप परिपूर्ण रहेंगे तथा इसका कभी भी न्यूनता का आपको आभास नहीं होगा।

हस्तर्क्षे यदि कामधर्मनिरतः प्राज्ञोपकर्ता धनी।
जातकपरिजातः

आपके हृदय में हमेशा उत्साह की प्रबलता बनी रहेगी तथा अपने कार्यो को हमेशा उत्साह पूर्वक सम्पन्न करेंगे। साथ ही आपका मन कभी कभी कठोरता से भी युक्त रहेगा।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

उत्साही धृष्टः पानपोळघृणी तस्करो हस्ते।
बृहज्जातकम्

यदा कदा आप अपने जीवन में मिथ्याभाषण का भी प्रयोग करेंगे। तथा बंधु बाधवों से भी आप तथा समय समय पर इसके अतिरिक्त सभी से आपके मित्रतापूर्ण घनिष्ठ संबंध रहेंगे।

असत्यवचनो धृष्टः सुरापी बन्धुवर्जितः।
हस्तो जातो नरश्चौरो जायते पारदारिकः।।
मानसागरी

ताम्र पाद में उत्पन्न होने के कारण आप राज्य या सरकार से धन लाभ अर्जित करने में हमेशा सफल रहेंगे तथा समाज में दूर दूर तक आपकी ख्याति व्याप्त रहेगी। देखने में आपका सौन्दर्य आकर्षक रहेगा। आप सन्तोषी प्रवृति के होंगे तथा अनावश्यक इच्छाओं को मन में उत्पन्न नहीं करेंगे। आप श्रेष्ठ आचरण से युक्त रहेंगे तथा सभी लोग आपका आदर सत्कार करेंगे। विविध प्रकार की धन सम्पतियों तथा सुखसंसाधनों से आप युक्त रहेंगे एवं जीवन में प्रसन्नता पूर्वक इसका उपभोग करेंगे। माता पिता के प्रति आपकी पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनसे भी आप पूर्ण धन सम्पति को प्राप्त करेंगे। आप एक विद्वान पुरूष होंगे तथा ज्ञानार्जन में आपकी विशेष रूचि रहेगी। आप अपने द्वारा प्रारम्भ कार्यों में शीघ्र ही सफलता अर्जित करेंगे तथा नाना प्रकार के वाहन एवं भूमि से भी युक्त रहकर प्रसन्न रहेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धाभाव रहेगा। आप एक पराक्रमी पुरूष भी होंगे। आप में परोपकार की भावना भी रहेगी तथा सज्जन पुरूषों का आप नित्य आदर करेंगे। इसके अतिरिक्त आप में दानशीलता का भाव भी विद्यमान रहेगा।

कन्या राशि में जन्म लेने के कारण आपके हाथ लम्बे होंगे तथा नाक, कान, दान्त तथा अन्य अंग सुंदर एवं दर्शनीय रहेंगे। स्त्री वर्ग के प्रति आपके मन में विशेष आकर्षण रहेगा। आप श्रेष्ठ विद्वान होंगे तथा कई धार्मिक संस्थाओं के संचालक, प्रधान आदि पदों को प्राप्त करेंगे। आप के मन में धर्म के प्रति गहन निष्ठा का भाव भी रहेगा तथा यत्नपूर्वक धर्म का अनुपालन करेंगे। आपकी वाणी प्रिय एवं मधुर होगी जिससे अन्य लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। आप सत्य का प्रयत्नपूर्वक अपने जीवन में पालन करेगे तथा जीवन के समस्त कार्य कलापों को धैर्य पूर्वक सम्पन्न करेंगे। आप दूसरों के भलाई के कार्य करने के लिए भी सर्वथा

तन, मन, धन से तत्पर रहेंगे। समस्त जीव एवं प्राणियों के प्रति आपके मन में दया एवं करूणा का भाव विद्यमान रहेगा। आपकी शारीरिक सुन्दरता भी दर्शनीय रहेगी तथा अपने जीवन में सुखैश्वर्य से सम्पन्न होकर जीवन व्यतीत करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी कन्या सन्तति अधिक मात्रा में होगी तथा पुत्रों की संख्या कन्याओं से अल्प रहेगी।

स्त्रीलोलो लम्बबाहुर्ललिततनुमुखश्चारूदन्ताक्षिणिकर्णौ।
विद्धानाचार्य धर्मा प्रियवचनयुतः सत्यशील प्रधानः।।
धीरः सत्वानुकम्पी परविषयरतः क्षान्तिसौभाग्यभागी।
कन्याप्रायप्रसूतिबहुसुतरहितः कन्यकायां शशाङ्कः।।
सारावली

आप लज्जाशील एवं आलस्यमय दृष्टि से युक्त होकर गमन करने वाले होगे। आपकी भुजाएँ तथा कंधे भी शिथिलता को प्राप्त होंगे। आप समस्त भौतिक एवं संसारिक सुखों का उपभोग करके जीवन यापन करेंगे। नाना प्रकार की कलाओं तथा क्रियाओं के आप विद्वान होंगे। साथ ही विभिन्न प्रकार के शास्त्रों के ज्ञानार्जन में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे। आप जीवन में किसी अन्य व्यक्ति, मित्र या संबंधी के धन, मकान आदि का उपयोग करेंगे तथा देश विदेश में रहने की इच्छा भी आपके मन में व्याप्त रहेगी।

व्रीळामंथरचारूवीक्षणगतिः स्रस्तांसवाहुः सुखी।
श्लक्षणः सत्यरतः कलासुनिपुणः शास्त्रार्थविद्धार्मिकः।।
मेधावी सुरतप्रियः परगृहे वितैश्च संयुज्यते।
कन्यायां परदेशगः प्रियवचः कन्याप्रजोळल्पात्मजः।।
बृहज्जातकम्

आप स्त्रीवर्ग को अपनी विलासमयी क्रियाओं तथा हास्यमय मुद्राओं से आकर्षित करने में पूर्ण रूपेण सफल रहेंगे तथा उन्हें प्रसन्न करने में भी सफलता प्राप्त करेंगे। आप स्वभाव से सुशील तथा सरल प्रकृति से युक्त रहेंगे। अच्छे कार्यों को करने की ओर आपकी प्रवृति एवं उत्सुकता हमेशा बनी रहेगी। साथ ही आपको भाग्य से हमेशा सहयोग प्राप्त होगा एवं अधिकांश कार्य भाग्यबल से ही सिद्ध हो जाएंगें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

युवतिगे शशिनि प्रमदाजनप्रबलकेलिबिलासकुतूहलैः।
विनयशील सुताजननोत्सवै सुविधिना सहितः पुभान।।
जातकाभरणम्

आप अत्यन्त निर्मल बुद्धि के होंगे तथा सबसे निश्चल व्यवहार करेंगे। लेखन कला के प्रति आपके मन में विशेषार्कषण रहेगा। तथा काव्य सृजन में भी आप सफलता प्राप्त कर सकेंगे। मन आपका शान्त रहेगा एवं किसी भी प्रकार की चंचलता का उसमें अभाव रहेगा। आप यदा कदा नेत्रों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे इसके अतिरिक्त गुरूजनों के हित संबंधी कार्यो को करने के लिए भी आप सर्वदा तत्पर रहेंगे।

विमलमति सुशीलो लेखबुद्धिः कविश्च।
कृषिबलगुणशाली शान्तियुग्मः स्वभावः।।
भवति नयनरोगी धार्मिकः शीलयुक्तः।।
गुरूजन हितकर्ता कन्यका यस्य राशिः।।
जातकदीपिका

आपकी प्रकृति विलासी होगी तथा भौतिक सुखसंसाधनों एवं विलासमय उपकरणों पर आप उन्मुक्त भाव से व्यय करेंगे। आप विद्वानों तथा सज्जन पुरूषों का हार्दिक सम्मान करेंगे तथा वे लोग भी आपसे सर्वदा प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। आपकी प्रवृति भी दानशील होगी तथा जीवन में इस प्रवृति का समयानुसार आप पालन करते रहेंगे। साथ ही समाज के सभी लोगों के प्रति आपके मन में स्नेह का सद्भाव रहेगा। संगीत एवं अभिनय के प्रति आपका विशिष्ट आकर्षण रहेगा तथा आजीवन प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इनसे संबंधित रहेंगे। विदेश में निवास करने की भी आपके मन में इच्छा बनी रहेगी। स्त्री से आप कभी कभी दुःख की अनुभूति करेंगे।

विलासी सुजनाह्लादी सुभगो धर्मपूरितः।
दातादक्षः कविर्बुद्धि वेदमार्ग परायणः।।
सर्वलोकप्रियो नाट्यगान्धर्व व्यसने रतः।
प्रवासशीलः स्त्री दुखी कन्याजातो भवेन्नरः।।
मानसागरी

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

आपका सम्पूर्ण जीवन पूर्ण वैभव एवं ऐश्वर्य के साथ व्यतीत होगा। भावना की आपमे प्रबलता रहेगी तथा यदा कदा आप इससे व्याकुलता का भी अनुभव करेंगे। दूसरे लोगों के प्रति आपके मन में सद्भावना तथा मधुर व्यवहार रहेगा। साथ ही नाना प्रकार के शास्त्रों तथा कलाओं का परिश्रम पूर्वक आप ज्ञानार्जन करेंगे।

कन्यास्थे विषयातुरो ललितवाग्मि विद्याधिको भोगवान।
जातकपरिजातः

देवगण में उत्पन्न होने के कारण आपकी वाणी श्रेष्ठ एवं प्रिय होगी। आप हमेशा सत्य बोलेंगे तथा जीवन में सत्य के पालन के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहेंगे। आपकी बुद्धि भी सरल होगी तथा सादगी से अपने विचार प्रकट करना तथा सादगी से लोगों की बातों को ग्रहण करना आपकी विशेषता रहेगी। आप शाकाहारी भोजन के प्रिय होंगे तथा गुणों के विषय में आपको पूर्ण ज्ञान रहेगा साथ ही श्रेष्ठ विद्वानों द्वारा वर्णित सद्गुणों से आप सर्वथा सुशोभित रहेंगे। आप सर्वप्रकार से सुखसम्पन्न होंगे तथा किसी भी प्रकार का अभाव नहीं रहेगा। साथ ही आपके पास पूर्ण समृद्धि बनी रहेगी।

आप देखनें में अत्यन्त सुन्दर तथा स्वस्थ प्रतीत होंगे। तथा दानशीलता की प्रवृति स्वभाव से ही आपके मन में रहेगी। आप सादगी परस्त होंगे तथा भौतिकता से दूर ही रहेंगे। साथ ही आप समाज में विद्वान पुरूष के रूप में पूजनीय तथा सम्माननीय भी होंगे।

सुस्वरः सरलोक्तमतिः स्यादल्पभोजन करो हि नरश्च।
जायते सुरगणे डणज्ञः सुज्ञवर्णितगुणो द्रविणाढ्यः।।
जातकाभरणम्

महिष योनि में उत्पन्न होने के कारण आप समस्त लड़ाई झगड़ों एवं विवादों तथा मुकदमों में हमेशा विजयी रहेंगे तथा वीरता के लक्षणों से आप स्वयं भी युक्त रहेंगे। आप की सन्तानों की संख्या भी अधिक रहेगी। आपकी प्रकृति वायुप्रधान होगी तथा धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा तथा निष्ठा रहेगी।

संग्रामे विजयी योद्धा सकामस्तु बहुप्रजः।
वाताधिको मन्दमतिर्नरो महिषयोनिजः।।
मानसागरी

आपके जन्म समय में चन्द्रमा दशम भाव में स्थित है। अतः आप माता के प्रिय रहेंगे उनका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं आयु भी दीर्घायु होगी। विभिन्न प्रकार की धन सम्पत्ति तथा सुखसंसाधनों से वे युक्त रहेंगी एवं आपको जीवन में उन सभी सुखों से परिपूर्ण करने के लिए यत्नशील रहेंगी। उनके सहयोग से ही आप जीवन में नौकरी, व्यापार तथा यश को प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे।

आप भी उनके प्रति श्रद्धावान रहेंगे एवं एक आज्ञाकारी पुत्र की तरह उनकी आज्ञा का पूर्ण रूप से अनुपालन करेंगे। जीवन में उनकी सेवा सुविधा का आप पूर्ण ध्यान रखेंगे तथा यत्नपूर्वक उनको वांछित आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग करते रहेंगे। आपके संबंध भी अच्छे रहेंगे एवं विचारों में विभिन्नता अल्प मात्रा में ही रहेगी। इस प्रकार एक दूसरे के लिए आप सामान्यतया शुभ ही रहेंगे।

आपके जन्म काल में सूर्य नवम भाव में स्थित है अतः आप पिता के स्नेह पात्र होंगे। उनका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं समय समय पर शारीरिक रूप से वे व्याकुलता की अनुभूति करेंगे। जीवन में धन सम्पत्ति से सर्वदा युक्त रहेंगे एवं समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको अपनी ओर से पूर्ण सहयोग तथा सहायता प्रदान करेंगे। इसके साथ ही आपके भाग्योदय संबंधी कार्यों में भी उनकी आपके लिए पूर्ण प्रेरणा तथा सहयोग का भाव रहेगा।

आप भी उनका पूर्ण हार्दिक सम्मान करेंगे एवं उनकी आज्ञा पालन तथा सेवा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके परस्पर मधुर संबंध रहेंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद उत्पन्न होने के कारण इनमें अल्प मात्रा में तनाव या कटुता का समावेश का आभास होगा जो कुछ समयोपरान्त स्वतः ही समाप्त हो जाएगा। इसके अतिरिक्त आप जीवन में उनकी हार्दिक सहायता करेंगे एवं सुख दुःख में उनको पूर्ण वांछित आर्थिक या अन्य प्रकार से अपना सहयोग प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

आपके जन्म समय में मंगल छठे भाव में है अतः भाईयों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं समय समय पर वे शारीरिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे। धन सम्पत्ति का उनके पास अभाव नही रहेगा एवं आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह एवं सम्मान का भाव रहेगा। जीवन में वे समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों तथा क्षेत्र में आपको अपना वांछित सहयोग प्रदान करने के

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

लिए तत्पर रहेंगे एवं अपनी ओर से आपको किसी भी प्रकार से कष्ट नहीं होने देंगे। साथ ही शत्रुवर्ग से भी वे आपकी नित्य रक्षा करने में तत्पर रहेंगे।

आपके मन में भी उनके प्रति पूर्ण स्नेह का भाव रहेगा एवं हमेशा उनको अपना सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। आपकी आपसी संबंध मधुर रहेंगे तथा यदा कदा सामान्य रूप से मतभेद भी उत्पन्न होंगे जिससे संबंधों में क्षणिक तनाव की स्थिति रहेगी परन्तु कुछ समय के उपरान्त स्वतः ही सब कुछ ठीक हो जाएगा। इसके साथ ही आप सुख दुःख में उनकी वांछित आर्थिक तथा अन्य प्रकार से भी सहयोग देंगे एवं यत्नपूर्वक उनकी भलाई करने में तत्पर रहेंगे।

आपके लिए भाद्रपद मास, पंचमी, दशमी, पौर्णमासी तिथियां,श्रवण नक्षत्र, शुभयोग, शनिवार प्रथम प्रहर तथा मिथुन राशिस्थ चन्द्रमा हमेशा अशुभ फल देने वाले होंगे। अतः आप 15 अगस्त से 14 सितम्बर के मध्यम 5,10,15 तिथियों, श्रवण नक्षत्र, शुभयोग तथा कौलवकरण में कोई भी शुभ कार्य गृहनिर्माण, व्यापार प्रारम्भ, क्रय विक्रय आदि महत्व पूर्ण कार्यों को सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही शनिवार प्रथम प्रहर एवं मिथुन राशि के चन्द्रमा को भी समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में वर्जित रखें। इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य का भी पूर्ण रूप से ध्यान रखना चाहिए।

यदि आपके लिए समय अशुभ चल रहा हो व्यापार में हानि, मानसिक अशान्ति, शारीरिक व्याकुलता, नौकरी या पदोन्नति प्राप्त करने में बाधाएँ इत्यादि अन्य अशुभ फल हो रहे हों तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट देव गणेश जी की उपासना करनी चाहिए तथा गणेश चतुर्थी एवं बुधवार के उपवास करने चाहिए। साथ ही सोना, पन्ना, हरा वस्त्र, मूंग की दाल आदि पदार्थो का श्रद्धापूर्वक किसी सुपात्र को दान करना चाहिए। ऐसा करने से आपको मानसिक शान्ति प्राप्त होगी तथा अशुभ फलों में न्यूनता होगी एवं शुभ फलों में अभिवृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त बुध के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 17000 जप किसी योग्य विद्वान से सम्पन्न करवाने चाहिए। इससे आपके सर्वत्र लाभमार्ग प्रशस्त होंगे तथा महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता भी प्राप्त होगी।

ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः।
मंत्र- ऊँ ऐं स्त्रीं श्रीं बुधाय नमः।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उधृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :
जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :
आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :
जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्री स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

Future Point Future Point Future Point

ग्रहचाल :
जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :
जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते है। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते है।

घटनाएं :
मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता हैं। मातृ ऋण वाले जातक के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्री मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :
जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :
किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :
जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

उपाय :
आपकी पत्री पारिवारिक ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध है (जैसे जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) सबसे बराबर-बराबर धन लेकर आपके शहर/गांव के चौक में बैठे कारीगर, हकीम/डाक्टर को उसका काम बढ़ाने के लिये वह धन दान स्वरूप दे दें।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :
जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :
जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्मय आदि काम करना।

घटनाएं :
जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षांत में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

आपकी पत्री कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृऋण

ग्रहचाल :
जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :
कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :
परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

निष्कर्ष

उपाय :
आपकी पत्री पितृऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

Future Point Future Point Future Point

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :
परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :
नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :
आपकी पत्री स्त्री ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर गऊ शाला में 100 गायों को चारा खिलाएं (उसमें कोई भी गाए अंगहीन न हो) आदि।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :
जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :
मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

घटनाएं :
संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिढ़ियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :
आपकी पत्री निर्दयी ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को खाना खिलाना चाहिए।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :
जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :
बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढ़ेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :
मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

निष्कर्ष

आपकी पत्री आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :
जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :
कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :
किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :
आपकी पत्री ईश्वरीय ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य, बेटी-बुआ आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर 100 कुत्तों को एक ही दिन में खाना खिलाना।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में नौवें खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आप भाग्यवान होंगे। आपको उत्तम वाहन सुख मिलेगा। बड़े परिवार से युक्त रहेंगे। आप परोपकारी होंगे। आप अपनी सात पुश्तों को तारने वाले होंगे। आप अपने खानदान के लिए पूरा जीवन न्यौछावर कर देंगे। 22वें वर्ष में आपके जीवन पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। माता–पिता की कृपा से राजदरबार में इज्जत मिलेगी। तीर्थ यात्रा करने से आपके जीवन पर अच्छा असर पड़ेगा। आपके परंपरागत काम या सरकारी ठेकेदारी के धंधे से लाभ होगा। आपको माता–पिता का अच्छा सुख मिलेगा। आपकी बचपन में परवरिश खानदानी ढंग तथा सुख साधन से होगी। आप खानदान के लिए त्याग करेंगे और आप परोपकारी होंगे। आप पोते–पड़पोते के जन्म की खुशियां देखेंगे। पैसे की तंगी नहीं रहेगी। आप दूसरों की बीमारी दूर करने में मदद करेंगे। आपके पिता को सरकार पक्ष से लाभ होगा। बहुत बड़े परिवार को पालने का जिम्मा आप पर हो सकता है। धार्मिक कार्यों से तरक्की और कीर्ति मिलेगी। स्वपराक्रम से अपनी किस्मत का सितारा चमकायेंगे। सरकारी विभाग में आपका मान–सम्मान बढ़ेगा, राजा या राजा तुल्य जीवन होगा, नौकरी–व्यापार में लाभ होगा।

यदि आपकी रसोई में उल्टे या बहुत समय से पुराने खाली बर्तन पड़े रहे, मकान का मुख्य दरवाजा पश्चिम दिशा में हुआ, भाई–बहन से झगड़ा किया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से स्वभाव अति उग्र या अति नम्र स्वभाव रहने से सर्वस्व खोना पड़ सकता है। गिफ्ट/मुफ्त का माल या दान खाने से हर तरफ हानि होगी, यात्रा में कष्ट होगा, बहन–भाई द्वारा विरोध और किस्मत का बुरा असर शुरु हो जायेगा। कई बार आपको नेकी का बदला बुराई में मिल सकता है और जिसके साथ आप संबंध रखेंगे उसी की हानि होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज : 1. मुफ्त या दान के माल से दूर रहें।
2. बहुत नर्म या बहुत गर्म स्वभाव न रखें।

उपाय :1. पीतल के बर्तनों का प्रयोग करें।
2. सूर्य ग्रहण के समय 4 सूखे नारियल जल में प्रवाहित करें।

चन्द्र

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा दसवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप कुल की नैया पार लगायेंगे। आपको चीर–फाड़ के या सर्जिकल के सामान से अधिक लाभ होगा। आप चिकित्सक होकर भी डॉक्टर का काम नहीं करें। यदि डाक्टर बन कर डाक्टर का कार्य करते हैं तो अपने पास से दवाई न देवें। आपको माता–पिता का पूरा सुख मिलेगा। आपको मकान और ससुराल वालों से लाभ मिलेगा। व्यापार में लाभ होगा।

यदि आप डाक्टर हैं और अपने पास से रोगी को लिक्विड दवाई दी, समाज विरोधी कार्य किये, बड़े–बुजुर्गों का अपमान किया, रात के समय अपने मकान की नींव रखी तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपकी प्रेमिका या विधवा स्त्रियों के कारण धन की बर्बादी होगी। आप अपने जीवन में धोखेबाजी और तैरते को पानी में डुबाने वाले होंगे। आपको दुर्घटना का शिकार भी होना पड़ सकता है। किसी भी औरत के साथ नाजायज संबंध आपकी बर्बादी का कारण बन सकता है। आपका मां से अच्छा सलूक नहीं रहेगा। दवाई के व्यापार से हानि होगी। आपको चोर–डाकू, जुआरी एवं शराबी लोगों से नुकसान हो सकता है। नौकरी–व्यापार में बार–बार तबदीली का योग है। आपकी माता को 10 वर्ष बीमारी हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :1. चोर–डाकू से संबंध न रखें।
2. सूर्यास्त के बाद दूध न पीयें।

उपाय :1. दूध को फटा कर दूध का पानी पीयें (खराब सेहत के समय)
2. सूर्यास्त के बाद दूध न पियें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल छठे खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से आपका जन्म बड़ी मिन्नतें–मन्नतें मांग कर हुआ होगा या आपके संतान देरी से पैदा होगी या बुढ़ापे में औलाद का सुख मिलेगा। आप मान–सम्मान प्राप्त करेंगे। अच्छे उच्चाधिकारी होंगे। आपके भाग्य की रक्षा होगी। आप साधू–सन्यासी विचार के प्राणी हैं। आप धर्मवीर और ईश्वर पर विश्वास रखने वाले व्यक्ति होंगे। आपको दूसरों से दोस्ती करना, पढ़ाई–लिखाई का काम करना, राग विद्या या अपने भाषण, प्रवचन से धन कमाना शुभ रहेगा। आपकी लेखन कला जानदार होगी। आपकी भाग्योन्नति होगी। आपकी औलाद पर किसी प्रकार का बुरा असर नहीं पड़ेगा। आप अपनी कमाई का हिस्सा छोटे भाइयों को दें

तो अच्छा रहेगा। आपके दुश्मन कम होंगे या दुश्मन आप से दबे रहेंगे, ऐसी उम्मीद है। आप स्वस्थ्य और प्रसन्न रहेंगे। विवाह के बाद तरक्की होगी। साहुकारी लाभ देगा।

यदि आपने भाई से शत्रुता रखी, मंदे राग गाने को शौक रखा, पशुओं से संबंधित काम किया, परिवार में भाइयों में दूसरा नंबर हुआ तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आपके भाई का नुकसान होने की आशंका है। आप शारीरिक दृष्टि से कमजोर होंगे। आपको अचानक हानि भी उठानी पड़ सकती है। संतान का सुख कम ही मिलेगा या बच्चा गोद लेना पड़ सकता है। आपकी मनोदशा दूषित रहेगी। आप खुद दुःख झेलेंगे परंतु दूसरे को तकलीफ नहीं देंगे। आपकी भाई से शत्रुता आपको हानि देगी। आपके भाई की माली हालात कमजोर होगी। आपको माता का सुख कम मिलने की शंका है। पशुओं से संबंधित व्यापार से हानि होगी। आपको सरकारी विभाग द्वारा परेशानी हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :1. भाई से झगड़ा न करें।
2. खुशी के समय मीठा न बांटें, यदि मीठा बांटना हो तो साथ में नमक जरुर बांटें।

उपाय :1. 9 मन (360 किलो) गेहूं हर समय घर में रखें।
2. भैंसे को चारा खिलायें या मजदूर पेशा आदमी की सेवा करें।

बुध

आपकी कुंडली में नौवें घर में बुध पड़ा है। इसकी वजह से संगीत या ज्योतिष में रुचि रह सकती है। आप परिवार का भरण–पोषण करते रहेंगे। आपको अपना भाग्य बनाने में अधिक समय लगेगा। धन–दौलत में बरकत होने में समय लगेगा फिर भी आप खुश रहेंगे। आपके काम–धन्धे पर तथा राजदरबार में आपका अच्छा असर रहेगा। जन्मस्थान से दूर विदेश तक की यात्रा करनी पड़ सकती है परंतु विदेश प्रवास का फल भी अच्छा या अनुकूल रहेगा।

यदि आपके घर में गाने–बजाने का सामान और रेडियो–घड़ियां आदि खराब पड़े होंगे, जुबान में तोतलापन, हरे रंग की चीजें अधिक होंगी या साधू–महात्मा आदि ताबीज़ लेकर रखा तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से आपके काम से आपके पिता की बदनामी हो सकती है। धोखेबाजी से कदम–कदम पर मुसीबतें खड़ी हो सकती हैं। गृहस्थ जीवन और औलाद से संबंध में खराबियां पैदा होंगी। मुसीबतों का सामना

करना पड़ सकता है। अधर्म के कार्य करेंगे तो भाग्य में भी रुकावटें आती रहेंगी। जीवन में उत्थान–पतन से तंग आ जाएंगे। जीवन के हालात से तंग आकर साधू–फकीर बनने की इच्छा होगी परंतु साधू–फकीर बनना अच्छा नहीं होगा। आप पिता के लिए मनहूस रहेंगे। पिता के सुख का अभाव हो सकता है। आप अपने पिता की आयु पर भारी हैं। पिता के नौकरी–व्यापार में बाधा हो सकती है। जलील और खराब काम करना पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :1. जल–भभुतिया, धागे–ताबीज न रखें।
2. मकान की सीढ़ियां गिरा कर दुबारा न बनायें बल्कि उसकी मरम्मत करें।

उपाय : 1. गऊ ग्रास देवें।
2. लोहे की गोली पर लाल रंग करके पास रखें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति आठवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप दीर्घायु, धनवान रहेंगे। आपकी और आपके पिता की लंबी आयु होगी। आप चरित्रवान, शील स्वभाव से अच्छे, विवेकी एवं पूरे परिवार की विपत्ति को अपने सिर पर लेने वाले होंगे। धन और आयु वृद्धि होती रहेगी। अधिक कठिनाई में ईश्वर आपकी मदद करेंगे। आप आध्यात्मिक एवं गुप्त विद्या के माहिर होंगे।

यदि आपने दूसरे के धन का उपभोग किया, भलाई करने वाले का बुरा किया, दीन–दु:खयों को सताया तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से आपको अपने पिता से हमेशा दूर रहना पड़ सकता है। आप पिता से अलग रहे तो आपका समय खराब होगा। आप अफवाहों के शिकार बनेंगे। आप यदि साधू हो जाएं तो दु:खी रहेंगे। आपके परिवार में कई प्रकार की मुसीबतें पैदा हो सकती हैं। कभी–कभी आपके हौसले मंदे पड़ जाएंगे। आपको मूत्र रोग आदि बीमारी या मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। आपको बार–बार जन्म लेना पड़ सकता है। मोक्ष मिलने की उम्मीद कम है। आपके कामों में अड़चनें आएंगी। आपके शरीर में सुस्ती रहेगी या हर समय मन बुझा–बुझा सा रहेगा। कोई दुर्घटना या बड़ी मुसीबत का योग बन सकता है। आप अपने जीवन में कुछ ऐसे कार्य कर बैठेंगे जिससे आपको बहुत पछतावा हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

करें।

परहेज :1. आवारा साधू का साथ न रखें।
2. चाल–चलन ठीक रखें।

उपाय : 1. शरीर पर सोना पहनें।
2. दही, आलू, घी धर्म स्थान में देवें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली के आठवें खाने में शुक्र पड़ा है। इसकी वजह से आपकी अच्छी आमदनी होगी। किसी भी लड़ाई–झगड़े में आपकी जीत होगी। औलाद की बीमारी के प्रति चौकन्ना रहें। आप में काम शक्ति की अधिकता रहेगी। अपने भोजन खाने–पीने पर पूरी चौकसी बरतें। आप परिश्रम करने में संकोच नहीं करेंगे। परंतु आलस्य आपको कर्महीन बना सकता है। आपको पत्नी और औलाद का अच्छा सुख मिलेगा। जन्म स्थान से दूर, देश से विदेश तक कहीं भी निवास स्थान बनाना पड़ेगा। जल से संबंधित कामों या समुद्री यात्रा में तथा विदेशी औरतों से सावधान रहना जरूरी है। आपकी पत्नी की जुबान से निकला शब्द पत्थर पर लकीर होगा अर्थात् आप अपनी पत्नी को न कष्ट देवें और न सतायें।

यदि आपका चाल–चलन खराब हुआ, ससुराल वालों को धोखा दिया या झगड़ा किया, सफेद बिना सींग की गाय घर में रखी तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आप पर हमेशा ही कर्ज का बोझ बना रहेगा। अधिकतर बीमार रहा करेंगे। आपकी पत्नी चिड़चिड़े स्वभाव की कुटिल होगी। आप किसी की जमानत न दें, वरना जमानत आपको भरनी पड़ सकती है। जिसका भाग्य पर बुरा असर पड़ेगा। 25 वर्ष की उम्र के बाद शादी करें अन्यथा पत्नी सुख में बाधा आ सकती है। आपकी बदनामी भी हो सकती है। आपके गुप्तांग में रोग हो सकता है। आलस्य के कारण भी शराबी और कबाबी होना तथा पराई स्त्री से संबंध रखने से, गुप्त रोग हो सकते हैं और आपके कामों में रुकावट पैदा होने के कारण बनेंगे। आप अपने जीवन में कुछ ऐसा कर गुजरेंगे जिससे आपको पश्चात्ताप होता रहेगा। पत्नी से झगड़ा करना आप को हार और हानि देगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :1. दान या भिक्षा न मांगें।
2. ससुराल से धन आदि का धोखा न करें।

उपाय :1. गंदे नाले में तांबे का पैसा या फूल डालें।
2. धर्मस्थान में सिर झुकाएं।

शनि

आपकी जन्मकुंडली में शनि पहले खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपके जन्म के बाद आपकी पैतृक संपत्ति और पिता का धन बढ़ेगा। आप इंजीनियर, डाक्टर बन सकते हैं। आप शक्की स्वभाव के होंगे। लोहा/लकड़ी और नमक, आग से संबंधित कामों से अधिक लाभ होगा। आपके धन में वृद्धि होगी। आपके माता–पिता को धन की कमी नहीं रहेगी। आपकी आयु पर कोई भी बुरा असर नही पड़ेगा।

यदि आपने झूठ बोला और बदनीयती रखी, व्यसनों में मदहोश रहे, परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से आपकी शिक्षा भी अधूरी रह जाए या इच्छित शिक्षा नहीं मिले, ऐसी आशंका है। आप आलसी, अभावग्रस्त और अस्वस्थ रह सकते हैं। आपकी पत्नी, दौलत पर बुरा असर पड़ सकता है। आपके लिये खानदानी या जद्दी काम में बरकत नहीं होगी। आप चोरी, झूठ या धोखाधड़ी करने में भी पीछे नही रहेंगे। शरीर पर अधिक बालों का होना निर्धनता का सूचक है। आप अगर सरकारी नौकरी करते हैं तो नौकरी का फल विशेष मंदा रहेगा। सरकार से बहुत अच्छे लाभ का योग नहीं है। पत्नी को शारीरिक कष्ट हो सकता है। आपके साथ चोरी, धोखेबाजी, संतान को कष्ट या कुछ भी हो सकता है। माता को कष्ट और आपको दुःखी होना पड़े ऐसी आशंका है। आपका कारोबार बिगड़ सकता है या पिता–दादा के कारोबार का दिवाला भी निकल सकता है। भाग्य के बिगड़ने की आशंका है। आग से जलने का भय है। विद्या अधूरी, पेट में खराबी, धन की तंगी रहेगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :1. विवाह या पुत्र जन्म आदि पर खुशी के समय ढोल–बाजे आदि न बजाएं।
2. शराब पीना, मांस खाना और इश्कबाजी दूर रहें।

उपाय :1. वीरान जगह में सुरमा दबायें (नौकरी–व्यापार में तरक्की के लिये)।
2. बंदर को गुड़ केला खिलायें (धन की तंगी के समय)।
3. वट–वृक्ष की जड़ के दूध का तिलक करें (स्वास्थ्य खराब के समय)।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

राहु

आपकी जन्मकुंडली के दूसरे खाने में राहु पड़ा है। इसकी वजह से आपको पूरी मान–प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। आप राजशाही जीवन बिताएंगे। आप दीर्घजीवी होकर ऐश की जिंदगी बिताएंगे। युवावस्था में किसी चीज की कमी नहीं रहेगी। आपकी स्त्री रूपवान एवं सुशील होगी। आप उस्तादों के भी उस्ताद होंगे। गृहस्थी अच्छी चलेगी। आपको अधिक धन प्राप्त होगा। माता के साथ मधुर संबंध, ससुराल पक्ष का सुख अच्छा हो सकता है। चोरी से सावधान रहें। पैतृक संपत्ति नहीं के बराबर प्राप्त होगी मगर अपनी कमाई द्वारा अधिक संपत्ति बना लेंगे। परिवार के लोग सुखी रहेंगे। आपके धन कोष में बहुत वृद्धि होगी। किस्मत का असर शुभ और अशुभ दोनों हालातों में ऊपर–नीचे होता रहेगा।

यदि आपने घर में मंदिर रखा, सरसों का कार्य किया, मादक चीजों–द्रव्यों का प्रयोग किया या जुआ आदि खेला, ससुराल या साले का विरोध किया तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आप उदर रोग अर्थात् आंत रोग के मरीज होंगे। धर्मस्थान में चोरी आपके हाथों हो सकती है। आपका जीवन निर्वाह धर्मस्थान से प्राप्त अन्न से होगा। आप दान की हुई वस्तु लेने में तनिक भी नहीं हिचकेंगे या मुफ्त की वस्तुएं प्राप्त होती रहेंगी। आर्थिक एवं पारिवारिक सुख में कमी आ सकती है। आपकी कमाई का कुछ भाग खराब हो सकता है। आपको पुलिस का भय रहेगा। सजा सुन कर या सजा सुनने से पहले फरार हो जायेंगे, कैदी कभी न होंगे, ऐसी आशंका है। फौजदारी मुकद्दमें में हानि होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :1. सट्टा, जुआ आदि न खेलें।
2. धर्मस्थान में रिहाईश न करें/न जायें।

उपाय :1. चांदी की ठोस गोली गले में धारण करें।
2. केसर या हल्दी का तिलक करें या शुद्ध सोना पहनें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली में केतु आठवें खाने मे पड़ा है। इसकी वजह से पत्नी का स्वास्थ्य अगर खराब रहता हो तो चारित्रिक सुधार के पश्चात् पत्नी का स्वास्थ्य अच्छा हो जाएगा। आपके जीवन के 34 वर्ष आयु से पहले या 34 वर्ष आयु के बाद संतान पैदा होगी। आपकी कई संताने

होंगी। पुत्र से सुख मिलेगा और पुत्र को संसार में यश–मान मिलेगा। जीवन में उत्थान होगा।

यदि आपने शराब–कबाब का सेवन किया, घर की छत पर रिहाईश हो, कुत्ता पाला या घर की छत पर कुत्ता बांधा, परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से आपको संतान के बारे में चिंता बनी रहेगी। आप स्त्री से द्वेष करेंगे। आपका दगाबाजी का स्वभाव भी रहेगा। आप बवासीर रोग से ग्रसित रहेंगे। आप किसी भी व्यक्ति के सामने अपना दुःखड़ा रोयें तो आपकी और भी हानि होगी। संतानोत्तपत्ति में अवरोध उत्पन्न हो सकता है। आपके मकान की छत गिर जाए तो अशुभ समझें। उस वक्त रोटी के भी लाले पड़ सकते हैं। संतान एवं धन के संबंध में मंदा असर लग रहा है। आपके जन्म के पूर्व बड़े भाई की मृत्यु हो गई हो ऐसा लगता है। गृहस्थ जीवन में भी दरार पड़ सकती है। वैवाहिक जीवन 26वें वर्ष तक सुखी नहीं रहेगा। 48 वर्ष तक संतान से दुःखी या निःसंतान होने की आशंका है। आपके बुरे चरित्र का बुरा प्रभाव आपकी पत्नी के जीवन पर पड़ेगा। यदि दो विवाह हुए तो संतान 34 वर्ष से पहले और 34 वर्ष के बाद भी पैदा होगी। आपकी औलाद पर बुरा असर नहीं पड़ेगा। आपको मूत्र विकार की आशंका है। आपको अपनी मृत्यु का पूर्वाभास हो जाएगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :1. घर की छत पर कुत्ता न पालें।
2. जुआ आदि न खेलें।

उपाय :1. काले–सफेद कंबल धर्मस्थान में देवें (संतान की लंबी आयु के लिये)।
2. काले–सफेद कंबल के टुकड़े में, साथ बैठे ग्रह की चीज बांध कर शमशान में दबायें (संतान सुख के लिये)।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

लाल किताब के उपाय

कब और कैसे करें ?

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें ?

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है ।

2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।

3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।

4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।

5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।

6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर देवें।

7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।

8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।

9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

40-43 दिन के भीतर ही करें ।

10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये ।

11. बुजुर्गों के रीति -रिवाजों को न तोडें और संस्कार पूरें करें ।

Future Point Future Point Future Point

फलादेश - 2013

गोचरवश इस वर्ष में बृहस्पति दशम भाव में भ्रमण करेगा। अतः यह वर्ष आपके लिए काफी महत्वपूर्ण रहेगा। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में इस समय आप उन्नति एवं सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों से भी आपके मधुर सम्बन्ध बनेंगे। फलतः इनसे आपको इच्छित लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। इस वर्ष में आपको राज्यस्तर पर किसी सम्मान से सम्मानित भी किया जा सकता हैं। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए यह वर्ष अच्छा रहेगा तथा सभी लोग प्रेमपूर्वक रहेंगे। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए अच्छा रहेगा एवं आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। लेकिन इस समय विश्राम का अभाव रहेगा तथा सांसारिक कार्यों को संपन्न करने में आप तत्पर रहेंगे। इस समय अन्य लोगो से आपको शालीनता का व्यवहार भी करना चाहिए। इसके अतिरिक्त गोचरफल अशुभ परन्तु दशा शुभ फल प्रदान करेगी अतः यह वर्ष सामान्यतया शुभ रहेगा।

इस वर्ष में शनि गोचर वश द्वितीय भाव में स्थित रहेगा। अतः इसके प्रभाव से पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि मध्यम रहेगी परन्तु पारिवारिक जन परस्पर मिल जुलकर रहेंगे। भौतिक एवं आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। मानसिक रूप से भी आप शान्त रहेंगे एवं शान्ति पूर्वक सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। इस समय विरोधी के निर्बल होने के कारण व्यापार या नौकरी आदि में आप इच्छित उन्नति एवं सफलता भी प्राप्त कर सकते हैं।

इस वर्ष में अन्य गोचर फल शुभ परन्तु दशा सामान्य रहेगी। साथ ही शनि की साढ़ेसाती का अन्तिम दशा का भी प्रभाव रहेगा जिससे यदा कदा आपको उन्नति में व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा परन्तु इनका आप पराक्रम एवं परिश्रम से समाधान करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही शनि के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए आपको नियमित रूप से शनि का पूजन करना चाहिए तथा शनिवार को बाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में नीलम या लोहे की अंगूठी धारण करनी चाहिए इससे आपके शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

इस वर्ष में राहु की स्थिति गोचर वश द्वितीय तथा केतु की अष्टम भाव में रहेगी। इसके प्रभाव से आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक उद्विग्नता भी उत्पन्न होगी। साथ ही पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी सामान्य ही रहेगी परन्तु पारिवारिक जनों के परस्पर संबंधों में यदा कदा मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा न्यूनाधिक सफलता भी आपको प्राप्त होगी। साथ ही आर्थिक स्थिति भी मध्यम रहेगी तथा आवश्यक

Future Point Future Point Future Point

धनार्जन होता रहेगा परन्तु व्यय भी अधिक होगा लेकिन इसका दुष्प्रभाव अल्प रहेगा। इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आप जायदाद संबंधी लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं ।

इस समय आपके लिए अन्य गोचर शुभ परन्तु दशा मध्यम रहेगी अतः कार्य क्षेत्र की उन्नति में समस्याएं आएंगी परन्तु आप अपने पराक्रम एवं परिश्रम से उनका समाधान करने में समर्थ हो सकेंगे। साथ ही अधिक मात्रा में शुभ फल की प्राप्ति के लिए आपको नियमित रूप से राहु एवं केतु का पूजन जप तथा दानादि कार्य करने चाहिए।

Future Point Future Point Future Point

फलादेश - 2014

इस वर्ष में गोचरवश बृहस्पति एकादश भाव में संक्रमण करेगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय आपके नवीन आय साधनों में वृद्धि होगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी अतः आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। व्यापार या कार्यक्षेत्र में भी आपको वांछित उन्नति तथा सफलता मिलेगी। नौकरी या राजनीति आदि में पदोन्नति की भी संभावना रहेगी। ज्योतिष शास्त्र में आप इस समय पूर्ण श्रद्धा व्यक्त करेंगे तथा व्यस्तता के उपरान्त भी मानसिक प्रसन्नता एवं संतुष्टि से युक्त रहेंगे। सामाजिक क्षेत्र में भी इस वर्ष आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपकी प्रसिद्धि फैलेगी। जिससे सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। साथ ही आय गोचर तथा दशाफल भी इस समय शुभ फल प्रदान करेंगे। अतः यह वर्ष आप का अत्यन्त ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

इस वर्ष में शनि गोचर वश द्वितीय भाव में स्थित रहेगा। अतः इसके प्रभाव से पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि मध्यम रहेगी परन्तु पारिवारिक जन परस्पर मिल जुलकर रहेंगे। भौतिक एवं आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। मानसिक रूप से भी आप शान्त रहेंगे एवं शान्ति पूर्वक सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। इस समय विरोधी के निर्बल होने के कारण व्यापार या नौकरी आदि में आप इच्छित उन्नति एवं सफलता भी प्राप्त कर सकते हैं।

इस वर्ष में अन्य गोचर फल शुभ परन्तु दशा सामान्य रहेगी। साथ ही शनि की साढ़ेसाती का अन्तिम दशा का भी प्रभाव रहेगा जिससे यदा कदा आपको उन्नति में व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा परन्तु इनका आप पराक्रम एवं परिश्रम से समाधान करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही शनि के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए आपको नियमित रूप से शनि का पूजन करना चाहिए तथा शनिवार को बाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में नीलम या लोहे की अंगूठी धारण करनी चाहिए इससे आपके शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

इस वर्ष में राहु की स्थिति गोचर वश द्वितीय तथा केतु की अष्टम भाव में रहेगी। इसके प्रभाव से आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक उद्विग्नता भी उत्पन्न होगी। साथ ही पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी सामान्य ही रहेगी परन्तु पारिवारिक जनों के परस्पर संबंधों में यदा कदा मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा न्यूनाधिक सफलता भी आपको प्राप्त होगी। साथ ही आर्थिक स्थिति भी मध्यम रहेगी तथा आवश्यक धनार्जन होता रहेगा परन्तु व्यय भी अधिक होगा लेकिन इसका दुष्प्रभाव अल्प रहेगा। इसके

Future Point Future Point Future Point

अतिरिक्त इस वर्ष में आप जायदाद संबंधी लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं ।

इस समय आपके लिए अन्य गोचर शुभ परन्तु दशा मध्यम रहेगी अतः कार्य क्षेत्र की उन्नति में समस्याएं आएंगी परन्तु आप अपने पराक्रम एवं परिश्रम से उनका समाधान करने में समर्थ हो सकेंगे। साथ ही अधिक मात्रा में शुभ फल की प्राप्ति के लिए आपको नियमित रूप से राहु एवं केतु का पूजन जप तथा दानादि कार्य करने चाहिए।

Future Point Future Point Future Point

फलादेश - 2015

इस वर्ष में गोचरवश बृहस्पति एकादश भाव में संक्रमण करेगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय आपके नवीन आय साधनों में वृद्धि होगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी अतः आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। व्यापार या कार्यक्षेत्र में भी आपको वांछित उन्नति तथा सफलता मिलेगी। नौकरी या राजनीति आदि में पदोन्नति की भी संभावना रहेगी। ज्योतिष शास्त्र में आप इस समय पूर्ण श्रद्धा व्यक्त करेंगे तथा व्यस्तता के उपरान्त भी मानसिक प्रसन्नता एवं संतुष्टि से युक्त रहेंगे। सामाजिक क्षेत्र में भी इस वर्ष आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपकी प्रसिद्धि फैलेगी। जिससे सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। साथ ही आय गोचर तथा दशाफल भी इस समय शुभ फल प्रदान करेंगे। अतः यह वर्ष आप का अत्यन्त ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

इस वर्ष में तृतीय भाव में गोचर वश शनि भ्रमण करेगा। यह समय आपके लिए शुभ फल दायक समझा जाएगा। इस समय आपके लिए सभी रुके हुए महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण करेंगे। साथ ही आर्थिक एवं व्यापारिक स्थिति में भी उन्नति होगी जिससे आप उचित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। इसवर्ष में आपकी लम्बी दूरी की लाभदायक यात्राएं सम्पन्न होंगी तथा उनसे आप मनोवांछित लाभ एवं सम्मान प्राप्त करेंगे। कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिए भी समय शुभ रहेगा तथा इस समय आपकी पदोन्नति की प्रबल संभावनाएँ बनेंगी। साथ ही इस वर्ष गोचरफल की भी प्रतिकूलता रहेगी परन्तु दशा फल शुभ रहेगा अतः यदा कदा उपर्युक्त शुभ फलों में आपको न्यूनता का आभास होगा तथापि आपका सामान्य समय इस वर्ष अच्छा ही व्यतीत होगा एवं सुखपूर्वक आप अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करेंगे।

इस वर्ष राहु की स्थिति राशि तथा केतु की सप्तम भाव में गोचर वश रहेगी। इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा साथ ही मानसिक रूप से भी यदा कदा आपको परेशानी रहेगी। पति पत्नी के संबंध सामान्य ही रहेंगे तथापि यदा कदा इसमें मतभेद हो सकते हैं लेकिन इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। आर्थिक स्थिति इस वर्ष सामान्य रहेगी तथा परिश्रम एवं पराक्रम के द्वारा आप आवश्यक मात्रा में धन अर्जित करेंगे लेकिन व्यय की भी अधिकता रहेगी। कार्य क्षेत्र की उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष संघर्ष पूर्ण रहेगा तथा परिश्रम से ही आप उन्नति मार्ग प्रशस्त कर सकेंगे। इस समय आपके पुराने सम्पर्कों में कमी होगी तथा नवीन सम्पर्क स्थापित होंगे जिससे भविष्य में आपको न्यूनाधिक सफलता प्राप्त हो सकती है।

इसके साथ ही अन्य गोचर फल अनुकूल परन्तु दशा फल मध्यम रहेगा। अतः

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

आपको शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम एवं संघर्ष करना पड़ेगा। अतः अशुभ फलों में न्यूनता तथा शुभ फलों में वृद्धि के लिए आपको नियमित रूप से राहु केतु का पूजन, जप एवं दान करने चाहिए।

Future Point Future Point Future Point

फलादेश - 2016

इस वर्ष में गोचर वश बृहस्पति द्वादश भाव में भ्रमण करेगा अतः इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा रहेगा परन्तु मानसिक रूप से यदा कदा आप उद्विग्नता की अनुभूति कर सकते हैं। आर्थिक दृष्टि से वर्ष अच्छा रहेगा परन्तु व्यय की अधिकता रहेगी। इस वर्ष में आप किसी शुभ या मांगलिक कार्य पर व्यय कर सकते है। कार्य क्षेत्र के लिए वर्ष परिश्रमशील रहेगा परन्तु उन्नति एवं सफलताएं प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे। इस समय आपकी दूर समीप की कोई यात्रा भी होगी यद्यपि इसमें व्यय अधिक होगा परन्तु भविष्य के लिए लाभ दायक सम्पर्क बनेंगे जिससे लाभ एवं सम्मान की प्राप्ति होगी।

इसके साथ ही इस समय अन्य गोचर तथा दशा फल अनुकूल रहेंगे जिससे आपको शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में परिश्रम एवं पराक्रम से सफलता मिलती रहेगी तथा व्यय के साथ साथ उचित धनार्जन भी होगा अतः आप किंचित शान्ति की अनुभूति अवश्य करेंगे।

इस वर्ष में शनि तृतीय भाव में परिभ्रमण करेगा अतः यह समय आपके लिए अत्यन्त ही शुभ रहेगा। इस समय आपको समस्त रूके हुए कार्यों में सफलता प्राप्त होगी तथा व्यापारिक एवं आर्थिक क्षेत्र में उन्नति कारक परिवर्तन होगा। इस वर्ष में आपकी लम्बी दूरी के शुभ एवं महत्वपूर्ण यात्रा भी सम्पन्न होगी। जिससे आपको वर्तमान तथा भविष्य में आशातीत लाभ तथा सम्मान की प्राप्ति होगी। कार्यक्षेत्र में इस समय आप उन्नति पथ पर अग्रसर होंगे एवं किसी महत्वपूर्ण पद को प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इसके साथ ही इस समय अन्य गोचर तथा दशा फल भी आपके लिए शुभ फल प्रदान करेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही महत्वपूर्ण एवं सौभाग्यशाली सिद्ध होगा तथा धन ऐश्वर्य एवं समृद्धि को प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे।

इस वर्ष में गोचरवश राहु की स्थिति द्वादश भाव में तथा केतु की स्थिति षष्ठ भाव में रहेगी अतः यह वर्ष सामान्यतया शुभ ही रहेगा इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं मानसिक रूप से भी आपकी लम्बी दूरी की यात्रा होगी या कोई विदेश यात्रा भी हो सकती है। इस समय आप यात्राओं में अधिक व्यय करेंगे साथ ही मनोरंजन आदि में आप अपना अधिकांश समय व्यतीत करेंगे। आर्थिक स्थति भी इस वर्ष आपकी अच्छी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। केतु के प्रभाव से आप शत्रु पर भी विजय प्राप्त कर सकते हैं। समाज में सभी लोग आपके प्रभुत्व को स्वीकार करेंगे। जिससे आपकी में प्रतिष्ठा बढेगी कार्यक्षेत्र में भी इस समय उन्नतिशील रहेंगे। इसके अतिरिक्त गोचर तथा दशा इस समय शुभ रहेगी। अतः समय अच्छा ही रहेगा।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

फलादेश - 2017

इस वर्ष गोचरवश बृहस्पति प्रथम भाव में भ्रमण करेगा। इसके प्रभाव से इस समय आपके मानसिक शारीरिक एवं सामाजिक धरातल में महत्वपूर्ण परिवर्तन होंगे तथा कार्यक्षेत्र में आपको विशिष्ट उन्नति प्राप्त होगी। इस वर्ष में अविवाहितों के लिए विवाह का योग बनेगा। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथाधार्मिक कार्य कलपों को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। आर्थिक दृष्टि भी सुदृढ होगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होकर प्रचुर मात्रा में धन लाभ होगा। आपके विगत रुके हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होंगे। इस समय आप अपने को अनुभवी व्यक्ति समझेंगे परन्तु विश्राम का अभाव रहेगा तथा कार्य करने में आप तत्पर रहेंगे। साथ ही आय गोचरफल तथा दशा फल भी शुभ रहेंगे अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

इस वर्ष में शनि तृतीय भाव में परिभ्रमण करेगा अतः यह समय आपके लिए अत्यन्त ही शुभ रहेगा। इस समय आपको समस्त रूके हुए कार्यों में सफलता प्राप्त होगी तथा व्यापारिक एवं आर्थिक क्षेत्र में उन्नति कारक परिवर्तन होगा। इस वर्ष में आपकी लम्बी दूरी के शुभ एवं महत्वपूर्ण यात्रा भी सम्पन्न होगी। जिससे आपको वर्तमान तथा भविष्य में आशातीत लाभ तथा सम्मान की प्राप्ति होगी। कार्यक्षेत्र में इस समय आप उन्नति पथ पर अग्रसर होंगे एवं किसी महत्वपूर्ण पद को प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इसके साथ ही इस समय अन्य गोचर तथा दशा फल भी आपके लिए शुभ फल प्रदान करेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही महत्वपूर्ण एवं सौभाग्यशाली सिद्ध होगा तथा धन ऐश्वर्य एवं समृद्धि को प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे।

इस वर्ष में गोचरवश राहु की स्थिति द्वादश भाव में तथा केतु की स्थिति षष्ठ भाव में रहेगी अतः यह वर्ष सामान्यतया शुभ ही रहेगा इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं मानसिक रूप से भी आपकी लम्बी दूरी की यात्रा होगी या कोई विदेश यात्रा भी हो सकती है। इस समय आप यात्राओं में अधिक व्यय करेंगे साथ ही मनोरंजन आदि में आप अपना अधिकांश समय व्यतीत करेंगे। आर्थिक स्थति भी इस वर्ष आपकी अच्छी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। केतु के प्रभाव से आप शत्रु पर भी विजय प्राप्त कर सकते हैं। समाज में सभी लोग आपके प्रभुत्व को स्वीकार करेंगे। जिससे आपकी में प्रतिष्ठा बढेगी कार्यक्षेत्र में भी इस समय उन्नतिशील रहेंगे। इसके अतिरिक्त गोचर तथा दशा इस समय शुभ रहेगी। अतः समय अच्छा ही रहेगा।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

फलादेश - 2018

इस वर्ष में गोचरवश बृहस्पति आपकी कुँडली में द्वितीय भाव में संक्रमण करेगा।अतः इसके शुभ प्रभाव से आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ होगी तथा आय स्रोतों में वृद्धि करके प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ आप प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी पारिवारिक शान्ति एवं समृद्धि बनी रहेगी तथा पुत्र संतति की भी प्राप्ति की संभावना रहेगी। परन्तु यदा कदा व्यय की अधिकता से मन में उद्विग्नता उत्पन्न होगी तथा समाज में आपकी इस समय मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा एक प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में आप समाज में आदरणीय समझे जाएंगे। इस समय धर्म सम्बन्धी कर्मो में भी आप रुचिशील रहेंगे। साथ ही वाणी की ओजस्विता में भी वृद्धि होगी तथा लोग आपकी बातों को ध्यानपूर्वक सुनेंगे। इसके साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में आपके उत्तम संयोग बनेंगे। साथ ही गोचरफल तथा दशाफल भी अनुकूल फल प्रदान करेगी अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा।

इस वर्ष में शनि का संक्रमण चतुर्थ भाव में रहेगा। अतः इसके प्रभाव से आपका समय सामान्यतया अच्छा रहेगा तथा व्यापारिक एवं कार्य क्षेत्र में विस्तार तथा उन्नति की संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आप सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे। बन्धु एवं पारिवारिक जनों से आपको सहयोग मिलता रहेगा तथा माता का स्वास्थ्य भी अनुकूल रहेगा। आर्थिक दृष्टि से वर्ष अच्छा रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। इस समय आप नवीन कार्य अथवा आवास या जमीन जायदाद संबंधी कार्य भी प्रारंभ कर सकते हैं। यद्यपि प्रारंभ में किंचित समस्याएं उत्पन्न होंगी परन्तु भविष्य में इससे लाभ होगा।

इसके साथ ही इस वर्ष में अन्य गोचर तथा दशाफल भी अनुकूल रहेंगे अतः आपको सफलताएं समय समय पर मिलती रहेंगी। परन्तु शनि की दशा के प्रभाव से यदा कदा मानसिक तनाव उत्पन्न हो सकता है एवं महत्वपूर्ण कार्यों में व्यवधान या विलम्ब की संभावना बनेंगी। अतः इसके प्रभाव को कम करने के लिए आपको नियमित रूप से शनि का पूजन तथा दान करना चाहिए एवं शनिवार को बाएं हाथ की मध्यम अंगुली में नीलम या लोहे की अंगूठी धारण करनी चाहिए। इससे समस्त बाधाएं दूर होगी एवं आप मानसिक रूप से सन्तुष्टि तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

इस वर्ष में गोचरवश राहु की स्थिति एकादश तथा केतु की स्थिति पंचम भाव में रहेगी। इनके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। व्यापारिक दृष्टि से तथा कार्यक्षेत्र की दृष्टि से इस समय आपको इच्छित उन्नति तथा सफलता मिलेगी। वांछित लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। नौकरी तथा राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपकी पदोन्नति होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। इस समय

Future Point Future Point Future Point

आपका यश भी दूर दूर तक फैलेगा। आर्थिक दृष्टि से भी समय उत्तम रहेगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी जिससे इच्छित मात्रा में लाभ होगा तथा आर्थिक सुदृढता होगी। इस समय आपके स्वभाव में यदा कदा क्रोध सन्तति पक्ष से आप सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने क्षेत्र में उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। साथ ही यदा कदा व्यय भी अधिक होगा परन्तु इस समय अन्य गोचर तथा दशा भी शुभ फल प्रदान करेगी। अतः आप शुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे।

Future Point Future Point Future Point

फलादेश - 2019

इस वर्ष बृहस्पति गोचरवश तृतीय भाव में परिभ्रमण करेगा। अतः इसके प्रभाव से आपकी दूर समीप की यात्राएं भी सम्पन्न होंगी। ये यात्राएँ आपके लिए शुभ रहेगी तथा इनसे आपको प्रचुर मात्रा में लाभ एवं धनार्जन होगा जिससे आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। साहित्य एवं दर्शन के प्रति आपके मन में रुचि उत्पन्न होगी तथा इसके अध्ययन में आप तत्पर रहेंगे। इस वर्ष पुराने मित्रों से आपको लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा नवीन मित्रों की भी प्राप्ति होगी। साथ ही इस मित्रता से भविष्य में आपके कई महत्वपूर्ण कार्य बनेंगे एवं लाभ स्रोतों में भी वृद्धि की संभावना रहेगी। शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप सामान्य स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे तथा संकीर्णता की भावना भी दूर होगी एवं विशाल हृदय का आप प्रदर्शन करेंगे फलतः सामाजिक स्तर में भी वृद्धि होगी। परन्तु आय गोचरफल तथा दशा फल शुभ फल प्रदान करेंगे अतः उपर्युक्त शुभ फलों में न्यूनता रहेगी तथा आपको परिश्रम अधिक करना पड़ेगा।

इस वर्ष में गोचर वश शनि का परिभ्रमण चतुर्थ भाव में रहेगा अतः शनि के प्रभाव से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में भी आपको अत्यधिक पराक्रम एवं परिश्रम करना पड़ेगा तभी आपको किंचित सफलता प्राप्त होगी। बन्धु एवं पारिवारिक जनों से भी इस समय सामान्य सहयोग प्राप्त होगा तथा माता का स्वास्थ्य भी मध्यम ही रहेगा। इस समय यद्यपि व्यय की अधिकता रहेगी परन्तु लाभार्जन होता रहेगा। साथ ही ऋण लेकर आप किसी नवीन कार्य या आवास संबंधी किसी कार्य को प्रारंभ करेंगे यद्यपि शुरुआत में आपको समस्याएं आएंगी परन्तु भविष्य में आपको वांछित लाभ प्राप्त होगा व्यापारिक क्षेत्र में स्थिति संतोषप्रद रहेगी परन्तु नौकरी या राजनीति में पदोन्नति आदि में विलम्ब की संभावनाएं होंगी।

इसके साथ ही इस समय अन्य गोचर तथा दशाफल भी विशेष शुभ नहीं रहेंगे अतः सांसारिक महत्व के कार्यों में आपको विशेष परिश्रम एवं संघर्ष करना पड़ेगा तभी न्यूनाधिक लाभ या सफलता प्राप्त हो सकती है। इस समय शनि की दशा का प्रभाव भी विद्यमान रहेगा। अतः इसके दुष्प्रभाव को कम करने के लिए आपको शनि का नियमित पूजन तथा दान करना चाहिए एवं शनिवार को बाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में नीलम या लोहे की अंगूठी धारण करनी चाहिए। इससे अशुभ फलों में न्यूनता आएगी तथा शुभ फलों में वृद्धि होगी।

इस वर्ष में गोचरवश राहु की स्थिति दशम भाव में तथा केतु की स्थिति चतुर्थ भाव में रहेगी। इनके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में इस समय आपकी परिश्रम एवं पराक्रम से उन्नति होगी तथा लाभ मार्ग भी

प्रशस्त होंगे। नौकरी तथा राजनीति में इस समय आपको किसी पद की प्राप्ति भी हो सकती है तथा समाज में इस समय न्यूनाधिक रूप से आपकी प्रतिष्ठा बढेगी। इस वर्ष राजनैतिक महत्व के लोगों से आपके सम्बन्ध बनेंगे तथा उनका आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करेंगे। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए अनुकूल रहेगा तथा आय स्रोतों में वृद्धि होगी फलतः आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होगा। लेकिन माता पिता की दृष्टि से समय अच्छा नहीं रहेगा। वाहन सुख की भी न्यूनता रहेगी। साथ ही गोचर तथा दशा भी प्रतिकूल फल प्रदान करेगी। अतः यह वर्ष आपके लिए परिश्रम एवं संघर्षपूर्ण रहेगा।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

फलादेश - 2020

गोचरवश इस वर्ष बृहस्पति का भ्रमण पंचम भाव में होगा। अतः यह समय आपके लिए भाग्यशाली रहेगा। इस समय ज्योतिष साहित्य एवं संगीत आदि के प्रति आपके मन में रुचि उत्पन्न होगी तथा परिश्रम पूर्वक आप इनका ज्ञान अर्जित करने में तत्पर रहेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय सन्तोषजनक रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ एवं धनार्जन होता रहेगा। इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। यदि अविवाहित हैं तो किसी प्रेम प्रसंग का शुभारम्भ होगा। व्यापारिक या कार्यक्षेत्र में उन्नति तथा सफलता के लिए भी यह वर्ष आपके लिए उन्नतिकारक रहेगा एवं आवश्यक मात्रा में धनार्जन भी होगा। इस वर्ष महत्वपूर्ण राजनेताओं तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपके सम्पर्क बनेंगे एवं आपको उनसे मनोवांछित सहयोग तथा लाभ मिलेगा। संतति पक्ष से भी आप पूर्ण रूप से सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको सहयोग मिलता रहेगा। परन्तु अन्यगोचर फल इस समय शुभ फल प्रदान नहीं करेंगे लेकिन दशा अनुकूल फल प्रदान करेगी। अतः उपर्युक्त शुभ फलों में यदा कदा न्यूनता का भाव दृष्टिगोचर होगा।

गोचर वश शनि का भ्रमण इस वर्ष में पंचम भाव में रहेगा। अतः इसके प्रभाव से आपका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा मानसिकता में भी परिवर्तन होगा। साथ ही आप अपने सांसारिक महत्व के कार्यों को परिश्रम एवं उत्साह से सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे तथा इनमें न्यूनाधिक सफलता भी मिलती रहेगी। समाज में अन्य जनों से आपके संबंध सामान्य रहेंगे तथा उनसे आदर भी प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति इस समय अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धनार्जन होगा। साथ ही परिश्रम पूर्वक आपके आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। संतति पक्ष से सुख सहयोग मध्यम रहेगा तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे परिश्रम पूर्वक उन्नति एवं सफलता अर्जित कर सकेंगे। साथ ही दाम्पत्य सुख भी मध्यम रहेगा तथा यदा कदा पत्नी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

इस समय अन्य गोचर फल शुभ रहेंगे परन्तु दशा फल विशेष अनुकूल नहीं रहेगी फलतः सांसारिक महत्व के कार्यों में यदा कदा व्यवधान एवं समस्याएं उत्पन्न होगी लेकिन परिश्रम एवं पराक्रम से आप इनका समाधान करने में समर्थ रहेंगे। इस वर्ष राजनैतिक लोगों से भी आपके सम्पर्क स्थापित होंगे परन्तु उनसे विशेष लाभ एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। अतः परिश्रम पूर्वक कार्यों को सम्पन्न करने में तत्पर रहें।

गोचरीय परिभ्रमण के फलस्वरूप इस वर्ष राहु दशम तथा केतु चतुर्थ भाव मे रहेगा इनके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए सामान्य रहेगा। तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सफल करने में आप समर्थ रहेंगे। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में इस समय आप उन्नति एवं सफलता प्राप्त करेंगे तथा अन्यत्र भी लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे। नौकरी या राजनीति

Future Point Future Point Future Point

के क्षेत्र में आपकी पदोन्नति की संभावना रहेगी समाज में आपका प्रभाव रहेगा। इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों से भी आपके सम्पर्क बनेंगे तथा भविष्य में उनसे लाभ तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस वर्ष अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धनार्जन होता रहेगा। माता पिता के स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। यदा कदा वे शारीरिक तथा मानसिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। वाहन सुख में भी इस वर्ष अल्पता रहेगी। इस समय आयगोचरफल आपके लिए अशुभ रहेंगे परन्तु दशा अनुकूल फल प्रदान करेगी। अतः आप अधिकांशतया शुभ फल ही प्राप्त करेंगे।

Future Point Future Point Future Point

फलादेश - 2021

इस वर्ष गोचरवश बृहस्पति की स्थिति षष्ठ भाव में रहेगी। अतः यह समय आपके लिए सामान्यतया अच्छा रहेगा। शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को उत्साह तथा पराक्रम से सम्पन्न करेंगे। व्यापारिक अथवा कार्य क्षेत्र की स्थिति भी अच्छी रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक उन्नति के मार्ग पर आप अग्रसर रहेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष इस समय निर्बल रहेगा तथा आप उनको पराजित करने में समर्थ रहेंगे। इस समय आप किसी शुभ या मांगलिक कार्य पर व्यय भी करेंगे। आर्थिक रूप से आपकी स्थिति सुदृढ़ रहेंगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में सफल होंगे साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी जिससे मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा सन्तुष्ट रहेंगे ।

इसके साथ ही इस समय अन्य गोचर तथा दशा भी शुभ फल प्रदान करेंगी। अतः आपके उन्नति मार्ग प्रशस्त रहेंगे तथा सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप यथा समय पूर्ण करेंगे। अतः यह समय आपके लिए सामान्यतया शुभ ही समझा जाएगा ।

इस वर्ष में गोचर वश शनि की स्थिति पंचम भाव में रहेगी। अतः इसके प्रभाव से आपका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह एवं परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। इस समय आपकी मानसिकता में परिवर्तन की संभावना रहेगी। सामाजिक जनों से आपके संबंध अच्छे रहेंगे तथा उनसे मान सम्मान प्राप्त होता रहेगा। आर्थिक दृष्टि से वर्ष उत्तम रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी। साथ ही आय स्रोतों में वृद्धि होगी। संतति पक्ष से आपको सन्तुष्टि रहेगी तथा अपने क्षेत्र में वे उन्नतिशील रहेंगे। इस समय स्त्री का स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं परस्पर संबंधों में मधुरता रहेगी तथा उनसे सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।

इस वर्ष अन्य गोचर तथा दशाफल भी शुभ एवं अनुकूल रहेंगे। अतः आपको प्रत्येक क्षेत्र में सफलता की प्राप्ति होगी। साथ ही राजनैतिक व्यक्तियों से भी आप संबंध स्थापित करेंगे एवं उनसे उचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस वर्ष में आपको किसी विशिष्ट लाभ की भी प्राप्ति हो सकती है अतः अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सिद्ध करने में तत्पर रहेंगे तथा समय का सदुपयोग करें।

इस वर्ष में गोचरवश राहु की स्थिति नवम तथा केतु की स्थिति तृतीय भाव में रहेगी। अतः इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए सामान्य रहेगा। इस समय धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी। तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे तथा भाग्यबल में भी प्रबलता रहेगी। शारीरिक स्वास्थ्य इस समय आपका अच्छा रहेगा परन्तु

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

स्वभाव में क्रोधकी प्रबलता रहेगी जिससे यदा कदा मानसिक परेशानी उत्पन्न होगी। केतु के प्रभाव से इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इस समय आपकी आर्थिक स्थिति भी अच्छी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन ऐश्वर्य अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। व्यापारिक एवं कार्यक्षेत्र में भी आपकी उन्नति होगी। इसके साथ ही आय गोचरफल एवं दशा भी इस समय अनुकूल रहेगी। अतः इस वर्ष में आपको शुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त होंगे।

Future Point Future Point Future Point

फलादेश - 2022

इस वर्ष में गोचरवश बृहस्पति की स्थिति सप्तम भाव में रहेगी। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे तथा कोई अचानक सफलता भी प्राप्त होगी। साथ ही बेरोजगारों को रोजगार मिलने की भी प्रबल संभावनाएँ बनेंगी। इस वर्ष अविवाहितों का विवाह भी हो सकता है। दाम्पत्य सुख इस वर्ष आपका उत्तम रहेगा तथा स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा परस्पर संबन्धों में भी मधुरता रहेगी। समाज में इस समय आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आर्थिक दृष्टि से भी समय शुभ रहेगा एवं प्रचुर मात्रा में धनार्जन होगा एवं अतिरिक्त आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। लेकिन व्यय भी यदा कदा अधिक ही होगा। इसके साथ ही अन्य गोचरफल तथा दशाफल भी उत्तम रहेंगे अतः यह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण तथा भाग्यशाली रहेगा।

इस वर्ष में शनि षष्ठ भाव में भ्रमण करेगा। इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं महत्वपूर्ण होगा। इस समय आपकी महत्वपूर्ण यात्राएँ सम्पन्न होंगी तथा व्यापारिक या कार्यक्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से भी आप सुदृढ़ रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में भी आप सफल होंगे। व्यापार में आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। शत्रु पक्ष आपसे भयभीत रहेगा तथा किसी प्रतियोगी परीक्षा या मुकदमे आदि में आपको सफलता मिलेगी। साथ ही अन्य गोचर एवं दशा फल भी शुभ रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही सौभाग्यशाली रहेगा तथा सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक आप अपना समय व्यतीत करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सर्वत्र आदर प्राप्त होगा।

इस वर्ष गोचर वश राहु की स्थिति अष्टम भाव तथा केतु की द्वितीय भाव में रहेगी। इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा। इस समय शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में शान्ति तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी समयानुकूल शुभ रहेगी तथा सभी पारिवारिक जन परस्पर स्नेह एवं सहयोग का भाव रखेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय अच्छी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा। इस वर्ष आपको विशिष्ट या आकस्मिक धन लाभ भी हो सकता है। लाटरी सट्टे या जुए आदि से भी आप लाभान्वित हो सकते हैं। व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए समय उन्नतिशील रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक आपके लाभ तथा सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे।

इसके साथ ही इस वर्ष में अन्य गोचर फल तथा दशा भी शुभ रहेगी। अतः

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को समय पर सम्पन्न करेंगे तथा आय स्रोतों की वृद्धि करने में भी समर्थ रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ फलदायक ही अधिक रहेगा।

Future Point Future Point Future Point

फलादेश - 2023

इस वर्ष में गोचर वश बृहस्पति की स्थिति अष्टम भाव में रहेगी अतः यह समय आपके लिए सामान्यतया अच्छा रहेगा। इस समय शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा अपने सांसारिक कार्यों को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको सफलता भी प्राप्त होती रहेगी। शत्रु तथा विरोधी पक्ष इस समय निर्बल रहेंगे अतः व्यापार नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको सफलता या उन्नति प्राप्त हो सकती है। धन मान एवं सम्मान से सामान्यतया आप युक्त रहेंगे तथा इच्छित मात्रा में लाभ अर्जित करेंगे इस समय आपको कोई विशिष्ट या अचानक लाभ की भी संभावना रहेगी। ज्योतिष या तंत्र मंत्र आदि के प्रति भी इस समय आपके मन में रुचि उत्पन्न होगी तथा इनके प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा न्यूनाधिक रूप से इसका ज्ञान अर्जित करने में भी आप समर्थ रहेंगे।

इसके साथ ही इस समय अन्य गोचर तथा दशा फल भी शुभ ही रहेंगे अतः आपके सर्वत्र उन्नति एवं लाभमार्ग प्रशस्त रहेंगे तथा मानसिक शान्ति भी बनी रहेगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी इस समय आप अनुकूल लाभ एवं सहयोग प्राप्त कर सकते है। अतः वर्ष सामान्यतया शुभ ही रहेगा।

इस वर्ष में शनि षष्ठ भाव में भ्रमण करेगा। इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं महत्वपूर्ण होगा। इस समय आपकी महत्वपूर्ण यात्राएँ सम्पन्न होंगी तथा व्यापारिक या कार्यक्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से भी आप सुदृढ़ रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में भी आप सफल होंगे। व्यापार में आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। शत्रु पक्ष आपसे भयभीत रहेगा तथा किसी प्रतियोगी परीक्षा या मुकदमे आदि में आपको सफलता मिलेगी। साथ ही अन्य गोचर एवं दशा फल भी शुभ रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही सौभाग्यशाली रहेगा तथा सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक आप अपना समय व्यतीत करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सर्वत्र आदर प्राप्त होगा।

इस वर्ष गोचर वश राहु की स्थिति अष्टम भाव तथा केतु की द्वितीय भाव में रहेगी। इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा। इस समय शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में शान्ति तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी समयानुकूल शुभ रहेगी तथा सभी पारिवारिक जन परस्पर स्नेह एवं सहयोग का भाव रखेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय अच्छी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा। इस वर्ष आपको विशिष्ट या आकस्मिक धन लाभ भी हो सकता है। लाटरी सट्टे या जुए आदि से भी आप लाभान्वित हो सकते हैं। व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र

Future Point Future Point Future Point

के लिए समय उन्नतिशील रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक आपके लाभ तथा सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे।

इसके साथ ही इस वर्ष में अन्य गोचर फल तथा दशा भी शुभ रहेगी। अतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को समय पर सम्पन्न करेंगे तथा आय स्रोतों की वृद्धि करने में भी समर्थ रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ फलदायक ही अधिक रहेगा।

Future Point Future Point Future Point

फलादेश - 2024

गोचरवश इस वर्ष में बृहस्पति की स्थिति नवम भाव में रहेगी। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा अन्य जनों के परोपकार सम्बन्धी कार्य भी सम्पन्न करेंगे। शारीरिक एवं मानसिक रूप से भी आप स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। इस वर्ष में आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण रुके हुए कार्य बन जाएँगे तथा व्यापार या कार्यक्षेत्र में भी नवीन लाभदायक योजनाओं का प्रारम्भ होगा। साथ ही नौकरी या राजनैतिक क्षेत्र में भी आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी। समाज में इस समय आप एक प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में उभर सकेंगे तथा मान प्रतिष्ठा एवं प्रसिद्धि में भी वृद्धि होगी। आर्थिक दृष्टि से भी वर्ष शुभ रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में लाभ एवं धनार्जन होता रहेगा। गोचरफल इस वर्ष अशुभ फल प्रदान करेंगे परन्तु दशा फल शुभ रहेगी अतः उपर्युक्त शुभ फलों में यदा कदा अल्पता का आभास होगा परन्तु सामान्यतया परिणाम सुखद ही रहेंगे।

गोचरवश शनि इस वर्ष में षष्ठ भाव में भ्रमण करेगा अतः इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस वर्ष में आप व्यापार अथवा कार्य क्षेत्र में इच्छित सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही आर्थिक दृष्टि से भी आपकी स्थिति सुदृढ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी आश्चर्यजनक एवं उन्नति कारक परिवर्तन की संभावना रहेगी। साथ ही नौकरी आदि में आप किसी महत्वपूर्ण पद को प्राप्त करेंगे। इस समय आप शत्रु को पराजित करेंगे तथा किसी प्रतियोगी परीक्षा या मुकदमे आदि में भी सफल रहेंगे। इस समय आपकी लाभ एवं सम्मानित यात्राओं का भी योग बनता है। इसके अतिरिक्त इस वर्ष में अन्य गोचर फल अशुभ रहेगा परन्तु दशाफल शुभ रहेगा। इसके प्रभाव से यदा कदा आपको उपर्युक्त शुभ फलों में अल्पता का आभास होगा परन्तु स्वयं के परिश्रम एवं बुद्धिबल से आप इच्छित सफलता प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे।

इस वर्ष में गोचरवश राहु सप्तम तथा केतु की स्थिति राशि पर रहेगी। अतः यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा। इस समय आपका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आपको मानसिक अशान्ति एवं असन्तुष्टि का सामना करना पड़ेगा। शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अत्यधिक परिश्रम एवं पराक्रम से ही सफलता प्राप्त होगी। साथ ही कार्य क्षेत्र की उन्नति में भी व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा परन्तु इनका समाधान करने में आप समर्थ रहेंगे। इस समय पत्नी का स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं परस्पर संबंध भी मध्यम रहेंगे। साथ ही व्यापार या कार्य क्षेत्र में साझेदार या सहयोगियों से भी कोई समस्या हो सकती है। अतः सतर्क रहना चाहिए। इस समय सामाजिक मान प्रतिष

Future Point Future Point Future Point

ठा भी सामान्य रहेगी तथा आर्थिक दृष्टि से भी आपका अत्यधिक परिश्रम के उपरांत ही आवश्यक धनार्जन होगा लेकिन व्यय की भी अधिकता रहेगी। फलतः वर्ष सामान्य रहेगा।

इसके साथ ही अन्य गोचर फल शुभ एवं दशा मध्यम रहेगी। अतः सांसारिक महत्व के कार्यों में परिश्रम पूर्वक सफलता मिलेगी तथा अन्यत्र भी समस्याएं उत्पन्न होगी। अतः शुभ फलों की वृद्धि तथा अशुभ फलों में कमी करने के लिए आपको नियमित रूप से राहु केतु का पूजन जप तथा दानादि कार्य करने चाहिए।

Future Point Future Point Future Point

फलादेश - 2025

इस वर्ष में गोचरवश बृहस्पति की स्थिति दशम भाव में रहेगी। अतः इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए शुभ रहेगा। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिए अनुकूल रहेगा तथा इच्छित सफलता प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों तथा उच्चाधिकारियों से आपके सम्बन्ध बनेंगे एवं उनसे वांछित लाभ तथा सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही राज्यस्तर पर आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। इस समय पारिवारिक सुख समृद्धि तथा शान्ति उत्तम रहेगी तथा सभी लोग परस्पर प्रेम से रहेंगे। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप सफल रहेंगे। लेकिन इस समय कार्यों को करने में अत्यन्त ही परिश्रमशील रहेंगे। अतः विश्राम का अभाव रहेगा। साथ ही अन्य जनों से मधुर व्यवहार रखने में भी सावधानी से काम लेना चाहिए। इसके अतिरिक्त अन्य गोचरफल तथा दशा भी अनुकूल रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

इस वर्ष गोचर वश शनि सप्तम भाव में भ्रमण करेगा। अतः इसके प्रभाव से वर्ष सामान्यतया अच्छा रहेगा। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में भी आप सफलता प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। लेकिन माता तथा पत्नी का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। साथ ही यदा कदा आप मानसिक रूप से चिन्तित भी रहेंगे परन्तु इसका सामान्य कार्य कलापों पर कोई प्रभाव नहीं होगा तथा उत्साह एवं पराक्रम से आप अपने कार्यों को करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपकी आर्थिक स्थिति भी अच्छी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा साथ ही किसी लाभदायक यात्रा का भी योग बनेगा।

इस वर्ष में अन्य गोचर तथा दशाफल आपके लिए अनुकूल रहेंगे अतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी एवं आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आवास या जायदाद संबंधी कोई कार्य भी आप सम्पन्न कर सकते हैं। अतः वर्ष सामान्यतया शुभ फल ही प्रदान करेगा।

इस वर्ष में गोचरवश राहु षष्ठ तथा केतु द्वादश भाव में रहेगा। इनके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए साान्यतया अच्छा रहेगा। इस समय आपके पराक्रम तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु एवं प्रतिद्वन्दियों को परास्त करने में आप समर्थ रहेंगे। अतः कोई प्रतियोगी परीक्षा या मुकदमे आदि में आपको इस वर्ष में सफलता प्राप्त हो सकती है। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए अनुकूल रहेगा तथा आय स्रोतों में वृद्धि होगी। जिससे प्रचुर मात्रा में आप धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए अच्छा

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

रहेगा। इस समय मन में इच्छाओं की वृद्धि होगी फलतः मानसिक उद्विग्नता रहेगी परन्तु इस वर्ष में आय गोचरफल तथा दशा शुभ रहेगी। अतः सामान्यतया आपको शुभ फल ही अधिक प्राप्त होंगे।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

फलादेश - 2026

इस वर्ष में गोचरवश बृहस्पति एकादश भाव में संक्रमण करेगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय आपके नवीन आय साधनों में वृद्धि होगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी। अतः आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। व्यापार या कार्यक्षेत्र में भी आपको वांछित उन्नति तथा सफलता मिलेगी। नौकरी या राजनीति आदि में पदोन्नति की भी संभावना रहेगी। ज्योतिष शास्त्र में आप इस समय पूर्ण श्रद्धा व्यक्त करेंगे तथा व्यस्तता के उपरान्त भी मानसिक प्रसन्नता एवं संतुष्टि से युक्त रहेंगे। सामाजिक क्षेत्र में भी इस वर्ष आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपकी प्रसिद्धि फैलेगी। जिससे सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। साथ ही आय गोचर तथा दशाफल भी इस समय शुभ फल प्रदान करेंगे। अतः यह वर्ष आप का अत्यन्त ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

इस वर्ष गोचर वश शनि सप्तम भाव में भ्रमण करेगा। अतः इसके प्रभाव से वर्ष सामान्यतया अच्छा रहेगा। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में भी आप सफलता प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। लेकिन माता तथा पत्नी का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। साथ ही यदा कदा आप मानसिक रूप से चिन्तित भी रहेंगे परन्तु इसका सामान्य कार्य कलापों पर कोई प्रभाव नहीं होगा तथा उत्साह एवं पराक्रम से आप अपने कार्यों को करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपकी आर्थिक स्थिति भी अच्छी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा साथ ही किसी लाभदायक यात्रा का भी योग बनेगा।

इस वर्ष में अन्य गोचर तथा दशाफल आपके लिए अनुकूल रहेंगे अतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी एवं आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आवास या जायदाद संबंधी कोई कार्य भी आप सम्पन्न कर सकते हैं। अतः वर्ष सामान्यतया शुभ फल ही प्रदान करेगा।

इस वर्ष में गोचरवश राहु षष्ठ तथा केतु द्वादश भाव में रहेगा। इनके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए साान्यतया अच्छा रहेगा। इस समय आपके पराक्रम तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु एवं प्रतिद्वन्दियों को परास्त करने में आप समर्थ रहेंगे। अतः कोई प्रतियोगी परीक्षा या मुकदमे आदि में आपको इस वर्ष में सफलता प्राप्त हो सकती है। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए अनुकूल रहेगा तथा आय स्रोतों में वृद्धि होगी। जिससे प्रचुर मात्रा में आप धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए अच्छा

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

रहेगा। इस समय मन में इच्छाओं की वृद्धि होगी फलतः मानसिक उद्विग्नता रहेगी परन्तु इस वर्ष में आय गोचरफल तथा दशा शुभ रहेगी। अतः सामान्यतया आपको शुभ फल ही अधिक प्राप्त होंगे।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

फलादेश - 2027

इस वर्ष में गोचरीय परिभ्रमण से बृहस्पति की स्थिति द्वादश भाव में रहेगी। अतः आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा परन्तु मानसिक रूप से यदा कदा आप अशान्ति की अनुभूति करेंगे। आर्थिक स्थिति भी आपकी सामान्य रहेगी तथा व्यय अधिक होगा जिससे आप अल्प मात्रा में परेशानी की अनुभूति करेंगे। इस वर्ष में आप किसी शुभ एवं मांगलिक कार्य पर व्यय भी कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए आपको अधिक पराक्रम एवं परिश्रम करना पड़ेगा तभी न्यूनाधिक सफलता प्राप्त हो सकती है। इस वर्ष में आपकी दूर समीप की कोई यात्रा सम्पन्न होगी साथ ही इसमें व्यय की भी अधिकता रहेगी जिससे आर्थिक विषमता उत्पन्न होगी परन्तु भविष्य में आपकी लाभ की संभावनाएं बन सकती हैं।

इसके साथ ही इस समय अन्य गोचर शुभ परन्तु दशा मध्यम रहेगी अतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको पराक्रम एवं परिश्रम से ही लाभ एवं सुख की प्राप्ति होगी। साथ ही यत्न पूर्वक आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः अधिक शुभ फलों की प्राप्ति के लिए आपको नियमित रूप से बृहस्पति का पूजन व्रत तथा दानादि करना चाहिए।

गोचर वश शनि की स्थिति इस समय अष्टम भाव में रहेगी। अतः इसके प्रभाव से आपका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा आपके सांसारिक महत्व के शुभ कार्य भी उत्साह एवं परिश्रम से ही सम्पन्न होंगे। पत्नी का स्वास्थ्य इस वर्ष प्रभावित रहेगा। फलतः दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी तथा संबंधों में भी यदा कदा तनाव रहेगा। आर्थिक दृष्टि से भी समय सामान्य रहेगा तथा धन एवं लाभार्जन आवश्यकता के अनुसार ही रहेगा तथा सन्तुष्टि अल्प ही रहेगी। आय स्रोतों की वृद्धि में भी समस्याएं उत्पन्न होंगी। इस समय कार्य क्षेत्र में भी आप परिश्रम एवं पराक्रम से ही न्यूनाधिक सफलता अर्जित कर सकते हैं।

इस वर्ष में अन्य गोचर फल शुभ परन्तु दशाफल अनुकूल नहीं रहेगी। अतः शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। साथ ही शनि की दशा का भी प्रभाव न्यूनाधिक रहेगा। अतः इसके लिए आपको शनि का नियमित पूजन तथा दान करना चाहिए एवं शरीर की बाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में नीलम या लोहे की अंगूठी धारण करनी चाहिए। इससे अशुभ प्रभाव कम होंगे एवं शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

गोचरवश इस वर्ष राहु की स्थिति पंचम तथा केतु की एकादश भाव में रहेगी। इनके प्रभाव से इस वर्ष में आपको शुभ फलों की ही अधिक प्राप्ति होगी। इस समय मानसिक रूप से आप शान्त रहेंगे तथा मन में चिन्ताएँ तथा परेशानियाँ नहीं रहेंगी।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

सन्तति पक्ष के लिए यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक या मानसिक रुप से वे स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे। आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष अच्छा रहेगा तथा इस समय इच्छित मात्रामें धन एवं लाभ की प्राप्ति होती रहेगी अचानक धनलाभ के योग बनेंगे। व्यापारिक या कार्यक्षेत्र में इस समय आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। इस वर्ष किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति या उच्चाधिकारी से आपका निकट का सम्बन्ध बनेगा जिससे भविष्य में आप इच्छित लाभ एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। परन्तु गोचरफल इस वर्ष अशुभ फल देंगे लेकिन दशा शुभ एवं अनुकूल फल प्रदान करेगी। अतः उपर्युक्त शुभ फलों में यदा कदा न्यूनता आएगी तथा मिश्रित फलों की प्राप्ति होगी।

Future Point Future Point Future Point

फलादेश - 2028

इस वर्ष में गोचरीय परिभ्रमण से बृहस्पति की स्थिति द्वादश भाव में रहेगी। अतः आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा परन्तु मानसिक रूप से यदा कदा आप अशान्ति की अनुभूति करेंगे। आर्थिक स्थिति भी आपकी सामान्य रहेगी तथा व्यय अधिक होगा जिससे आप अल्प मात्रा में परेशानी की अनुभूति करेंगे। इस वर्ष में आप किसी शुभ एवं मांगलिक कार्य पर व्यय भी कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए आपको अधिक पराक्रम एवं परिश्रम करना पड़ेगा तभी न्यूनाधिक सफलता प्राप्त हो सकती है। इस वर्ष में आपकी दूर समीप की कोई यात्रा सम्पन्न होगी साथ ही इसमें व्यय की भी अधिकता रहेगी जिससे आर्थिक विषमता उत्पन्न होगी परन्तु भविष्य में आपकी लाभ की संभावनाएं बन सकती हैं।

इसके साथ ही इस समय अन्य गोचर शुभ परन्तु दशा मध्यम रहेगी अतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको पराक्रम एवं परिश्रम से ही लाभ एवं सुख की प्राप्ति होगी। साथ ही यत्न पूर्वक आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः अधिक शुभ फलों की प्राप्ति के लिए आपको नियमित रूप से बृहस्पति का पूजन व्रत तथा दानादि करना चाहिए।

गोचर वश शनि की स्थिति इस समय अष्टम भाव में रहेगी। अतः इसके प्रभाव से आपका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा आपके सांसारिक महत्व के शुभ कार्य भी उत्साह एवं परिश्रम से ही सम्पन्न होंगे। पत्नी का स्वास्थ्य इस वर्ष प्रभावित रहेगा। फलतः दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी तथा संबंधों में भी यदा कदा तनाव रहेगा। आर्थिक दृष्टि से भी समय सामान्य रहेगा तथा धन एवं लाभार्जन आवश्यकता के अनुसार ही रहेगा तथा सन्तुष्टि अल्प ही रहेगी। आय स्रोतों की वृद्धि में भी समस्याएं उत्पन्न होंगी। इस समय कार्य क्षेत्र में भी आप परिश्रम एवं पराक्रम से ही न्यूनाधिक सफलता अर्जित कर सकते हैं।

इस वर्ष में अन्य गोचर फल शुभ परन्तु दशाफल अनुकूल नहीं रहेगी। अतः शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। साथ ही शनि की दशा का भी प्रभाव न्यूनाधिक रहेगा। अतः इसके लिए आपको शनि का नियमित पूजन तथा दान करना चाहिए एवं शरीर की बाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में नीलम या लोहे की अंगूठी धारण करनी चाहिए। इससे अशुभ प्रभाव कम होंगे एवं शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

गोचरवश इस वर्ष राहु की स्थिति पंचम तथा केतु की एकादश भाव में रहेगी। इनके प्रभाव से इस वर्ष में आपको शुभ फलों की ही अधिक प्राप्ति होगी। इस समय मानसिक रूप से आप शान्त रहेंगे तथा मन में चिन्ताएँ तथा परेशानियाँ नहीं रहेंगी।

Future Point Future Point Future Point

सन्तति पक्ष के लिए यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक या मानसिक रुप से वे स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे। आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष अच्छा रहेगा तथा इस समय इच्छित मात्रामें धन एवं लाभ की प्राप्ति होती रहेगी अचानक धनलाभ के योग बनेंगे। व्यापारिक या कार्यक्षेत्र में इस समय आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। इस वर्ष किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति या उच्चाधिकारी से आपका निकट का सम्बन्ध बनेगा जिससे भविष्य में आप इच्छित लाभ एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। परन्तु गोचरफल इस वर्ष अशुभ फल देंगे लेकिन दशा शुभ एवं अनुकूल फल प्रदान करेगी। अतः उपर्युक्त शुभ फलों में यदा कदा न्यूनता आएगी तथा मिश्रित फलों की प्राप्ति होगी।

Future Point Future Point Future Point

फलादेश - 2029

बृहस्पति इस वर्ष में गोचरवश प्रथम भाव में भ्रमण करेगा। इसके प्रभाव से आपका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा सामाजिक क्षेत्र में भी आपको किचिंत मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। इस वर्ष व्यापार या अन्य कार्य क्षेत्र में आप उन्नति एवं सफलता प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इस समय अविवाहितों के विवाह की भी संभावना बढ़ेगी। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा। एवं यत्नपूर्वक आर्थिक कार्यों को सम्पन्न करने में आप तत्पर रहेंगे। इस वर्ष में आपके आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः आवश्यक मात्रा में धन अर्जित करने में आप सफल रहेंगे। जिससे आर्थिक स्थिति सुदृढ होगी। साथ ही विगत रुके हुए कार्यों को पूर्ण करने में भी आपको सफलता मिलेगी। आप स्वतन्त्र प्रवृति का अनुपालन करेंगे एवं अपने को अत्यन्त ही अनुभवी समझने लगेंगे। अतः यह समय आपके लिए महत्वपूर्ण परन्तु विश्रामरहित रहेगा। इसके अतिरिक्त अन्य गोचरफल अशुभ होने से परन्तु दशा फल अनुकूल रहने से उपर्युक्त शुभ फलों में यदा कदा आपको न्यूनता का आभास होगा। परन्तु परिश्रम करने के उपरान्त आप सकरात्मक फल प्राप्त करने में सफल होंगे।

गोचर वश शनि की स्थिति इस समय अष्टम भाव में रहेगी। अतः इसके प्रभाव से आपका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा आपके सांसारिक महत्व के शुभ कार्य भी उत्साह एवं परिश्रम से ही सम्पन्न होंगे। पत्नी का स्वास्थ्य इस वर्ष प्रभावित रहेगा। फलतः दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी तथा संबंधों में भी यदा कदा तनाव रहेगा। आर्थिक दृष्टि से भी समय सामान्य रहेगा तथा धन एवं लाभार्जन आवश्यकता के अनुसार ही रहेगा तथा सन्तुष्टि अल्प ही रहेगी। आय स्रोतों की वृद्धि में भी समस्याएं उत्पन्न होंगी। इस समय कार्य क्षेत्र में भी आप परिश्रम एवं पराक्रम से ही न्यूनाधिक सफलता अर्जित कर सकते हैं।

इस वर्ष में अन्य गोचर फल शुभ परन्तु दशाफल अनुकूल नहीं रहेगी। अतः शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। साथ ही शनि की दशा का भी प्रभाव न्यूनाधिक रहेगा। अतः इसके लिए आपको शनि का नियमित पूजन तथा दान करना चाहिए एवं शरीर की बाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में नीलम या लोहे की अंगूठी धारण करनी चाहिए। इससे अशुभ प्रभाव कम होंगे एवं शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

गोचरवश इस वर्ष में आपकी कुळँली में राहु की स्थिति चतुर्थ तथा केतु की दशम भाव में रहेगी। इनके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा। शारीरिक तथा मानसिक रूप से इस समय आप प्रसन्न तथा स्वस्थ रहेंगे तथा आनन्दपूर्वक अपने समय को व्यतीत करेंगे। इस वर्ष में जमीन जायदाद सम्बन्धी कोई क्रय विक्रय कर

सकते हैं या वाहन आदि के भी क्रय विक्रय की भी संभावना रहेगी। आर्थिक दृष्टि से आपकी स्थिति सामान्य रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में परिश्रमपूर्वक सफल रहेंगे। आपके आय स्रोतों में भी इस समय वृद्धि होगी। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में भी आप सामान्यतया उन्नतिशील रहेंगे एवं सफलता के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। परन्तु माता पिता के लिए यह वर्ष मध्यम रहेगा तथा यदा कदा वे शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट की अनुभूति कर सकते हैं। इस वर्ष में आपकी दूर समीप की यात्राएँ समय समय पर हो सकती हैं। लेकिन गोचरफल आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथापि दशा शुभ फल प्रदान करेगी । अतः उपर्युक्त शुभ फलों में यदा कदा न्यूनता का भी आभास होगा परन्तु अन्ततोगत्वा शुभ फल ही अधिक मात्रा में घटित होंगे।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

फलादेश - 2030

इस वर्ष में गोचरवश बृहस्पति आपकी कुँडली में द्वितीय भाव में संक्रमण करेगा।अतः इसके शुभ प्रभाव से आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ होगी तथा आय स्रोतों में वृद्धि करके प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ आप प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी पारिवारिक शान्ति एवं समृद्धि बनी रहेगी तथा पुत्र संतति की भी प्राप्ति की संभावना रहेगी। परन्तु यदा कदा व्यय की अधिकता से मन में उद्विग्नता उत्पन्न होगी तथा समाज में आपकी इस समय मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा एक प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में आप समाज में आदरणीय समझे जाएंगे। इस समय धर्म सम्बन्धी कर्मो में भी आप रुचिशील रहेंगे। साथ ही वाणी की ओजस्विता में भी वृद्धि होगी तथा लोग आपकी बातों को ध्यानपूर्वक सुनेंगे। इसके साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में आपके उत्तम संयोग बनेंगे। साथ ही गोचरफल तथा दशाफल भी अनुकूल फल प्रदान करेगी अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा।

इस वर्ष में गोचरवश शनि नवम भाव में भ्रमण करेगा। अतः इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए अच्छा रहेगा। इस समय शत्रु एवं प्रतिद्वन्दियों को परास्त करने में आप सफल होंगे तथा समाज में एक प्रभावी एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में आपकी छवि बनेगी। धर्म एवं धार्मिक कर्मो के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी एवं यत्नपूर्वक आप इनमें अपनी श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे। परन्तु मानसिक स्थिति इस समय विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा अधिकांशतया आप किंकर्तव्यविमूढ़ से बने रहेंगे। अतः महत्वपूर्ण निर्णय लेने में आपको काफी परिश्रम करना पड़ेगा। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष उत्तम रहेगा एवं प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। लेकिन इस वर्ष में पिता का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता हैं अतः उनका पूर्ण ध्यान रखें। साथ ही इस वर्ष में आय गोचरफल तथा दशा फल भी शुभ फल प्रदान करेंगे अतः यह वर्ष आपके लिए सौभाग्यपूर्ण रहेगा।

इस वर्ष में राहु की स्थिति गोचरवश तृतीय भाव में तथा केतु की नवम भाव में रहेगी। इनके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस वर्ष में आपके मान प्रतिष्ठा एवं पराक्रम में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु एवं प्रतिद्वन्दी भी परास्त होंगे तथा आपके समक्ष समर्पण करेंगे। मानसिक रूप से आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा सभी चिन्ताएँ समाप्त हो जाएँगी। आर्थिक दृष्टि से भी इस समय आपकी उन्नति होगी। तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप सफल होंगे। कार्यक्षेत्र में इस समय स्वपरिश्रम से कोई विशिष्ट उन्नति या सफलता अर्जित करेंगे साथ ही मित्रवर्ग से भी आपको यथोचित सुख एवं सहयोग मिलेगा। परन्तु बन्धुवर्ग से यदा कदा चिन्ता उत्पन्न हो सकती है। साथ ही नवमस्थ केतु के प्रभाव से आपको यदा कदा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में

Future Point Future Point Future Point

परिश्रम अधिक करना पड़ेगा। लेकिन आय गोचरफल तथा दशाफल अनुकूल होने के कारण यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं सौभाग्यशाली सिद्ध होगा।

Future Point Future Point Future Point

फलादेश - 2031

इस वर्ष में बृहस्पति तृतीय भाव में गोचरवश भ्रमण करेगा अतः इसके प्रभाव से आपकी दूर समीप की लाभदायक यात्राएं सम्पन्न होंगी। इससे आपको प्रचुर मात्रा में धनार्जन भी होगा। इस समय साहित्य और दर्शन की ओर आपकी रुचि उत्पन्न होगी। पुराने मित्रों से इस वर्ष में आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा नवीन मित्रों की भी प्राप्ति होगी। साथ ही मित्रवर्ग के द्वारा भविष्य में लाभ के मार्ग भी प्रशस्त होंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं कार्यक्षेत्र में भी उन्नति करते रहेंगे। साथ ही इस समय मानसिक संकीर्णता को छोड़कर आप विशालहृदयी के रूप में अन्य जनों के सम्मुख अपने आप को प्रस्तुत करेंगे। अतःसमाज से आप को इच्छित आदर एवं सम्मान की प्राप्ति होगी। इस समय आय गोचर तथा दशा फल भी अनुकूल रहेगा। अतः यह वर्ष आपके लिए उत्तम एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

इस वर्ष में गोचरवश शनि नवम भाव में भ्रमण करेगा। अतः इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए अच्छा रहेगा। इस समय शत्रु एवं प्रतिद्वन्दियों को परास्त करने में आप सफल होंगे तथा समाज में एक प्रभावी एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में आपकी छवि बनेगी। धर्म एवं धार्मिक कर्मो के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी एवं यत्नपूर्वक आप इनमें अपनी श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे। परन्तु मानसिक स्थिति इस समय विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा अधिकांशतया आप किंकर्तव्यविमूढ़ से बने रहेंगे। अतः महत्वपूर्ण निर्णय लेने में आपको काफी परिश्रम करना पड़ेगा। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष उत्तम रहेगा एवं प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। लेकिन इस वर्ष में पिता का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता हैं अतः उनका पूर्ण ध्यान रखें। साथ ही इस वर्ष में आय गोचरफल तथा दशा फल भी शुभ फल प्रदान करेंगे अतः यह वर्ष आपके लिए सौभाग्यपूर्ण रहेगा।

इस वर्ष में राहु की स्थिति गोचरवश तृतीय भाव में तथा केतु की नवम भाव में रहेगी। इनके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस वर्ष में आपके मान प्रतिष्ठा एवं पराक्रम में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु एवं प्रतिद्वन्दी भी परास्त होंगे तथा आपके समक्ष समर्पण करेंगे। मानसिक रूप से आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा सभी चिन्ताएँ समाप्त हो जाएँगी। आर्थिक दृष्टि से भी इस समय आपकी उन्नति होगी। तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप सफल होंगे। कार्यक्षेत्र में इस समय स्वपरिश्रम से कोई विशिष्ट उन्नति या सफलता अर्जित करेंगे साथ ही मित्रवर्ग से भी आपको यथोचित सुख एवं सहयोग मिलेगा। परन्तु बन्धुवर्ग से यदा कदा चिन्ता उत्पन्न हो सकती है। साथ ही नवमस्थ केतु के प्रभाव से आपको यदा कदा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में

Future Point Future Point Future Point

परिश्रम अधिक करना पड़ेगा। लेकिन आय गोचरफल तथा दशाफल अनुकूल होने के कारण यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं सौभाग्यशाली सिद्ध होगा।

Future Point Future Point Future Point

फलादेश - 2032

गोचरवश इस वर्ष बृहस्पति का भ्रमण पंचम भाव में होगा। अतः यह समय आपके लिए भाग्यशाली रहेगा। इस समय ज्योतिष साहित्य एवं संगीत आदि के प्रति आपके मन में रुचि उत्पन्न होगी तथा परिश्रम पूर्वक आप इनका ज्ञान अर्जित करने में तत्पर रहेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय सन्तोषजनक रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ एवं धनार्जन होता रहेगा। इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। यदि अविवाहित हैं तो किसी प्रेम प्रसंग का शुभारम्भ होगा। व्यापारिक या कार्यक्षेत्र में उन्नति तथा सफलता के लिए भी यह वर्ष आपके लिए उन्नतिकारक रहेगा एवं आवश्यक मात्रा में धनार्जन भी होगा। इस वर्ष महत्वपूर्ण राजनेताओं तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपके सम्पर्क बनेंगे एवं आपको उनसे मनोवांछित सहयोग तथा लाभ मिलेगा। संतति पक्ष से भी आप पूर्ण रूप से सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको सहयोग मिलता रहेगा। परन्तु अन्यगोचर फल इस समय शुभ फल प्रदान नहीं करेंगे लेकिन दशा अनुकूल फल प्रदान करेगी। अतः उपर्युक्त शुभ फलों में यदा कदा न्यूनता का भाव दृष्टिगोचर होगा।

इस वर्ष में गोचरवश स्थिति दशम भाव में रहेगी। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं उन्नतिकारक रहेगा। इस समय व्यापारिक क्षेत्र में आप उन्नति या कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन कर सकते हैं। साथ ही राजनीति में संलग्न हों तो उसमें आप किसी महत्वपूर्ण पद को प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे या राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों से आपका संबन्ध बढ़ेगा। नौकरी या अन्य कार्य क्षेत्र में भी पदोन्नति की संभावनाएं प्रबल होंगी। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। लेकिन शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहें। इस समय रक्तचाप सम्बन्धी परेशानी उत्पन्न हो सकती हैं। इसके साथ ही आय गोचर फल अशुभ रहेगा परन्तु दशा शुभ फल प्रदान करेगी अतः उपर्युक्त शुभ फलों में यदा कदा विलम्ब तथा न्यूनता परिलक्षित होगी परन्तु अंतिम परिणाम सन्तोषजनक रहेगा।

इस वर्ष में राहु की स्थिति गोचर वश द्वितीय तथा केतु की अष्टम भाव में रहेगी। इसके प्रभाव से आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक उद्विग्नता भी उत्पन्न होगी। साथ ही पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी सामान्य ही रहेगी परन्तु पारिवारिक जनों के परस्पर संबंधों में यदा कदा मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा न्यूनाधिक सफलता भी आपको प्राप्त होगी। साथ ही आर्थिक स्थिति भी मध्यम रहेगी तथा आवश्यक धनार्जन होता रहेगा परन्तु व्यय भी अधिक होगा लेकिन इसका दुष्प्रभाव अल्प रहेगा। इसके

Future Point Future Point Future Point

अतिरिक्त इस वर्ष में आप जायदाद संबंधी लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं ।

इस समय आपके लिए अन्य गोचर शुभ परन्तु दशा मध्यम रहेगी अतः कार्य क्षेत्र की उन्नति में समस्याएं आएंगी परन्तु आप अपने पराक्रम एवं परिश्रम से उनका समाधान करने में समर्थ हो सकेंगे। साथ ही अधिक मात्रा में शुभ फल की प्राप्ति के लिए आपको नियमित रूप से राहु एवं केतु का पूजन जप तथा दानादि कार्य करने चाहिए।

Future Point Future Point Future Point

दशा विश्लेषण

महादशा :- राहु
(22/08/2006 - 22/08/2024)

राहु की महादशा 22/08/2006 को आरम्भ और 22/08/2024 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 18 वर्ष है। आपकी जन्मकुण्डली में राहु द्वितीय भाव में बुध की राशि में स्थित है। इस स्थान से राहु की दृष्टि अष्टम भाव पर है। इसके पूर्व आपकी 7 वर्ष की मंगल दशा चल रही थी। आपकी यात्रा तथा व्यय और साझेदारों से लाभ होगा। राहु की इस दशा के दौरान आपको सम्पत्ति का लाभ, उत्तम शिक्षा और सरकार से संभावित आर्थिक लाभ मिलेगा।

स्वास्थ्य : इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप शक्तिशाली और ऊर्जावान् होंगे। किन्तु मौसम में परिवर्तन के कारण गले का रोग, वाइरल बुखार, स्नायविक–दुर्बलता, चर्मरोग आदि मामूली रोग हो सकते हैं। कुछ सतर्कता बरत कर इनमें से कुछ से बचाव किया जा सकता है।

अर्थ और व्यवसाय : आपकी आर्थिक स्थिति अत्यन्त मजबूत होगी। आपको पैतृक सम्पत्ति और उपहार में धन की प्राप्ति होगी। सट्टे तथा निवेश में लाभ हो सकता है। जीविका तथा व्यवसाय के लिए वायुयान–संचालन, अन्तरिक्ष अनुसन्धान, शिक्षण, ट्रैवेल एजेण्ट, वायुसैनिक, लेखा–कार्य, कम्प्यूटर–विज्ञान, प्रकाशन आदि के क्षेत्र का चयन कर सकते हैं। कपड़ा, रत्न, चमड़ा, आयात–निर्यात, कागज, टेलीफोन, इलेक्ट्रॉनिक सामान आदि का व्यापार लाभदायक हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों को सफलता, पदोन्नति, उच्च सम्मान और आय में वृद्धि होगी। आपको सहकर्मियों का सहयोग और उच्चाधिकारियों की शुभकामना प्राप्त होगी। व्यापार व्यवसाय से जुड़े लोगों को उपार्जन तथा लाभ में वृद्धि, व्यापार में विस्तार और सम्पत्ति की अचानक बाढ़ आएगी। आर्थिक खुशहाली के लिए यह दशा अत्यन्त उत्तम है और अप्रत्याशित प्रगति की सम्भावना है।

वाहन, यात्रा जायदाद : इस दशा के दौरान आपका जीवन सुखमय रहेगा। आपको वाहन की प्राप्ति होगी। जायदाद के लिये भी यह दशा उत्तम है। जमीन–जायदाद में वृद्धि की संभावना है। आपका एक आरामदायक मकान होगा। चन्द्र की महादशा में आपकी छोटी यात्रा और मंगल की महादशा में लम्बी यात्रा होगी। मामूली नुकसान से बचाव के लिये सावधानी बरतें।

शिक्षा : इस दशा के दौरान आपकी उत्तम तकनीकी शिक्षा होगी। आप परीक्षा तथा प्रतियोगिता में श्रेष्ठता प्राप्त करेंगे। विज्ञान, इन्जीनियरिंग, लेखा–कार्य, वाणिज्य, लेखन, समाचार माध्यम आदि में आपकी रुचि होगी। आप तेज हैं तथा बौद्धिक गतिविधि से सम्बन्धित सभी विषयों में अच्छा करेंगे।

परिवार : परिवार के साथ आपका संबंध मधुर रहेगा। आप यदा–कदा परिवार से दूर रहेंगे। आपके बच्चे अच्छा करेंगे और आपको उनसे सुख मिलेगा। आपके जीवनसाथी को अचानक धन मिलेगा, हालाँकि कुछ स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या और परिवर्तन हो सकता है। आपकी माता को समृद्धि और सम्पत्ति मिलेगी तथा उनके मित्र प्रभावशाली होंगे जबकि आपके पिता को आदर, सम्पत्ति तथा

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

विरोधियों पर विजय मिलेगी। आपके छोटे भाई–बहनों को कुछ स्वास्थ्य समस्या होगी, व्यय होगा और विरोधियों तथा प्रतिद्वन्द्वियों के कारण निराशा मिलेगी। आपके बड़े भाई–बहनों को अचल सम्पत्ति, आवास में परिवर्तन तथा जीवन का सुख मिलेगा। इस दशा के दौरान आपको विभिन्न स्रोतों से धन की प्राप्ति तथा जीवन का सुख मिलेगा।

अन्तर्दशा : राहु की महादशा में राहु की अन्तर्दशा में आपको सम्पत्ति और सुख की प्राप्ति होगी। गुरु की अंतरदशा में लाभ होगा और मामूली स्वास्थ्य समस्या होगी। शनि की अन्तर्दशा के दौरान यश, ख्याति, सफलता, सम्पत्ति आदि की प्राप्ति और यात्रा होगी। बुध की अन्तर्दशा में शिक्षा, परिवार में सुख और लाभ मिलेगा। शुक्र की अन्तर्दशा में यश, ख्याति, सम्पत्ति और सौभाग्य की प्राप्ति होगी जबकि उसके बाद शुरू होने वाली सूर्य की अन्तर्दशा के दौरान जमीन जायदाद में वृद्धि और माता से सुख मिलेगा। चन्द्र की अन्तर्दशा में आपकी छोटी यात्रा होगी और भाई–बहनों से सुख मिलेगा जबकि मंगल की अन्तर्दशा के दौरान व्यय, कुछ स्वास्थ्य समस्या और यात्रा होगी।

Future Point Future Point Future Point

Future Point Future Point Future Point

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- राहु - शनि

(28/09/2011 - 04/08/2014)

शनि आपकी जन्मपत्री में लग्न में स्थित है। लग्न शारीरिक बनावट, आकृति, स्वास्थ्य, जन्मजात स्वभाव और आदतें, सम्मान, गरिमा, सामान्य शुभत्व, चेहरे का ऊपरी भाग, आयु और जीवन की रुपरेखा आदि का परिचायक है।

शनि को अशुभ ग्रह समझा जाता है। लग्न में स्थित होकर शनि आपकी कुंडली के 3, 7, 10 भावों पर दृष्टि डाल रहा है और उनके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आप अधार्मिक विचारों के हो सकते हैं। स्वास्थ्य निर्बल हो सकता है; वायु से संबंधित व्याधियों से बचाव करना श्रेयस्कर रहेगा। उच्चाधिकारी आपसे रुष्ट हो सकते हैं, पद की हानि संभव है। प्रत्येक कदम सावधानी से रखना आवश्यक है।

अरिष्ट से बचाव के लिए :

- मछलियों को आटे की गोलियां खिलाएं
- पीपल की जड़ में जल अर्पित करें
- भोजन की पहली रोटी गाय को दें

Future Point Future Point Future Point

Future Point Future Point Future Point

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- राहु - बुध

(04/08/2014 - 20/02/2017)

बुध आपकी जन्मपत्री में नवम भाव में स्थित है। नवम भाव श्रद्धा, भाग्य, धार्मिक और आध्यात्मिक विचार, अंतर्ज्ञान, भविष्यज्ञान, उपासनास्थल, पिता, धर्मगुरु, लंबी यात्राएं, हवाई यात्रा, उच्च शिक्षा और घुटनों का प्रतिनिधि है। नवम भाव में स्थित होकर बुध कुंडली के तृतीय भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसे अपने कारकत्व से प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आप विद्वान बनेंगे, विज्ञानादि विभिन्न विषयों का ज्ञान अर्जित कर सकते हैं। विभिन्न नगरों में व्याख्यान दे सकते हैं। पिता और गुरु से संबंध मधुर रहेंगे।

शुभत्व में वृद्धि और अरिष्ट से बचाव के लिए बुध के तांत्रिक मंत्र के 36000 जाप करें।

Future Point Future Point Future Point

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- राहु - केतु

(20/02/2017 - 11/03/2018)

आरम्भ और ढडक्ज्वझत्र अष्टम भाव में स्थित है। अष्टम भाव आयु, विरासत, दुर्घटना, दुर्भाग्य, दुख, चिंता, निराशा, हानि, बाधा, चोरी और डकैती का प्रतिनिधि है। अष्टम भाव में स्थित होकर केतु आपकी कुंडली के द्वितीय भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

राहु और केतु छाया ग्रह हैं। इनकी स्वयं की कोई राशि नहीं होती। सामान्यतः इन्हें अशुभ समझा जाता है परंतु वास्तव में ये शुभ या अशुभ, कुंडली में अपनी स्थिति के अनुसार होते हैं।

इस अवधि में आपको अपनी गलतियों के कारण कोई व्याधि हो सकती है। आपकी जर, जोरु, जमीन में रुचि अधिक रहेगी। आप इनके पीछे भागेंगे, जिस कारण उत्सर्जन तंत्र का कोई रोग हो सकता है। प्रत्येक कदम उठाने से पहले सावधान रहना आवश्यक है ताकि किसी बात की अति न हो।

अरिष्ट से बचाव के लिए केतु के तांत्रिक मंत्र के 72,000 जाप करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- राहु - शुक्र

(11/03/2018 - 11/03/2021)

शुक्र आपकी जन्मपत्री में अष्टम भाव में स्थित है। अष्टम भाव आयु, विरासत, दुर्घटना, दुर्भाग्य, दुख, चिंता, निराशा, हानि, बाधा, चोरी और डकैती का प्रतिनिधि है। शुक्र शुभ ग्रह है। अष्टम भाव में स्थित होकर शुक्र आपकी कुंडली के द्वितीय भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आप धनी बनेंगे; सब सुख–साधन उपलब्ध रहेंगे। भावनात्मक रूप से विचलित रह सकते हैं। छोटी–छोटी बातों पर दुखी हो सकते हैं। इस संबंध में सकारात्मक प्रयास करना श्रेयस्कर रहेगा।

अरिष्ट से बचाव और शुभत्व में वृद्धि के लिए शुक्र वैदिक मंत्र के 16000 जाप करें।

Future Point Future Point Future Point

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- राहु - सूर्य

(11/03/2021 - 02/02/2022)

सूर्य आपकी जन्मपत्री में नवम भाव में स्थित है। नवम भाव श्रद्धा, भाग्य, धार्मिक और आध्यात्मिक विचार, अंतर्ज्ञान, भविष्यज्ञान, उपासनास्थल, पिता, धर्मगुरु, लंबी यात्राएं, हवाई यात्रा, उच्च शिक्षा और घुटनों का प्रतिनिधि है। सूर्य शक्तिशाली ग्रह है। नवम भाव में स्थित होकर सूर्य आपकी कुंडली के तृतीय भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।
इस अवधि में आप पिता और गुरु के आज्ञाकारी होंगे। धर्म और अध्यात्म में आस्था होगी। पुत्र सुखकारी होंगे। अचल संपत्ति प्राप्त कर सकते हैं।
अरिष्ट से बचाव और शुभत्व में वृद्धि के लिए प्रत्येक दिन सूर्य गायत्री मंत्र का जाप करें और सूर्य तांत्रिक मंत्र के कुल 28000 जाप करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- राहु - चन्द्र

(02/02/2022 - 04/08/2023)

चंद्रमा आपकी जन्मपत्री में दशम भाव में स्थित है। दशम भाव सम्मान, जनता, सत्ता, सफलता, पद और साख, दुनियादारी, प्रोन्नति, नियुक्ति, धार्मिक कार्य, सरकार से सम्मान, जांघों का परिचायक है। चंद्रमा मन का कारक है। दशम भाव में स्थित होकर चंद्रमा आपकी कुंडली के चतुर्थ भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।
इस अवधि में कार्यक्षेत्र में आपकी दक्षता बढ़ेगी, प्रोन्नति हो सकती है। धनी बनेंगे, उच्चपद पर आसीन होंगे। लोकप्रियता बढ़ेगी, घरेलू जीवन सुखी रहेगा; सब सुख–साधन उपलब्ध रहेंगे।
अरिष्ट से बचाव के लिए चंद्रमा के वैदिक मंत्र के 11000 जाप करें।
शाम को चंद्रोदय के समय चंद्रमा का मंत्र पढ़ते हुए चंद्र को कच्चा दूध अर्पित करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

महादशा :- गुरु

(22/08/2024 - 22/08/2040)

आपकी कुण्डली में गुरु की महादशा 22/08/2024 को आरम्भ होकर 22/08/2040 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 16 वर्ष है।

आपकी जन्म कुण्डली में गुरु अष्टम् भाव में है। गुरु स्वभावतः एक शुभ ग्रह है जो अष्टम में स्थित होकर द्वादश, द्वितीय तथा चतुर्थ भाव को देखता है तथा इन भावों पर यह शुभ प्रभाव डाल रहा है।

स्वास्थ्य : आप स्वस्थ और दीर्घायु होंगे। इस दशा काल में कोई बड़ी दुर्घटना होने की संभावना नहीं है तथा आप स्वस्थ और प्रसन्नचित होकर अपना कार्य पूरा करने के योग्य रहेंगे।

अर्थ–सम्पत्ति : गुरु की द्वितीय भाव पर दृष्टि के फलस्वरूप आप अपनी चल तथा अचल सम्पत्ति में बढ़ोत्तरी करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करेंगे।

व्यवसाय : आप अपने व्यवसाय में प्रसन्नतापूर्वक सुव्यवस्थित हो जाएंगे तथा नौकरी या व्यवसाय में आप पर्याप्त पैसा, जमीन, वाहन, अधिकार और पद प्राप्त करेंगे।

आप कभी–कभी कुछ गलत काम कर सकते हैं जिसके लिए दंडित भी हो सकते हैं तथा घाटा उठाना पड़ सकता है।

पारिवारिक जीवन : अष्टम भाव से गुरु की दृष्टि द्वादश अर्थात् शयन सुख के भाव के अतिरिक्त द्वितीय अर्थात् परिवार या कुटुम्ब भाव तथा चतुर्थ अर्थात् सुख भाव पर होने के फलस्वरूप आपका पारिवारिक जीवन खुशहाल और सुख सम्पन्न होगा। आपके जीवन साथी परिवार का संचालन करने और शान्ति बनाए रखने में मार्गदर्शन करेंगे। आपके पिताजी को कभी कठिनाइयों से गुजरना पड़ सकता है तथा स्थान परिवर्तन के संकेत हैं।

शिक्षा/प्रशिक्षण : आपका झुकाव शैक्षणिक गतिविधियों की तरफ होने से आप अपनी पढ़ाई जारी रखने की कोशिश करेंगे और सफल होंगे।

आपका झुकाव शास्त्रों तथा धार्मिक पुस्तकों के अध्ययन की ओर होगा।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- गुरु - गुरु

(22/08/2024 - 10/10/2026)

इस अवधि में आपको जीवनसाथी या साझेदार के माध्यम से लाभ हो सकता है। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तंत्र–मंत्र आदि में रुचि हो सकती है। अध्यात्म में दिलचस्पी ले सकते हैं।

विरासत आदि से अचानक धन मिल सकता है। कर्ज़ लेने के लिए उत्तम समय है। घरेलू सुख उत्तम रहेगा; सुख के साधन बढ़ेंगे। यात्रा हो सकती है। अध्ययन, शोधकार्य, आध्यात्मिक और धार्मिक उन्नति के लिए उपयुक्त समय है, आय अच्छी होगी।

आपके जीवनसाथी के शत्रुओं का नाश होगा। आपके पिता के खर्चे बढ़ सकते हैं। आपके भाई–बहनों के लिए उत्तम स्वास्थ्य और कार्यक्षेत्र में प्रगति का संकेत है।

आपकी संतान को परीक्षा में सफलता मिलेगी। अगर वे कार्यरत हैं तो वांछित स्थान पर तबादला हो सकता है।

अगर आप सेवारत हैं तो उच्चपद मिलेगा। परामर्शदाताओं का धनार्जन उत्तम होगा। व्यापारियों का लाभ बढ़ेगा, कर्ज़ से मुक्ति मिलेगी।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा; पाचनतंत्र के रोगों से बचाव करें। शुभत्व में वृद्धि के लिए विष्णुजी की उपासना करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- गुरु - शनि

(10/10/2026 - 22/04/2029)

इस अवधि में आपके कार्यों में बाधाएं आएंगी, मगर आप उन्हें पार करने में कामयाब होंगे। धैर्य का प्रयोग श्रेयस्कर रहेगा। विवेक और दृढ़निश्चय से युक्त रहेंगे। विवाह हो सकता है। व्यपार में लाभ, विदेश यात्रा, प्रोन्नति और प्रसिद्धि की संभावना है। छोटे भाई–बहनों से सुख मिलेगा। उत्साह से परिपूर्ण रहेंगे।

आपके जीवनसाथी धनी बनेंगे, उनकी यात्राएं होंगी, व्यापार में लाभ होगा, जीवनस्तर सुधरेगा। आपके पिता को संतान से सुख मिलेगा; निवेश से लाभ होगा। माता के सम्मान में वृद्धि होगी। आपके भाई–बहनों के लिए अचानक धनलाभ या अचल संपत्ति की प्राप्ति, कर्मचारियों से सहयोग का संकेत है।

आपकी संतान को स्पर्धियों पर विजय मिलेगी। अगर वे कार्यरत हैं तो प्रसिद्ध होंगे, आय अच्छी होगी, यात्राएं होंगी।

अगर आप परामर्शदाता हैं तो अचल संपत्ति क्रय करेंगे। व्यापारियों का लाभ बढ़ेगा।

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आलस्य से दूर रहें। मामूली बीमारियों का तुरंत इलाज करवाएं।

अरिष्ट से बचाव के लिए भोजन से पूर्व गाय को रोटी दें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- गुरु - बुध

(22/04/2029 - 29/07/2031)

इस अवधि में आपकी ज्ञान–विज्ञान में रुचि होगी। लेखन, प्रकाशन, अध्यापन के लिए समय उत्तम है। उच्च शिक्षा के लिए प्रवेश मिल सकता है। शिक्षा से संबंधित यात्रा हो सकती है। पिता से संबंध उत्तम रहेंगे। विज्ञान, गणित और ज्योतिष में महारत हासिल कर सकते हैं। धर्मशास्त्रों का अध्ययन कर सकते हैं। महत्वपूर्ण फैसले कर सकते हैं। उत्तम प्रशासनिक क्षमता और बुद्धिमानी के कारण धनार्जन उत्तम होगा। आपके जीवनसाथी की लघु यात्राएं होंगीः उपयुक्त नियोजन और साधनों के सुप्रबंधन द्वारा धनलाभ होगा। आपके पिता को परिश्रम से लाभ होगा। माता को मानसिक और घरेलू सुख मिलेगा। आपके भाई–बहनों के लिए विवाह, व्यापार से लाभ या उसका विस्तार, शिशु का जन्म, उत्तम मित्र और विशिष्ट उपलब्धियों का संकेत है।

आपकी संतान की शिक्षा उत्तम होगी। अगर वे कार्यरत हैं तो निवेश और शेयरों से लाभ होगा।

अगर आप सेवारत हैं तो सहकर्मी सहयोग करेंगे, उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे, धनलाभ होगा। परामर्शदाताओं के खर्चे बढ़ सकते हैं, यात्राएं होंगी। व्यापारियों को विचार–विनिमय और जनसंपर्क से लाभ होगा।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। गठिया आदि की मामूली शिकायत हो सकती है। शुभत्व में वृद्धि के लिए दुर्गाजी की उपासना करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- गुरु - केतु

(29/07/2031 - 04/07/2032)

इस अवधि में आप धन संचित करेंगे। जीवनसाथी या साझेदार के माध्यम से धनागम होगा। तंत्र–मंत्र में रुचि हो सकती है। घरेलू सुख रहेगा। भौतिक सुख उपलब्ध रहेंगे। प्रभावशाली व्यक्तियों से मित्रता हो सकती है। रिश्तेदारों से संबंध उत्तम रहेंगे।

आपके जीवनसाथी को सब सुख नसीब होंगे। आपके पिता की यात्रा हो सकती है, खर्चे बढ़ेंगे, अचानक लाभ हो सकता है। माता को निवेश से लाभ होगा। आपके भाई–बहनों के लिए नौकरी से लाभ, सफलता और व्यापार में लाभ का संकेत है।

आपकी संतान को परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए परिश्रम करना होगा। अगर वे कार्यरत हैं तो अचल संपत्ति क्रय कर सकते हैं।

अगर आप सेवारत हैं तो तबादला हो सकता है, वांछित कार्य पूरे होंगे। परामर्शदाताओं को सबसे सहायता मिलेगी, अप्रत्याशित लाभ होगा, कार्य का विस्तार होगा। व्यापारियों को साझेदारी से लाभ होगा।

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। साधारण बीमारियों को अनदेखा न करें। अरिष्ट से बचाव के लिए भूरा कुत्ता पालें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- गुरु - शुक्र

(04/07/2032 - 05/03/2035)

इस अवधि में आपका विवाहित जीवन सुखी रहेगा; समृद्ध बनेंगे। अचल संपत्ति प्राप्त कर सकते हैं, अचानक अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। प्रसन्नचित्त रहेंगे। सब सुख–साधन उपलब्ध रहेंगे। आपके जीवनसाथी तंत्र–मंत्र में रुचि ले सकते हैं। आप दान–धर्म और समाजसेवा में रुचि ले सकते हैं। सुंदर वस्तुएं क्रय कर सकते हैं। बहुमुखी प्रगति का योग है।

आपके जीवनसाथी को विभिन्न माध्यमों से धनार्जन होगा। आपके पिता के खर्चे बढ़ सकते हैं मगर धन संचित भी होगा। माता खुश रहेंगी, धनी बनेंगी, पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा। आपके भाई–बहनों के लिए शत्रुओं पर विजय, उत्तम स्वास्थ्य, प्रसिद्धि, सुख–साधन, अच्छी आय और उत्तम मित्रों का संकेत हैं।

आपकी संतान प्रसन्न और संतुष्ट रहेगी, शिक्षा उत्तम होगी, धनी बनेंगे, परिवार से उत्तम संबंध होंगे। अगर वे कार्यरत हैं तो अचल संपत्ति प्राप्त कर सकते हैं।

अगर आप सेवारत हैं तो यात्रा होगी, सफल रहेंगे, आय में वृद्धि हो सकती है। परामर्शदाताओं की आय में वृद्धि होगी। व्यापारियों को विभिन्न माध्यमों से धनागम होगा; आय बढ़ेगी।

आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा। पाचन और उत्सर्जन तंत्र की व्याधियों से बचाव करें। शुभत्व में वृद्धि के लिए शुक्र मंत्र का जाप करें।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

।। एस्ट्रोग्राफ ।।

एस्ट्रोग्राफ, जीवन के किसी भी पहलू की ग्राफ द्वारा प्रस्तुति है। इससे स्वास्थ्य, आर्थिक, बुद्धि, प्रेम या अन्य किसी भी क्षेत्र में, एक समय के दौरान, होने वाली घटनाओं में रूचि रखने वालों को जानकारी मिलती है। एस्ट्रोग्राफ हमें सही रूप जानने और उन्हें आसानी से समझने में सहायक होते है।

अगले पृष्ठों में आपके जीवन के तीन महत्वपूर्ण पहलू - स्वास्थ्य, धन तथा मानसिक स्तर एस्ट्रोग्राफ द्वारा दिखाये गये हैं। ये एस्ट्रोग्राफ 100 मापक्रम के अनुसार हैं।। यदि आपका एस्ट्रोग्राफ 50 से अधिक अंक दिखाता है तो वह शुभ है। 65 से ऊपर बहुत अच्छा होता है और 80 से ऊपर अति उत्तम होता है। 50 से नीचे सामान्य होता है, 35 से नीचे बुरा तथा 20 से नीचे बहुत बुरा माना जाना चाहिए।

0–20	निकृष्ट	50–65	श्रेष्ठ
20–35	नेष्ट	65–80	उत्तम
35–50	सामान्य	80–100	अत्युत्तम

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

एस्ट्रोग्राफ -- 2013

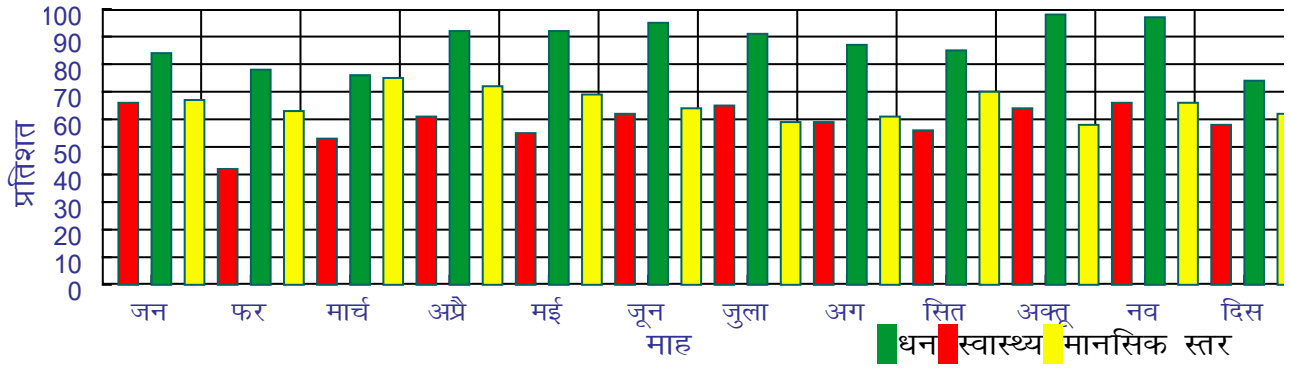

एस्ट्रोग्राफ -- 2014

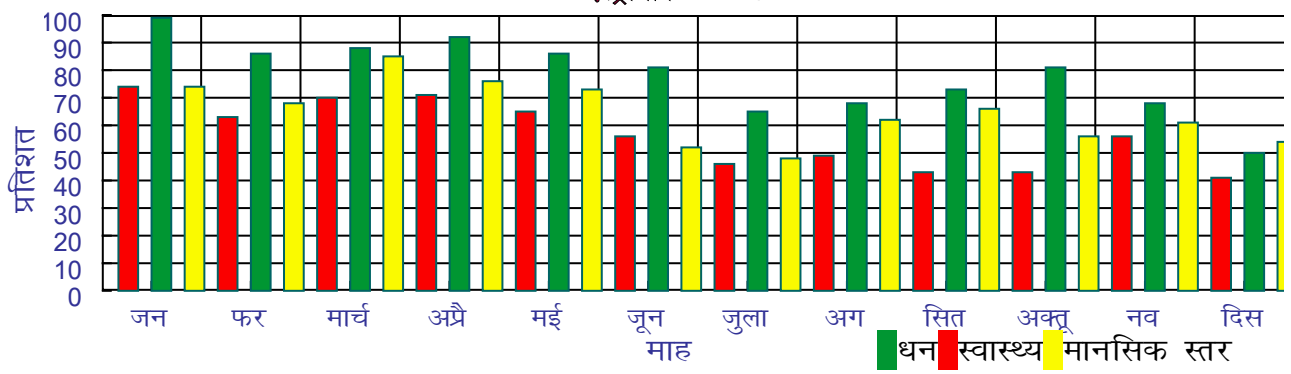

एस्ट्रोग्राफ -- 2015

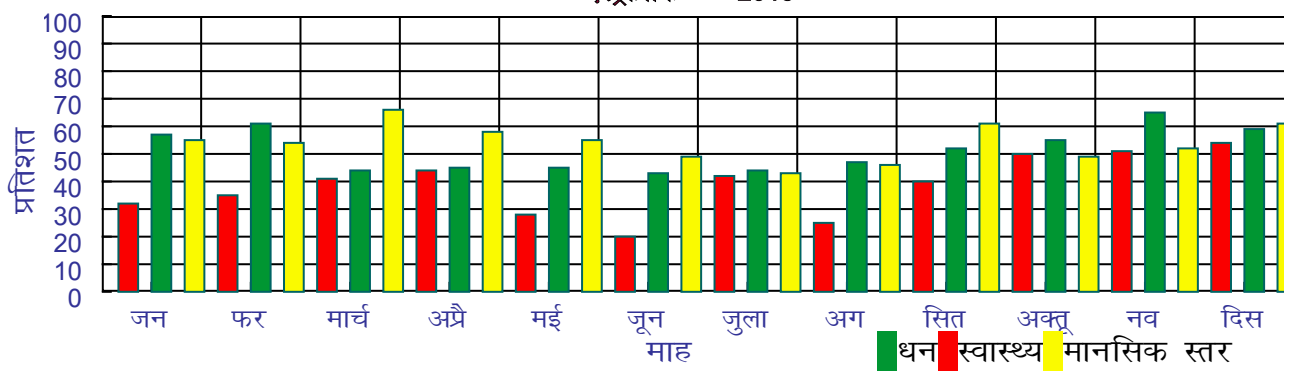

एस्ट्रोग्राफ -- 2016

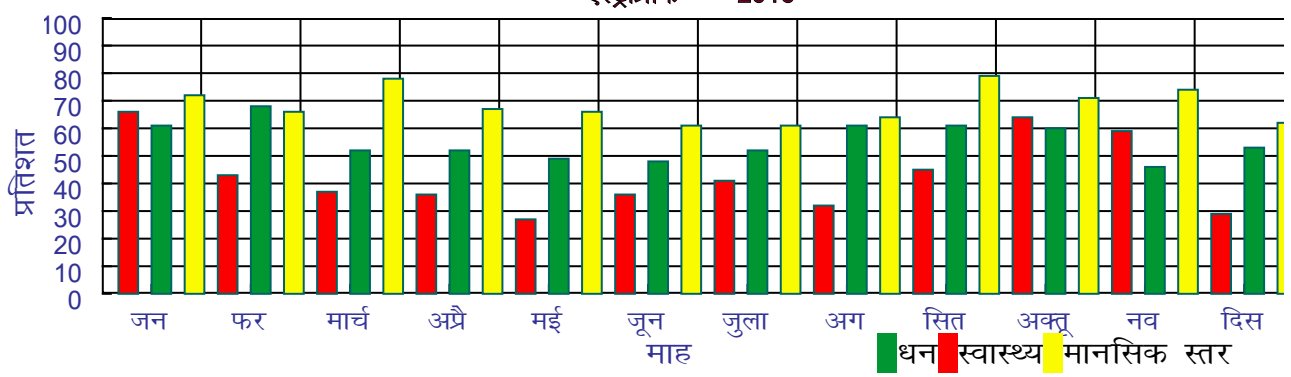

Future Point Future Point Future Point

Future Point Future Point Future Point

एस्ट्रोग्राफ -- 2017

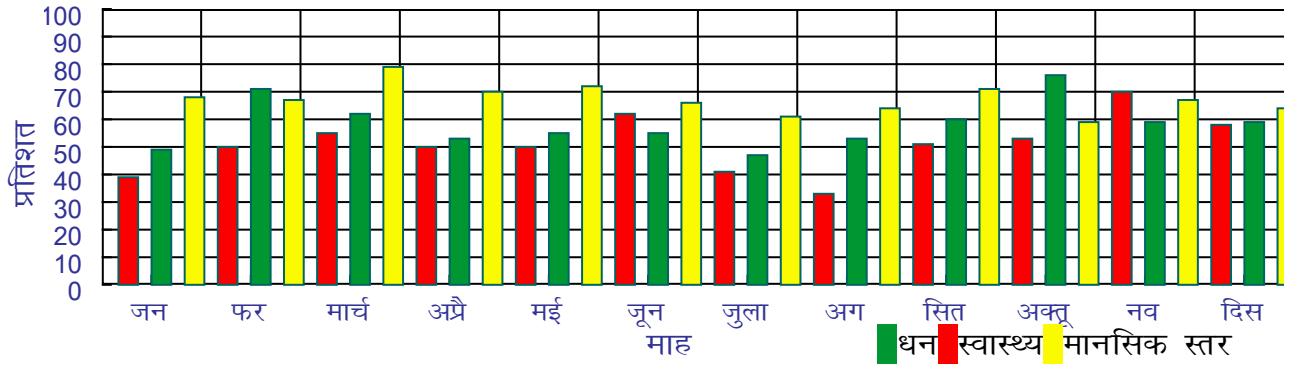

एस्ट्रोग्राफ -- 2018

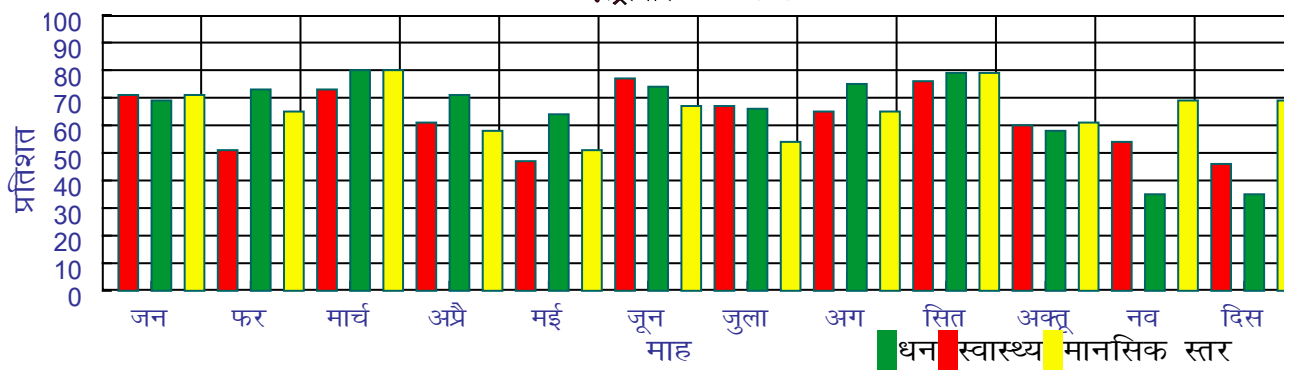

एस्ट्रोग्राफ -- 2019

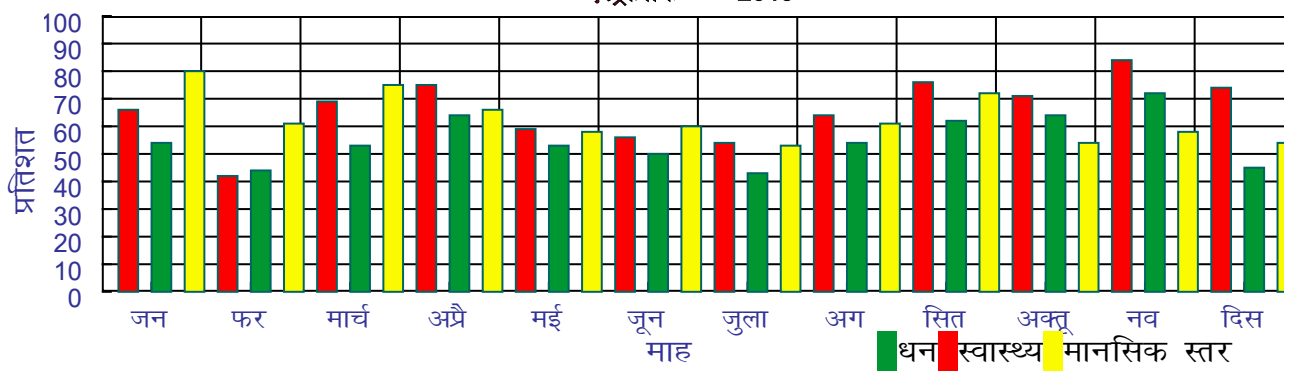

एस्ट्रोग्राफ -- 2020

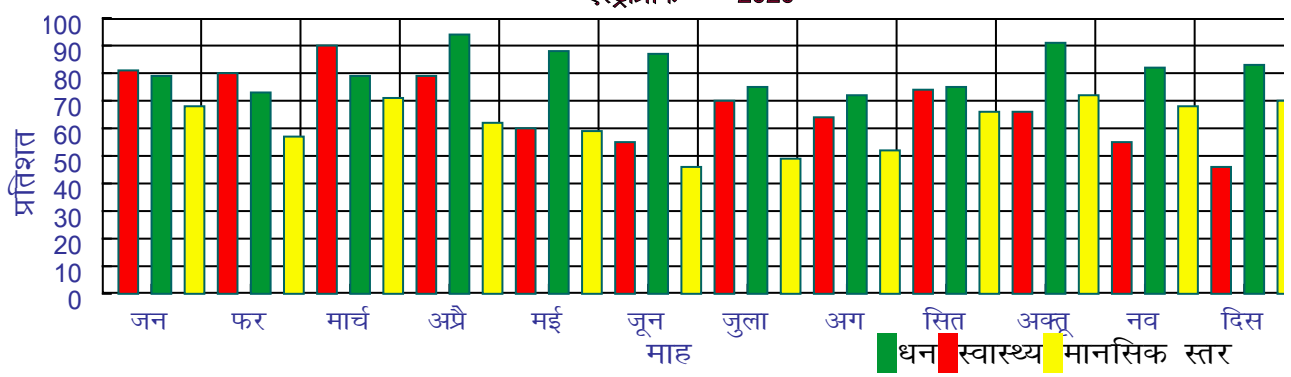

Future Point Future Point Future Point

Future Point Future Point Future Point

एस्ट्रोग्राफ -- 2021

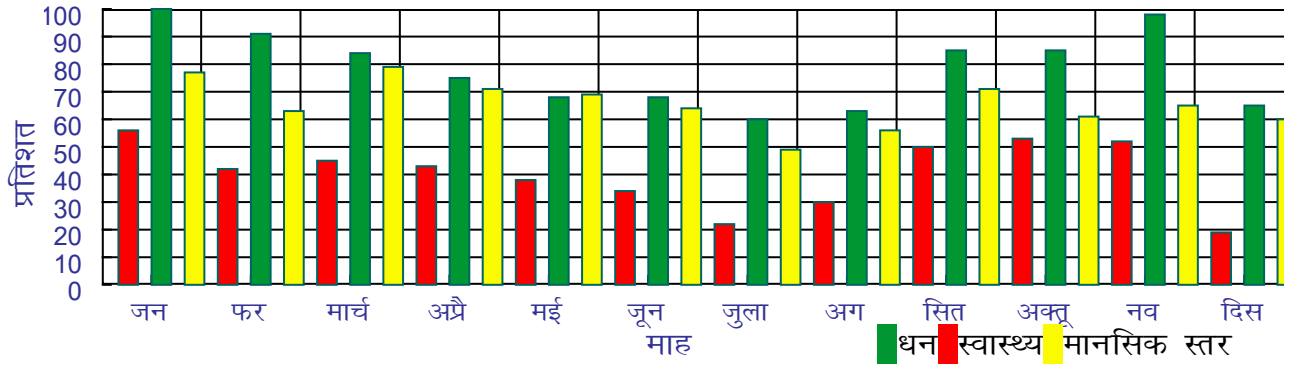

एस्ट्रोग्राफ -- 2022

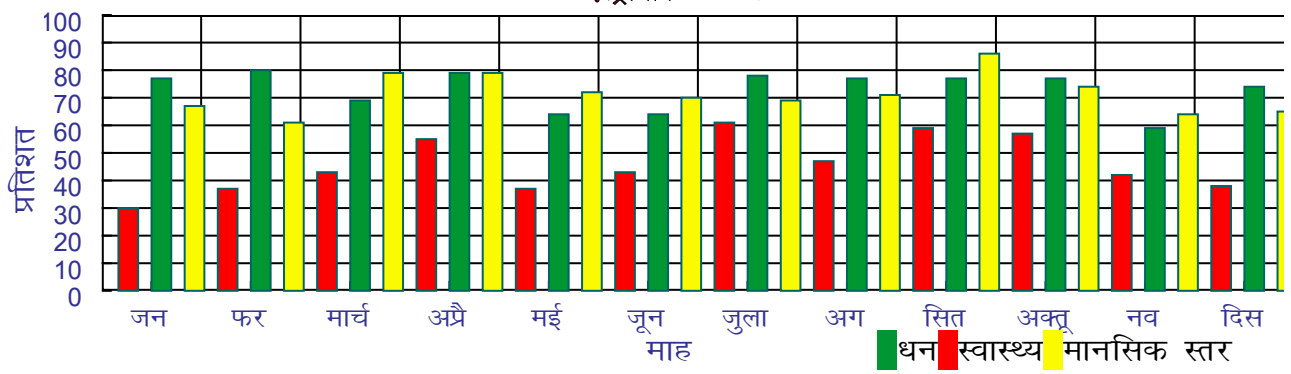

एस्ट्रोग्राफ -- 2023

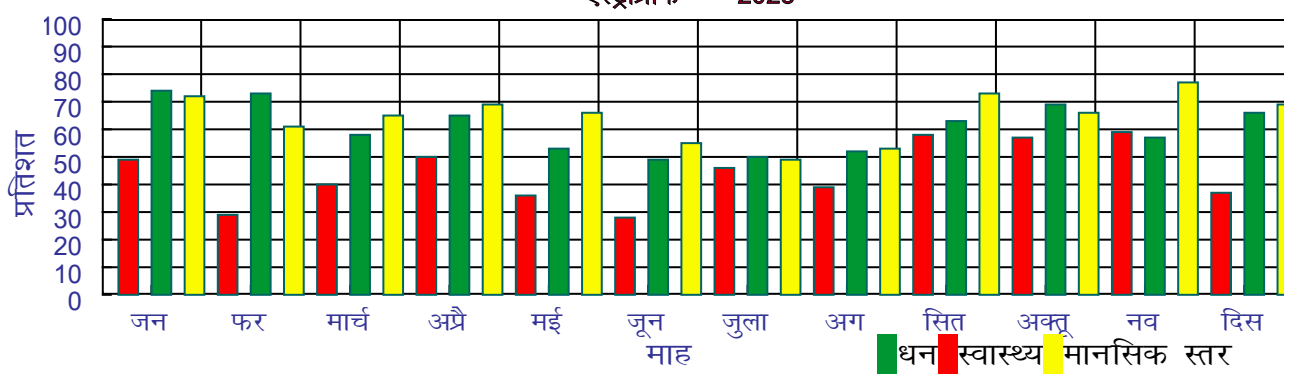

एस्ट्रोग्राफ -- 2024

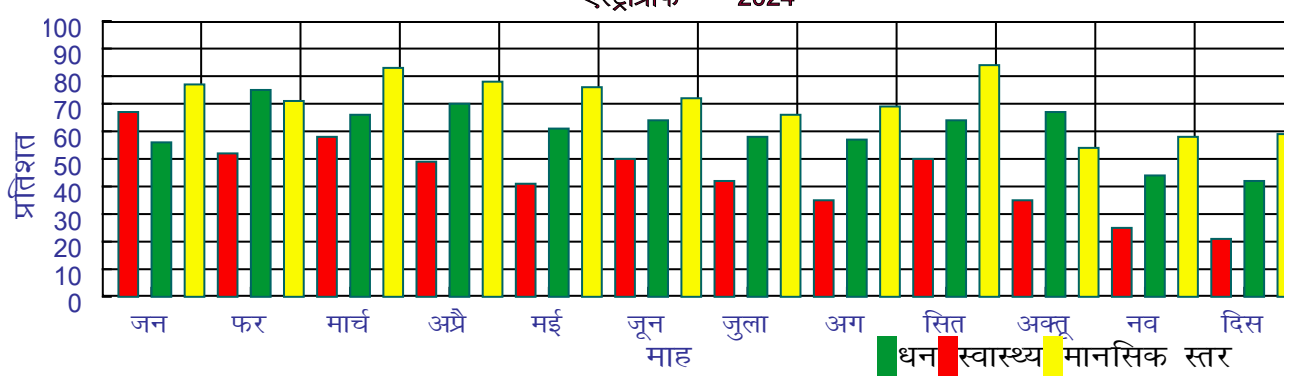

Future Point Future Point Future Point

Future Point Future Point Future Point

एस्ट्रोग्राफ -- 2025

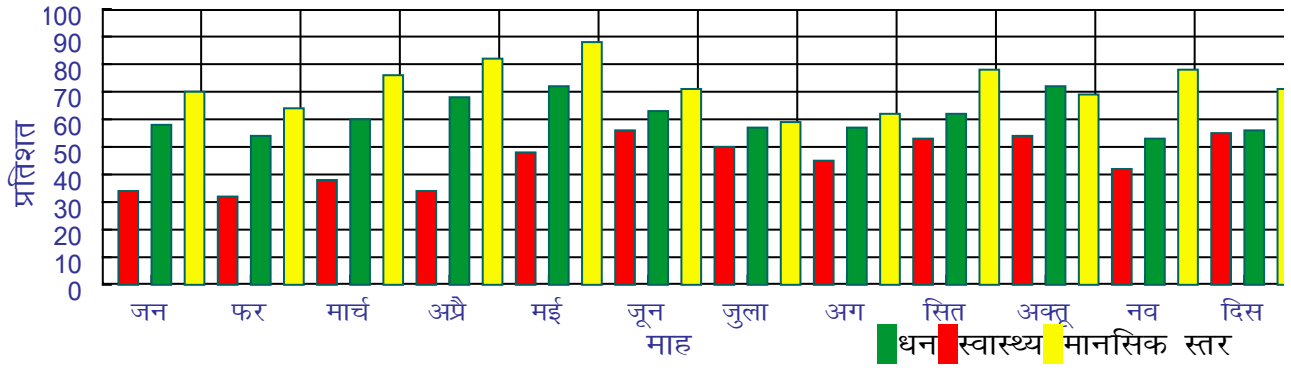

एस्ट्रोग्राफ -- 2026

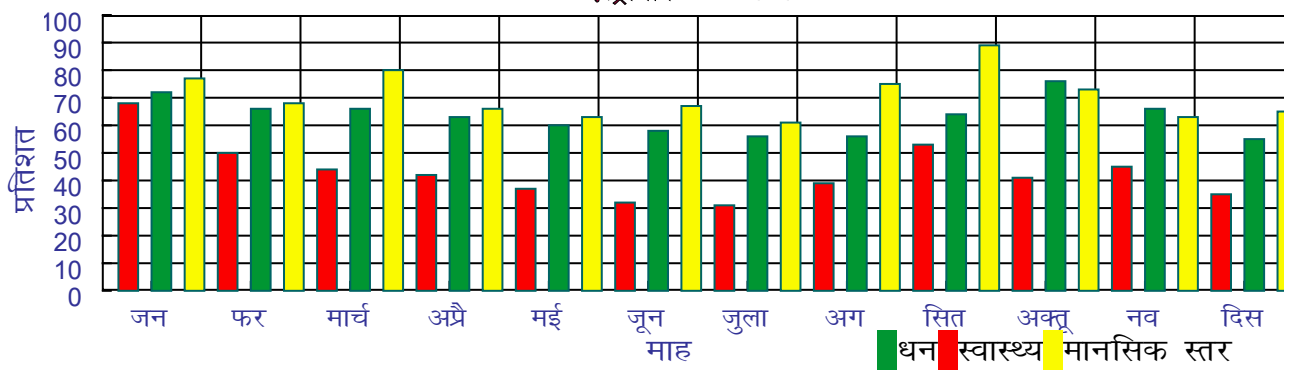

एस्ट्रोग्राफ -- 2027

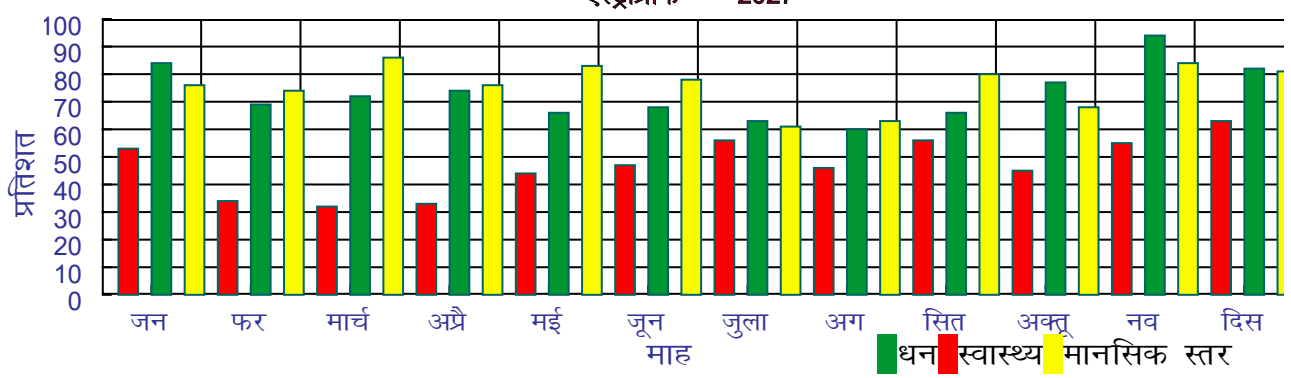

एस्ट्रोग्राफ -- 2028

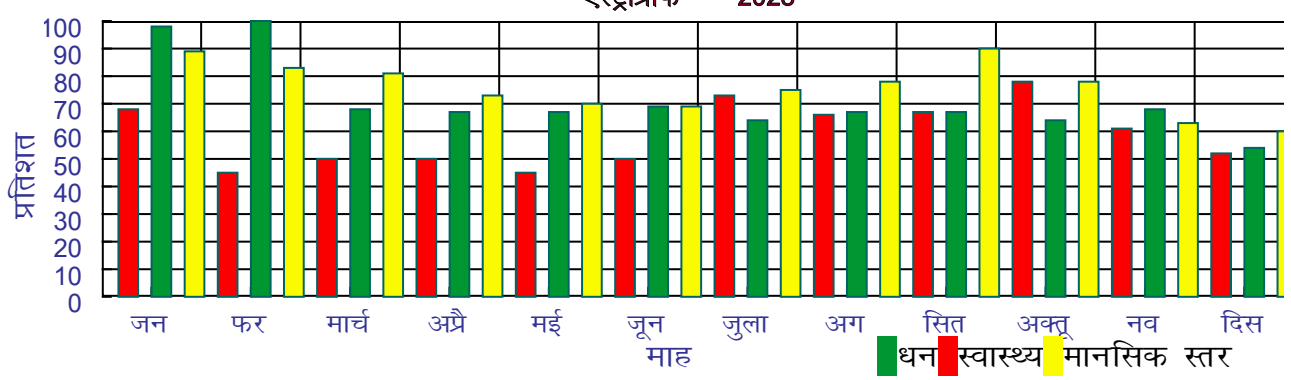

Future Point Future Point Future Point

Future Point Future Point Future Point

एस्ट्रोग्राफ -- 2029

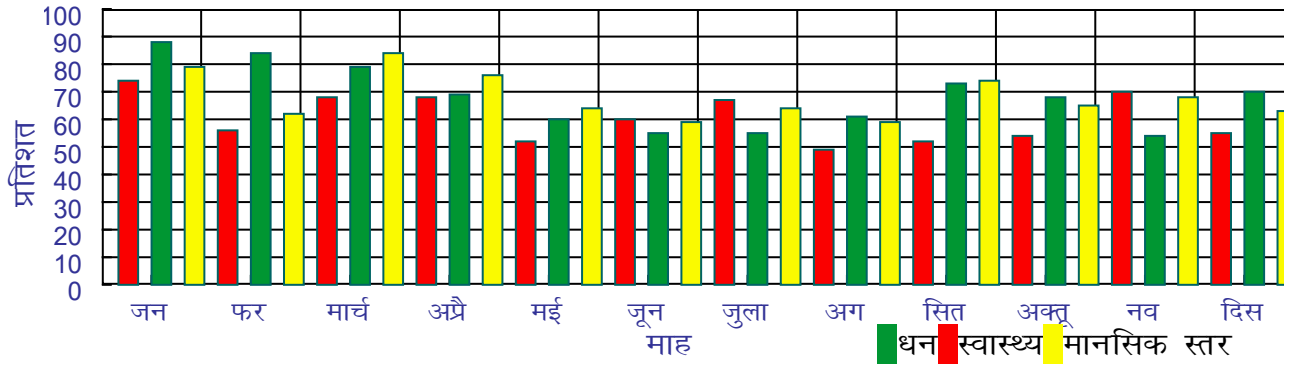

एस्ट्रोग्राफ -- 2030

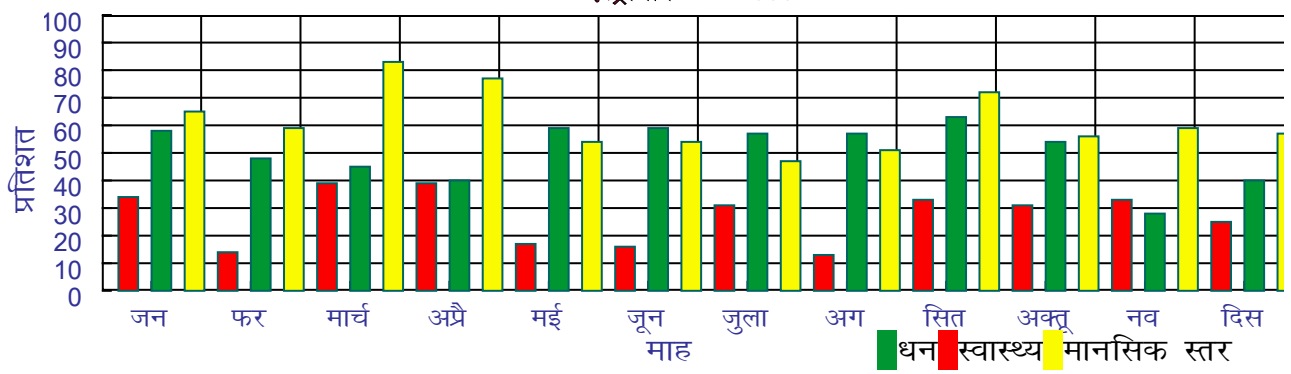

एस्ट्रोग्राफ -- 2031

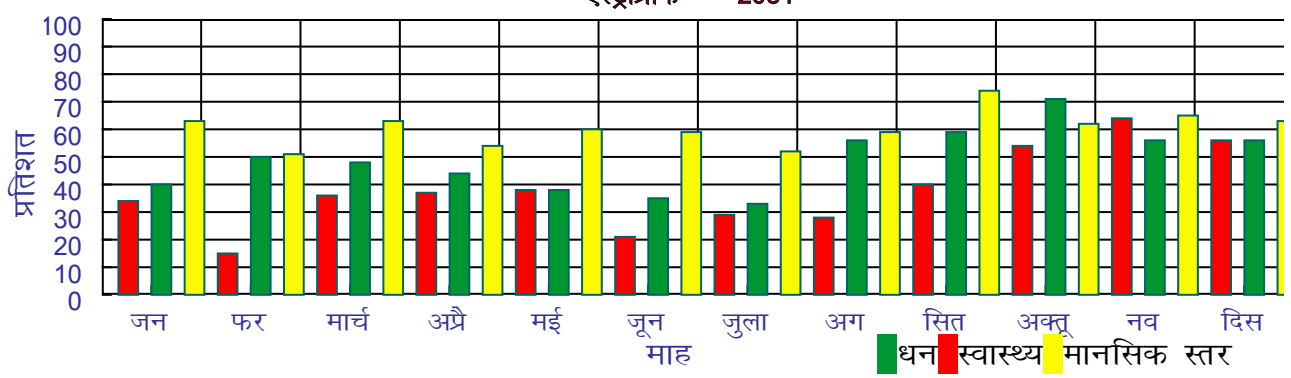

एस्ट्रोग्राफ -- 2032

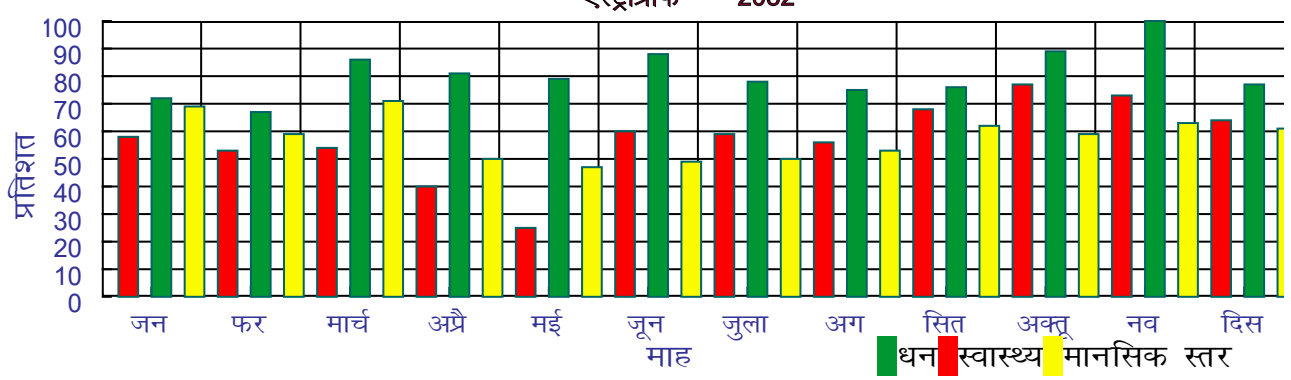

Future Point Future Point Future Point

योग

वाशि योग

सूर्याद्व्ययगैर्वाशिर्द्वितीयगैश्चन्द्रवर्जितैर्वेशि।
उत्कृष्टवचाः स्मृतिमानुद्योगयुतो निरीक्षते तिर्यक्।
सर्वशरीरे पृथुलो नृपतिसमः सात्त्विको वाशौ।।
।। सारावली ।। अ.14/श्लोक 1, 6।।

वाशि योग

यदि जन्मकुंडली में सूर्य से द्वादश स्थान में चंद्रमा को छोड़कर अन्य ग्रह विद्यमान हो तो वाशि नामक योग बनता है।

योग कारक ग्रह : गुरु,शुक्र,केतु,सूर्य,
योग की संभावना : 2में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप उत्कृष्ट वाणी वाले, स्मरण शक्ति वाले, उद्यमी, तिरछी दृष्टि वाले, स्थूल शरीर वाले, राजा के समान व्यक्तित्व वाले तथा सात्विक प्रवृत्ति वाले होंगे।

चक्रवर्ती राजयोग

एकोऽपि विहगः कुर्यात्पंचमांशगतो नृपम्।
समस्तबलसम्पन्नश्चक्रवर्तिनमेव च ।।
।। सारावली ।। अ. 35 /श्लोक 64।।

चक्रवर्ती राजयोग

यदि कोई भी ग्रह कुण्डली में अपने पंचमांश में स्थित हो तो जातक राजा होता है और यदि पूर्णबली हो तो चक्रवर्त्ती राजा होता है।

योग कारक ग्रह : मंग,शुक्र,केतु,
योग की संभावना : 2में 1

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण प्रतिष्ठत हो रहा है। फलस्वरूप आप एक प्रसिद्ध सम्मानित देश–विदेशों में प्रतिष्ठा प्राप्त करने वाले राष्ट्राध्यक्ष/राज्याध्यक्ष अथवा सर्वोच्चाधिकारी होकर पूर्ण राज–सुख प्राप्त करेंगे।

अमलयोग

चन्द्राव्द्योम्न्यमलाह्वयः शुभखगैर्योगो विलग्नादपि।
क्ष्मेशः स्यादमले धनी सुतयशः संपद्युतो नीतिमान्।
।। फलदीपिका ।। अ. 6/श्लोक 19–20 ।।

अमलयोग
यदि पत्रिका में लग्न या चंद्रमा से दशम स्थान में शुभ ग्रह हो तो अमला योग होता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र,
योग की संभावना : 2में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूपेण स्थापित हो रहा है। फलस्वरूप आप भूमि के स्वामी, धनी, नीतिवान् पुत्र एवं संपत्ति से युक्त यशस्वी व्यक्ति होंगे।

हर्ष योग

दुःस्थैर्भावगृहेश्वरैरशुभसंयुक्तेक्षितैर्वाक्रमाद्भावैः हर्षयोगः।
सुखभोगभाग्यदृढगात्रसंयुतो
निहताहितो भवति पापभीरुकः ।
प्रथितप्रधानजनवल्लभो धन–
द्युतिमित्रकीर्तिसुतवांश्च हर्षजः।।
।। फलदीपिका ।। अ. 6/ श्लोक 57, 63 ।।

हर्ष योग
यदि जन्मपत्रिका में छठा भाव या षष्ठेश अशुभ ग्रहों से युत या निरीक्षित हो तथा षष्ठेश

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दुःस्थान में निवास करता हो तो हर्षयोग होता है।

योग कारक ग्रह : मंग,राहु,शुक्र,
योग की संभावना : 6में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूपेण स्थापित हो रहा है। फलस्वरूप आप भाग्यवान्, दृढ़ शरीर वाले व सुखी, भोगी, शत्रुजीत, पापकर्म में लिप्त एवं भयातुर होंगे परंतु आप प्रसिद्ध, प्रधानप्रिय, धन, पुत्र, मित्र से सुखी एवं यशस्वी होंगे।

विमलयोग

दुःस्थैर्भावगृहेश्वरैरशुभसंयुक्तेक्षितैर्वा क्रमाद्भावैः विमलयोगः।
किंचिद्व्ययो भूरिधनाभिवृद्धिं प्रयात्ययं सर्वजनानुकूल्यम्।
सुखी स्वतन्त्रो महनीयवृत्तिर्गुणैः प्रतीतो विमलोद्भवः स्यात्।।
।। फलदीपिका ।। अ. 6।। श्लोक 57,69 ।।

विमलयोग
जिसकी जन्मपत्रिका में द्वादशेष दुःस्थान में स्थित और अशुभ ग्रह युक्त या निरीक्षित हो तो विमल योग बनता है।

योग कारक ग्रह : मंग,राहु,
योग की संभावना : 8में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग अच्छी प्रकार से स्थापित हो रहा है। फलस्वरूप आप मितव्ययी, धन संचय करने वाले, सुखी, स्वतंत्र, सद्गुणी, अच्छे कार्यकर्त्ता एवं समदर्शी व्यक्ति होंगे।

अनफा योग

अनफा रविरहितैः।
अन्त्ये कैरववनबान्धवाद्विहगैः।।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

वाग्मीप्रभुर्द्रविणवानगदः सुशीलो
भोक्तान्नपानकुसुमाम्बरकामिनीनाम्।
ख्यातः समाहितगुणः सुखशस्तचित्तो
योगे निशाकरकृते त्वनफे सुवेषः।।
।। सारावली ।। अ. 13/श्लोक 1, 5।।

अनफा योग

यदि जन्मकुंडली में चंद्रमा से द्वादश भाव में सूर्य रहित कोई ग्रह हो तो अनफा योग बनता है।

योग कारक ग्रह : बुध,चंद्र,
योग की संभावना : 2में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप कुशलवक्ता, सामर्थ्यवान्, धनवान्, नीरोग, सुन्दर शीलवान् अन्नपानपुष्पवस्त्र व स्त्री का सुख भोगने वाले, गुणी, सुखी तथा सुन्दर वेशभूषा वाले होंगे।

कर्णरोग योग

तृतीयनाथे पापान्विते पापनिरीक्षिते वा वदन्ति कर्णोद्भवरोगमत्र ।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.4/श्लो.–49 ।।

कर्णरोग योग

यदि जन्मपत्रिका में तृतीयेश पाप युक्त या दृष्ट हो तो कर्णरोग होता है।

योग कारक ग्रह : मंग,शनि,
योग की संभावना : 2में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है फलस्वरूप आपको कर्णरोग होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Future Point Future Point Future Point

पुत्रनाश योग

पापमध्ये तु यद्भावे तदीशेऽपि तथा स्थिते ।
कारके पापसंयुक्ते पुत्रनाशं वदेत्तदा ।।।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ. 5/श्लो.–14 ।।

पुत्रनाश योगयदि जन्मपत्रिका में पंचम भाव या पंचमेश पाप ग्रहों के बीच हो, तथा संतान कारक ग्रह भी पाप युक्त हो तो पुत्रनाश योग बनता है।

योग कारक ग्रह : केतु,मंग,गुरु,
योग की संभावना : 6में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको संतान सुख में बाधा हो ऐसा प्रतीत होता है।

तीव्रबुद्धि योग

कारकस्थितराश्यंशनाथे केन्द्रत्रिकोणगे ।
बुद्धीश्वरेण संदृष्टे तीव्रबुद्धिं समादिशेत् ।।।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ. 5/श्लो.–36 ।।

तीव्रबुद्धि योग
यदि जन्मपत्रिका में पंचम भाव कारक ग्रह जिसकी राशि अंशक में हो वह केंद्र या त्रिकोण में पंचमेश से दृष्ट हो तो तीव्रबुद्धि योग बनता है।

योग कारक ग्रह : मंग,बुध,
योग की संभावना : 8में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप तीक्ष्ण बुद्धि वाले होंगे, ऐसा प्रतीत होता है।

दन्त रोग योग

वाक्स्थानपे षष्ठगते सराहौ राहुस्थितर्क्षाधिपसंयुते वा।
दन्तस्य रोगं पतनं च तेषां भुक्तौ तयोर्वा प्रवदन्ति तज्ज्ञाः।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.– 3/श्लो.–113।।

दन्त रोग योग

यदि जन्मपत्रिका में द्वितीयेश राहु के साथ षष्ठ स्थान में हो अथवा राहु जिस राशि में है उसके स्वामी से युक्त हो तो उसकी दशान्तर्दशा में दातों का रोग होता है तथा दन्तहीन हो जाता है।

योग कारक ग्रह : शनि,
योग की संभावना : 72में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके जब राहु स्थित भावस्वामी की दशान्तर्दशा आएगी तब दन्त रोग होकर आपको दन्तहीन कर देगा। ऐसा प्रतीत होता है।

तालु रोग योग

तदीश्वरेणापि युतेन्दुपुत्रे सराहुकेतावरिभायुक्ते।
राहुस्थितर्क्षाधिपसंयुते वा भुक्तौ तदा तालुभवः स रोगः।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.–3/श्लो.–116।।

तालु रोग योग

यदि जन्मकुंडली में द्वितीयेश से युक्त बुध राहु या केतु सहित षष्ठस्थान में हो अथवा जिस राशि में राहु है उसके स्वामी से युक्त हो तो तालु स्थान में रोग द्वितीयेश की दशा में होती है।

योग कारक ग्रह : शनि,शनि,
योग की संभावना : 864में 1

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको उपर्युक्त ग्रहों की दशा का काल में तालु स्थान में रोग होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

निरोग योग

लग्नेशषष्ठाधिपती निर्व्याधिकौ जीवसमन्वितौ चेत्।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.–5/श्लो.–10।।

निरोग योग
यदि जन्मपत्रिका में षष्ठेश और लग्नेश गुरु से युक्त हों तो जातक निरोग होता है।

योग कारक ग्रह : गुरु,शुक्र,
योग की संभावना : 144में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप निरोग, स्वस्थ्य और प्रसन्न रहेंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

शिर मुख या गुल्म रोग योग

बलहीनेऽरिनाथे वा लग्नस्थे वा धरासुते।
मूर्धार्तिर्मुखरोगो वा गुल्मविद्रधिभाग्भवेत्।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि–अ.–5/श्लो.–42 ।।

शिर मुख या गुल्म रोग योग
यदि जन्मकुंडली में षष्ठेश निर्बल हो या लग्नस्थ हो अथवा लग्न में मंगल हो तो शिर में पीड़ा या मुखरोग अथवा गुल्मरोग होता है।

योग कारक ग्रह : शुक्र,
योग की संभावना : 2में 1

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको शिर रोग, मुखरोग या गुल्म रोग से पीड़ित होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

विना पीड़ा मृत्यु योग

सौम्यांशके सौम्यगृहेऽथ सौम्य सम्बन्धगे वा क्षयेशे।
अक्लेशजातं मरणं नराणाम्।।
।। फलदीपिका–अ.14/श्लो.–21।।

विना पीड़ा मृत्यु योग
यदि जन्मकुंडली में द्वादशेश सौम्यग्रह की राशि या सौम्य ग्रह के नवांश या सौम्य ग्रह के साथ स्थित हो तो विना पीड़ा की मृत्यु होती है।

योग कारक ग्रह : मंग,
योग की संभावना : 2में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपका मरण विना क्लेश का होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

पुनर्जन्म योग

महीजोमहीं सम्प्रापयेत्प्राणिनः
सम्बन्धाद्व्ययनायकस्य कथयेत्तत्रान्त्यराश्यंशतः।
।। फलदीपिका–अ.14/श्लो.–23।।

पुनर्जन्म योग
यदि जन्मपत्रिका में द्वादश भाव में मंगल हो या द्वादश भाव जिस ग्रह की नवांश में हो यदि उस नवांश में मंगल स्थित हो अथवा द्वादशेश मंगल से संबंध स्थापित करता हो तो जातक मरणोपरांत शीघ्र जन्म लेकर पृथ्वी पर आता है।

योग कारक ग्रह : मंग,
योग की संभावना : 2में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप मरणोपरांत पुनर्जन्म लेकर पृथ्वी पर आएँगे। ऐसा प्रतीत होता है।

बहुभार्या योग

कुटुम्बकलत्रनाथाभ्यां समेतैर्ग्रहनायकैर्वा कलत्रसंख्यां प्रवदन्ति सन्तः ।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.–6/श्लो.–14।।

बहुभार्या योग
यदि जन्मकुण्डली में द्वितीयेश या सप्तमेश के साथ जितने ग्रह हों उतनी पत्नी होती हैं।

योग कारक ग्रह : शनि,
योग की संभावना : 12में 1

आपकी जन्मकुण्डली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपकी दो या दो से अधिक पत्नी होंगी। ऐसा प्रतीत होता है।

बहुभार्यायोग

कलत्रेशे बहुगुणे तुङ्गवक्रादिहेतुभिः ।
बहुभार्यं नरं विद्यादुदयर्क्षगतेऽपि वा।।।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.–6/श्लो.–15 ।।

बहुभार्यायोग
यदि जन्मपत्रिका में सप्तमेश उच्च वक्र आदि बहुत गुणों से युक्त हो अथवा लग्नस्थ हो तो मनुष्य बहुत स्त्रियों से युक्त होता है।

योग कारक ग्रह : बुध,
योग की संभावना : 12में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप कई स्त्रियों के पति होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

बहुस्त्री योग

केन्द्रत्रिकोणे दारेशे स्वोच्चमित्रस्ववर्गगे ।
कर्माधिपेन वा युक्ते बहुस्त्रीसहितो भवेत् ।।।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.–6/श्लो.–30 ।।

बहुस्त्री योग
यदि जन्मकुण्डली में सप्तमेश केन्द्र या त्रिकोण में उच्च या मित्र राशि में या अपने अंशादि में हो अथवा दशमेश से युक्त हो तो बहुस्त्री योग बनता है।

योग कारक ग्रह : बुध,
योग की संभावना : 6में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपकी कई पत्नी या अनेक स्त्रियों से संबंध स्थापित होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

भगचुम्बन योग

लग्नेशे नीचराश्यादौ स्थिते तादृशचुम्बनम् ।।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.–6/श्लो.–91 ।।

भगचुम्बन योग
यदि जन्मकुण्डली में लग्नेश नीच राशि, शत्रु राशि, पाप से युक्त अथवा पाप दृष्ट हो तो भगचुम्बन योग बनता है।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

योग कारक ग्रह : गुरु,
योग की संभावना : 2में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप भगचुम्बन करेंगे, ऐसा प्रतीत होता है।

भगचुम्बन योग

कुटुम्बनाथेन नीचराश्यादौ स्थिते भगचुम्बनभाग्भवेत् ।।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.–6/श्लो. –91 ।।

भगचुम्बन योग
यदि जन्मकुण्डली में द्वितीयेश नीचराशि, शत्रुराशि, पापग्रह से युक्त अथवा दृष्ट हो तो भगचुम्बन योग बनता है।

योग कारक ग्रह : मंग,शनि,
योग की संभावना : 2में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप भगचुम्बन करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

पाप कर्त्तरी योग

''पापयोगोद्भवः कामी पापकर्मपरार्थयुक्।।
व्ययस्वगैः पापैर्विलग्नात्पापाख्यः।''
।। बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 5 ।।

पाप कर्त्तरी योगयदि लग्न से द्वादश एवं द्वितीय भाव में पापग्रह हों तो पापकर्त्तरी योग

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

होता है।

योग कारक ग्रह : गुरु,
योग की संभावना : 6में 1

पारिजात योग

''सपारिजातद्युचरः सुखानि ।''
।। बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 34 ।।

पारिजात योग
जिसकी पत्रिका के "पारिजात" भाग में ग्रह हों तो उसे सभी प्रकार के उत्तम सुख की प्राप्ति होती है।

योग कारक ग्रह : शुक्र,
योग की संभावना : 2में 1

आपकी पत्रिका में ग्रह "पारिजात" वर्ग में स्थित है। फलस्वरूप आपको सभी प्रकार का उत्तम सुख प्राप्त होगा।

उत्तमवर्ग योग

''नीरोगतामुत्तमवर्गयातः।''
।।बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 34 ।।

उत्तमवर्ग योगजिस जातक की पत्रिका के "उत्तमवर्ग" भाग में ग्रह हों तो वह प्राणी सभी

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

प्रकार से निरोग रहता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र,मंग,शनि,
योग की संभावना : 3में 1

आपकी पत्रिका में ग्रह "उत्तमवर्ग" में स्थित है। फलस्वरूप आप सभी प्रकार से निरोग रहेंगे।

गोपुरांश योग

''सगोपुरांशो यदि गोधनानि ''
।। बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 34 ।।

गोपुरांश योगजिस जातक की पत्रिका में "गोपुरांश" भाग में ग्रह स्थित हो, वह मनुष्य गौ और धन दोनों से युक्त होता है।

योग कारक ग्रह : सूर्य,गुरु,
योग की संभावना : 4में 1

आपकी पत्रिका में "गोपुरांश" योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आप गो धन अर्थात् पशुओं और धन से पूर्ण रहेंगे।

वासि योग

''व्ययखेटैर्वाशि दिनेशात्।''
।। बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 51 ।।

वासि योग यदि जन्मपत्रिका में सूर्य से बारहवें भाव में कोई ग्रह हो तो "वासि" योग का

निरूपण होता है।

योग कारक ग्रह : गुरु,शुक्र,केतु,सूर्य,
योग की संभावना : 3में 1

आपकी पत्रिका में पूर्णरूपेण "वासि" योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आपकी दृष्टि मन्द अर्थात् आपमें दृष्टिदोष रहेगा। आप परिश्रमी, नीचेदेखनेवाला एवं असत्यवादी होंगे।

वेशि योग

''धनखेटैर्वेशी दिनेशात्''
।। बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 51 ।।

वेशि योग यदि जातक के जन्मकाल पत्रिका में सूर्य से द्वितीय भाव में कोई ग्रह स्थित हो, तो जातक पर वेशि योग का सृजन होगा।

योग कारक ग्रह : चंद्र,सूर्य,
योग की संभावना : 3में 1

आपकी पत्रिका में पूर्णरूपेण "वेशि" योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आप दयावान, स्थूल शरीर वाले, चतुरवक्ता, आलस्य से युक्त एवं वक्र दृष्टि वाले प्राणी होंगे।

Future Point Future Point Future Point

Future Point Future Point Future Point